43वाँ
वार्षिक प्रतिवेदन

(1 अप्रैल 2012 से 31 मार्च 2013 तक)

भाग–I

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय

नई दिल्ली–110067

अनुक्रमणिका

	पृष्ठ संख्या
प्रस्तावना	**1**
मुख्य बातें	**2**
शैक्षिक कार्यक्रम और प्रवेश	**11**
शैक्षिक उपलब्धियां	**16**
जेएनयू में छात्र : नामाकंन, छात्रावास, सांस्कृतिक गतिविधियाँ, खेलकूद, स्वास्थ्य केंद्र	**113**
समानता निर्धारण : आरक्षण, समान अवसर कार्यालय, भाषिक क्षमता विकास प्रकोष्ठ	**116**
अन्य प्रकोष्ठ और गतिविधियाँ : आईईआरबी, यौन उत्पीड़न के विरूद्ध जेंडर संवेदनशीलन समिति (जीएसकैश), पूर्व छात्रों से संबंधित मामले, अन्तरराष्ट्रीय सहयोग	**121**
केन्द्रीय सुविधाएं : पुस्तकालय, विश्वविद्यालय विज्ञान यंत्रीकरण केन्द्र, उच्च यंत्रीकरण शोध सुविधा, विश्वविद्यालय रोजगार सूचना और मार्गदर्शन व्यूरो	**124**
विश्वविद्यालय प्रशासन	**126**
परिसर विकास	**129**
विश्वविद्यालय वित्त	**130**

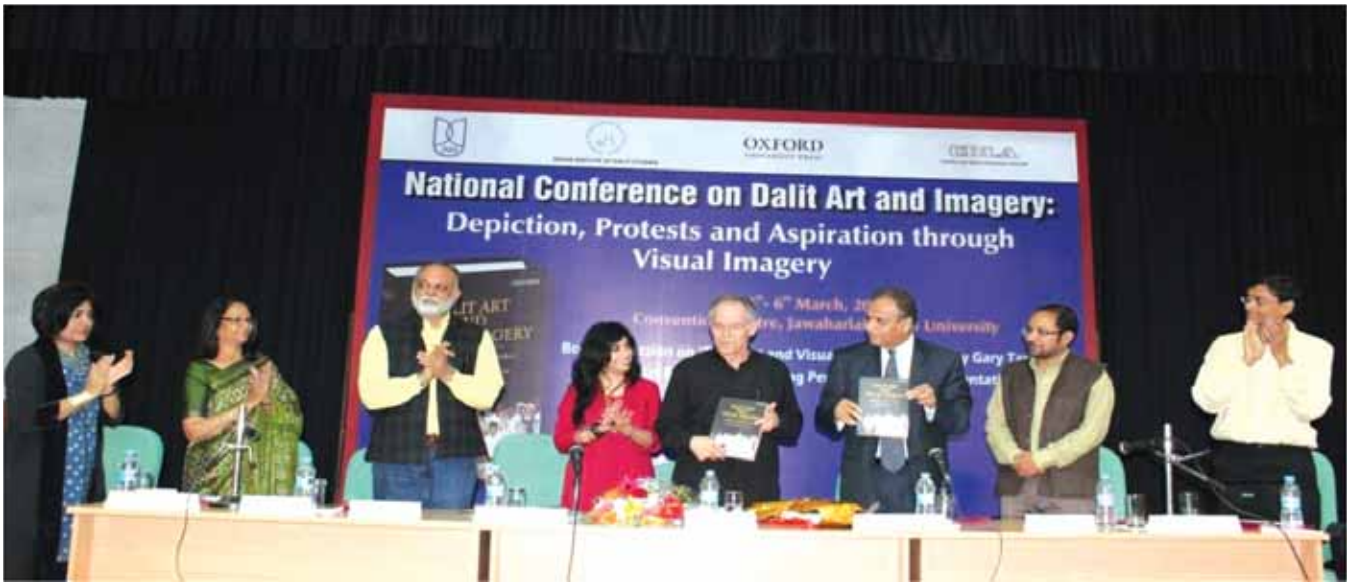
OXFORD
National Conference on Dalit Art and Imagery:
Depiction, Protests and Aspiration through
Visual Imagery

JAWAHARLAL NEHRU UNIVERSITY
NEW DELHI, INDIA
JAWAHARLAL NEHRU UNIVERSITY
NEW DELHI, INDIA

प्रस्तावना

महान राजनेता और विचारक पं. जवाहरलाल नेहरू के राष्ट्रीय स्मारक के रूप में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय की स्थापना वर्ष 1966 में की गई थी। विश्वविद्यालय का औपचारिक उद्घाटन 14 नवम्बर 1969 को भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति श्री वी.वी. गिरि द्वारा किया गया था। विश्वविद्यालय के निम्नलिखित उद्देश्य हैं –

> 'अध्ययन, अनुसंधान और अपने संगठित जीवन के उदाहरण और प्रभाव द्वारा ज्ञान, प्रज्ञान एवं समझदारी का प्रसार व अभिवृद्धि करना तथा विशिष्टतः उन सिद्धान्तों की अभिवृद्धि का प्रयास करना, जिनके लिए जवाहरलाल नेहरू ने जीवन–पर्यन्त काम किया, जैसे – राष्ट्रीय एकता, सामाजिक न्याय, धर्म निरपेक्षता, जीवन की लोकतांत्रिक पद्धति, अन्तरराष्ट्रीय समझ और सामाजिक समस्याओं के प्रति वैज्ञानिक दृष्टिकोण।'

इस लक्ष्य की दिशा में, विश्वविद्यालय –

- भारत की सामासिक संस्कृति के संवर्धन के लिए ऐसे विभाग और संस्थान स्थापित करेगा जो भारत की भाषाओं, कलाओं और संस्कृति के अध्ययन तथा विकास के लिए अपेक्षित हों;
- सम्पूर्ण भारत से छात्रों और शिक्षकों को विश्वविद्यालय में सम्मिलित होने और उसके शैक्षिक कार्यक्रमों में भाग लेने की सुविधा देने के लिए विशेष उपाय करेगा;
- छात्रों और अध्यापकों में देश की सामाजिक आवश्यकताओं के प्रति जागरूकता और बोध की अभिवृद्धि करते हुए उन्हें ऐसी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए तैयार करेगा;
- अपने शैक्षिक कार्यक्रमों में मानविकी, विज्ञान और प्रौद्योगिकी में समन्वित पाठ्यक्रमों के लिए विशेष व्यवस्था करेगा;
- विश्वविद्यालय में अन्तर–विषयक अध्ययन के प्रोत्साहन के लिए समुचित उपाय करेगा;
- छात्रों में विश्वव्यापी दृष्टिकोण और अन्तरराष्ट्रीय समझ विकसित करने की दृष्टि से ऐसे विभाग या संस्थान स्थापित करेगा जो विदेशी भाषाओं, साहित्य और जीवन के अध्ययन के लिए आवश्यक हों; और
- विभिन्न देशों से आए छात्रों और शिक्षकों के लिए शैक्षिक कार्यक्रमों और गतिविधियों में भाग लेने हेतु सुविधाएं प्रदान करेगा।

43वें वार्षिक प्रतिवेदन के भाग–1 में विश्वविद्यालय के संस्थानों, केन्द्रों और अन्य निकायों की गतिविधियों का 1 अप्रैल 2012 से 31 मार्च 2013 तक का विवरण दिया गया है। प्रतिवेदन के भाग–2 में गतिविधियों का विस्तृत विवरण शामिल है।

मुख्य बातें

वर्ष 2012–13 विश्वविद्यालय के लिए महत्त्वपूर्ण रहा। विश्वविद्यालय ने पहली बार विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा भारत में उच्च शिक्षा की गुणवत्ता के मूल्यांकन के लिए गठित स्वायत्त निकाय – नेशनल असेसमेंट ऐंड एक्रीडिएशन काउंसिल (नाक) द्वारा मूल्यांकन कराने के लिए अनुरोध किया। 'नाक पीर टीम' ने विश्वविद्यालय के कार्यों का मूल्यांकन करने के लिए 18–20 जून 2012 के दौरान विश्वविद्यालय का दौरा किया और नाक ने विश्वविद्यालय को ग्रेड 'ए' तथा 3.91/4.00 सीजीपीए प्रदान किया। यह देश में उच्चतम स्कोर है। यह एक्रीडिएशन पाँच वर्ष के लिए मान्य है। विश्वविद्यालय को अपने कार्यों और उपलब्धियों के इस मूल्यांकन पर गर्व है। यह महत्त्वपूर्ण है कि हम सामाजिक बराबरी के साथ अर्थपूर्ण शैक्षिक विशेषता के लिए जेएनयू की स्थापना हेतु प्रेरित करने वाले लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए मानकों में बदलाव हेतु लगातार प्रयासरत हैं।

विश्वविद्यालय के सभी वर्गों – इसके सभी हितधारियों, कर्मचारियों, प्रशासकों, शिक्षकों और छात्रों – की नाक के एक्रीडिएशन और मूल्यांकन में महत्त्वूपर्ण भूमिका रही है। हमें इन हितधारियों के सभी ग्रुपों का सम्मान करना चाहिए जिन्होंने अपने–अपने क्षेत्रों में निष्पादन और सफलता के लिए महत्त्वपूर्ण प्रयास किए हैं। उनकी उपलब्धियां ऊँचाईयों को छूने के लिए प्रेरक हैं।

विश्वविद्यालय को निम्नलिखित शिक्षकों पर गर्व है जिन्हें इस वर्ष सम्मान और पुरस्कार प्राप्त हुए हैं –

प्रो. अन्विता अब्बी, भाषाविज्ञान केंद्र, भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान को भारत की संकट में और विलुप्त हो रही भाषाओं के अध्ययन में उनके योगदान के लिए वर्ष 2013 में प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पुरस्कार 'पदमश्री' प्राप्त हुआ। यह भी गौरव की बात है कि हमारे पूर्व कुलाधिपति **प्रो. यशपाल** को इस वर्ष पद्म विभूषण पुरस्कार प्राप्त हुआ। **डा. सुमन कुमार धर**, विशिष्ट आणविक चिकित्साशास्त्र केंद्र, को जैविक विज्ञान के क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण योगदान (अंडरस्टेंडिंग आफ द यूनिक करेट्रेस्टिक्स आफ डीएनए रिप्लिकेशन ऐंड सेल साइकिल रेग्युलेशन इन टु मेडिकली इंपोर्टेंट पेथोजीन्स, प्लाजमोडियम, फेलसिपरम ऐंड हेलीकोबेक्टर प्लोरी) के लिए वर्ष 2012 का विज्ञान और प्रौद्योगिकी में शांतिभूषण भट्टनागर पुरस्कार प्राप्त हुआ। **प्रो. एच.एस. शिवप्रकाश**, कला और सौन्दर्यशास्त्र संस्थान, को अपने कविता संग्रह – *Mabbina Haage Kaniveyaasi* के लिए कन्नड़ साहित्य 2012 का साहित्य अकादमी पुरस्कार प्राप्त हुआ। **प्रो. आर.एन.के. बामजेई**, जीवन विज्ञान संस्थान, को भारतीय ह्यूमन जेनेटिक्स सोसायटी से भारत में ह्यूमन जेनेटिक्स शोध में उल्लेखनीय योगदान के लिए स्व. एल.डी. सिंघवी ओरेसन पुरस्कार प्राप्त हुआ। यह पुरस्कार वर्ष 2012 में सोसायटी के बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में आयोजित 38वें वार्षिक सम्मेलन में प्रदान किया गया। **डा. मुजिबुर रहमान**, अरबी और अफ्रीकी अध्ययन केंद्र, भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान, को उनके भारत में अरबी भाषा और साहित्य के अध्ययन में महत्त्वपूर्ण योगदान के लिए 19 जून 2012 को माननीय भारत के राष्ट्रपति से 'महर्षि बदरायन व्यास' सम्मान प्राप्त हुआ।

अन्य शिक्षकों को कई महत्त्वपूर्ण पुरस्कार प्राप्त हुए – विजिटिंग प्रोफेसरशिप, इंडियन स्टडीज चेयर और आईसीसीआर द्वारा स्थापित टैगोर चेयर सहित, और अध्येतावृत्तियां। इनमें से कुछ उल्लेखनीय हैं – **प्रो. शिवप्रकाश** बर्लिन में टैगोर चेयर पर कार्यरत हैं; **प्रो. चिंतामणि महापात्रा**, अंतरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान, यूनान यूनिवर्सिटी, चीन में सितम्बर से दिसम्बर 2012 तक टैगोर चेयर पर रहे; **डा. एच. जैकब**, आस्ट्रेलिया इंडिया इंस्टीट्यूट, मेलबोर्न यूनिवर्सिटी, आस्ट्रेलिया द्वारा एमर्जिंग लीडर फेलो 2013 चुने गए; **प्रो. के.जे. मुखर्जी** को केम्ब्रिज यूनिवर्सिटी, यूके में 1 अक्टूबर 2012 से 31 दिसम्बर 2012 तक के लिए यूजीसी कॉमनवैल्थ स्टाफ अकादमिक फेलोशिप प्रदान की गई; **डा. वाई.एस. अलोन** को शेनझेन यूनिवर्सिटी, चीन में अक्टूबर 2012 से जनवरी 2013 तक एक सत्र की अवधि के लिए आईसीसीआर चेयर विजिटिंग प्रोफेसर नामित किया गया; **डा. प्रदीप्त बन्दोपाध्याय** को केमिकल सोसायटी आफ जापान से प्रतिष्ठित लेक्चरर्शिप अवार्ड 2013 प्राप्त हुआ; **प्रो. उपेन्द्र राव**, विशिष्ट संस्कृत अध्ययन केंद्र, को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, काशी से उनके संस्कृत अध्ययन के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए कादम्बरी पुरस्कार प्राप्त हुआ; **प्रो. रेखा राजन**, जर्मन अध्ययन केंद्र, भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान, को 2012–2013 के लिए अम्बेसडर साइंटिस्ट आफ द अलेक्जेंडर वान हम्बोल्ट फांउडेशन आफ जर्मनी नियुक्त किया गया; **डा. नमन पी आहूजा**, कला और सौन्दर्यशास्त्र संस्थान, को वार्सेलोना में म्यूजियम आफ वर्ल्ड कल्चर्स के भारतीय अनुभाग के औचित्य पर केटेलोनिया सरकार, स्पेन को सलाह/परामर्श

देने के लिए आमंत्रित किया गया; राजनीतिक अध्ययन केंद्र, सामाजिक विज्ञान संस्थान से **डा. अमीर अली** को 2012–2013 में सेंट एंथनी कालेज, यूनिवर्सिटी आफ आक्सफोर्ड में अगाथा हेरिसन मेमोरियल फेलो के रूप में चुना गया और **प्रो. वी. रोड्रिग्स**, अप्रैल–जुलाई 2012 के लिए इरफुर्ट यूनिवर्सिटी, जर्मनी में आईसीसीआर विजिटिंग प्रोफेसर रहे, जबकि **डा. रिंकू लाम्बा** को सेंटर फार स्टडीज इन रीलिजन ऐंड सोसायटी, यूनिवर्सिटी आफ विक्टोरिया, कनाडा में अगस्त–दिसम्बर 2012 के लिए हारोल्ड कोवार्ड इंडिया रिसर्च फेलोशिप प्रदान की गई; क्षेत्रीय विकास अध्ययन केंद्र, सामाजिक विज्ञान संस्थान **डा. दीपक के. मिश्रा** को इंटरनेशनल सेंटर फार साउथ एशियन स्टडीज, रशियन स्टेट यूनिवर्सिटी फार द ह्यूमेनिटीज, मास्को में फरवरी–जून 2012 के लिए आईसीसीआर चेयर प्रोफेसर नियुक्त किया गया; प्रो. पी.एम. कुलकर्णी को डिपार्टमेंट आफ इंटरनेशनल डिवलपमेंट, लंदन स्कूल आफ इकोनामिक्स में रूथ ग्लास विजिटिंग फेलोशिप प्राप्त हुई, **एस. सिन्हा** को डेकन ज्योग्राफिकल सोसायटी, पुणे से वर्ष 2012 के लिए भूगोल भूषण पुरस्कार प्राप्त हुआ, और **प्रो. एस. राजू** को एशियन ज्योग्राफी के शोध और शिक्षण में उल्लेखनीय योगदान के लिए एसोसिएशन आफ अमेरिकन ज्योग्राफर्स 2012, न्यूयार्क, यूएसए से एशियन ज्योग्राफी स्पेशियल्टी ग्रुप सर्विस अवार्ड प्राप्त हुआ; विज्ञान नीति अध्ययन केंद्र, सामाजिक विज्ञान संस्थान में **रोहन डीसूजा** 2012 में यूनिवर्सिटी आफ टोक्यो, जापान में कंटेम्पोरेरि इंडियन स्टडीज के आईसीसीआर विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में चुने गए; जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केंद्र, सामाजिक विज्ञान संस्थान से **बिनोद खादरिया** को इंडिया टुडे ग्रुप से नेशनल एज्यूकेशन लीडरशिप अवार्ड 2012 प्राप्त हुआ; हमारे कई शिक्षकों को प्रतिष्ठित यात्रा अनुदान और अध्येतावृत्तियां प्राप्त हुईं तथा कई शिक्षक विश्व के कई बड़े विश्वविद्यालयों में विजिटिंग प्रोफेसर रहे, कई शिक्षक भारत के योजना आयोग सहित विभिन्न सरकारी एजेंसियों के साथ कार्य करते रहे, जबकि कई शिक्षक अन्य विश्वविद्यालयों में कुलपति के रूप में कार्य कर रहे हैं।

हमारे छात्रों ने भी हमें गौरवान्वित किया है, और वे सामाजिक बदलाव के लिए आन्दोलनों में आगे रहने के अलावा वे शैक्षिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों में भी पुरस्कृत हुए हैं। विश्वविद्यालय में अध्ययनरत रहने के दौरान उनके सृजनात्मक लेखन में भी प्रगति हुई है। अंग्रेजी अध्ययन केंद्र, भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान से **सामी अहमद खान** को उनके उपन्यास *रेड जिहाद* (रूपा, 2012) के लिए सर्वोत्तम उपन्यासकार के रूप में एनबीटी पुरस्कार प्राप्त हुआ और इसी केंद्र की **दिव्या नायर** को 2012 में मलायम में सर्वोत्तम युवा कवयित्री के लिए अयप्पा पणिकर फाउंडेशन पुरस्कार प्राप्त हुआ। **दिव्या गोयल**, जैव प्रौद्योगिकी संस्थान को वर्ष 2012 में संघाई में एडवर्ड जेनर पुरस्कार प्राप्त हुआ और इसी संस्थान के **मनीष के. जैन** को वर्ष 2013 में मुम्बई विश्वविद्यालय में इंडियन बायोफिजिक्स सोसायटी की बैठक में सर्वोत्तम पोस्टर पुरस्कार प्राप्त हुआ। **दीपक अस्थाना**, भौतिक विज्ञान संस्थान को भी दिसम्बर 2012 में एनडीसीएस, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्ली में सवोत्तम पोस्टर पुरस्कार प्राप्त हुआ। **राहुल देव,** कला और सौन्दर्यशास्त्र संस्थान, को 2012–2013 के लिए बिहार कला सम्मान, कला, संस्कृति और युवा विभाग, बिहार सरकार से कला, आलोचना और लेखन के लिए दिनकर पुरस्कार (युवा) प्राप्त हुआ, जबकि इसी संस्थान की **अभिजा घोष** को सितम्बर–अक्टूबर 2012 के दौरान ब्रिटिश फिल्म इंस्टीट्यूट और फिल्म सोसायटी मूवमेंट परियोजना पर कार्य करने के लिए चार्ल्स वालेस फेलोशिप प्राप्त हुई। कला और सौन्दयशास्त्र संस्थान से ही **वरूणिका सर्राफ** को समर रिसर्च अकादमी, गेटी रिसर्च इंस्टीट्यूट, लॉस एंजलिस, अगस्त 2012 में भाग लेने के लिए अध्येतावृत्ति और अक्टूबर–दिसम्बर 2012 में सेंटर आफ साउथ एशियन स्टडीज, केम्ब्रिज में चार्ल्स

वेलेस इंडिया ट्रस्ट फेलोशिप प्राप्त हुई। **आशुतोष सिंह,** जीवन विज्ञान संस्थान, 2013 में अमेरिकन सोसायटी आफ माइक्रोबायोलाजी, यूएसए के लिए एएसएम यंग अम्बेसडर नियुक्त किए गए, और इसी संस्थान से **मनप्रीत कौर रवास** को कार्ल स्ट्रोम इंटरनेशनल डायवर्सिटी फेलोशिप प्रदान की गई, **दीपक कुमार सिंह** को 2012 में आईएसओए में और 2012 में नेहू, शिलांग में आयोजित एसोसिएशन आफ ज्योग्राफर्स, इंडिया के 16वें सम्मेलन में सर्वोत्तम पोस्टर प्रस्तुत करने के लिए पुरस्कार प्राप्त हुए, **जितेन्द्र कुमार चौधरी** को 2012 में आईवीआरआई, बरेली में स्टेम सेल रिसर्च ऐंड थेराप्युटिक्स, आईएसएसआरएफ शीर्षक राष्ट्रीय कार्यशाला में सर्वोत्तम वैज्ञानिक शोध प्रस्तुति के लिए यंग इनवेस्टिगेटर पुरस्कार और 15 जून से 26 अगस्त 2012 तक आरकाइव्र्स लिग, यूएसए द्वारा आयोजित एडवांस्ड इंटरनेशनल साइंटिफिक राइटिंग कोर्स–2012 में पहला स्थान (A+, 1183/1200) प्राप्त हुआ और **सुखलीन कौर** को वर्ष 2013 में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी में आयोजित एमर्जिंग ट्रेंड्स ऐंड चेलेंजिज इन बेसिक ऐंड ट्रांसलेशनल रिसर्च इन बायोकेमिस्ट्री शीर्षक राष्ट्रीय सम्मेलन में सर्वोत्तम पोस्टर पुरस्कार प्राप्त हुआ।

विश्वविद्यालय में आए अतिथि

विश्वविद्यालय की एक प्रमुख शैक्षिक गतिविधि के अंतर्गत कई प्रतिष्ठित विद्वानों ने विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में विभिन्न संस्थानों और केंद्रों में व्याख्यान दिए, सम्मेलनों में और अन्य शैक्षिक कार्यक्रमों में भी भाग लिया। प्रतिष्ठित विद्वानों के शैक्षिक दौरों के अतिरिक्त प्रमुख जाने–माने व्यक्तियों ने भी विश्वविद्यालय का दौरा किया। इनमें प्रमुख हैं – रूसी रेल मंत्री श्री वलादीमीर याकुनिन, भारत सरकार में सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री श्री मुकुल वासनिक, भारत के पूर्व राष्ट्रपति डा. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम (डा. कलाम ने 9वां वार्षिक नेहरू स्मारक व्याख्यान दिया) और भारत के उप राष्ट्रपति मोहम्मद हामिद अंसारी, जिन्होंने पहला जी. पार्थासारथी व्याख्यान दिया।

शिक्षक

जेएनयू में लगभग 478 शिक्षक हैं। छात्रों की तरह शिक्षक भी हमारे देश की विविधता का प्रतिनिधित्व करते हैं। कुल शिक्षकों में से लगभग एक चौथाई महिला शिक्षक हैं। पूर्ण विवरण निम्न प्रकार से है :

वर्तमान संख्या (31.3.2013 को)	478	पुरुष महिला	324 154

प्रोफेसर	एसोसिएट प्रोफेसर	सहायक प्रोफेसर
222	108	148

प्रोफेसर इमेरिटस	मानद प्रोफेसर
19	04

विश्वविद्यालय की मुख्य विशेषता इसके शिक्षकों द्वारा विकसित किए गए नवीनतम अध्ययन पाठ्यक्रम और कोर्स हैं। शिक्षक अपने परम्परागत विशेषीकृत क्षेत्रों की सीमाओं के पार शिक्षण, मार्ग–दर्शन और शोध के अतिरिक्त, पुस्तकों के लेखन, संपादन और पुस्तकों के लिए अध्याय लेखन, शोध आलेख प्रकाशित करने, संगोष्ठियाँ, सम्मेलन और कार्यशालाएं आयोजित करने और इनमें भाग लेने, व्याख्यान देने और शोध परियोजनाओं के प्रबंधन में भी संलग्न रहे। वर्ष 2012–2013 के दौरान उनकी संयुक्त उपलब्धियाँ निम्नलिखित थीं :

• पुस्तकें	101
• पुस्तकों में प्रकाशित अध्याय	252
• पत्रिकाओं में प्रकाशित आलेख	560
• संगोष्ठियों/सम्मेलनों/कार्यशालाओं में प्रतिभागिता	1305
• विश्वविद्यालय से बाहर दिए गए व्याख्यान	842
• शोध परियोजनाएं	342

विश्वविद्यालय विदेशी भाषाओं और साहित्य सहित समाज विज्ञान, अंतरराष्ट्रीय अध्ययन, और मानविकी में कई प्रसिद्ध पत्रिकाएं प्रकाशित करता है। इसके अलावा विश्वविद्यालय के समाचारों के लिए एक प्रकाशन है। विश्वविद्यालय ने हिंदी पत्रिका 'जेएनयू परिसर' का प्रकाशन शुरू करके एक नई पहल की है।

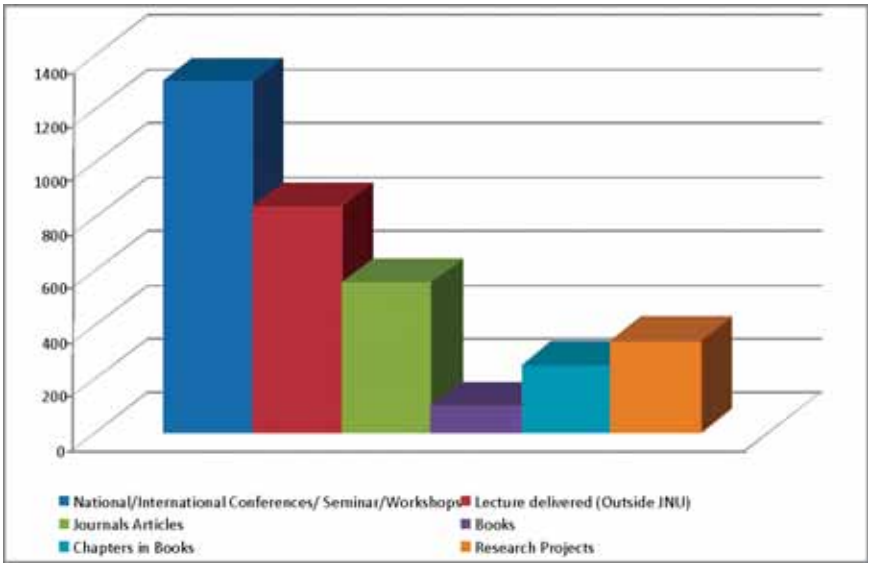

छात्र

विश्वविद्यालय में देश के सभी भागों से छात्रों को प्रवेश दिया जाता है। ये छात्र भारतीय समाज की भाषिक, धार्मिक, जातिगत और आर्थिक भिन्नता को दर्शाते हैं। इस संबंध में वर्ष 2012–2013 के आंकड़े नीचे दिए गए हैं। छात्र–शिक्षकों का अनुपात 16 : 1 है।

जेंडर प्रोफाइल	सोशल प्रोफाइल	पाठ्यक्रम
• पुरुष 4054	• अनुसूचित जाति 1058	• शोध (एम.फिल.,पी–एच.डी./एम.टेक., पी–एच.डी./सीधे पी–एच.डी.) 4609
• महिला 3623	• अनुसूचित जनजाति 632	• स्नातकोत्तर (एम.ए./एम–एस.सी./एम.सी.ए.) 2113
	• अन्य पिछड़ा वर्ग 1948	• पूर्व स्नातक (बी.ए. ऑनर्स) 837
	• शारीरिक रूप से विकलांग 179	• अंश कालिक (पूर्व स्नातक स्तर) 118
	• अन्य 3563	
	• विदेशी छात्र 297	
कुल 7677		

प्रवेश 2012–2013

विश्वविद्यालय छात्रों को प्रवेश–परीक्षा के माध्यम से प्रवेश देता है। यह प्रवेश परीक्षा देश के विभिन्न भागों में स्थित 70 केन्द्रों और एक विदेश में स्थित केन्द्र – काठमांडु (नेपाल) में आयोजित की जाती है। प्रवेश संबंधी सूचना अंग्रेजी और भारतीय भाषाओं के सभी मुख्य राष्ट्रीय और क्षेत्रीय समाचार पत्रों में दी जाती है। प्रवेश परीक्षा में प्राप्त अंकों के आधार पर प्रवेश प्रत्येक अध्ययन पाठ्यक्रम में उपलब्ध सीटों की निश्चित संख्या के आधार पर दिया जाता है।

विश्वविद्यालय जेएनयू सहित 48 संस्थानों और विश्वविद्यालयों के लिए एम–एस.सी. (जैव–प्रौद्योगिकी), एम–एस.सी. कृषि/एम.वी.एस.सी. और एम.टेक. (जैव प्रौद्योगिकी) में संयुक्त प्रवेश परीक्षा भी आयोजित करता है।

शैक्षिक वर्ष 2012–2013 के दौरान दाखिल छात्रों की संख्या का विवरण :

क. एम.फिल./एम.टेक./एम.पी.एच./पी–एच.डी.

संस्थान/केन्द्र	सामान्य	अ.जा.	अ.ज.जा.	शारी. रूप से विक.	अ.पि.व.	कुल
अंतरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान	78	28	32	09	54	201
सामाजिक विज्ञान संस्थान	135	52	35	10	75	307
भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान	71	23	13	06	71	184
जीवन विज्ञान संस्थान	09	03	02	02	10	26
कंप्यूटर और पद्धति विज्ञान संस्थान	10	03	02	–	13	28
पर्यावरण विज्ञान संस्थान	08	03	01	01	08	21
जैव–प्रौद्योगिकी संस्थान	02	01	–	–	01	04
भौतिक विज्ञान संस्थान	03	02	–	–	06	11
संगणकीय एवं समेकित विज्ञान संस्थान	09	07	02	–	16	34
आणविक चिकित्साशास्त्र विशेष केन्द्र	01	02	–	–	02	05
कला और सौंदर्यशास्त्र संस्थान	12	04	03	01	06	26
संस्कृत अध्ययन केन्द्र	03	04	03	–	06	16
विधि और अभिशासन अध्ययन केन्द्र	11	04	01	02	04	22
कुल	**352**	**136**	**94**	**31**	**272**	**885**

ख. एम.ए./एम.एस–सी./एम.सी.ए.

संस्थान/केन्द्र	सामान्य	अ.जा.	अ.ज.जा.	शारी. रूप से विक.	अ.पि.व.	कुल
अंतरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान	66	18	14	05	40	143
सामाजिक विज्ञान संस्थान	150	53	36	12	109	360
भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान	83	21	14	04	53	175
जीवन विज्ञान संस्थान	12	06	02	–	10	30
कंप्यूटर और पद्धति विज्ञान संस्थान	10	03	03	–	08	24
पर्यावरण विज्ञान संस्थान	10	04	01	01	08	24
जैव प्रौद्योगिकी संस्थान	–	–	–	–	–	–
भौतिक विज्ञान संस्थान	14	05	03	01	10	33
संगणकीय एवं समेकित विज्ञान संस्थान	–	–	–	–	–	–
आणविक चिकित्सा शास्त्र केंद्र	–	–	–	–	–	–
कला और सौन्दर्यशास्त्र संस्थान	14	04	02	–	05	25
संस्कृत अध्ययन केन्द्र	10	06	02	02	10	30
विधि और अभिशासन अध्ययन केंद्र	–	–	–	–	–	–
कुल	**369**	**120**	**77**	**25**	**253**	**844**

ग. बी.ए. (ऑनर्स)

संस्थान	सामान्य	अ.जा.	अ.ज.जा.	शारी. रूप से विक.	अ.पि.व.	कुल
भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान	114	63	30	10	139	356
कुल	114	63	30	10	139	356

घ. अंशकालिक पाठ्यक्रम

संस्थान	सामान्य	अ.जा.	अ.ज.जा.	शारी. रूप से विक.	अ.पि.व.	कुल
प्रवीणता प्रमाण–पत्र	66	02	02	14	–	84
प्रवीणता डिप्लोमा	20	04	–	06	–	30
उच्च प्रवीणता डिप्लोमा	29	01	–	14	–	44
कुल	**115**	**07**	**02**	**34**	–	**158**

वर्ष 2010–2011 और 2012 के दौरान छात्रों को दिए गए प्रवेश का तुलनात्मक ग्राफ निम्न प्रकार से हैं –

पाठ्यक्रम वार उम्मीदवारों की संख्या

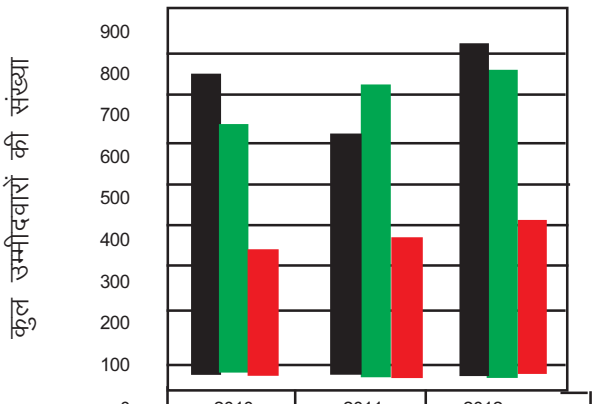

	2010	2011	2012
एम.फिल. / पी–एच.डी.	814	818	885
एमए / एमएस–सी / एमसीए	747	782	844
बी.ए. (ऑनर्स)	327	335	356

प्रवेश–परीक्षा में बैठे / प्रस्ताव भेजे / प्रवेश लिया

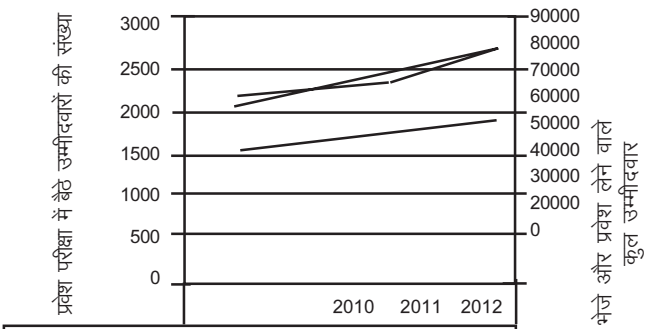

	2010	2011	2012
✦प्रवेश हेतु भेजे गए कुल प्रस्ताव	2572	2647	2902
■प्रवेश लेने वाले कुल उम्मीदवार	1888	1935	2085
◆प्रवेश परीक्षा में बैठे कुल उम्मीदवार	77749	76453	68735

प्रवेश लेने वाले कुल विदेशी छात्र

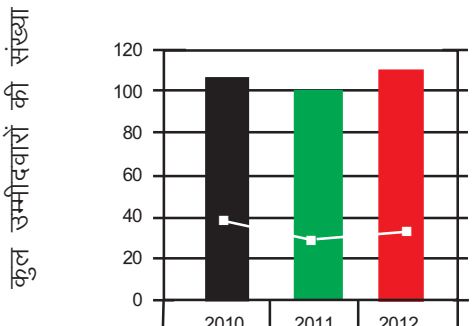

	2010	2011	2012
प्रवेश लेने वाले कुल विदेशी छात्र	100	115	112
देशों की संख्या	32	35	22

प्राप्त किए गए आवेदन पत्र

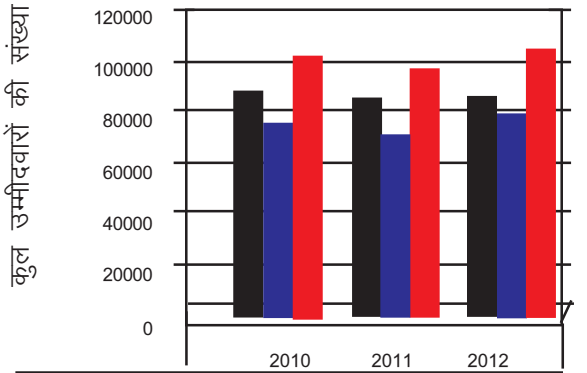

	2010	2011	2012
कुल प्राप्त पूर्ण आवेदन पत्र	69779	70452	62162
विकल्प सहित आवेदन पत्र	104813	105039	99579

पाठ्यक्रम पूरा करने वाले छात्र

वर्ष 2012–2013 के दौरान जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय से स्नातक और शोध पाठ्यक्रम पूरा करने वाले छात्रों की संख्या निम्न प्रकार से है –

प्रवीणता प्रमाण–पत्र / प्रवीणता डिप्लोमा / उच्च प्रवीणता डिप्लोमा	73
बी.ए. (ऑनर्स / पास)	246
एम.टेक.	45
एम.ए.	713
एम.एस–सी. / एम.सी.ए. / एम.पी.एच.	112
एम.फिल.	621
पी–एच.डी.	414

निम्नलिखित में हमारे मान्यता प्राप्त संस्थानों से उपाधियां प्राप्त कीं –

बी.ए. (ऑनर्स) / (पास) (मान्यता प्राप्त संस्थान)	268
बी.एस.–सी. (मान्यता प्राप्त संस्थान)	284
बी.टेक. (मान्यता प्राप्त संस्थान)	414
एम.टेक. (मान्यता प्राप्त संस्थान)	17
बी.एस–सी (कंप्यूटर विज्ञान)	189
कुल प्रदान की गई उपाधियों की संख्या 3396 थीं।	

पुस्तकालय

पुस्तकालय शैक्षिक समुदाय के लिए एक अनिवार्य सहायता है। पुस्तकालय के संग्रह में वृद्धि हो रही है और समीक्षाधीन अवधि के दौरान पुस्तकालय ने 5217 छपी हुई पुस्तकें और 1813 ई–पुस्तकें प्राप्त की तथा इन पर रू. 1.27 करोड़ और 80 लाख की राशि खर्च हुई। पुस्तकालय ने 1.75 लाख की 676 पुस्तकें उपहार स्वरूप प्राप्त कीं। पुस्तकालय के नवीकरण का कार्य चल रहा है और यह कैम्पस के लिए एक सांस्कृतिक हब बन गया है।

विश्वविद्यालय की शैक्षिक यूनिट

यह उल्लेखनीय है कि विश्वविद्यालय में दस संस्थान और चार विशेष केंद्र हैं। विश्वविद्यालय ने छः रक्षा और ग्यारह अनुसंधान और विकास संस्थानों को भी उपाधियाँ प्रदान करने के लिए मान्यता प्रदान की है। इन संस्थानों के प्रतिनिधि जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के विभिन्न शैक्षिक और सांविधिक निकायों में सदस्य के रूप में हैं। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के शिक्षक भी इन संस्थानों के शैक्षिक निकायों में भाग लेते हैं। **यद्यपि, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय द्वारा मान्यता प्राप्त संस्थानों से संबंधित शिक्षकों और छात्रों तथा उनकी उपलब्धियों आदि का विवरण प्रतिवेदन के इस भाग में शामिल नहीं किया गया है।**

मान्यता प्राप्त संस्थानों की सूची निम्न प्रकार से है –

रक्षा संस्थान

- सेना कैडेड महाविद्यालय, देहरादून
- सेना इंजीनियरी महाविद्यालय, पुणे
- सेना इलेक्ट्रोनिक्स और मैकेनिकल इंजीनियरी महाविद्यालय, सिकंदराबाद
- सेना दूर–संचार इंजीनियरी महाविद्यालय, महू

– राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, पुणे
– नौ सेना इंजीनियरी महाविद्यालय, लोनावाला

अनुसंधान और विकास संस्थान

– कोशिकीय और अणु जीव–विज्ञान केन्द्र, हैदराबाद
– विकास अध्ययन केन्द्र, तिरूवनन्तपुरम
– केंद्रीय औषध अनुसंधान संस्थान, लखनऊ
– सेंट्रल इंस्टीट्यूट आफ मेडिसिनल ऐंड ऐरोमेटिक प्लांट, लखनऊ
– सूक्ष्म जैविक प्रौद्योगिकी संस्थान, चण्डीगढ़
– अन्तरराष्ट्रीय आनुवंशिकी इंजीनियरी तथा जैव–प्रौद्योगिकी संस्थान, नई दिल्ली
– राष्ट्रीय प्रतिरक्षा–विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली
– अंतर–विश्वविद्यालय त्वरित केन्द्र, नई दिल्ली
– रमण अनुसंधान संस्थान, बंगलुरु
– राष्ट्रीय पादप जीनोम अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली.
– भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, ट्राम्बे, मुम्बई

संस्थानों और केंद्रों के अतिरिक्त, विश्वविद्यालय में अकादमिक स्टाफ कालेज और जवाहरलाल नेहरू उच्च अध्ययन संस्थान भी हैं।

विश्वविद्यालय निकाय

विश्वविद्यालय के कार्यों को सुव्यवस्थित रूप से संचालन करने के लिए विश्वविद्यालय कोर्ट, विद्या परिषद, कार्य परिषद और वित्त समिति जैसे निकाय हैं।

विश्वविद्यालय कोर्ट

विश्वविद्यालय कोर्ट विश्वविद्यालय का सर्वोच्च निकाय है। इसकी बैठक वर्ष में एक बार कार्य परिषद द्वारा निर्धारित तिथि को होती है, जिसमें विश्वविद्यालय की पिछले वर्ष की गतिविधियों पर वार्षिक रिपोर्ट, प्राप्ति और व्यय के विवरण, लेखा–परीक्षित तुलन–पत्र और अगले वित्तीय वर्ष के लिए बजट पर विचार किया जाता है। विश्वविद्यालय कोर्ट को कार्य परिषद् और विद्या परिषद् के कार्यों की समीक्षा करने का अधिकार उन परिस्थितियों में है, जब इन परिषदों ने विश्वविद्यालय के अधिनियम, संविधियों और अध्यादेशों के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों के अनुरूप कार्य न किया हो।

विश्वविद्यालय कोर्ट की बैठक — **4 दिसम्बर 2012**

विश्वविद्यालय कोर्ट की पिछली वार्षिक बैठक 04 दिसम्बर, 2012 को हुई। इसमें विश्वविद्यालय की गतिविधियों पर 1 अप्रैल 2011 से 31 मार्च 2012 तक की वार्षिक रिपोर्ट और वित्तीय वर्ष 2011–12 का लेखा–परीक्षित प्राप्ति और व्यय का विवरण तथा परिसम्पत्तियों एवं दायित्वों का विवरण और वित्तीय वर्ष 2012–2013 का बजट भी प्राप्त किया।

कार्य परिषद्

कार्य परिषद् विश्वविद्यालय की कार्य निकाय है और इसे चयन समितियों की सिफारिशों के आधार पर शिक्षकों और अन्य ग्रुप ए के अधिकारियों की नियुक्ति, उनकी परिलब्धियां और उनकी ड्यूटी निश्चित करने की शक्तियां प्रदान की गई हैं। कार्य परिषद को विश्वविद्यालय की संविधियों और अध्यादेशों के अन्तर्गत शिक्षण और गैर–शिक्षण स्टाफ के बीच अनुशासन बनाए रखने तथा विश्वविद्यालय के वित्त, लेखाओं और अन्य प्रशासनिक मामलों का प्रबंध और विनिमय करने की शक्तियां प्राप्त हैं।

कार्य परिषद की बैठकें — **11मई, 2012,**
— **20 नवम्बर, 2012**

समीक्षाधीन अवधि के दौरान कार्य परिषद ने अनेक प्रशासनिक और शैक्षिक मामलों पर विमर्श किया और उन पर महत्त्वपूर्ण निर्णय लिए। इसके अतिरिक्त, परिषद ने संविधियों/अध्यादेशों के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए कुलपति द्वारा कुछ अत्यावश्यक प्रकृति के मामलों पर लिए गए निर्णयों पर विचार करते हुए उनका अनुमोदन भी किया। परिषद ने शिक्षण और गैर–शिक्षण स्टाफ की नियुक्तियों के लिए विभिन्न चयन समितियों की सिफारिशों पर कुलपति द्वारा किए गए अनुमोदनों का भी अनुमोदन किया।

विद्या परिषद्

विद्या परिषद् विश्वविद्यालय की शैक्षिक निकाय है। विद्या परिषद् को अन्य के साथ–साथ विभाग, विशेष केंद्र, विशेषीकृत प्रयोगशालाएं स्थापित करने के लिए कार्य परिषद को सुझाव देने की शक्तियां प्राप्त हैं। विद्या परिषद को शैक्षिक पदों के सृजन और समाप्त करने, उनका वर्गीकरण करने, प्रवेश और परीक्षाओं पर मसौदा अध्यादेश तैयार करने, परीक्षकों की नियुक्ति और उनके शुल्क का निर्धारण करने, मानद उपाधियां प्रदान करने और अध्येतावृत्तियां, छात्रवृत्तियां आदि स्थापित करने के लिए कार्य परिषद को सिफारिश करने की शक्तियां प्राप्त हैं। विद्या परिषद को अन्य विश्वविद्यालयों/संस्थानों के डिप्लोमा और डिग्रियों को मान्यता प्रदान करने, विश्वविद्यालय में प्रवेश हेतु समितियां गठित करने, परीक्षाओं के आयोजन और उन्हें आयोजित करने की तिथि निर्धारित करने और विश्वविद्यालय की विभिन्न परीक्षाओं के परिणाम घोषित करने आदि की व्यवस्था करने की भी शक्ति प्राप्त है।

विद्या परिषद की बैठकें — **30 अक्टूबर, 2012**

समीक्षाधीन अवधि के दौरान विद्या परिषद् ने अपनी बैठक में विभिन्न संस्थानों से सदस्यों को सहयोजित किया, विभिन्न संस्थानों /विशेष केन्द्रों के अध्ययन मण्डलों/विशेष समितियों में शिक्षकों/विशेषज्ञों को नामित किया और परिषद् ने विश्वविद्यालय में वर्ष 2012–2013 के विभिन्न अध्ययन पाठ्यक्रमों में प्रवेश से संबंधित तथ्यात्मक डाटा भी प्राप्त किया।

वित्त समिति

वित्त समिति विश्वविद्यालय की सांविधिक निकाय है। यह समिति विश्वविद्यालय के बजट तथा व्यय प्रस्तावों, नए/अतिरिक्त पदों से संबंधित सभी प्रस्तावों, लेखाओं, लेखा–परीक्षा रिपोर्ट और अन्य वित्तीय एवं लेखाओं से संबंधित मामलों पर विचार करती है। इसकी सिफारिशें कार्य परिषद् के अनुमोदन के लिए भेजी जाती हैं।

वित्त समिति की बैठकें — **26 जून, 2012**
— **16 नवम्बर, 2012**

वित्त समिति ने विश्वविद्यालय के वर्ष 2012–2013 के लिए 'अनुरक्षण खाते' में 20,123.60 लाख रुपये के संशोधित आकलनों को मंजूरी दी।

शैक्षिक कार्यक्रम और प्रवेश

अध्ययन पाठ्यक्रम

समीक्षाधीन अवधि के दौरान, विश्वविद्यालय ने 71 विषयों में पी–एच.डी., एम.फिल./पी–एच.डी., एम.टेक./ पी–एच.डी. और एम.पी.एच/पी–एच.डी. पाठ्यक्रम चलाए।

05 विषयों में एम.एस–सी./एम.सी.ए., 24 विषयों में स्नातकोत्तर तथा 9 विदेशी भाषाओं में स्नातक पाठ्यक्रम (प्रथम और द्वितीय वर्ष) चलाए। इनके अतिरिक्त, विभिन्न भाषाओं में सर्टिफिकेट, डिप्लोमा और उच्च डिप्लोमा कोर्स भी चलाए।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान विभिन्न संस्थानों/केन्द्रों द्वारा निम्नलिखित अध्ययन पाठ्यक्रम चलाए गए :

कला और सौन्दर्य–शास्त्र संस्थान

- एम. फिल/पी–एच. डी.
- एम. ए.

कंप्यूटर और पद्धति–विज्ञान संस्थान

- एम.फिल./पी–एच.डी.
- एम.टेक./पी–एच.डी. (कंप्यूटर विज्ञान और प्रौद्योगिकी)
- मास्टर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन (एम.सी.ए.) : 3–वर्षीय पाठ्यक्रम

पर्यावरण विज्ञान संस्थान

- एम.फिल./पी–एच.डी.
- एम.एस–सी. – पर्यावरण विज्ञान में : यह पाठ्यक्रम वायुमंडलीय, भूमि, प्रदूषण और जीव–विज्ञानों के क्षेत्र में विशेषीकरण के साथ।

अन्तरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान

- एम.फिल./पी–एच.डी. : अन्तरराष्ट्रीय राजनीति, अन्तरराष्ट्रीय संगठन, राजनीतिक भूगोल, राजनयिक और निरस्त्रीकरण, अन्तरराष्ट्रीय विधि अध्ययन, अन्तरराष्ट्रीय व्यापार और विकास, दक्षिण एशियाई अध्ययन, दक्षिण–पूर्व एशियाई और दक्षिण–पश्चिम महासागरीय अध्ययन, मध्य एशियाई अध्ययन, चीनी अध्ययन, जापानी अध्ययन और कोरियाई अध्ययन, पश्चिमी एशियाई अध्ययन, अफ्रीकी अध्ययन, अमरीकी अध्ययन, लेटिन अमरीकी अध्ययन, यूरोपीय अध्ययन, कनाडियन अध्ययन तथा रूसी और मध्य एशियाई अध्ययन में।
- एम.ए. राजनीति (अन्तरराष्ट्रीय सम्बन्धों में विशेषीकरण के साथ)
- एम.ए. अर्थशास्त्र (विश्व अर्थव्यवस्था में विशेषीकरण के साथ)

संगणकीय एवं समेकित विज्ञान संस्थान

- एम.टेक. : कंप्यूटेशनल ऐंड सिस्टम्स बायोलॉजी में
- प्री पी–एच.डी./पी–एच.डी. : कंप्यूटेशनल बायोलॉजी ऐंड बायोइनफॉर्मेटिक्स में

भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान

- एम.फिल./पी–एच.डी. : अरबी, चीनी, अंग्रेजी, फ्रेंच, जर्मन, जापानी, हिन्दी, हिन्दी अनुवाद, भाषा–विज्ञान, तमिल, फारसी, रूसी, स्पेनी और उर्दू में।
- एम.फिल. : पुर्तगाली में।
- एम.ए. : अरबी, चीनी, अंग्रेजी, फ्रेंच, जर्मन, हिन्दी, जापानी, कोरियाई, भाषा–विज्ञान, फारसी, रूसी, स्पेनी और उर्दू में।
- बी.ए. (ऑनर्स) : अरबी, चीनी, फ्रेंच, जर्मन, जापानी, कोरियाई, फारसी, रूसी और स्पेनी (प्रथम और द्वितीय वर्ष में प्रवेश सहित) में।

अंशकालिक पाठ्यक्रम

- जन–संचार माध्यम में उच्च डिप्लोमा (उर्दू)
- पश्तो में उच्च प्रवीणता डिप्लोमा
- भाषा इंदोनेशिया और पश्तो में प्रवीणता डिप्लोमा।
- भाषा इंदोनेशिया, मंगोली, पश्तो और उर्दू में प्रवीणता प्रमाण पत्र।

जीवन विज्ञान संस्थान

- एम.फिल./पी–एच.डी.
- एम.एस–सी. – जीवन विज्ञान में।

भौतिक विज्ञान संस्थान

- प्री पी–एच.डी./पी–एच.डी. : भौतिक विज्ञान/रसायन विज्ञान/गणितीय विज्ञान में।
- एम.एस–सी. – भौतिक–विज्ञान में : इसमें भौतिक विज्ञान, रसायन–विज्ञान और गणित स्ट्रीम के छात्रों को प्रवेश दिया जाता है।

सामाजिक विज्ञान संस्थान

- एम.फिल./पी–एच.डी. : आर्थिक अध्ययन और नियोजन; शैक्षिक अध्ययन (मनोविज्ञान, समाजशास्त्र, अर्थशास्त्र, शिक्षा का इतिहास); ऐतिहासिक अध्ययन; राजनीतिक अध्ययन; क्षेत्रीय विकास (भूगोल, अर्थशास्त्र और जनसंख्या अध्ययन); सामाजिक पद्धति; सामाजिक चिकित्सा–शास्त्र और सामुदायिक स्वास्थ्य; विज्ञान नीति और दर्शन शास्त्र में शैक्षिक वर्ष 2013–2014 से महिला अध्ययन में एम.फिल./पी–एच.डी.।

- जन–स्वास्थ्य स्नातकोत्तर (एम.पी.एच.)/पी–एच.डी. : सामाजिक चिकित्सा, सामुदायिक स्वास्थ्य और सामुदायिक स्वास्थ्य नर्सिंग के तीन प्रमुख क्षेत्रों में।
- एम.ए. – : अर्थशास्त्र, भूगोल, इतिहास, राजनीतिक विज्ञान और समाजशास्त्र में।

जैव–प्रौद्योगिकी संस्थान

- प्री–पी–एच.डी./पी–एच.डी.
- एम.एस–सी.

विधि और अभिशासन अध्ययन केन्द्र

- एम.फिल./पी–एच.डी.

विशिष्ट संस्कृत अध्ययन केन्द्र

- एम.फिल./पी–एच.डी.
- एम.ए.

विशिष्ट आणविक चिकित्सा–शास्त्र केन्द्र

- प्री–पी–एच.डी./पी–एच.डी.

शैक्षिक सत्र 2012–2013 (प्रवेश और छात्रों की संख्या)

विश्वविद्यालय के विभिन्न अध्ययन पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेशों में स्थित 71 केन्द्रों पर 22 से 25, मई 2012 तक जे.एन.यू. प्रवेश–परीक्षा आयोजित की गई। ये 30 राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश हैं – आन्ध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, असम, बिहार, चंडीगढ़, छत्तीसगढ़, दिल्ली, गुजरात, गोवा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, झारखण्ड, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैण्ड, उड़ीसा, पांडिचेरी, पंजाब, राजस्थान, सिक्किम, त्रिपुरा, तमिलनाडु, उत्तरांचल, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल। इनके अतिरिक्त, सार्क देश में स्थित एक केंद्र – काठमांडू (नेपाल) – में भी प्रवेश–परीक्षा आयोजित की गई।

1) पूर्ण रूप से भरे हुए 62,162 (51,734 आन लाइन और 10,428 ओएमआर के माध्यम से) आवेदन–पत्र प्राप्त हुए। उम्मीद्वारों द्वारा अपने आवेदन–पत्रों में विभिन्न विषयों/अध्ययन पाठ्यक्रमों के लिए भरे गए विकल्पों के आधार पर यह संख्या बढ़कर 99,579 हो गई।

2) उम्मीदवारों द्वारा प्रवेश परीक्षा में प्राप्त अंकों और प्रवेश नीति के प्रावधानों के अनुसार विश्वविद्यालय द्वारा तैयार की गई योग्यताक्रम सूची के आधार पर 2,902 उम्मीद्वारों को प्रवेश प्रस्ताव भेजे गए। इनमें से 2,085 उम्मीद्वारों ने विभिन्न अध्ययन पाठ्यक्रमों में प्रवेश लिया।

3) 22.5% (अ.जा. 15% और अ.ज.जा. 7.5%) आरक्षित सीटों में से 21.57% (अ.जा. 13.68% और अ.ज.जा. 7.89%) उम्मीद्वारों ने विश्वविद्यालय में प्रवेश लिया।

4) शारीरिक रूप से विकलांग उम्मीदवारों के लिए 3% आरक्षित सीटों में से 2.45% उम्मीद्वारों ने विश्वविद्यालय में प्रवेश लिया।

5) विश्वविद्यालय के विभिन्न अध्ययन पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने वाले 2,085 उम्मीद्वारों में :

- 885 उम्मीद्वारों ने एम.फिल./पी–एच.डी., एम.टेक./पी–एच.डी., प्री–पी–एच.डी./पी–एच.डी., एम.पी.एच./पी–एच.डी. और 844 उम्मीद्वारों ने एम.ए./ एम.एस–सी./एम.सी.ए. और शेष 356 उम्मीद्वारों ने विदेशी भाषाओं में बी.ए. (आनर्स) के अध्ययन पाठ्यक्रमों में प्रवेश लिया;
- प्रवेश लेने वाले उम्मीद्वारों में 1,039 पुरुष और 1,046 महिला उम्मीद्वार थीं;

6) अ.पि.वर्ग से संबंधित उम्मीदवारों के लिए 27% आरक्षण के विरुद्ध 24.26% अ.पि.वर्ग के उम्मीदवारों ने विश्वविद्यालय में प्रवेश लिया।

7) उपरोक्त के अतिरिक्त, आरक्षित श्रेणी से संबंधित काफी उम्मीदवारों का चुनाव उनकी स्वयं की मेरिट के आधार पर हुआ तथा उन्होंने अनारक्षित उम्मीदवार के रूप में विश्वविद्यालय ज्वाइन किया विवरण निम्न प्रकार है –

अनुसूचित जाति	– 40	अनुसूचित जनजाति	– 40
शारीरिक रूप से विकलांग	– 16	अ.पि.व.	– 169

8) विभिन्न अध्ययन पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने वाले उम्मीद्वारों ने अपनी अर्हक परीक्षा 214 भारतीय विश्वविद्यालयों/ संस्थानों/बोर्डों से पास की थी।

9) प्रवेश पाने वाले 2,085 उम्मीद्वारों में से 996 उम्मीद्वार निम्न और मध्यम आय वर्ग के थे, जिनके माता–पिता की मासिक आय 12,000 रुपये से कम थी और 1,089 उम्मीद्वार उच्च आय वर्ग के थे, जिनके माता–पिता की मासिक आय 12,000 रुपये से अधिक थी। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों से छात्रों का अनुपात क्रमशः 746 : 1,339 था। केवल 433 उम्मीद्वारों ने अपनी स्कूली शिक्षा पब्लिक स्कूलों से प्राप्त की थी और शेष 1,652 ने अन्य स्कूलों से।

10) विभिन्न अध्ययन पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने वाले 2,085 उम्मीद्वारों के अलावा 188 उम्मीद्वार निम्नलिखित वर्गों से थे :

विदेशी छात्र (22 देशों से)	:	67*+45**
सीधे पी–एच.डी. में प्रवेश	:	76
गत वर्ष ज्वाइन न कर पाने वाले छात्र	:	10
'नेट' परीक्षा उतीर्ण (कनिष्ठ शोधवृत्ति धारक)	:	35
		188

(*67 एब्सेंसिया श्रेणी में)

(** 45 उम्मीद्वार प्रवेश परीक्षा के माध्यम से आए और ये 2,085 में शामिल हैं)

संयुक्त प्रवेश परीक्षा

पिछले वर्षों की तरह इस वर्ष भी विश्वविद्यालय ने 25 मई 2012 को देशभर में 72 केन्द्रों पर जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय सहित 50 प्रतिभागी विश्वविद्यालयों के एम.एस–सी. (बायोटेक्नोलॉजी), एम.एस–सी. (एग्रीकल्चर)/एम.वी.एस–सी. और एम.टेक. (बायोटेक्नोलॉजी) पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए संयुक्त जैवप्रौद्योगिकी प्रवेश–परीक्षा आयोजित की।

शैक्षिक वर्ष 2012–2013 के लिए विभिन्न प्रतिभागी विश्वविद्यालयों के अध्ययन पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु इच्छुक उम्मीद्वारों से कुल 9,911 आवेदन–पत्र (एम.एस–सी. (बायोटेक्नोलॉजी) – 7,995; एम.एस–सी. (एग्रीकल्चर) और एम.वी.एस–सी. – 739 तथा एम.टेक. (बायोटेक्नोलॉजी) – 1,177) प्राप्त हुए। इनमें से 8,682 उम्मीद्वार (एम.एस–सी. (बायोटेक्नोलॉजी) – 7,168, एम.एस–सी. (एग्रीकल्चर) और एम.वी.एस–सी. – 606 तथा एम.टेक. (बायोटेक्नोलॉजी) – 908) प्रवेश–परीक्षा में बैठे और 769 उम्मीद्वारों

(एम.एस–सी. (बायोटेक्नोलॉजी)–557; एम.एस–सी. (एग्रीकल्चर) और एम.वी.एस–सी. – 161 और एम.टेक. (बायोटेक्नोलॉजी) – 51) को प्रवेश–प्रस्ताव भेजे गए।

भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान में अंशकालिक पाठ्यक्रम

संस्थान के डिप्लोमा/सर्टिफिकेट अंशकालिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए पूर्ण रूप से भरे हुए कुल 418 आवेदन–पत्र प्राप्त हुए। इनमें से 121 उम्मीद्वारों ने इन पाठ्यक्रमों में प्रवेश लिया – सी.ओ.पी. में 73, डी.ओ.पी. में 13 और ए.डी.ओ.पी. में 35।

छात्रों की संख्या

1.9.2012 को विश्वविद्यालय में 7,677 पूर्णकालिक छात्र पंजीकृत थे। विभिन्न पाठ्यक्रमों में पंजीकृत छात्रों का विवरण इस प्रकार है – 4,609 छात्र शोध कर रहे थे और 2,113 छात्र एम.ए./एम.एस–सी./ एम.सी.ए. और 837 छात्र स्नातक तथा 118 छात्र अंशकालिक स्नातक पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत थे।

कला एवं सौन्दर्यशास्त्र संस्थान

कला और सौन्दर्यशास्त्र संस्थान सिनेमा अध्ययन, रंगमंच और निष्पादन अध्ययन तथा दृश्य अध्ययन के क्षेत्र में कला अध्ययन के लिए राष्ट्रीय एवं अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर एक विशेष केन्द्र के रूप में उभरा है। संस्थान ने प्रतिष्ठित विद्वानों के **16 व्याख्यान, दो कार्यशालाएं, 3 संगोष्ठियां, 2 प्रदर्शनियां, एक परिचर्चा और एक सम्मेलन** आयोजित किया। इन कार्यक्रमों में भारतीय सिनेमा की शताब्दी के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम उल्लेखनीय है। **संस्थान ने छात्रों के लिए लेखन कार्यशाला का आयोजन किया और शिक्षक संस्थान से बाहर के दो अंतराष्ट्रीय सम्मेलनों में सह–समन्वयक रहे तथा सोलो कला प्रदर्शनी का भी आयोजन किया।** 8 विद्वानों ने संस्थान का दौरा किया। इनमें से तीन विद्वान भारत से बाहर के थे। एक प्रतिष्ठित विद्वान ने टैगोर फेलो के रूप में ज्वाइन किया।

प्रो. एच.एस. शिवप्रकाश को कन्नड़ में पुस्तक लेखन के लिए साहित्य अकादमी का प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त हुआ और डा. वाई. एस. अलोन को अक्टूबर 2012–जनवरी 2013 में एक सत्र के लिए शेनझेन यूनिवर्सिटी, चीन में आईसीसीआर चेयर विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में नामित किया गया। अन्य शिक्षकों को अध्येतावृत्तियां और अंतरराष्ट्रीय अनुदान प्राप्त हुए।

शिक्षकों के 18 आलेख और पुस्तकों में अध्याय तथा इनसाइक्लोपिडिया में प्रविष्टियां छपीं। उन्होंने विश्वविद्यालय से बाहर 68 व्याख्यान दिए और देश और विदेश में 44 सम्मेलनों में भाग लिया।

छात्रों ने देश और विदेश में 2 सम्मेलनों में भाग लिया। 6 छात्रों को अध्येतावृत्तियां प्राप्त हुईं और एक पुरस्कार प्राप्त हुआ।

17 छात्रों ने एम.ए. पाठ्यक्रम पूरा किया और 19 छात्रों को एम.फिल. उपाधि प्राप्त हुईं। इस वर्ष 2 शोधार्थियों ने अपनी डाक्टरल उपाधि पूरी की।

इस वर्ष 28 छात्रों ने एम.ए. पाठ्यक्रम में प्रवेश लिया। इनमें से 12 पुरूष और 16 महिलाएं थीं और 27 छात्रों ने शोध कार्यक्रम में प्रवेश लिया। इनमें से 14 पुरूष और 13 महिलाएं थीं।

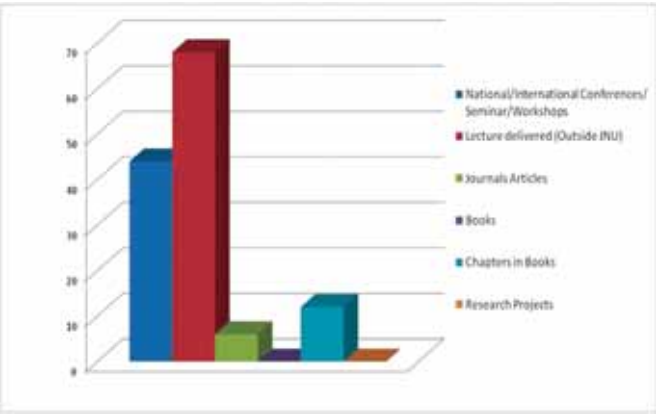

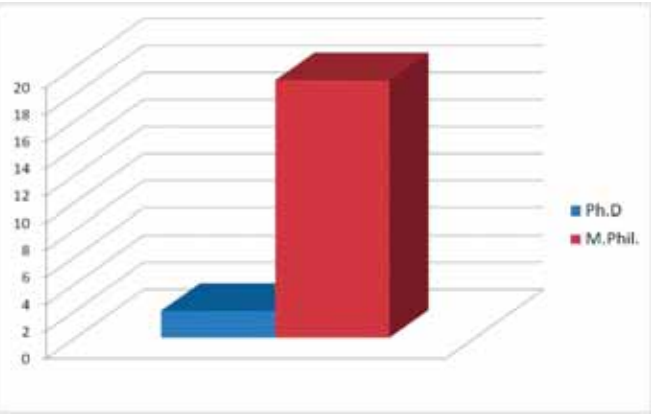

वर्ष 2012–2013 के दौरान शिक्षकों की उपलब्धियां

नमन पी. आहूजा

- जनवरी 2013 में गवर्नमेंट आफ कैटेलोनिया, बार्सिलोना, स्पेन में बार्सिलोना में म्युजियम आफ वर्ल्ड कल्चर्स के भारतीय अनुभाग की व्यवहार्यता पर सलाह देने और म्यूजियम होल्डिंग्स पर दूसरी विस्तृत विशेषज्ञ रिपोर्ट उपलब्ध कराने के लिए आमंत्रित किया गया।
- मार्च 2013 में यूनिवर्सिटी आफ अल्बेरता, इडमोंटन, कनाडा में प्रतिष्ठित विजिटिग स्पीकर के रूप में आमंत्रित किया गया और उन्होंने 22 मार्च 2013 को यूनिवर्सिटी आफ अल्बेरता, कनाडा में आयोजित क्लासिकल एसोसिएशन आफ द कनाडियन वेस्ट के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'आन द मार्जिन्स आफ एन्टीक्यूटी' विषयक मुख्य भाषण दिया।

- मई–जून 2012 में यूनिवर्सिटी आफ ज्युरिख, स्विटजरलैंड द्वारा विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में आमंत्रित किया गया और उन्होंने डिपार्टमेंट आफ आर्ट हिस्ट्री, यूनिवर्सिटी आफ ज्यूरिख स्विटजरलैंड में 'अर्ली इंडियन बुद्धिस्ट आर्ट' विषयक विशेष क्रेडिट कोर्स में 14 व्याख्यान दिए।

वाई.एस. अलोन

- अक्टूबर 2012–जनवरी 2013 में एक सत्र के लिए शेनझेन यूनिवर्सिटी, चीन में आईसीसीआर चेयर विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में नामित किया गया और इस अवधि के दौरान उन्होंने विभिन्न चीनी विश्वविद्यालयों में व्याख्यान दिए।
- 27 फरवरी, 2013 को एसोसिएशन आफ इंटरडिसिपिलिनरी पॉलिसी रिसर्च ऐंड एक्शन और रिनेसांस कालेज, नागपुर द्वारा होटल तुली इंटरनेशनल में आयोजित 'रिथिंकिंग इंडिया : पर्सपेक्टिव्स फ्राम बिलो' विषयक एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में समापन भाषण दिया।

आर.एच. भरूचा

- इंटरनेशनल सेंटर, परफोरमेंस स्टडीज, तांगीर, मोरोक्को में 'परफारमिंग ट्रांसफार्मेशंस' के प्लेनरी सत्र में 'अरब स्प्रिंग' पर मुख्य व्याख्यान दिया।
- जून 2012 में देहलेम ह्यूमिनिटी सेंटर, बर्लिन, जर्मनी में आयोजित 'द अफेक्टिव अफिनिटिज आफ रबीन्द्रनाथ' टैगोर ऐंड आकाकुरा, तेनशिन' में 'परफार्मिंग एशिया' पर मुख्य व्याख्यान दिया।
- सितम्बर 2012 में इंटरनेशनल थीएटर इंस्टीट्यूट, बर्लिन, जर्मनी में 'न्यू स्ट्रेटिजिज आफ इंटरकल्चरल एक्सचेंज इन थिएटर ऐंड परफोरमेंस' विषयक व्याख्यान दिया।

इरा भास्कर

- 20–30 नवम्बर 2012 को 43वें अंतरराष्ट्रीय भारतीय फिल्म समारोह के लिए भारतीय सिनेमा के शताब्दी पैकेज के अवसर पर 'भारतीय सिनेमा के 100 वर्ष : एक समारोह' के लिए क्यूरेटोरियल परामर्शदाता रहे।
- जनवरी 2012 – जनवरी 2013 के लिए नेहरू मेमोरियल म्यूजियम ऐंड लाइब्रेरी, तीन मूर्ति में फेलो थे।
- सेंट्रल बोर्ड आफ फिल्म सर्टिफिकेशन के सदस्य।

बिष्णुप्रिया दत्त

- इंटरनेशनल फेडरेशन फार थिएटर रिसर्च की कार्यकारी समिति की 2013–2018 के लिए सदस्य चुनी गईं।
- प्रकाशित – 'थिएटर ऐंड सबअल्टर्न हिस्टोरिज, चेकोव एडपटेशंस इन पोस्ट कलोनियल इंडिया', सलायटन ऐंड मीरजोन (सं.), एडेप्टिंग चेकोव : द टेक्स्ट ऐंड इट्स मूटेशन, रूटलेज, लंदन, अगस्त 2012
- (अनन, रीनेल्ट और सहाय के साथ सह–लेखक), डोजियर : हिस्ट्री, मेमोरी, इवेंट; ए वर्किंग आरकाइव, थिएटर रिसर्च इंटरनेशनल, भाग 37/02, जुलाई 2012

वीना हरिहरन

- 10–12 जनवरी 2013 को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में आयोजित 'द इंडियन सिनेमा सेंचुरी : फिल्म, टेक्नोलाजी ऐंड द कंटेम्पोरेरि' विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में सह–संयोजक रहीं।
- रूटलेज इनसाइक्लोपिडिया आफ फिल्म्स, 2012 और भारतीय सिनेमा के 100 वर्ष के सीएनएन–आईबीएन डाटाबेस 2012 में इनसाइक्लोपिडिया प्रविष्टियां।
- अतिथि सम्पादक, 'आर्ट, परफोरमेंस ऐंड डाक्यूमेंटरी' वाइड स्क्रिन, विशेष अंक 2012

रंजनी मजूमदार

- 10–12 जनवरी 2013 को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में आयोजित 'द इंडियन सिनेमा सेंचुरी : फिल्म, टेक्नोलाजी ऐंड द कंटेम्पोरेरि' विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में सह–संयोजक रहीं।

- 'मुम्बई नोयर : एन अनकेनी प्रजेंट', हेलियो सन मिग्युविल (सं.) वर्ल्ड फिल्म लोकेशंस : मुम्बई, इंटलेक्ट, न्यूयार्क, 2012
- 'स्टर्डम आफटर लाइवनेस', कंटीन्यूयम : जर्नल आफ मीडिया ऐंड कल्चर स्टडीज, भाग–26, अंक–6, 1–12, आस्ट्रेलिया, 2012

पी.डी. मुखर्जी

- 3–6 अप्रैल 2012 को सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र, जेएनयू और एसोसिएशन आफ सोशल एंथ्रोपोलाजिस्ट्स आफ ग्रेट ब्रिटेन ऐंड द कॉमन वेल्थ के सहयोग से जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में आयोजित 'आर्ट्स ऐंड एस्थेटिक्स इन ए ग्लोबलाइजिंग वर्ल्ड' विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में सह–संयोजक रहे और 2 फरवरी 2013 को 5थ एडिसन आफ इंडिया आर्ट फेयर, नई दिल्ली में स्पीकर्स फोरम में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया और 'द वेहन ऐंड द वेयर आफ ग्लोबल कंटेम्पोरेरि' विषयक सत्र माड्रेट किया।
- 2–17 मई 2012 के दौरान कार्ल जासपर सेंटर फार ट्रांसकल्चरल स्टडीज, हीडलबर्ग यूनिवर्सिटी में विजिटिंग प्रोफेसर रहे और 13–16 फरवरी 2013 के दौरान न्यूयार्क में आयोजित कालेज आफ आर्ट एसोसिएशन के 101वें वार्षिक सम्मेलन में भाग लेने के लिए सीएए अन्तरराष्ट्रीय ट्रेवल ग्रांट प्रदान की गई।
- 4–6 अक्टूबर 2012 को के आर्ट्स, सियोल, साउथ कोरिया में आयोजित यूरोपियन लीग आफ इंस्टीट्यूशंस आफ आर्ट – एशिया नेटवर्क सिम्पोजियम में भारत का प्रतिनिधित्व किया।

एस.एस. सावंत

- 30 सितम्बर 2012 को कोलम्बो इंस्टीट्यूट फार द एडवांस्ड स्टडी आफ सोसायटी ऐंड कल्चर, तीरथ इंटरनेशनल आर्टिस्ट्स एसोसिएशन और पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट आफ आर्किओलाजी कोलम्बो, श्रीलंका द्वारा आयोजित 'कनक्टिंग साउथ एशिया : डायनेमिक्स आफ आर्ट ऐंड कल्चर, साउथ एशिया 2012' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'ए बीम आफ लाइट : बाबूराव पेंटर ऐंड हिज एक्सपेरिमेंट्स विद ट्रूथ' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- 17 अप्रैल 2012 को ललित कला अकादमी, कोलकाता में गोधूली व्याख्यान माला के अंतर्गत 'आर्ट कालोबरेशन ऐंड आर्टिस्ट रन स्पेसिस' विषयक व्याख्यान दिया।
- 'इंस्टिट्यूटिंग आर्टिस्ट्स' कलेक्टिव्स : द बंगलौर/बेंगलुरू एक्सपेरिमेंट्स विद 'सोलिडेरिटी इकोनोमिज', ट्रांसकल्चरल स्टडीज (आनलाइन), अंक–1, 2 जुलाई 2012

एच.एस. शिवप्रकाश

- साहित्य अकादमी का राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हुआ।

कविता सिंह

- 4 अप्रैल 2012 को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में आयोजित एसोसिएशन आफ सोशल एंथ्रोपोलाजिस्ट्स आफ द यूके ऐंड द कॉमनवेल्थ के वार्षिक सम्मेलन के अवसर पर 'आर्ट्स ऐंड एस्थेटिक्स इन ए ग्लोबलाइजिंग वर्ल्ड' विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'एंथ्रोपोलाजी इन द कंटेम्पोरेरि आर्ट वर्ल्ड' विषयक पैनल की सह–संयोजक रहीं।
- 29 जुलाई – 4 अगस्त 2012 को कलस्टर आफ एक्सिलेंस आन एशिया ऐंड यूरोप द्वारा यूनिवर्सिटी आफ हीडलबर्ग, जर्मनी में आयोजित 'सींग मेटर्स : मेटेरियलिटी ऐंड विजुवल्टी' विषयक समर स्कूल में फेकल्टी मेम्बर।
- 14–15 सितम्बर 2012 को इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित रिसर्च ग्रुप आन म्यूजियम्स ऐंड हिस्ट्री आफ द इंडियन यूरोपियन एडवांस्ड रिसर्च नेटवर्क आफ द विसेचक कालेज, बर्लिन और किंग्स कालेज, यूनिवर्सिटी आफ लंदन द्वारा आयोजित 'द कंपेरिटिव हिस्ट्री आफ म्यूजियम्स इन इंडिया ऐंड यूरोप' विषयक अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला की सह–संयोजक रहीं।

जैव–प्रौद्योगिकी संस्थान

जैव–प्रौद्योगिकी संस्थान को बायोस्पेक्टरम बंगलौर द्वारा कई वर्षों से भारत में पहला स्थान प्रदान किया जा रहा है। संस्थान के शिक्षकों द्वारा जैव–प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में किए गए शोध के मौलिक और अनुप्रयुक्त पक्षों में उनके महत्त्वपूर्ण योगदान के लिए अन्तरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त है। **संस्थान ने वर्ष के दौरान 10 संगोष्ठियां आयोजित कीं। संस्थान के 3 शिक्षकों को विभिन्न पुरस्कार, सम्मान और अध्येतावृत्तियां प्राप्त हुईं – आर भटनागर नेशनल अकादमी आफ साइंसिस, इंडिया के फेलो, इंडियन अकादमी आफ साइंसिस, इंडिया के फेलो; राजीव भट्ट, इंडियन बायोफिजिकल सोसायटी के वर्ष 2013–2015 के लिए सचिव चुने गए; प्रो. के.जे. मुखर्जी 1 अक्टूबर 2012 से 31 दिसम्बर 2012 के लिए यूनिवर्सिटी आफ केम्ब्रिज, यूके में वि.अ.आ. कामनवैल्थ स्टाफ अकादमिक फेलोशिप प्रदान करने के लिए चुने गए।**

इस वर्ष के दौरान संस्थान में 45 शोध परियोजनाएं चल रही हैं। शिक्षकों के 14 आलेख प्रकाशित हुए हैं। उन्होंने देश और विदेश में 29 सम्मेलनों में भाग लिया है।

2 छात्रों ने देश–विदेश में आयोजित सम्मेलनों में भाग लिया। दोनों छात्रों ने पुरस्कार प्राप्त किए – दिव्या गोयल को अक्टूबर 2012 में संघाई में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में एडवर्ड जेनर पुरस्कार प्राप्त हुआ और मनीष के. जैन को जनवरी 2013 में मुम्बई विश्वविद्यालय में आयोजित इंडियन बायोफिजिक्स सोसायटी की बैठक में सर्वोत्तम पोस्टर पुरस्कार प्राप्त हुआ।

वर्ष के दौरान 5 शोधार्थियों ने अपनी डाक्टरल उपाधि पूरी की और चार ने शोध कार्यक्रम में प्रवेश लिया। इनमें 1 पुरूष और 3 महिलाएं थीं।

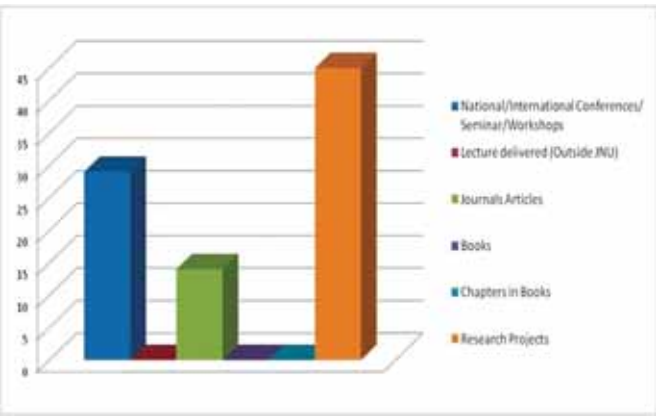

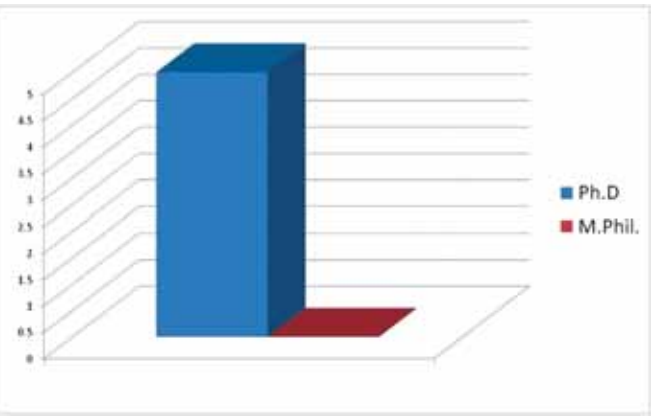

वर्ष 2012–2013 के दौरान शिक्षकों की उपलब्धियां

रंजना आर्य

- 2012 में अमेरिकन सोसायटी आफ सेल बायोलाजिस्ट, सेन फ्रांसिसको, यूएसए में 'रोल आफ जीएनई इन सेल एडिसन' विषयक व्याख्यान दिया।
- आर. सिंह और आर. आर्य, 'इफेक्ट आफ जीएनई आन सेल प्रोलिफरेशन ऐंड अपोप्टोसिस', 81वीं वार्षिक सोसायटी आफ बायोलाजिकल केमिस्ट्स, साइंस सिटी, कोलकाता, 8–11 नवम्बर 2012
- सीएसआईआर और आईसीएमआर से शोध अनुदान प्राप्त हुआ।

राजीव भट्ट

- इंडियन बायोफिजिकल सोसायटी के वर्ष 2013–2015 के लिए सचिव चुने गए।

- अध्यक्ष, स्टाफ पदों के लिए चयन समिति, रीजनल सेंटर फार बायोटेक्नोलाजी, गुड़गांव।

राकेश भटनागर

- कुमायूं विश्वविद्यालय, नैनीताल, उत्तराखण्ड के कुलपति नियुक्त हुए।
- फेलो, नेशनल अकादमी आफ साइंसिस, इंडिया।
- फेलो, इंडियन अकादमी आफ साइंसिस, इंडिया।

अपर्णा दीक्षित

- चार अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लिया और शोध डाटा प्रस्तुत किए।
- कई चयन समितियों और परियोजना प्रायोजक एजेंसियों में विशेषज्ञ सदस्य।

एस.एस. मैत्रा

- दो अंतरराष्ट्रीय हाई इम्पेक्ट जर्नल्स में मूल शोध आलेख प्रकाशित हुए।

के.जे. मुखर्जी

- 1 अक्टूबर 2012 से 31 दिसम्बर 2012 के लिए यूनिवर्सिटी आफ केम्ब्रिज, यूके में वि.अ.आ. कामनवैल्थ स्टाफ अकादमिक फेलोशिप प्रदान करने के लिए चुने गए।
- सदस्य, मॉनिटरिंग कमेटी, डीबीटी–आईसीटी, सेंटर फार एनर्जी बायोसाइंस, मुम्बई और आईसीजीईबी।
- विशेषज्ञ सदस्य, बायोएनर्जी/बायोफ्यूल्स पर डीबीटी कमेटी; डीबीटी के बीआईपीपी कार्यक्रम में बाहरी विशेषज्ञ।

उत्तम के. पति

- सम्पादकीय मण्डल सदस्य, इंटरनेशनल जर्नल आफ फार्मा ऐंड बायोलाजिकल साइंसिस।
- सदस्य, चयन समिति, नेशनल ब्रेन रिसर्च सेंटर और विश्व भारती, 2012
- अंतरराष्ट्रीय हाई इम्पेक्ट जर्नल्स में दो आलेख प्रकाशित हुए।

एस.एम. रजाला

- सदस्य, संघ लोक सेवा आयोग परीक्षा पेपर सत्यापन समिति, 2012
- सदस्य, इंडियन वायरोलाजिकल सोसायटी, इंडिया

स्वाति तिवारी

- 10 दिसम्बर 2012 को इंडिया हेबीटेट सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित 'बेस्ट प्रेक्टिसिस फार वुमन इन साइंस' विषयक यूएस–इंडिया कार्यशाला में भाग लिया।
- 9–13 फरवरी 2013 को जोधपुर में आयोजित 'यंग इनवेस्टिगेटर्स मीट' की आयोजन समिति के सदस्य।

संगणकीय एवं समेकित विज्ञान संस्थान

संगणकीय एवं समेकित विज्ञान संस्थान में अभिकलनात्मक जीव विज्ञान और जैव सूचना विज्ञान केंद्र तथा उच्च निष्पादन कंप्यूटिंग केंद्र हैं। संस्थान शिक्षा और शोध में सूचना प्रौद्योगिकी के प्रयोग पर फोकस करता है। **संगणकीय एवं समेकित विज्ञान संस्थान ने दो संगोष्ठियां, एक कार्यशाला और एक सम्मेलन आयोजित किया तथा इस वर्ष 6 विद्वानों ने संस्थान का दौरा किया।**

प्रदीप्त बंदोपाध्याय को केमिकल सोसायटी आफ जापान से 2013 के लिए प्रतिष्ठित लेक्चरशिप अवार्ड प्राप्त हुआ।

शिक्षकों के 23 आलेख और पुस्तक में एक अध्याय प्रकाशित हुआ। उन्होंने विश्वविद्यालय से बाहर 7 व्याख्यान दिए और देश–विदेश में 27 सम्मेलनों में भाग लिया।

8 छात्रों ने देश–विदेश में आयोजित सम्मेलनों में भाग लिया।

9 छात्रों को एम.टेक. उपाधियां प्राप्त हुईं। इस वर्ष 2 शोधार्थियों ने डाक्टरल डिग्री पूरी की।

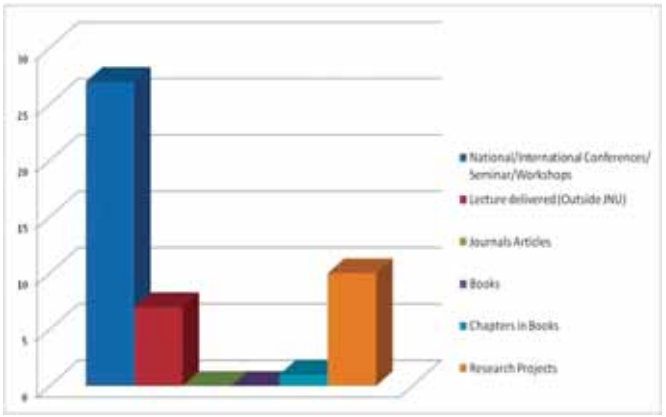

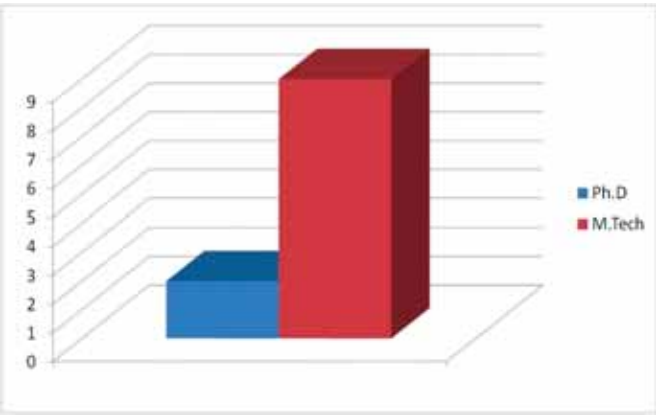

वर्ष 2012–2013 के दौरान शिक्षकों की उपलब्धियां

प्रदीप्त बंदोपाध्याय

- केमिकल सोसायटी आफ जापान से 2013 के लिए प्रतिष्ठित लेक्चरशिप अवार्ड प्राप्त हुआ।
- मार्च 2013 में केमिकल सोसायटी आफ जापान की वार्षिक बैठक में आमंत्रित व्याख्यान दिया।

इन्दिरा घोष

- हाई इम्पेक्ट जर्नल में आलेख प्रकाशित हुए।
- बायोइंफोमेटिक्स स्ट्रीम में रिसर्च फेलोज के लिए डीबीटी द्वारा सहायता प्राप्त बीआईएनसी नेशनल एग्जामिनेशन लिया।
- 1 अंतरराष्ट्रीय स्तर और 3 राष्ट्रीय स्तर की कार्यशालाएं आयोजित कीं।

ए. कृष्णमाचारी

- नेशनल इंस्टीट्यूट आफ बायोलाजिकल्स, नोएडा में बायोइंफोरमेटिक्स सेंटर स्थापित करने के लिए विशेषज्ञ समिति की बैठक में भाग लिया।

ए.एम. लिन

- आईबीएसडी, इंफाल, मणिपुर में 'सेरीबायोटेक्नोलाजी' पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला में एक सत्र की अध्यक्षता की और आमंत्रित वक्ता के रूप में भाग लिया।

- सदस्य, ऑपन सोर्स ड्रग डिस्कवरी कंसोर्टियम, सीएसआईआर, भारत।
- सदस्य, पाठ्यक्रम समिति, बायोइंफोरमेटिक्स, पांडिचेरी विश्वविद्यालय।

नरेन्द्र सिंह साहनी

- टेरी द्वारा आयोजित 'मेटाबोलोमिक्स : बेसिक्स ऐंड एप्लीकेशंस टु प्लांट साइंसिस' विषयक कार्यशाला में आमंत्रित व्याख्यान दिया।
- आईआईटी, इलाहाबाद द्वारा आयोजित 'सिस्टम्स बायोलाजी (डब्ल्यूएसबी'13)' विषयक कार्यशाला में आमंत्रित व्याख्यान दिया।

एन. सुब्बाराव

- आलेख प्रकाशित – 'बायोफिजिकल इनसाइट इनटु फ्यूरोसेमाइड बांइंडिंग टु ह्यूमन सेरम एलब्युमिन : ए स्टडी टु अनवील इट्स इंपायर्ड एलब्यूमिन बांइंडिंग इन यूरेमिया' एजे. फिज. केम. बी 2013, 117–2595–2604

लवकेश विग

- आलेख प्रकाशित – 'ए न्यूरोकंप्यूटेशनल अप्रोच टु ऑटोमेटिसिटी इन मोटर स्किल लर्निंग' बायोलाजिकली इंस्पायर्ड कोग्निटिव आर्किटेक्चर्स, भाग–2, अक्टूबर 2012, पृ. 1–12

कंप्यूटर और पद्धति विज्ञान संस्थान

कंप्यूटर और पद्धति विज्ञान संस्थान देश में एम.सी.ए. पाठ्यक्रम शुरू करने वाले पहले कुछ संस्थानों में से एक है। संस्थान कंप्यूटर विज्ञान और प्रौद्योगिकी में स्नातकोत्तर एम.टेक. (एम.फिल.) और कंप्यूटर और पद्धति विज्ञान के क्षेत्र में पी–एच.डी. शोध पाठ्यक्रम भी चलाता है। संस्थान पूरे देश और पड़ोसी तथा अन्य देशों से सर्वोत्तम एवं प्रतिभाशाली छात्रों को प्रवेश के लिए आकर्षित करता है। संस्थान अपने शिक्षण और शोध पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त, पूरे देश से छात्रों के लिए साप्ताहिक शोध संगोष्ठियाँ और राष्ट्रीय संगोष्ठी व तकनीकी समारोह आयोजित करता है।

कंप्यूटर और पद्धति विज्ञान संस्थान ने एक तकनीकी समारोह आयोजित किया और शिक्षकों की एक पुस्तक और 49 आलेख प्रकाशित हुए। उन्होंने विश्वविद्यालय से बाहर 37 व्याख्यान दिए तथा देश और विदेश में 7 सम्मेलनों में भाग लिया।

36 छात्रों ने अपनी स्नातकोत्तर उपाधि पूरी की और 10 शोधार्थियों ने अपनी डाक्टरल उपाधि पूरी की। 24 छात्रों ने एमसीए कार्यक्रम में प्रवेश लिया। इनमें 19 पुरूष और 5 महिलाएं थीं। 28 छात्रों ने शोध कार्यक्रम में प्रवेश लिया। इनमें 20 पुरूष और 8 महिलाएं थीं।

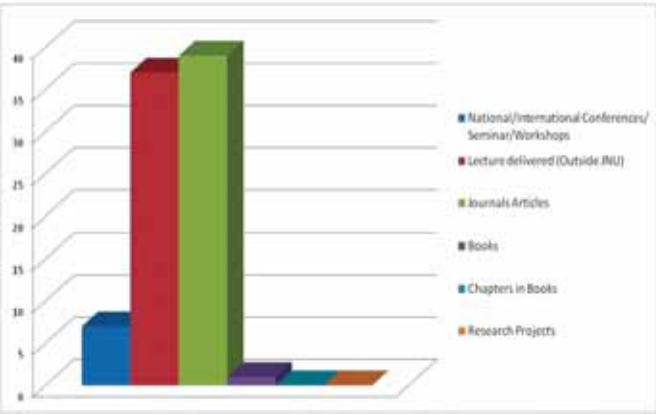

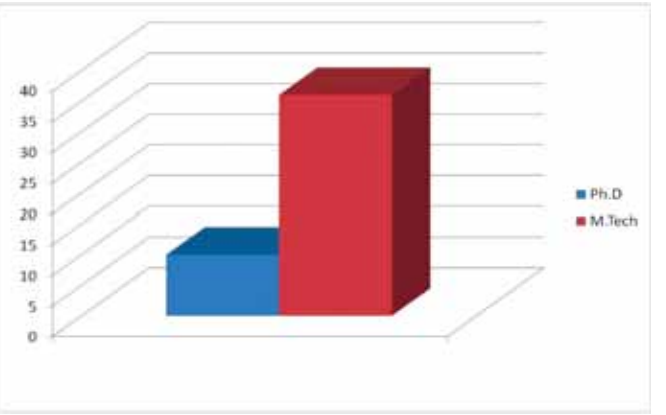

वर्ष 2012–2013 के दौरान शिक्षकों की उपलब्धियां

आर.के. अग्रवाल

- (रतनदीप अधिकारी के साथ), परफोरमेंस इवेल्यूएशन आफ वेट्स सलेक्शन स्कीम्स फार लिनियर कंबीनेशन आफ मल्टीपल फोरकास्ट्स, आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस रिव्यू, डीओआई : 10.1007/एस10462–012–9361–जेड, 2012
- (रतनदीप अधिकारी के साथ), फोरकास्टिंग स्ट्रोंग सीजनल टाइम सीरिज विद आर्टिफिशियल न्यूरल नेटवर्क्स, जर्नल आफ साइंटिफिक ऐंड इंडस्ट्रीयल रिसर्च, 71(10), पृ. 657–666, 2012
- (नमिता अग्रवाल और भारती के साथ), क्लासिफिकेशन आफ एलजिमर्स फ्राम टी2 ट्रांस–एक्सियल ब्रेनएमआर इमेजिज : ए कंपेरेटिव स्टडी आफ फिचर एक्सट्रेक्शन टेक्नीक्स, इंटरनेशनल जर्नल आफ कंप्यूटर विजन ऐंड इमेज प्रोसेसिंग, 2(3), पृ. 37–50, 2012

एस. बालासुन्दरम

- 10–13 दिसम्बर 2012 को सिंगापुर में आयोजित 'एक्सट्रिम लर्निंग मशीन्स (ईएलएम2012)' विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- 5 अक्टूबर 2012 को अकादमिक स्टाफ कालेज, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी में आईसीटीए पर पुनश्चर्या कोर्स में 'कंप्यूटर ग्राफिक्स ऐंड इट्स एप्लिकेशंस' विषयक व्याख्यान दिया।

के.के. भारद्वाज

- (विभोर कान्त के साथ), 'फूजी कंप्यूटेशनल माडल्स आफ ट्रस्ट ऐंड डिस्ट्रस्ट फार इनहेंस्ड रिकंडेशंस', इंटरनेशनल जर्नल आफ इंटेलिजेंट सिस्टम्स, जोन विली (आन लाइन फरवरी, 2013), भाग–28, पृ. 332–365, 2013
- (विनती अग्रवाल के साथ), 'ए कोलोबरेटिव फिल्टरिंग फ्रेमवर्क फार फ्रेंड्स रिकमंडेशंस इन सोशल नेटवर्क्स बेस्ड आन इंटरएक्शन इंटेनसिटी ऐंड एडेप्टिव यूजर सिमिलरिटी', सोशल नेटवर्क एनालिसिस ऐंड माइनिंग, स्प्रिंगर–वेरलाग, 2012

कर्मेषु

- 21–22 अप्रैल 2012 को आयोजित 'रिसेंट डिवलपमेंट इन मेथमेटिकल साइंसिस (एनएसआरडीएमएस–2012)' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'मेथमेटिकल माडलिंग ऐंड एप्लीकेशंस' शीर्षक आलेख।
- 16 अगस्त 2012 को अमृत विश्वविद्यालय कैम्पस, कोच्चि, केरल में आयोजित 'सिस्टम्स आर्किटेक्चर्स, एलगोरिदम्स, सिक्योरिटी/प्राइवेसी, ह्यूमन यूजेबिलिटी फैक्टर्स फार स्ट्रिमींग डाटा' विषयक इंडो–यूएस कार्यशाला में 'सिस्टम माडलिंग : एन ओवरव्यू' शीर्षक आलेख।
- 22–23 फरवरी 2013 को अजय कुमार गर्ग इंजीनियरिंग कालेज, गाजियाबाद में आयोजित तीसरा आईईईई अंतरराष्ट्रीय एडवांस कंप्यूटिंग सम्मेलन (आईएसीसी 2013) में 'जेनरेटिंग पावर ला बिहेवियर इन ब्राडबैंड कम्यूनिकेशन नेटवर्क्स' विषयक आलेख।

सी.पी. कट्टी

- (पी चक्रबर्ती और पी.सी. सक्सेना के साथ), ऑटोमाटा सिम्यूलेटर्स : क्लासिकल टूल्स फार कंप्यूटर साइंस एज्यूकेशन, ब्रिटिश जर्नल आफ एज्यूकेशन टेक्नोलाजी, 43(1), ई–11–ई–13, 2012
- (एस गुगलानी और पी.सी. सक्सेना के साथ), फूजी स्टेटिस्टिकल डिपेंडेंसी ऐंड नोर्मलाइजेशन इन फूजी स्टेटिस्टिकल डाटाबेस, इंटरनेशनल जर्नल आफ इंटेलिजेंट इंफार्मेशन ऐंड डाटाबेस सिस्टम्स, 6(4), 2012
- (एस गुगलानी के साथ), ए लैंग्युवेज फार फूजी स्टेटिस्टिकल डाटाबेसिस, इंटरनेशनल जर्नल आफ डाटाबेस मेनेजमेंट सिस्टम्स, 6(4), 2013

टी.वी. विजय कुमार

- 13–15 जुलाई 2012 को चेन्नई में आयोजित 'एडवांसिस इन कंप्यूटिंग ऐंड इंफोर्मेशन टेक्नोलाजी (एसीआईटीवाई–2012)' शीर्षक दूसरे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रतिभागिता।
- (कल्याणी देवी के साथ), मेटरलाइज्ड व्यू कंस्ट्रक्शन इन डाटा वेयरहाउस फार डिसीजन मेकिंग, इंटरनेशनल जर्नल आफ बिजनेस इंफोर्मेशन सिस्टम्स, इंडरसाइंस पब्लिशर्स, भाग–11, अंक–4, पृ. 379–396, 2012
- (कल्याणी देवी के साथ), एन आर्किटेक्चरल फ्रेमवर्क फार कंस्ट्रेक्टिंग मेटरेलाइज्ड व्यूज इन ए डाटा वेयरहाउस, इंटरनेशनल जर्नल आफ इनोवेशन, मेनेजमेंट ऐंड टेक्नोलाजी, भाग–4, अंक–2, आईएसीएसआईटी, पृ. 192–197, 2013

डी.के. लोबियाल

- 5–7 अप्रैल 2012 को कंप्यूटर अनुप्रयोग विभाग, जीबी पंत इंजीनियरिंग कालेज, घुड़दौरी, पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखण्ड में आयोजित कार्यशाला में 'माडलिंग ऐंड सिम्यूलेशन' विषयक आलेख।
- (संजॉय दास के साथ), 'इफेक्ट आफ माबिलिटि माडल्स आन द परफोरमेंस आफ एलएआर प्रोटोकोल फार वहीकुलर एडहाक नेटवर्क', वायरलेस पर्सनल कम्यूनिकेशंस, स्प्रिंगर आनलाइन : डीओआई.10.1007
- (संजॉय दास के साथ), 'परफोरमेंस एनालिसिस आफ ब्राडकास्टिंग मेथड्स इन जिओकास्ट रीजन फार वहीकुलर एडहाक नेटवर्क्स', इंटरनेशनल जर्नल आफ साइंटिफिक ऐंड इंजीनियरिंग रिसर्च, भाग–3, अंक–4, पृ. 1–6, 2012

सोनाझारिया मिंज

- (अल–यारिमी फाउद के साथ), 'मल्टीलेवल प्राइवेसी प्रीजरविंग इन डिस्ट्रिब्यूटिड एनवायरनमेंट यूजिंग क्राइटोग्राफिक टेक्नीक', वर्ल्ड कांग्रेस आफ इंजीनियरिंग 2012 की कार्यवाही में, भाग–1, डब्ल्यूसीई 2012, लंदन, यूके, 4–6 जुलाई 2012
- (विपिन कुमार के साथ), 'पोइम क्लासिफिकेशन यूजिंग मशीन लर्निंग अप्रोच', अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन – 'साफ्ट कंप्यूटिंग फार प्रोब्लम सोल्विंग (एसओसीपीआरओएस–2012)', इंडिया, एआईएससी सीरिज आफ स्प्रिंगर, दिसम्बर 2012
- (रंगबहादुर पटेल के साथ), 'मेजर आफ रफनेस यूजिंग ग्रान्यूलर कंप्यूटिंग', 3रे आईईईई अंतरराष्ट्रीय एडवांस कंप्यूटिंग सम्मेलन की कार्यवाही में, 22–23 फरवरी 2013

एन. परिमाला

- (एस. भावना के साथ), कंटीन्यूयस मल्टीपल ओएलएपी क्वेरीज फार डाटा स्ट्रीम्स, इंटरनेशनल जर्नल आफ कोपरेटिव इंफोर्मेशन सिस्टम्स, 21(2), पृ. 141–, 2012
- (विनय गौतम के साथ), ई–मेटाडाटा वर्जनिंग सिस्टम फार डाटा वेयरहाउस स्कीमा, 7(2), पृ. 101–113, 2012

जाहिद रज़ा

- 16 मार्च 2013 को आईटीएस गाजियाबाद में आयोजित 'इमर्जिंग एडवांसिस इन इंफोर्मेशन टेक्नोलाजी' शीर्षक 11वीं राष्ट्रीय आईटी संगोष्ठी में प्रतिभागिता।
- (शाहिद मोहम्मद और डी.पी. विद्यार्थी के साथ), 'ए कंपेरेटिव स्टडी आफ बेच सेड्यूलिंग स्ट्रेटिजिज फार पेरलर कंप्यूटिंग सिस्टम', इंटरनेशनल जर्नल आफ इनोवेशन, मेनेंजमेंट ऐंड टेक्नोलाजी, भाग–4, अंक–1, पृ. 31–37, 2013

आदिति शरण

- (निधि मलिक और वैजयंती माला), 'एक्सट्रेक्टिंग कंसेप्टस यूजिंग लिंग्विस्टिक आनटोलाजी इन एग्रीकल्चर डोमेन', जर्नल आफ द इंडियन सोसायटी आफ एग्रीकल्चरल स्टेटिस्टिक्स, 67(1), पृ. 89–97, 2013
- (हजारा इमरान के साथ), 'फ्राम को–अकरेंस टु लेक्सिकल कोहेसन फार आटोमेटिक क्वेरी एक्सपेंशन', इंटरनेशनल जर्नल आफ कंप्यूटेशनल लिंग्विस्टिक्स ऐंड एप्लीकेशंस, भाग–3, अंक–1, पृ. 107–119, जनवरी–जून 2012

डी.पी. विद्यार्थी

- संपादित, टेक्नोलाजीज ऐंड प्रोटोकोल्स फार फ्यूचर इंटरनेट डिजाइन : रिइनवेंटिंग द वेव, आईजीआई–ग्लोबल, यूएसए, 2012
- (अचल कौशिक के साथ), ए कोपरेटिव सेल माडल इन कंप्यूटेशनल मोबाइल ग्रिड, देव प्रकाश विद्यार्थी, इंटरनेशनल जर्नल आफ बिजनेस डाटा कम्यूनिकेशंस ऐंड नेटवर्किंग, 8(1), 19–36, पृ. 19–35, 2012
- (पवन कुमार तिवारी के साथ), इवोल्यूशनरी कंप्यूटेशन ऐंड इट्स एप्लिकेशंस : ए सर्वे, इनफोर्मेशन इंजींनियरिंग लेटर्स, भाग–2, अंक–1, पृ. 10–17, 2012

पर्यावरण विज्ञान संस्थान

संस्थान की शोध रूचि विभिन्न भू, वातावरणीय और जीव–वैज्ञानिक प्रक्रियाओं में विभक्त हैं। पारिस्थितिक और सामाजिक प्रक्रियाओं के बीच संयोजन संस्थान को एक अतिरिक्त आयाम प्रदान करते हुए सुसंगत बनाता है। इसलिए पाठ्यचर्या में भौतिक विज्ञान, भू एवं वातावरणीय विज्ञान, पर्यावरणीय जीव विज्ञान और पर्यावरणीय मानिटरिंग एवं प्रबंधन जैसे अंतरविषयक क्षेत्र शामिल हैं। **इस वर्ष पर्यावरण विज्ञान संस्थान ने 2 कार्यशालाएं, 4 सम्मेलन आयोजित किए और विदेश से 3 विद्वानों ने संस्थान का दौरा किया।**

डा. दिनेश मोहन को चौथी अन्तरराष्ट्रीय बायोचर कांग्रेस अध्येतावृत्ति प्राप्ति हुई। डा. एन.जे. राजू को मार्टिन लूथर यूनिवर्सिटी, हाले जर्मनी, में अतिथि प्रोफेसर के रूप में आमंत्रित किया गया। डा. अरुण कुमार श्रीवास्तव को विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा युवा विज्ञानी परियोजना के लिए चुना गया।

शिक्षकों की 6 पुस्तकें, 63 आलेख और पुस्तकों में 14 अध्याय प्रकाशित हुए। उन्होंने विश्वविद्यालय से बाहर 14 व्याख्यान दिए और देश विदेश में 51 सम्मेलनों में भाग लिया।

वर्ष के दौरान 7 छात्रों को एम.फिल. उपाधि प्राप्त हुईं और 13 शोधार्थियों ने अपनी डाक्टरल उपाधि पूरी कीं।

वर्ष के दौरान 10 छात्रों ने एम.ए./एम.एस–सी. कार्यक्रम में प्रवेश लिया। इनमें 10 पुरूष और 14 महिलाएं थीं। 11 ने शोध कार्यक्रम में प्रवेश लिया। इनमें 11 पुरूष और 10 महिलाएं थीं।

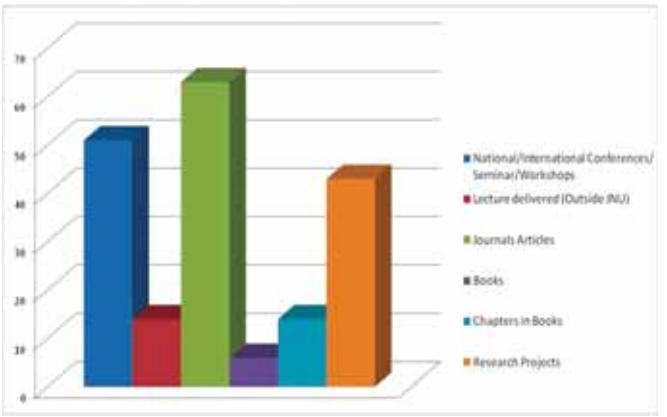

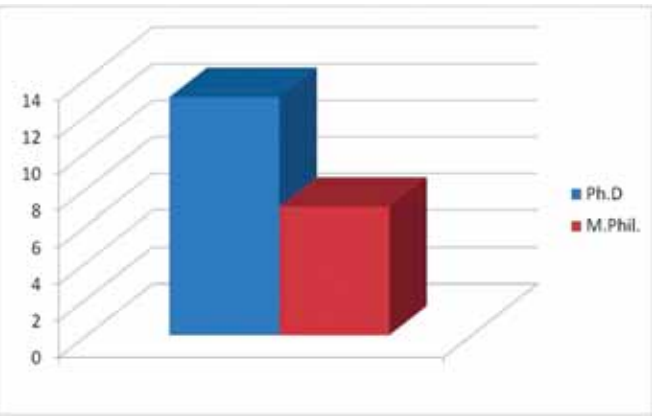

वर्ष 2012–2013 के दौरान शिक्षकों की उपलब्धियां

अरूण के. अत्री

- 4 शोध आलेख अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए।
- पुस्तक अध्याय : गेस क्रोमेटोग्राफी : मल्टीडायमेंशनल आस्पेक्ट्स, कटिंग एज, ए स्पिको बोयोटेक पब्लिकेशन, मार्च 2013

सुधा भट्टाचार्य

- एंटामोइबा हिस्टोलिटिका पर एक अन्तरराष्ट्रीय तीन अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों/बैठकों में भाग लिया।
- हाई इंपेक्ट जर्नल्स में आलेख प्रकाशित हुए – नेचर कम्यूनिकेशंस और बीएमसी जिनोमिक्स, 2012
- आईसीएमआर, डीएसटी और डीबीटी से शोध अनुदान प्राप्त हुआ।

अशोक पी. डिमरी

- अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में तीन आलेख प्रकाशित हुए।

मीनाक्षी दुआ

- पुस्तक के लिए एक अध्याय लिखा।

सतीश चन्द्र गरकोटी

- 8–9 फरवरी 2013 को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में आयोजित अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया तथा 'लिटर प्रोडक्शन ऐंड न्यूट्रिएन्ट रिटर्न इन टु रिजेनरेटिंग वाइट ओक्स फारेस्ट्स इन द सेंट्रल हिमालय' विषयक व्याख्यान दिया।
- अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में चार आलेख प्रकाशित हुए।

इलोरा घोष

- वर्ष 2012 में केंद्रीय विश्वविद्यालय गुजरात, गांधी नगर में आयोजित सोसायटी फार मिटोकोंड्रिया रिसर्च ऐंड मेडिसन – इंडिया के 'मिटोकोंड्रिया इन हेल्थ डिजीज' विषयक दूसरे वार्षिक सम्मेलन में व्याख्यान दिया।
- अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में दो आलेख प्रकाशित हुए।
- जैव–प्रौद्योगिकी विभाग और विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग की दो परियोजनाओं पर कार्य चल रहा है।

वी.के. जैन

- पर्यावरण पर अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय पत्रिकाओं में 6 शोध आलेख प्रकाशित हुए।
- परियोजना अन्वेषक के रूप में डा. के. कुमार सह–परियोजना अन्वेषक के साथ 'एन इनवेस्टिगेशन आफ द रोल आफ हाइड्रोकार्बन्स इन ओजोन फोरमेशन इन एम्बिएंट एटमोस्टफेयर आफ देहली' विषयक परियोजना के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से अनुदान प्राप्त हुआ।

पी.एस. खिलारे

- अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में 4 शोध आलेख और सम्मेलनों की कार्यवाहियों में चार आलेख प्रकाशित हुए।
- विश्वविद्यालय अनुदान आयोग परियोजना – 'असेसमेंट आफ ओजोन ऐंड वोलाटिल ओरगेनिक कंपाउंड्स इन एम्बिएंट एयर आफ देहली'

उमेश चन्द्र कुलश्रेष्ठ

- 10 क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों/संगोष्ठियों में भाग लिया और व्याख्यान दिए।
- 3 शोध आलेख और पुस्तक के लिए एक अध्याय प्रकाशित हुआ।
- सदस्य, शैक्षिक सलाहकार मंडल, द एनर्जी रिसोर्सिस इंस्टीट्यूट।

कृष्ण कुमार

- परियोजना अन्वेषक के रूप में विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग से अनुदान – 'स्पेशियल ऐंड टेम्पोरल डाइनेमिक्स आफ अर्बन हिट आइसलैंड इन देहली ऐंड इट्स इंप्लिकेशन फार द एयर क्वालिटी आफ देहली'।
- 6–10 अगस्त 2012 को डबलिन, आयरलैंड में अर्बन क्लाइमेट्स पर आयोजित 8वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'टेम्पोरल डायनमिक्स आफ अर्बन हिट आइसलैंड फार्मेशन आवर देहली' विषयक आलेख।

सुदीप मित्रा

- 9 मई 2012 को डिवीजन आफ प्लांट साइंस, यूनिवर्सिटी आफ केलिफोर्निया, डेविस, यूएसए में 'प्रोडक्शन, इमिसन ऐंड मिटिगेशन आफ ग्रीनहाउस गेसिस फ्राम राइस–व्हीट एग्रोइकोसिस्टम्स' विषयक व्याख्यान दिया।

- 8 फरवरी 2013 को यूनिवर्सिटी कालेज लंदन, लंदन, यूके में आयोजित 'ग्लोबल फूड सिक्योरिटी – क्रिएटिंग रेसिलेंस इन द फेस आफ केटेस्टोपिक क्लाइमेट चेंज' शीर्षक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में आमंत्रित पैनलिस्ट के रूप में भाग लिया।

दिनेश मोहन

- हाल ही में वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद ने कुछ मुख्य अंश प्रकाशित किए हैं और इसमें **आउटस्टेंडिंग साइंस इन इंडिया** के 70 वर्ष में हुए विकास (40 सीएसआईआर प्रयोगशालाओं में हुए कार्य) के बारे में भी जानकारी दी गई है। मुख्य 70 शोध आलेखों की सूची में डा. मोहन के आलेखों को 9, 35 और 63 रैंक प्राप्त हुई है। प्रकाशित समीक्षा आलेखों को 2, 10 और 32 रैंक प्राप्त हुई है जोकि बेसिक और एप्लाइड फील्ड में उनके हाई इम्पेक्ट शोध योगदान को दर्शाते हैं।
- पिछले 5 वर्ष के दौरान एलसीवियर द्वारा प्रकाशित 25 उच्च स्तरीय आलेखों की सूची में हमारे निम्नलिखित आलेख हैं –
  - जर्नल आफ हेजार्डस मेटिरियल्स, भाग–142, अंक–1–2, अप्रैल 2007
  - जर्नल आफ हेजार्डस मेटिरियल्स, भाग–137, अंक–2, सितम्बर 2006, पृ. 762–842
  - हमारे आलेखों में से एक आलेख (एनर्जी फ्यूल्स, 2006, 20(3), पृ. 848–889) को 1300 बार से अधिक पढ़ा गया (गूगल स्कालर के अनुसार)।

सौमित्र मुखर्जी

- पर्यावरणीय मामलों और रिमोट सेंसिंग पर पांच सम्मेलनों/बैठकों में भाग लिया।
- 12 आलेख और पुस्तकों में अध्याय प्रकाशित हुए।
- परियोजना अन्वेषक – 'इंफ्युएंस आफ सन ऐंड अदर कोसमिक फेक्टर्स आन एनवायरनमेंट आफ द स्पेस अराउंड अर्थ', एशियन आफिस (जापान) आफ एरोस्पेस रिसर्च ऐंड डिवलपमेंट यूनिट, यूएसए।

कस्तूरी मुखोपाध्याय

- 'पेपटाइड' जर्नल में प्रकाशन के लिए आलेख स्वीकार किया गया।
- एंटीमाइक्रोबाइल पेप्टाइड्स, लिले, फ्रांस में आयोजित 3रे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में व्याख्यान दिया।
- आईसीएमआर द्वारा शोध परियोजना मंजूर की गई।

विजय पाल

- वर्ष 2013 में आईसीजीईबी, नई दिल्ली में आईसीएमआर, आईसीजीईबी, पीएचएफआई, एलएसएचटीएम द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 'पेथोजेन डाइवर्सिटी : एक्सप्लोटिंग पेथोजेन जेनेटिक्स फार न्यू कंट्रोल स्ट्रेटिजिज' शीर्षक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'रिकंबीनेशन ड्यूरिंग इंड्यूस्ड रिट्रोट्रांसपोजिशन इन एंटामोइबा हिस्टोलिटिका' विषयक व्याख्यान दिया।
- सरब/डीएसटी से परियोजना अन्वेषक के रूप में अनुदान प्राप्त हुआ – 'करेक्ट्राइजेशन आफ इंड्यूस्ड रिट्रोट्रांसपोजिशन इन ए रिट्रोट्रांसपोजिशन – कंपिटेंट ऐंटामोइबा हिस्टोलिटिका सेल लाइन', 2012

आर. पालराज

- अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में 5 आलेख प्रकाशित हुए।
- एक अंतरराष्ट्रीय और एक राष्ट्रीय सम्मेलन/बैठक में भाग लिया और आलेख प्रस्तुत किए।

एन.जे. राजू

- जेएनयू से बाहर 5 व्याख्यान दिए और सम्मेलनों में भाग लिया। तीन सम्मेलन आयोजित किए।
- मार्टिन लूथर यूनिवर्सिटी, हाले, जर्मनी 2012 में गेस्ट प्रोफेसरशिप प्राप्त हुई।
- राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में 6 आलेख प्रकाशित हुए।

ए.एल. रामनाथन

- अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय पत्रिकाओं में 18 आलेख प्रकाशित हुए। 3 पुस्तकों का संपादन/प्रकाशन किया और पुस्तक के लिए एक अध्याय लिखा।
- कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों/बैठकों में भाग लिया और व्याख्यान दिए। 3 सम्मेलन आयोजित किए।
- 3 राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय परियोजनाएं प्राप्त हुईं।

अरूण कुमार श्रीवास्तव

- अर्थ और एटमोसफेरिक साइंसिस में डीएसटी की फास्ट ट्रेक स्कीम के अंतर्गत युवा विज्ञानी परियोजना प्राप्त हुई।
- अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में 3 शोध आलेख प्रकाशित हुए।

के.जी. सक्सेना

- 14–15 जुलाई 2012 को कूनमिंग, चीन में आयोजित एशिया–पेसेफिक नेटवर्क फार सस्टेनेबल फोरेस्ट मेनेजमेंट ऐंड रिहेबिलिटेशन ट्रेनिंग वर्कशाप में रिसोर्स पर्सन के रूप में भाग लिया।
- सदस्य, विशेषज्ञ ग्रुप, केपेसिटी बिल्डिंग इन टेक्सोनोमी पर आल इंडिया कोर्डिनेटिड परियोजना की उपलब्धियों के मूल्यांकन के लिए गठित ग्रुप, पर्यावरण और वन मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली।
- संयुक्त रूप से पुस्तक का संपादन – लैंड मेनेजमेंट इन मार्जिनल माउंटेन रीजंस, 2012

इन्दू शेखर ठाकुर

- अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में 11 शोध आलेख प्रकाशित।
- 2013 में बोस्टर्न मसाचूसेट, यूएसए में आयोजित 'एनवायरनमेंटल हेल्थ, साइंस ऐंड पालिसी टु प्रोटेक्ट द फ्यूचर जेनरेशन' शीर्षक अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया।
- सदस्य, परियोजना रिव्यू समिति, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली।

जयंत कुमार त्रिपाठी

- अंतरराष्ट्रीय पत्रिका में एक शोध आलेख प्रकाशित।

सुधेश यादव

- वर्ष 2013 में महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक में 'एडवांसिस इन केमिकल साइंसिस' शीर्षक राष्ट्रीय सम्मेलन में 'ई–वेस्ट–एन एमर्जिंग एनवायरनमेंटल पाल्युटेंट : प्रोब्लम्स, इश्यूज ऐंड चेलेंजिज' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में दो आलेख प्रकाशित हुए।

अन्तरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान

वर्ष 1955 में स्थापित अन्तरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान विश्वविद्यालय का सबसे पुराना संस्थान है। अन्तरराष्ट्रीय संबंधों और क्षेत्रीय अध्ययन के शिक्षण एवं शोध में संलग्न इस संस्थान ने अपने को पूरे देश में एक अग्रणी संस्थान के रूप में स्थापित किया है।

संस्थान में वर्ष के दौरान 49 व्याख्यान, 3 कार्यशालाएं तथा छात्रों के लिए 12 कार्यशालाएं आयोजित की गईं।

संस्थान के शिक्षकों की 13 पुस्तकें, 63 आलेख तथा पुस्तकों में 49 अध्याय प्रकाशित हुए। उन्होंने जेएनयू और जेएनयू से बाहर 159 व्याख्यान दिए तथा 328 सम्मेलनों में भाग लिया।

संस्थान के शिक्षकों को 16 पुरस्कार/सम्मान और अध्येतावृत्तियाँ प्राप्त हुईं। उपरोक्त प्रकाशनों के अतिरिक्त उनके 34 आलेख प्रकाशित हुए। शिक्षकों ने भी 64 सम्मेलन और संगोष्ठी आलेख प्रकाशित किए। उनके 34 मीडिया आलेख और 22 परियोजनाएं भी हैं। समीक्षाधीन अवधि के दौरान छात्रों के 2 प्रकाशन भी प्रकाशित हुए।

166 छात्रों ने अपनी एम. फिल उपाधि और 64 छात्रों ने पीएच.डी. उपाधि पूरी की। संस्थान में एम. ए. पाठ्यक्रम में 149 छात्रों में से 6 विदेशी छात्र थे। इनमें से 90 पुरुष छात्र और 59 महिला छात्राएं थीं। शोध पाठ्यक्रम स्तर पर 208 छात्रों ने ज्वाइन किया। उनमें से 7 विदेशी छात्र थे। इनमें से 119 महिला छात्राएं और 89 पुरुष छात्र थे।

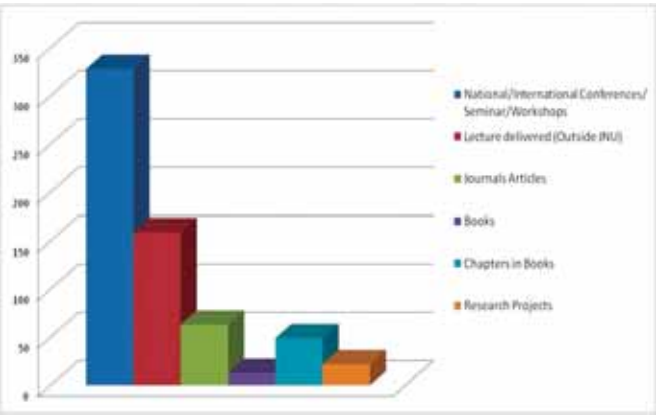

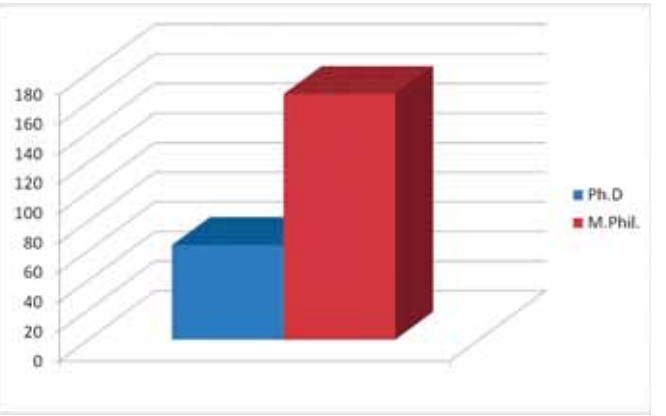

वर्ष 2012–2013 के दौरान केन्द्रों और शिक्षकों की उपलब्धियाँ

कनाडियन, यूएस और लेटिन अमरीकी अध्ययन केन्द्र

इस केन्द्र में 3 कार्यक्रम हैं जैसे – यूएस, कनाडियन और लेटिन अमरीकी अध्ययन। केन्द्र एम. फिल/पी.एच.डी. पाठ्यक्रम तथा संस्थान के मास्टर कार्यक्रम के लिए वैकल्पिक कोर्स भी चलाता है। केन्द्र के शिक्षकों की पुस्तक, तथा पुस्तकों में 3 आलेख और अध्याय प्रकाशित हुए तथा उन्होंने 16 शोध परियोजनाएं समन्वित कीं। उन्होंने विश्वविद्यालय से बाहर 3 व्याख्यान दिए तथा देश एवं विदेश में 11 सम्मेलनों में भाग लिया।

चिन्तामणि महापात्रा

- यूनान यूनिवर्सिटी चीन में आईसीसीआर' की टैगोर चेयर प्रोफेसर के रूप में प्रति नियुक्त पर गए। उन्होंने 5 सितम्बर – 23 दिसम्बर को स्कूल आफ इंटरनेशनल रिलेशंस, यून्नन यूनिवर्सिटी में यूएस फारेन पालिसी, एशिया पेस्फिक सिक्युरिटी ऐंड इकोना इकोनामिक इश्यूज, साउथ एशिया इन यूएस पर्सपेक्टिव्स' विषयक कई व्याख्यान दिए।
- 15–17 मार्च 2013 को जर्मन मार्सल फण्ड, यूनाइटिड स्टेट्स, ब्रूसेल्स द्वारा आयोजित 'ट्रांसअटलांटिक कंजर्वेशंस' विषयक फोरम 2013 में भाग लिया।

- चेंजिंग द माइन्ड सैट : एन अपवार्ड जर्नी (इण्डो–यूएस रिलेशंस), जिओपालिटिक्स, भाग–3, अंक–2, जुलाई 2012।

प्रीति सिंह

- द कंटेम्पोरॅरि कैरिबियन : इश्यूज ऐंड चैलेंजिस, शिप्रा प्रकाशन, नई दिल्ली, 2013।
- 29 अक्टूबर 2012 को इडसा, कैम्पस में सिक्यूरिटी इश्यूज इन लैटिन अमेरिका : एक्सपिरिअन्स आफ अनएस्युर' विषयक अन्तरराष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया तथा 'अनस्युर इन लैटिन अमेरिका' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सदस्य, सम्पादक सलाहकार मण्डल, जर्नल थीसिस इलेवन : क्रिटिकल थीअरि ऐंड हिस्टोरिकल सोसिओलाजी, लन्दन, दिल्ली, सेज, थाउजेन्ड ओक्स, और सदस्य, नेशनल ऐंड इंटरनेशनल साइंटिफिक कमेटी, सेंटर फार ऐथिक्स स्टडीज यूनिवर्सिटी आफ मांट्रियल, कनाडा।

अन्तरराष्ट्रीय विधि अध्ययन केन्द्र

अन्तरराष्ट्रीय विधि अध्ययन केन्द्र ने वर्ष के दौरान 1 संगोष्ठी आयोजित की। केन्द्र के शिक्षकों की 2 पुस्तकें और 10 आलेख प्रकाशित हुए। उन्होंने विश्वविद्यालय से बाहर 7 व्याख्यान दिए तथा देश एवं विदेश में 3 सम्मेलनों में भाग लिया। उन्हें 5 पुरस्कार/अध्येतावृत्तियां प्राप्त हुईं।

बी. एस. चिमनी

- सहसम्पादक सिद्धार्थ मल्लावारपु के साथ, इंटरनेशनल रिलेशंस : एसेज फार द ग्लोबल साउथ, पीयरसन, नई दिल्ली, 2012।
- सदस्य, अकादमिक काउंसिल, इंस्टीट्यूट फार ग्लोबल काउंसिल लॉ ऐंड पालिसी, हारवर्ड लॉ स्कूल, हारवर्ड यूनिवर्सिटी', सदस्य, राष्ट्रीय कार्य ग्रुप, लीगल ऐज्यूकेशन नालेज कमीशन, भारत सरकार द्वारा स्थापित और एसोसिएट सदस्य, इंस्टीट्यूट द ड्रोइट इंटरनेशनल (इंस्टीट्यूट आफ इंटरनेशनल लॉ)
- 'द सेल्फ, माडर्न सिविलाइजेशन ऐंड इंटरनेशनल लॉ, : लर्निंग फ्राम मोहनदास करमचन्द गाँधी' सहिन्द स्वराज' यूरोपीयन जर्नल आफ इंटरनेशनल लॉ, भाग–23, अंक–4, पृ. 1159–1173, 2012

भरत एच देसाई

- इंप्लिमेंटेशन, आन 'बायोलाजिकल डायवर्सिटी, आईसीआईएमओडी, काठमाण्डु, (ओली शर्मा के साथ), 2012
- सदस्य, राष्ट्रीय संचालन समिति, क्लाइमेट चेंज डिविजन, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, और शासी मण्डल, आईयूसीएन, अकादमी आफ इंटरनेशनल लॉ, ओटावा, कनाडा, 2012–2015।
- फारेस्ट्स, इंटरनेशनल प्रोटेक्शन, (सं.) आर वुलफ्रम, मैक्स प्लैंक इनसाइक्लोपीडिया आफ पब्लिक इंटरनेशनल लॉ, आईयूपी, आक्सफोर्ड, 2012।

पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र (सीईएएस)

पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र में चीनी अध्ययन, जापानी अध्ययन और कोरियाई अध्ययन शामिल हैं। वर्ष के दौरान केन्द्र में 13 व्याख्यान और 3 संगोष्ठी आयोजित कीं। शिक्षकों की 3 पुस्तकें प्रकाशित हुईं तथा 4 आलेख और पुस्तकों में अध्याय प्रकाशित हुए। उन्होंने विश्वविद्यालय के बाहर 44 व्याख्यान दिए तथा 1 सम्मेलन में भाग लिया। 2 छात्रों को छात्रवृत्तियाँ प्रदान की गईं।

सराबनी राय चौधरी

- इण्डिया–जापान इकोनामिक पार्टनरशिप : स्कोप ऐंड प्रास्पेक्ट'स इण्डिया–जापान रिलेशंस इन इमर्जिंग एशिया (सं.) तकेनोरी होरिमोटो और लालिमा वर्मा।
- 'इस्ट एशिया मैनेजमेंट : चेंजिंग पर्सपेक्टिव' मैनेजमेंट डिवलपमेंट इंस्टीट्यूट, गुड़गांव, दिसम्बर 2012।

श्रीकांत कोन्डापल्ली

- मेंटर सदस्य, सांची यूनिवर्सिटी बुद्धिस्ट–इंडिक स्टडीज, भोपाल, नवम्बर 2012–; सम्पादक मण्डल, अफ्रीका रिव्यू, रूटलेज, यूके, टेलर ऐंड फ्रांसिस; सम्पादक मण्डल तमखांग यूनिवर्सिटी जर्नल ताइपेई।
- सदस्य, सम्पादकीय सलाहकार मण्डल, 'ग्लोबल पावर शिफ्ट : कम्पैरटिव एनालिसिस ऐंड पर्सपेक्टिव्स' सिप्रंगर द्वारा प्रकाशित 2011; और सम्पादकीय सदस्य, पेंटागन पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
- सम्पादक, चाइना'स मिलिट्री ऐंड इण्डिया, पेंटागन प्रेस, नई दिल्ली, 2012।

एच. एस. प्रभाकर

- 'रीजनल इंटिग्रेशन आर कोआपरेशन इन इण्डिया, आस्ट्रेलिया ऐंड जापान' (सं.) वाई यागमा रेड्डी, इण्डिया आस्ट्रेलिया : टुवर्डस सस्टेनेबल पार्टनरशिप इन 21ट सेंचुरी, आकांक्षा प्रकाशन हाउस, नई दिल्ली, 2012।
- विशेष साक्षात्कार, इण्डिया–जापान रिलेशंस (सं.) अज्जा नो टोमो, टोकियो, जुलाई 2012।

वाराप्रसाद शेखर

- 'टेक्नोलाजिकल इनोवेशन इन कंटेम्पोरॅरि चाइना ऐंड इण्डिया : ए कम्पैरटिव एनालिसिस' इंटरनेशनल स्टडीज, भाग–49, अंक 3, 2012
- **जितेन्द्र उत्तम** 1–3 दिसम्बर 2012 को डैकिन यूनिवर्सिटी, आस्ट्रेलिया और हैदराबाद सेंट्रल यूनिवर्सिटी, आन्ध्रा प्रदेश द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 'गवर्नेन्स डेमोक्रेसी ऐंडपालिटिकल पार्टीज' विषयक कार्यशाला में भाग लिया तथा 'ट्विन माडल्स आफ कैपटेलिस्ट डिवलपमेंट : ए कम्पैरटिव स्टडी आफ इण्डिया'स डेमोक्रेटिक कैप्टेलिज्म ऐंड चाइना'स मार्किट सोसिशलिज्म' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

लालिमा वर्मा

- सह सम्पादक होरिमोटो ताकेशी के साथ, इंण्डिया–जापान रिलेशंस इन इमजेटिं एशिया, मनोहर पब्लिशर्स और डिस्ट्रीब्यूटर, दिल्ली, 2013।
- सम्पादक मण्डल, अफ्रीका रिव्यू रूटलेज यूके, (टेलर ऐंड फ्रांससि' और कार्यकारी सदस्य, जापान इण्डिया फोरम फेडरेशन आफ इण्डिया चेम्बर आफ कामर्स ऐंड इंडस्ट्री।
- 29 सितम्बर 2012 को क्योटो यूनिवर्सिटी, जापान द्वार इंटरनेशनल हाउस आफ जापान, टोकियो, जापान में आयोजित 'इण्डिया'स फारेन रिलेशंस' विषयक 7वीं अनतरराष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया तथा 'एन ओवरव्यू आफ इण्डिया–जापान रिलेशंस : कनवर्जेन्स ऐंड डायवर्जेन्स आफ इंटरेस्ट्स' विषयक अध्यक्षीय व्याख्यान दिया।

अन्तरराष्ट्रीय व्यापार और विकास केन्द्र (सीआईटीडी)

अन्तरराष्ट्रीय व्यापार और विकास केन्द्र भारत में 'पहला आर्थिक विभाग है। यह मुख्य रूप से अन्तरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था और आर्थिक विकास पर केन्द्रित है। केन्द्र अर्थशास्त्र में 3 पाठ्यक्रम चलाता है : एम. ए. अर्थशास्त्र (विश्व अर्थशास्त्र में विशेषीकरण के साथ), एम. फिल. अन्तरराष्ट्रीय व्यापार और विकास और अर्थशास्त्र में पीएच.डी। शिक्षकों के 9 आलेख और अध्याय पुस्तकों में प्रकाशित हुए तथा 5 शोध परियोजनाएं समन्वित कीं। उन्होंने विश्वविद्यालय के बाहर 9 व्याख्यान दिए तथा देश और विदेश में 18 सम्मेलनों में भाग लिया।

2 छात्रों ने अपनी एम. फिल. उपाधि पूरी की।

लोकेश बरुआ

- 'एन्ट्री कम्पटीटिवनेस ऐंड एक्सपोर्ट्स : डविडेन्स फ्राम द इण्डियन फर्मडाटा' जर्नल इंडस्ट्री कम्पटीशन ऐंड ट्रेड, पृ. 325–347, सितम्बर 2012।

- 'ए नीड फार ए पेराडिग्म शिफ्ट इन अवर अप्रोच टु डिवलपमेंट आफ द नार्थईस्ट'
- बालेरस स्टेट इकोनामिक यूनिवर्सिटी में 'इंटरनेशनल ट्रेड थीअरि ऐंड पालिसी' विषयक व्याख्यान दिया।

संगीता बंसल

- सहसम्पादक रिसोर्स ऐंड एनर्जी इकोनामिक्स, एल्सवियर, जनवरी 2012 से।

मनोज पंत

- ने मार्च 2013 में सेंटर फार डब्ल्यूटीओ स्टडीज इण्डियन इंस्टीट्यूट आफ फारेन ट्रेड, आईआईएफटी, भवन, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'ब्रिक्स : ट्रेड पालिसीज, इंस्टीट्यूशंस ऐंड एरियाज आफ डीपनिंग कोआपरेशन' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'इंडिया ऐंड द ब्रिक्स कंट्रीज : इश्यूज आफ ट्रेड ऐंड टेक्नोलाजी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ने 4 फरवरी 2013 को स्कूल आफ इकोनामिक्स, सिम्बियोसिस, इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, पुणे में 'अण्डरस्टेंडिंग एफडीआई : द केस आफ मल्टिब्राण्ड रिटेल' विषयक समापन व्याख्यान दिया।
- ने 6 मार्च 2013 को मैत्रेयी कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'एफडीआई इन रिटेल सेक्टर–अण्डरस्टेंडिंग द इंप्लिकेशंस' विषयक वार्षिक सम्मेलन में भाग लिया।

अमित एस रे

- सदस्य, स्वतंत्र आयोग, डिवलपमेंट ऐंड हैल्थ इन इण्डिया, दिल्ली; सदस्य, कार्य ग्रुप, पोट्र्स, 12वीं पंचवर्षीय योजना, योजना आयोग, भारत सरकार; और सदस्य, उप ग्रुप, टेक्नोलाजी इंडस्ट्री इन इण्डिया'स मैन्युफैक्चरिंग एक्सपोटर्स, योजना आयोग वर्किंग ग्रुप के अन्तर्गत वूस्टिंग इण्डिया'स मैन्युफैक्चरिंग एक्सपोर्टस, 12वीं पंचवर्षीय योजना के लिए।
- ने 18 मई 2012 को साइंसिस इकोनामिक्स ऐंड सोशल डे ला सैन्टे और ट्रटमेंट डे इंफार्मेशन मेडिकेल, यूनिवर्सिटी आफ एक्स मार्सिले स्कूल आफ इकोनामिक्स, मार्सिले, फ्रांस द्वारा आयोजित 'कम्पीटिंग थ्रू टेक्नोलाजिकल कैपेबिलिटी : इण्डियन फार्मास्युटिकल इंडस्ट्री इन ए चेंजिंग ग्लोबल लैण्डस्केलप' विषयक संर्गोष्ठी में भाग लिया।

मंदिरा शर्मा

- का आलेख जर्नल आफ इकोनामेट्रिक्स में छपा जोकि 5 उच्च स्तर की पत्रिकाओं में जानी जाती है।
- ने 24–28 सितम्बर 2012 को नेशनल ट्रेजरी आफ द पब्लिक आफ साउथ अफ्रीका ऐंड एलाइन्स फार फाइनेसियल इनक्लुजन, केपटाउन, साउथ अफ्रीका द्वारा आयोजित 'मेकिंग फाइनेंसियल इनक्लुजन रीयल' विषयक ग्लोबल पालिसी फोरम में भाग लिया। वह पालिसी फोरम में भाग लेने वाली अकेली शिक्षक थीं। उन्हें 'इंडेक्स आफ फाइनेंशियल इनक्लुजन' विषयक डाटा वर्किंग बैठक में आलेख प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया गया।
- डिटर्मिनेंट्स आफ एक्सिस टु इंस्टीट्यूशनल क्रेडिट फार स्माल इंटरप्राइजिस इन इण्डिया' (युको निकैडो और जैसिमपाइस के साथ संयुक्त रूप से), अध्याय 10, (सं.) तकाहिरो सातो, द ब्रिक्स ऐज रीजनल इकोनामिक पावर्स इन द ग्लोबल इकोनामी, होकैडो यूनिवर्सिटी, जापान द्वारा प्रकाशित, 2012।

अर्पणा साहनी

- ने 3–4 अप्रैल 2012 को जेएनयू, नई दिल्ली में 'ट्रेड, ग्रोथ ऐंड डिवलपमेंट : टु डिकेड्स आफ रिफार्म इन इण्डिया ऐंड आफ्टर' विषयक 2 दिवसीय संगोष्ठी आयोजित की।
- ने 26 नवम्बर 2012 को द इण्डियन टेक्नीकल ऐंड इकोनामिक कोआपरेशन/स्पेशल कामनवैल्थ असिस्टेन्स फार अफ्रीकन प्रोग्राम, गवर्नमेंट आफ इण्डिया के अन्तर्गत टेरी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'ट्रेड ऐंड सस्टेनेबल डिवलपमेंट : इश्यूज फार डिवलपिंग कंट्रीज' विषयक कार्यक्रम में भाग लिया तथा 'सस्टेनेबिलिटी ऐंड ट्रेड इन एनवायरनमेंटल गुड्स' ऐंड सर्विसिस' विषयक व्याख्यान दिया।

अन्तरराष्ट्रीय राजनीति, संगठन और निरस्त्रीकरण केन्द्र (सीआईपीओडी)

अन्तरराष्ट्रीय राजनीति, संगठन और निरस्त्रीकरण केन्द्र में चार विभाग हैं : अन्तरराष्ट्रीय राजनीति (आईएनपी), अन्तरराष्ट्रीय संगठन (ओआरजी), राजनय और निरस्त्रीकरण (डीएडी) और राजनीतिक भूगोल (पीओजी) हैं। यद्यपि इनकी अन्तरराष्ट्रीय संबंधों के क्षेत्र में अन्तरविषयक ज्ञान से संबंधित खास पहचान है। वर्ष के दौरान केन्द्र ने 15 व्याख्यान/संगोष्ठियां आयोजित कीं। शिक्षकों की 3 पुस्तकें तथा 5 आलेख/अध्याय पुस्तकों में प्रकाशित हुए। उन्होंने विश्वविद्यालय से बाहर 54 व्याख्यान दिए, देश और विदेश में 66 सम्मेलनों में भाग लिया तथा 2 पुरस्कार/अध्येतावृत्तियां प्राप्त हुईं। इनमें आस्ट्रलिया–इण्डिया, मेलबोर्न यूनिवर्सिटी, आस्ट्रेलिया से हैप्पीमोन जैकब को प्राप्त इमर्जिंग लीडर फेलो 2013 शामिल हैं।

27 छात्रों ने अपनी एम. फिल. उपाधि तथा 9 छात्रों ने पीएच.डी. उपाधि पूरी कीं।

मौसमी बासु

- कैपटेलिस्ट डिवलपमेंट ऐंड इन फार्मेलाइजेशन आफ लेबर मार्किट्स इन इण्डिया' (सं.) इरूदया राजन, इण्डिया माइग्रेशन रिपोर्ट 2013 : सोशल कास्ट्स आफ माइग्रेशन, रूटलेज, लन्दन, पृ. 270–282; 2013।
- ने 20 दिसम्बर 2012 को विलियम बाइड लॉ स्कूल और नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, द्वारका द्वारा आयोजित इंटरनेशनल कम्पैरटिव ह्यूमन राइट्स लॉ प्रैक्टिक्स में भाग लिया तथा 'प्रिकेरियस लाइव्स : कंडीशन आफ माइग्रेनट्स इन द कंस्ट्रक्शन इंडस्टी इन इण्डिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ने 2 जुलाई 2012 को वी वी. गिरि राष्ट्रीय श्रम संस्थान, नोयडा में 'माइग्रेशन ऐंड लेबर मार्किट्स इन इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।

येसी शोयदन

- 'ट्रांस फार्मेशन आफ तिब्बत इश्यूज फ्राम होप टु डिसपेयर : वाट नेक्स्ट' इडसा कमेंट्स, 13 फरवरी 2013।
- ने 26–28 फरवरी 2013 को राजनीति और अन्तरराष्ट्रीय अध्ययन विभाग, पाण्डिचेरी विश्वविद्यालय, पाण्डिचेरी में 'कलेक्टिव सिक्युरिटी सिस्टम' और 'यून पीस कीपिंग आपरेशंस' विषयक व्याख्यान दिए।
- ने 20 मार्च 2013 को अन्तरराष्ट्रीय संबंध विभाग, केन्द्रीय विश्वविद्यालय केरल, कसरगोड द्वारा आयोजित 'इण्डिया ऐंड इंटरनेशनल आर्गेनाइजेशंस : टूवर्डस मल्टिलेट्रिज्म' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'इण्डिया'स पार्टिसिपेशन इन यूएस कम्पलेक्स पीस कीपिंग आपरेशंस : कम्पल्शन ऐंड अपरच्युनिटीज' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

हैप्पीमन जैकब

- इमर्जिंग लीडर फेलो 2013, आस्ट्रेलिया–इण्डिया इंस्टीट्यूट, मेलबोर्न यूनिवर्सिटी, आस्ट्रेलिया।
- समीक्षक, पाण्डुपिपि और/अथवा जेड बुक्स को प्रस्तुत प्रस्ताव, ऐन्थम प्रेस और केम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस।
- (सहलेखक टीवी पाल के साथ), 'साउथर्न एशिया, इण्डिया ऐंड द गल्फ रीजन : अण्डर स्टेंडिंग द न्यू–पालिटिकल इंटरफेस' इण्डियन फारेन अफेयर्स जर्नल, भाग–8, अंक–1, जनवरी–मार्च 2013।

मदनमोहन जगन्नाथन

- ने 23 जुलाई 2012 को मद्रास क्रिश्चियन कालेज चेन्नई द्वारा आयोजित 'इण्डियन हायर ऐज्यूकेशन : कंटेम्पोरॅरि चैलेंजिस ऐंड पर्सपेक्टिव्स' विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'हायर ऐज्यूकेशन इन इण्डिया : इमब्रेसिंग इंटरनेशनलाइजेशन आर इनडेंजरिंग इनक्लुजन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ने 23 जनवरी 2013 को डिपार्टमेंट आफ हिस्ट्री, टूरिज्म ऐंड ट्रेवल मैनेजमेंट, इथिराज कालेज फार वुमन, चेन्नई द्वारा आयोजित 'सोशल साइंसस' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'इमर्जिंग पावर 2 एक्सेप्शनल स्टेट एक्सप्लेनिंग इण्डिया'स बिहेवियर' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- ने 16 मार्च 2013 को शिक्षा विभाग, मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नई द्वारा आयोजित 'इनोवेटिव पेडागोगी इन हायर ऐज्यूकेशन फार मिलेनियल टीचर्स' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'कंटेक्सचुआलाइजिंग इनोवेशन : द केस आफ हायर ऐज्यूकेशन इन इण्डिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

कृष्णेन्द्र मीणा

- विजिटिंग फेलोशिप, ब्रिक्स पालिसी सेंटर, इंस्टीट्यूट आफ इंटरनेशनल रिलेशंस, द पालिटिकल यूनिवर्सिटी आफ रिओ डे जैनेरिओ, नवम्बर–दिसम्बर 2012।
- ने 13 दिसम्बर 2012 को अकादमिक सेंटर सेरजिओ विरिया डेमेलो द्वारा आयोजित 'ब्रिक्स ऐंड रीजनलाइजेशन : ए क्रिटिकल जिओपालिटिकल एनालिसिस' विषयक व्याख्यान दिया।
- 'रि इमेजिंग एशिया जिओस्ट्रेटिजिकली, साउथ एशियन सर्वे, भाग 18, अंक–2।

सी.एस. आर. मूर्ति

- ने 4–9 नवम्बर 2012 को फेडरिक इबर्ट स्टिफटंग, न्यू मार्क द्वारा आयोजित 'साउथ एशियन इश्यूज विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'मैनडेटिंग पीसकीपिंग आपरेशंस इन द यूएन सिक्युरिटी काउंसिल' शीर्षक सत्र की अध्यक्षता की।
- ने 1–3 नवम्बर 2012 को ग्लोबल पब्लिक पालिसी इंस्टीट्यूट, बर्लिन द्वारा आयोजित 'पालिटिक्स आफ नार्मस इवोल्युशन ऐंड द रिसपांसिबिलिटी टु प्रोटेक्ट' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।
- ने 20–22 मार्च 2013 को अन्तरराष्ट्रीय संबंध विभाग, केन्द्रीय विश्वविद्यालय केरल, कसरगोड द्वारा आयोजित 'इण्डिया ऐंड इंटरनेशनल आर्गेनाइजेशंस : टुवर्डस मल्टिलेट्रिज्म' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'थिओरेटिकल अप्रोचिस टु इंटरनेशनल आर्गेनाइजेशंस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

अर्चना नेगी

- ने 8–21 जुलाई 2012 को वोस्टडैम इंस्टीट्यूट फार कलाइमेट इम्पैक्ट रिसर्च और इंस्टीट्यूट फार एडवांस्ड सस्टेनेबिलिटी स्टडीज, वाट्सडैम, जर्मनी द्वारा आयोजित 'ग्लोबल सस्टेनेबिलिटी समर स्कूल' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।
- ने 17 अक्टूबर 2012 को हैदराबाद, आन्ध्र प्रदेश में 'बायोलाजिकल डायवर्सिटी' विषयक 11वें सम्मेलन में भाग लिया तथा 'इम्प्लिकेशंस आफ द नगोया प्रोटोकाल फार साउथ एशिया : एन असेसमेंट, तथा 'आपरेशनलाइजिंग द नगोया प्रोटोकाल इन साउथ एशिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ने 15–16 मार्च 2013 को सेंटर फार स्टडीज इन इंटरनेशनल पालिटिक्स ऐंड गवर्नेन्स, सेंट्रल यूनिवर्सिटी आफ गुजरात, गांधीनगर में 'लैक्चर डिबेट्स इन ग्लोबल क्लाइमेट चेंज और 'थीअरीज इन इंटरनेशनल पालिटिकल इकोनामी' विषयक व्याख्यान दिए।

राजेश राजगोपालन

- 'इण्डिया ऐंड द फ्युचर आफ साउथ एशिया' (सं.) अमिताभ भट्ट, द रिलक्टैंट सुपरपावर : अण्डर स्टेंडिंग इण्डिया ऐंड इट्स एसपाइरेशंस, मेलबोर्न यूनिवर्सिटी प्रेस, मेलबोर्न, 2012।
- 'साइजिंग आप द न्युक्लियर'स ग्रुप : द व्यू फ्राम इण्डिया (सं.) लोरा सलमान, द चाइना–इण्डिया न्युक्लियर क्रासरोड्स : चाइना–इण्डिया ऐंड द न्यू पैराडिग्म, कार्नेज इनडोमेंट फार इंटरनेशनल पीस, वाशिंग्टन डीसी, 2012
- ने 10–12 दिसम्बर 2012 को द यूएस नेवल पोस्टग्रेजुएट स्कूल, मान्ट्रेरी ऐंड आब्जरवर रिसर्च फाउण्डेशन, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'यूएस–इण्डिया स्ट्रेटजिक परिचर्चा में भाग लिया तथा 'इण्डिया'स स्ट्रेटजिक न्युक्लिचर पोस्चर' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

वरुण साहनी

- सम्पादक, साउथ एशियन सर्वे, सेज प्रकाशन
- Perspectiva indiana sabre o BRICS : entusiasta, evasiva e ainda em evolucao", Jose Vicente de Sa Pimentel (सं.) जोस विसेन्टे डे सा पेमिन्टल, ओ ब्राजील ओएस ब्रिक्स ईए एजेन्डा इंटरनेशनल, ब्रासिलिआ : फण्डाको अलेक्जेंडर डे गुस्माओ, पृ. 563–604, 2013।
- ने 8 अगस्त 2012 को यूनिवर्सिटडाड डो इस्टाडो डो रिओ डे जैनेरिओ, रिओ डे जैनेरिओ, ब्राजील, 8 अगस्त 2012।

स्वर्ण सिंह

- (सह सम्पादक शिह चिह यु और रीना मरवाह के साथ), आन चाइना, बाई इण्डिया : फ्राम सिविलाइजेशन टु नेशन–स्टेट, कैम्ब्रिया प्रेस, एमहर्स्ट एनवाई, पृ. 655, 2012।
- 'चाइना ऐंड इण्डिया : काउंटरिंग टेररिज्म' (सं.) दीपांकर बनर्जी और जबिन टी जैकब, मिलिट्री कंफिडेन्स बिल्डिंग ऐंड इण्डिया – चाइना फाइटिंग डिस्ट्रस्ट, पेंटागन प्रेस, नई दिल्ली, पृ. 119–132, 2013।
- 'चाइना लेड मल्टिलेट्रिज्म इन सेंट्रल एशिया : स्ट्रेटजिक इंप्लिमेंटेशंस फार इण्डिया' (सं.) पी.एस. दास, इण्डिया ऐंड सेंट्रल एशिया : टु डिकेड्स आफ ट्रांजिशन, आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, नई दिल्ली, पृ. 62–75, 2012

जयती श्रीवास्तव

- ने 18 अक्टूबर 2012 को अकादमिक स्टाफ कालेज, जेएनयू, नई दिल्ली में राजनीति विज्ञान में यूजीसी के 40वें पुनश्चर्या कोर्स में भाग लिया तथा ग्लोबलाइजेशन ऐंड कंटेस्टेशंस : द इण्डियन एक्सपिरिअन्स' विषयक व्याख्यान दिया।

दक्षिण, मध्य, दक्षिण–पूर्व एशियाई और दक्षिण–पश्चिम महासागरीय अध्ययन केन्द्र (सीएससीएसइएएसडब्ल्यूपीएस)

दक्षिण, मध्य, दक्षिण–पूर्व एशियाई और दक्षिण–पश्चिम महासागरीय अध्ययन केन्द्र में मुख्य रूप से तीन पाठ्यक्रम चलाए जा रहे हैं: दक्षिण एशियाई, मध्य एशियाई और दक्षिण–पूर्व एशियाई और दक्षिण–पश्चिम महासागरीय अध्ययन। यह केन्द्र अन्तरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान का सबसे बड़ा केन्द्र है। इस केन्द्र में 50 शिक्षक तथा 250 शोध छात्र हैं। केन्द्र शिक्षण एवं शोध क्षेत्रों में अपनी बृहत् गतिविधियां चलाता है। केन्द्र ने 1 कार्यशाला आयोजित की। शिक्षकों की 3 पुस्तकें प्रकाशित हुईं तथा 14 आलेख और पुस्तकों अध्याय प्रकाशित हुए। उन्होंने विश्वविद्यालय के बाहर 26 व्याख्यान दिए तथा देश और विदेश में 78 सम्मेलनों में भाग लिया, 6 शोध परियोजनाएं समन्वित कीं तथा 6 पुरस्कार/अध्येतावृत्तियां प्राप्त हुईं।

संजय कुमार भारद्वाज

- 'इंस्टीट्यूशनल रिलेशनशिप बिटवीन गवर्नमेंट ऐंड नान–गवर्नमेंटल आर्गेनाइजेशंस इन बंगलादेश, जर्नल आफ इंटरनेशनल अफेयर्स, बिलिया ढाका, भाग–15, जून–दिसम्बर 2011
- 'कोआपरेशन फार एनर्जी सिक्युरिटी इन साउथ एशिया : चैलेंजिस ऐंड आपशंस (सं.) सौरभ औरबी. सी. उप्रेती, स्ट्रेंथनिंग सार्क : एक्सप्लोरिंग विट्स फार एक्सपेंडिड कोआपरेशन, आईसीडब्ल्यूए और पेंटागन प्रेस, नई दिल्ली, 2012।

महेश रंजन देबाता

- 'मेन स्ट्रीमिंग उघुर माइनार्टी इन कजाकस्तान (सं.) मोन्दिरा दत्ता, जेंडर ऐंड हयुमन डिवलपमेंट इन सेंट्रल ऐंड साउथ एशिया, पेंटागन, नई दिल्ली, पृ. 154–167, 2013
- 'चाइना'स रिलेशंस विद इण्डिया : प्रजेन्ट इश्यूज ऐंड फ्युचर प्रास्पेक्ट्स, शेनझोन पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन इंस्टीट्यूट, शेनझेन, चीन, 21 मई 2012

- सदस्य, सम्पादक मण्डल, इंटरनेशनल जर्नल आफ बिजनेस एन्थ्रोपोलाजी (नार्थ अमेरिकन बिजनेस प्रेस, यूएसए)

अम्बरीश ढाका

- ने 1–2 नवम्बर 2012 को रूसी और मध्य एशियाई अध्ययन केन्द्र, जेएनयू, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'यूरेशियन पालिटिक्सः आइडियाज, इंस्टीट्यूशंस ऐंड एक्सटर्नल रिलेशंस' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'इस्लाम ऐंड आइडेंटिटी रिक्रिएटिंग डिसकोर्स बिटवीन अफगानिस्तान ऐंड सेंट्रल एशिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ने 4–5 फरवरी 2013 को दक्षिण एशिया अध्ययन केन्द्र, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर द्वारा आयोजित 'चाइना'स इनगेजमेंट विद साउथ एशिया : रीजनल ऐंड ग्लोबल इंप्लिकेशंस' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'चाइना'स आफ–पाक डाइलेमा' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

मोंदिरा दत्ता

- 'जेंडर ऐंड हयुमन डिवलपमेंट इन सेंट्रल ऐंड साउथ एशिया, पेंआगन प्रेस, नई दिल्ली, पृ. 299, मार्च 2013।
- इल्लिसिट ड्रग प्रोडक्शन इन अफगानिसतान : ए सिचुएशनल एनालिसिस' (सं.) वेटनिक फार्गु, अंक–2 (66), कजाकस्तान, सितम्बर 2012।
- 'ट्रेडिशनल ऐंड कल्चरल पर्सपेक्टिव्स इन हयुमन ट्रेफ्किंग फार सेक्सचुअल एक्सप्लायटेशन इन साउथ एशिया' कोरम फार एशियन स्टडीज, स्टाकहोम यूनिवर्सिटी, स्टाफ होम, स्वीडन, 11 अक्टूबर 2012।

गंगनाथ झा

- सह सम्पादक वी शेखर के साथ, 'राइजिंग इण्डिया इन द चेंजिंग एशिया – पेसिफक : स्ट्रेटजीस ऐंड चैलेंजिस, पेंटागन प्रेस, नई दिल्ली, पृ. 283, 2012
- 'द क्वेस्ट फार डेमोक्रेटाइजेशन इन म्यामार' सोसायटी टुडे, भाग–2, अंक–2, पृ. 13–28, जुलाई 2012।
- 'इडिया ऐंड आशियान : इवोल्विंग ए न्यू कल्चर' (सं.) के. राजा रेड्डी, फारेन पालिसी आफ इण्डिया ऐंड एशिया पेस्फिक, न्यू सेंचुरी प्रकाशन, नई दिल्ली, पृ. 51–79, 2012।

मनमोहिनी कौल

- सह सम्पादक वी. शेखर के साथ, इण्डिया ऐंड न्यूजीलैंड इन ए राइजिंग एशिया : इश्यूज ऐंड पर्सपेक्टिव्स, पेंटागन प्रेस।
- ने राजनीति विज्ञान विभाग, राजकीय कालेज, कोटा द्वारा आयोजित 'इण्डिया ऐज ए इमर्जिंग पावर इन 21ट सेंचुरी : पासिबिलिटीज ऐंड चैलेंजिस बिफोर इण्डियन फारेन पालिसी' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में व्याख्यान दिया।

जी. विजयचन्द्र नायडु

- 'इण्डिया–आस्ट्रेलिया : बिल्डिंग ए जिनियन पार्टनरशिप' (सं.) यगमा रेड्डी, इण्डिया ऐंड आस्ट्रेलिया : टुवर्डस सस्टेनेबल पार्टनरशिप इन 21ट सेंचुरी, आकांक्षा पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, 2012।
- ने 30 नवम्बर 2012 को राजरतन स्कूल आफ इंटरनेशनल स्टडीज, नानयंग टेक्नोलाजिकल यूनिवर्सिटी, सिंगापुर द्वारा आयोजित 'इण्डिया–आशियआन डिफेंस रिलेशंस' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'इण्डिया ऐंड द इण्डियन ओशन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- विजिटिंग प्रोफेसर, इंस्टीट्यूट आफ इंटरनेशनल रिलेशंस, नेशनल चेंगची यूनिवर्सिटी, ताइपेई, 18–24 नवम्बर 2012।

सेतन नमग्याल

- ने 1–12 अगस्त 2012 को बीजिंग, चीन में आयोजित तिब्बतन स्टडीज' विषयक 5वें अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'कंट्रास्ट ऐंड कम्पेयर बिटवीन तिब्बतन ऐंड लद्दाखी सेइंग/मैक्सिज्म (जीटैम पई) ऐंड इट्स इंटररिलेशनशिप विद तिब्बतन कल्चर ऐड आइडेंटिटी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- ने 18–23 सितम्बर 2012 को उलान उडे, रूस में आयोजित 'वर्ल्ड आफ सेंट्रल एशिया' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा इवोल्युशन आफ तिब्बतन लैंग्यूवेज ऐंड इट्स इम्पैक्ट आन लिट्रेरी स्टडीज (रिलिजियस ऐंड सेक्युलर लिट्रेचर्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ने 8–9 दिसम्बर 2012 को 'बोद्धगया' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'बुद्धिज्म : ए रिअलाइजेशन आफ ग्लोबल फिनोमेनन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

शरद कुमार सोनी

- सम्पादक, पुस्तक समीक्षा, साउथ एशिया, एशियन एथनिसिटी, रूटलेज, लन्दन, जनवरी 2013 से।
- ने 1–2 जून 2012 को ताईवान नेशनल यूनिवर्सिटी, ताईवान में संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'चाइना स्टडीज इन साउथ एशिया : स्ट्रेटजिक इंप्लिमेंटेशंस फार बीजिंग्स लुक साउथ पालिसी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

शंकरी सुन्दररमन

- ने मीडिया के लिए 10 आलेख लिखे तथा 'एशिया फार द डेकन क्रानिकल ऐंड एशियन ऐज, विषयक आलेख लिख रहे हैं।
- ने 23–24 मई 2012 को एशिया –पेस्फिक कालेज आफ डिप्लोमेसी, आस्ट्रेलियन नेशनल यूनिवर्सिटी, केनबरा, आस्ट्रेलिया द्वारा आयाजित '20थ ऐनीवर्सरी आफ द 1993 कम्बोडियन इलैक्शंस' विषयक सम्मेलन में भाग लिया तथा 'द यूएन ऐंड कम्बोडिया ट्वेन्टी इयर्स आन : वाट डिड द पेरिश एग्रीमेंट्स अचीव ऐंड वाट आर द मेन लेसन्स फार द फ्यूचर' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ने 16–18 फरवरी 2013 को अन्तरराष्ट्रीय संबंध विभाग, जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता द्वारा आयोजित 'साउथईस्ट एशिया इन द इमर्जिंग ग्लोबल आर्डर : चैलंजिस ऐंड अपरच्युनिटीज' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा आशियान'स पालिसी आफ नान–इंटरवेंशन : रीयल आर रेटोरिक' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

संगीता थपलियाल

- पर्सेप्शन आफ अदर : मिथ्स ऐंड रिएल्टीज, मौलाना आजाद फार एशियन स्टडीज को प्रस्तुत, इडिया–नेपाल रिलेशंस' विषयक पुस्तक में अध्याय, फरवरी 2013
- चाइना'स अप्रोच, पालिसीज ऐंड रिलेशंस विद नेपाल ऐंड भूटान, (सं.) एम रसगोत्रा, चाइना टुडे : पालिटिक्स, सोसायटी ऐंड कल्चर, अकादमिक फाउण्डेशन, नई दिल्ली, 2012
- ने सितम्बर 2012 में आयोजित वर्किंग वुमन जर्नलिस्ट्स द्वारा आयोजित 'नेपाल'स डेमोक्रेटिक ट्रांसजिशन ऐंड इंडिया'स आप्शंस' विषयक व्याख्यान दिए।

के. वारिकू

- इडिया ऐंड सेंट्रल एशिया : पोटेंशियल इंप्लिमेंटैशंस फार पावर राइवलरीज इन यूरेशिया, इण्डिया ऐंड सेट्रल एशिया : टु डिकेड्स आफ ट्रांजिशन, (सं.) पी. एल. दास, आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, नई दिल्ली, पृ. 98–116, 2012।
- ने 19–21 अप्रैल 2012 को पाण्डिचेरी विश्वविद्यालय, पाण्डिचेरी द्वारा आयाजित 'रीवर वाटर शेयरिंग इन साउथ एशिया' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में समापन व्याख्यान दिया।
- ने 1 मार्च 2013 को साउथ एशिया स्टडीज सेंटर, यूनिवर्सिटी आफ राजस्थान द्वारा आयाजित 'साउथ एशिया ऐंड सेंट्रल एशिया : डायमेंशंस, अपनरच्युनिटीज ऐंड चैलेंजिस आफ म्यचुअल कोआपरेशन' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में अध्यक्षीय व्याख्यान दिया।

यूरोपीय अध्ययन केन्द्र (सीइएस)

यूरोपीय अध्ययन केन्द्र की स्थापना वर्ष 2004 में हुई थी जो कि मुख्य रूप से 2005 से कार्य कर रहा है। यूरोपीयन अध्ययन विभाग बहुविषयात्मक विभाग है जिसका मुख्य उद्देश्य शिक्षण, शोध को बढ़ावा देना और यूरोप तथा इण्डो–यूरोपीयन संबंधों में से समझ

को बढ़ाना है। यह केन्द्र पुराने रूसी, मध्य एशियाई और पूर्वी यूरोपीय अध्ययन केन्द्र तथा पूर्व अमरीकी और पश्चिमी यूरोपीय अध्ययन केन्द्र को मिलाकर बनाया गया है। केन्द्र ने 5 सम्मेलन, 1 व्याख्यान और 1 कार्यशाला आयोजित की तथा शिक्षकों के 16 आलेख और पुस्तकों में अध्याय प्रकाशित हुए। उन्होंने विश्वविद्यालय के बाहर 17 व्याख्यान दिए, देश एवं विदेश में 46 सम्मेलनों में भाग लिया, 4 शोध परियोजनाएं समन्वित कीं तथा 2 पुरस्कार और अध्येतावृत्तियां प्राप्त हुईं।

6 छात्रों ने अपनी एम. फिल. उपाधि तथा 3 छात्रों ने अपनी पी.एच.डी उपाधियां पूरी कीं।

राजेन्द्र के. जैन

- जीन मानेट चेयर, यूरोपीय आयोग, 2010–2015
- एडजंक्ट प्रिंसिपल रिसर्च फेलो, मोनश यूरोपीयन और इयू स्टडीज सेंटर, मोनश यूनिवर्सिटी, मेलबोर्न आस्ट्रेलिया, सितम्बर 2010–2015
- द यूरोपीयन यूनियन ऐज ए ग्लोबल पावर : इण्डियन पर्सेप्शंस' पर्सेपेक्टिव्स –रिव्यू आफ इंटरनेशनल अफेयर्स, प्राग, 20(2), पृ. 31–44, 2012

उम्मु सलमा बावा

- इफिसिऐन्सी आफ द ईयू एक्सटर्नल एक्शन ऐंड द इयू–इण्डिया रिलेशनशिप, (सं.) मैरिओटेलो और फ्रेड्रिक पोंजर्ट, द इयू'स फारेन पालिसी, वाट काइन्ड आफ पावर ऐंड डिप्लोमेटिक ऐक्शन, आस्गेट, पृ. 209, 2013।
- निदेशक, जवाहरलाल नेहरू उच्च अध्यन संस्थान, जेएनयू
- 3 छात्रों को एम.फिल. उपाधियां प्रदान की गईं।

गुलशन सचदेवा

- के मार्गदर्शन में वर्ष के दौरान 3 छात्रों को पी.एचडी. उपाधियां प्रदान की गईं।
- सदस्य, द इण्डिया पालिसी ग्रुप, द फ्रेडरिक इबर्ट स्टिफटंग द्वारा वित्त पोषित, रीजनल पीस ऐंड सिक्युरिटी प्रोजेक्ट इनविजिनिंग अफगानिस्तान पोस्ट 2014।
- वर्ष के दौरान 7 पुस्तकों में अध्याय/पत्रिका आलेख प्रकाशित हुए।

भास्वती सरकार

- ने 8–9 मार्च 2013 को सेंटर फार यूरोपीयन स्टडीज और यूजीसी यूरोप एरिया स्टडीज प्रोग्राम, जेएनयू, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'फेथ ऐंड सेक्युलरिज्म इन इण्डिया ऐंड युरोप' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

शीतल शर्मा

- 'इमिग्रन्ट्स इन ब्रिटेन : ए स्टडी आफ द इण्डियन डाइसपोरा, डाइसपेारा स्टडीज, भाग–5, अंक–1, पृ. 14–43, जनवरी–जून 2012
- पुस्तक समीक्षा : इमिग्रेशन ऐंड पालिटिक्स इन द न्यू यूरोप : रिइंवेंटिंग बाईर्स बाई गैलीलाव, केम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस, न्यूयार्क, 334, डाइसपोरा स्टडीज, भाग–5, अंक–1, पृ. 101–104, रूटलेज, जनवरी–जून 2012
- ने 29–30 मार्च 2013 को अन्तरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान, जेएनयू के सहयोग से इण्डिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित 'इण्डिया ऐंड इट्स डाइसपोराज : ए कम्पैरटिव पर्सपेक्टिव' विषयक राष्ट्रीय संगोठी में भाग लिया तथा इश्यूज ऐंड चैलेंजिस आफ इंटिग्रेटिंग द अदर्स : ए स्टडी आफ डाइसपोरा कम्यूनिटीज इन यूरोप' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

रूसी और मध्य एशियाई अध्ययन केन्द्र (सीआरसीएएस)

रूसी और मध्य एशियाई अध्ययन केन्द्र रूस, मध्य एशियाई और पूर्व सोवियत संघ के अन्य गणराज्यों पर अन्तरविषयात्मक शोध और अध्ययन का एक प्रमुख केंन्द्र है जो रूसी भाषा और साहित्य में राजनीति विज्ञान, अन्तरराष्ट्रीय संबंध, इतिहास, अर्थशास्त्र और समाजशास्त्र के विशेषज्ञ हैं। केन्द्र ने 2 सम्मेलन आयोजित किए, शिक्षकों की 2 पुस्तकें प्रकाशित हुईं तथा 29 आलेख पुस्तकों में प्रकाशित हुए। उन्होंने विश्वविद्यालय के बाहर 19 व्याख्यान दिए तथा देश–विदेश में 63 सम्मेलनों में भाग लिया तथा 5 शोध परियोजनाएं समन्वित कीं।

32 छात्रों ने अपनी एम. फिल उपाधियां और 6 छात्रों ने अपनी पीएच.डी उपाधियां पूरी कीं।

फूल बदन

- ने 24–25 मई 2012 को सेंटर फार तुर्किश सिविलाइजेशन स्टडीज, किरगिज–तुर्किश, मानस यूनिवर्सिटी, बिशकेक, किरगिस्तान द्वारा आयोजित 'चिनगिज ऐतभाव ऐंड द रिनेसेन्स आफ तुर्किक सिविलाइजेशन' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'सोशल थीम्स इन चिनगिज एतमातोव राइटिंग्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ने 15–16 मार्च 2013 को सेंटर फार यूरेशियन स्टडीज, मुम्बई यूनिवर्सिटी, मुम्बई द्वारा आयोजित 'डायनेमिक्स आफ सेंट्रल एशिया : इश्यूज, ऐंड चैलेंजिस' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'फारेन पालिसी आफ उजबेकिस्तान' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ने 1–2 मार्च 2013 को साउथ एशिया स्टडीज सेंटर, राजस्थान यूनिवर्सिटी, राजस्थान द्वारा आयोजित 'साउथ एशिया ऐंड सेंट्रल एशिया : डायमेंशंस, अपरच्युनिटीज ऐंड चैलेंजिस आफ म्युचुअल कोआपरेशन' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'एनर्जी ट्रांसपोर्ट रूट्स बिटवीन सेंट्रल एशिया ऐंड इण्डिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

अनुराधा मित्रा चिनाय

- सैक्सिज्म ऐंड मल्टिलेट्रिज्म नीड ईच अदर, स्पोटलाइट, भाग–II, अंक–2, फरवरी 2013।
- वाट आर 3 लिमिट्स 2 वर्किंग आन पालिटिकल इश्यूज इन कश्मीर' इकोनामिक ऐंड पालिटिकल वीकली, भाग–XLVIII, अंक–2, (सहलेखक–कमल मित्रा चिनाय और सीमा मुस्तफा के साथ), 12 जनवरी 2013।
- ने 2013 में 'इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'ह्युमन सिक्युरिटी' विषयक कोर्स में भाग लिया तथा 'ह्युमन सिक्युरिटी शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

प्रीति डी दास

- माइनार्टी कल्चर्स इन द नेशन बिल्डिंग प्रोसिस : चैलेंजिस ऐंड अपरच्युनिटीज' (सं.) रश्मी दोरास्वामी, पर्सपेक्टिव्स आन मल्टिकल्चरलिज्म–प्रिन्सोवियत, सोवियत ऐंड पोस्ट सोवियत सेंट्रल एशिया, मानक प्रकाशन, नई दिल्ली।
- 'एथनिसिटी ऐंड कल्चर इन कंटेम्पोरॅरि क्रीमिया' (सं.) अजय पटनायक और तुलसीराम, पोस्ट–सोवियत स्टेट्स–टु डिकेड्स आफ ट्रांजिशन ऐंड ट्रांसफार्मेशन, केडब्ल्यू प्रकाशक, नई दिल्ली, 2012
- ने 19–20 मार्च 2013 को यूजीसी सेंट्रल एशिया स्टडीज प्रोग्राम, अकादमी आफ इंटरनेशनल स्टडीज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'सेंट्रल एशिया ऐंड साउथ एशिया : इकोनामिक डिवलपमेंटल ऐंड सोसिओ कल्चरल लिंकेज्स' विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'आइडेंटिटी, इंटिग्रेशन ऐंड कल्चरल लिंकेज्स आफ सीए कम्यूनिटीज विद इण्डिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

राजन कुमार

- रशियन माइनार्टी ऐंड इट्स' रिप्रजेंटेशन इन इस्टोनिया (सं.) अजय पटनायक और तुलसी राम, यूरिशियन पालिटिक्स : आइडियाज, इंस्टीट्यूशंस ऐंड एक्सटर्नल रिलेशंस, केडब्ल्यू पब्लिशर्स प्राइवेट लिमि., नई दिल्ली, 2013।

- ऐथनिक माइनार्टीज ऐंड देयर रिप्रजेंटेशंस इन द पोस्ट सोवियत स्टेट स्पेस : केसिस आफ रशिया, इस्टोनिया ऐंड जार्जिया, तल्लिन, इस्टोनिया, सितम्बर 2013।
- ने 15–17 नवम्बर 2012 को अन्तरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान, जेएनयू, नई दिल्ली द्वारा आयोजित रिसर्च मेथड्स इन इंटरनेशनल रिलेशंस' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।

अरुण कुमार मोहन्ती

- 'रशिया इन इण्डिया'स एनर्जी सिक्यूरिटी स्ट्रेटजी, वर्ल्ड फोकस, भाग 34, मार्च 2013।
- 'बैटल ओवर अफ्रीका, जिओपालिटिक्स, भाग–III, अंक–5, अक्टूबर 2012।

नलिन कुमार मोहपात्रा

- ने 21 मार्च 2013 को रूसी और मध्य एशियाई अध्ययन केन्द्र, अन्तरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान, जेएनयू, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'स्ट्रेटजिक कंटूर्स आफ इण्डो–रशियन ट्रेड ऐंड इकोनामिक को–आपरेशन' विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'कंडक्ट आफ रशियन एनर्जी पालिसी : इम्प्लिकेशंस फार इंडिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ने 19–20 मार्च 2013 को यूजीसी सेंट्रल एशिया स्टडीज प्रोग्राम, अकादमी आफ इंटरनेशनल स्टडीज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'सेंट्रल एशिया ऐंड साउथ एशिया : इकोनामिक, डिवलपमेंटल ऐंड सोसिओकल्चरल लिंकेज्स' विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'फ्राम सिल्क रोड टु एनर्जी रोड : रिइंटस्प्रेटिंग सेंट्रल एशिया ऐंड साउथ एशिया रिलेशंस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ने 15–16 मार्च 2013 को सेंटर फार सेंट्रल यूरिशियन स्टडीज, यूनिवर्सिटी आफ मुम्बई कैम्पस, कैलिना, मुम्बई द्वारा आयोजित 'डायनेमिक्स आफ सेंट्रल एशिया : इश्यूज ऐंड चैलेंजिस' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'स्टेट ऐंड इन सिक्युरिटी इन सेंट्रल एशिया : ए होलिस्टिक अप्रजल' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

संजय कुमार पाण्डेय

- 'एनर्जी कोआपरेशन बिटवीन इण्डिया ऐंड कजाकस्तान' (सं.) रश्मि डोरईस्वामी, एनर्जी सिक्यूरिटी : इण्डिया सेंट्रल एशिया ऐंड द नेबरहुड, मानक प्रकाशन, नई दिल्ली, पृ. 86–93, 2013।
- इण्डिया'स अप्रोच टु रीजनल कोआपरेशन इन साउथ एशिया ऐंड इट्स रिलेवेंस फार उजबेकिस्तान' (सं. आर. मलहोत्रा, पी. एल दास, साउथ एशिया ऐंड सेंट्रल एशिया : क्वेस्ट फार पीस ऐंड कोआपरेशन, सेंटर फार रिसर्च इन रूरल इंडस्ट्रियल डिवलपमेंट : चण्डीगढ़ ऐंड यूनिवर्सिटी आफ वर्ल्ड इकोनामी ऐंड डिप्लोमेसी, ताराकान्त उजबेकिस्तान, पृ. 117–136, 2013
- इण्डिया ऐंड इमपोर्टेन्स आफ सेंट्रल एशिया' (सं.) पीएल दास, इण्डिया ऐंड सेट्रल एशिया : टु डिकेड्स आफ ट्रांजिशन, आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, नई दिल्ली, पृ. 1–11, 2012।

अजय कुमार पटनायक

- 'न्यू जिओपालिटिक्स ऐंड इण्डिया इन सेंट्रल एशिया' हिस्ट्री रिसर्च भाग–2, अंक–7, डेविस पब्लिशिंग ऐल मोन्टे, यूएसए।
- जिओपालिटिक्स आफ मैनेजमेंट : सेंट्रल एशिया ऐंड एक्सटर्नल पावर्स, (सं.) बी. वी. बैजारोव, मीर सेंट्रालनोऐजि–3, इस्टीट्यूट आफ मंगोलियन, बुद्धिस्ट ऐंड तिब्बतन स्टडीज, साइबेरियन ब्रान्च' आफ रशियान अकादमी आफ साइंसिस, उलान–उडे, रशिया, 2012
- सेंट्रल एशिया ऐज ए पोटेंशियल थीएटर आफ नान–ट्रेडिशनल कंफलिक्ट (सं.) पी एल दास, इण्डिया ऐंड सेंट्रल एशिया, टु डिकेड्स आफ ट्रोजिशन, आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, नई दिल्ली, 2012।

अर्चना उपाध्याय

- 'टेररिज्म : द डिबेट आन सिटिजनशिप इन इण्डिया'स नार्थईस्ट' (सं.) टीना यूएस और सुजाता पटेल, एक्सक्लुजन, सोशल कैपिटल ऐंड सिटिजनशिप : केंटेस्टिड ट्रांजिशंस इन साउथ अफ्रीका ऐंड इण्डिया, ओरिएट ब्लैक स्वान, नई दिल्ली, 2012
- ने 1–2 नवम्बर 2012 को रूसी और मध्य एशियाई अध्ययन केन्द्र, जेएनयू, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'यूरिशयन पालिसीजः आइडियाज, इंस्टीट्यूशंस ऐंड एक्सटर्नल रिलेशंस' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'रशिया'स इंगेजमेंट विद ग्लोबलाइजेशन : इश्यूज ऐंड चैलेंजिस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ने 18–22 सितम्बर 2012 को इंस्टीट्यूट आफ मंगोलियन, बुद्धिस्ट ऐंड तिब्बतन स्टडीज, रशियन अकादमी आफ साइंसिस', उलान–उडे, रशिया द्वारा आयोजित 'द वर्ल्ड आफ सेंट्रल एशिया ' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'सेंट्रेलिटी आफ सेंट्रल एशिया इन द इंटरनेशनल रिलेशंस आफ एशिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

के. बी. ऊषा

- 'इण्डिया'स फारेन पालिसी प्राइआर्टीज इन सेंट्रल एशिया' फारेन पालिसी रिसर्च सेंटर, जर्नल, भाग–10, अंक–2, पृ. 104–122, 2012।
- 'द इवोल्विंग रिलेशंस बिटवीन इण्डिया ऐंड बाल्टिक स्टेट्स' लिथुआनियन फारेन पालिसी रिव्यू, अंक 27, पृ. 83–109, 2012
- 'डिटेंशन, इंट्रोगेशन ऐंड टार्चर आफ टेररिस्ट सस्पेक्ट्स' (सं.) फ्रेंक शैन्टी, काउन्टरटेररिज्म : फ्राम कोल्डवार टु वार आन टेरर' भाग–1 : कमबेटिंग माडर्न टेररिज्म (1968–2011), प्रेजर–एन इंप्रिन्ट आफ एबीसी सीएलआईओ, एलएलसी, शान्ता बारबरा, पृ. 398–402, 2012।

अफ्रीकी अध्ययन केन्द्र (सीएएस)

अफ्रीकी अध्ययन केन्द्र अफ्रीका के अध्ययन के लिए एक अन्तर विषयात्मक केन्द्र है। इसका उद्देश्य अन्तर विषयात्मक परिप्रेक्ष्य के माध्यम से अफ्रीकी मामलों के प्रगामी ज्ञान और समझ के लिए शैक्षिक पाठ्यक्रम के रूप में अफ्रीकी अध्ययन को बढ़ावा देना है। केन्द्र की वर्तमान पाठ्यचर्या में निम्नलिखित थ्रस्ट एरिया पर बल दिया जाता है : रीजनल आर्गेनाइजेशंस, गवर्नमेंट ऐंड पालिटिक्स, स्टेट ऐंड सिविल सोसायटीज, आइडियोलाजीस, गवर्नेंन्स, डायसपोराज, बाइलेट्रल रिलेशंस, इश्यूज आफ डिवलपमेंट ऐंड फारेन पालिसी आफ मेजर अफ्रीकन कंट्रीज। केन्द्र ने 3 सम्मेलन, 2 व्याख्यान और 1 कार्यशाला आयोजित की। शिक्षकों ने विश्वविद्यालय के बाहर 7 व्याख्यान दिए तथा देश विदेश में 27 सम्मेलनों में भाग लिया तथा 2 पुरस्कार/अध्येतावृत्तियां प्राप्त हुईं।

6 छात्रों ने अपनी एम. फिल. उपाधियां और 3 छात्रों ने अपनी पी.एच.डी. उपाधियां पूरी कीं।

अजय कुमार दुबे

- ने 8–12 अगस्त 2012 को जर्मन मार्शल फण्ड आफ द यूनाइटिड स्टेट्स और रोबर्ट बोस्च स्टिफटंग द्वारा टोरंटो में आयोजित 'माइग्रेशन ऐंड इंटिग्रेशन फार यंग लीडर्स' विषयक 5वें 'ट्रांसअटलांटिक फोरम में भाग लिया।
- ने 16–17 जुलाई 2012 को यूनिवर्सिटी आफ क्वालालम्पुर, मलेशिया द्वारा आयोजित 'अफ्रीकन ऐंड एशियन डिवलपमेंट' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- ने 27–28 अप्रैल 2012 को इंस्टीट्यूट आफ अफ्रीकन स्टडीज, हानकुक यूनिवर्सिटी आफ फारेन स्टडीज, सिओल, साउथ कोरिया द्वारा आयोजित अफ्रीका इन एशिया ऐंड एशिया इन अफ्रीका : एशियन एक्सपिरिअन्स ऐंड पर्सपेक्टिव्स इन अफ्रीकन स्टडीज' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

एस.एन. मालाकार

- अफ्रीका–इण्डिया रिलेशंस इन द 21ट सेंचुरी' विषयक अन्तरराष्ट्रीय कार्यशाला में भाग लिया तथा 'अफ्रीका–इण्डिया एग्रीकल्चरल कोआपरेशन : पोटेंशियल्स ऐंड अपरच्युनिटीज' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- ने 12–13 फरवरी 2013 को सेंटर फार साउथ अफ्रीकन ऐंड ब्राजीलियन स्टडीज, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, अलीगढ़ द्वारा आयोजित 'ब्रिक्स : सिनर्जीस ऐंड कम्पलीमेंट्स अफेयर्स' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'ब्रिक्स ऐंड टास्क अहेड' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया तथा एक सत्र की अध्यक्षता की।
- ने 22 नवम्बर 2012 को अफ्रीकी अध्ययन विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'कंटेम्पोरॅरि अफ्रीका : इश्यूज ऐंड चैलेंजिस' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'इमर्जिंग डायमेंशन आफ सोशल कंफ्लिक्ट इन अफ्रीका' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

पश्चिमी एशियाई अध्ययन केन्द्र (सीडब्ल्यूएएस)

वर्ष के दौरान पश्चिमी एशियाई अध्ययन केन्द्र ने 16 व्याख्यान आयोजित किए। शिक्षकों की एक पुस्तक प्रकाशित हुई तथा पुस्तकों में 18 आलेख/अध्याय प्रकाशित हुए। उन्होंने विश्वविद्यालय के बाहर 14 व्याख्यान दिए और देश –विदेश में 75 सम्मेलनों में भाग लिया।

पी. आर. कुमारस्वामी

- रीडिंग द साइलेंस : इण्डिया ऐंड द अरब स्प्रिंग, जेरुसलम : लिओनार्ड डेविस इंस्टीट्यूट फार इंटरनेशनल रिलेशंस, 2012।
- इजराइल कंफ्रंट्स ईरान : रैशनल्स, रिस्पांसिस ऐंड कैलोट्स, मोनोग्राफ सं. 8, इडसा, नई दिल्ली, नवम्बर 2012
- द मेडिटेरियनन रीजन इन ए मल्टिपोलर वर्ल्ड : इवोल्विंग रिलेशंस विद रशिया, चाइना इण्डिया ऐंड ब्राजील, मेडिटेरियनन पेपर सीरीज 3, 2013, जर्मन मार्शल फण्ड आफ यूनाइटिड स्टेट्स ऐंड एबाउट इस्टिओ अफेरी इंटरनेशनली (सह लेखक डैनिला हबर, ब्लादिमीर बखतिन, लि गोफु और आर्लेनी क्लेमशा के साथ), पृ. 21–26, 2013।

गिरिजेश पंत

- पीपल'स स्ट्रगल्स ऐंड मूवमेंट फार इक्विटेबल सोसायटी, इण्डियन अकादमी आफ सोशल साइंसिस, नई दिल्ली, 2013
- ने 3–31 मार्च 2013 को काइरो में आयोजित 'पालिटिकल इकोनामी : सोशल जस्टिस : इन पोस्ट अरब स्प्रिंग कंट्रीज, विषयक गोलमेज सम्मेलन में भाग लिया।
- ने 8 अक्टूबर 2012 को मिडिल ईस्ट इंस्टीट्यूट, नेशनल यूनिवर्सिटी सिंगापुर में 'ग्लोबलाइजिंग एशिया : प्राब्लमेटाइजिंग फूड सिक्यूरिटी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

अफताब कमल पाशा

- 'द रोल आफ गल्फ रीजन इन इण्डिया'स एनर्जी सिक्युरिटी, वर्ल्ड फोकस, भाग 34, अंक–3, पृ. 11–17, मार्च 2013।
- ने 9 मार्च 2013 को अल मुसतफा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी, कोम, ईरान रिसेंट ट्रेंड्स इन इण्डो–ईरानियन रिलेशंस' विषयक व्याख्यान दिया।
- ने 11–12 दिसम्बर 2012 को लीग आफ अरब स्टेट्स ऐंड इराक, बगदाद द्वारा आयोजित 'सोलिडैरिटी विद द पलेस्तिनियन ऐंड अरब प्रिजिनर्स ऐंड डिटैनीज इन इजराइली आक्युपेशन जेल्स' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'पालिटिकल रीजन्स फार अरेस्ट ऐंड डिटेंशन आफ फिलिस्तीन प्रिजिनर्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

बंशीधर प्रधान

- फिलिस्तीन अंडर आक्युपेशन : सम रिफ्लेक्शंस' मेनस्ट्रीम, भाग 50, अंक 6, 11–18, 16 जून 2012
- ने 13–14 मार्च 2013 को पश्चिमी एशियाई अध्ययन विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ द्वारा आयोजित, डाइसपोरा ऐंड मल्टिकल्चरलिज्म इन वेस्ट एशिया :पैटर्न्स इश्यूज ऐंड पालिसीज' विषयक दो दिवसीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'डाइसपोरा ऐंड नेशनलिज्म : ए कम्पैरिजन बिटवीन जैनिज्म ऐंड फिलिस्तीनियन नेशनलिज्म' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- ने 19–20 मार्च 2013 को मीडिया अध्ययन केन्द्र, सामाजिक विज्ञान संस्थान, जेएनयू, नई दिल्ली द्वारा आयोजित मीडिया ऐंड ग्लोबल अफेयर्स : एक्सप्लोरिंग मीडिया इन वेस्ट एशिया' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'कांटेक्ट्स ओल्ड ऐंड न्यू ऐंड द रोड अहेड, शीर्षक सत्र में परिचर्चा की।

ए. के. रामकृष्णन

- नार्मेटिव डायमेंशन आफ इण्डिया'स इंटरनेशनल इनगेजमेंट' (सं.) अचिन विनायक और नवनीत चढ्डा बहेरा, इण्डिया इनगेज्स द वर्ल्ड, आईसीएसएसआर रिसर्च सर्वेज ऐंड एक्सप्लोरेशंस इन पालिटिकल साइंस, भाग–4, आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, नई दिल्ली, पृ. 153–196, 2013
- मूवमेंट्स ऐंड डेमोक्रेसी इन द अरब वर्ल्ड विबग्मोर इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल बुक 2013, विबग्योर फिल्म क्लेक्टिव, प्रिसूर, पृ. 54–57, 2013।
- ने 12 सितम्बर 2012 को डिपार्टमेंट आफ पालिटिकल साइंस, स्कूल आफ हयुमैनिटीज ऐंड सोशल साइंसिस, अमेरिकन यूनिवर्सिटी, काइरो, इजिप्ट द्वारा आयोजित 'इण्डिया ऐंड द इमर्जिंग वर्ल्ड आर्डर' विषयक व्याख्यान दिया।

तुलनात्मक राजनीति और राजनीति सिद्धांत केन्द्र (सीसीपी ऐंड पीटी)

केन्द्र के शिक्षकों की 1 पुस्तक प्रकाशित हुई तथा 2 आलेख/अध्याय पुस्तकों में प्रकाशित हुए। उन्होंने विश्वविद्यालय के बाहर 11 व्याख्यान दिए और देश–विदेश में 5 सम्मेलनों में भाग लिया।

कमल मित्रा चिनाय

- 'वाट आर द लिमिट्स वर्किंग आन पालिटिक्ल इश्यूज इन कश्मीर' इकोनामिक ऐंड पालिटिकल वीकली, भाग–XLVIII, अंक–2, 12 जनवरी 2013
- ने 8 अगस्त 2012 को काउंसिल फार स्पेशल डिवलपमेंट, द्वारा आईआईसी, नई दिल्ली में आयोजित, द इण्डियन लैफ्ट : सोशल डिवलपमेंट विजन्स ऐंड पालिटिकल चैलेंजिस' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'पालिटिकल चैलेंजिस कनफ्रंटिंग द लेफ्ट' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ने 4 फरवरी 2013 को पेरी एन्डरसन, आईआईसी, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'इण्डियन आइडोलाजी, विषयक परिचर्चा में भाग लिया।

निवेदिता मेनन

- 'रेस ऐंड इंटरनेशनल रिलेशंस' इंटरनेशनल रिलेशंस, पर्सपेक्टिव्स फार ग्लोबल साउथ, (सं.) बी. एस. चिमनी और सिद्धार्थ मल्लावारपु, वीयरसन, नई दिल्ली, 2012।
- सीइंग लाइक ए फेमिनिस्ट, पेंगुइन इण्डिया और जुबान, दिल्ली, 2012
- ने 5 अप्रैल 2012 को यूनिवर्सिटी आफ शिकागो, 'इस्केपिंग इनटैलेजिबिलिटी, ट्रांसलेशन ऐंड पालिटिक्स आफ नालेज' विषयक सम्मेलन में व्याख्यान दिया।

भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान (एसएलएलऐंडसीएस)

वर्ष 1969 में स्थापित भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान विश्वविद्यालय के प्रारंभिक संस्थानों में से एक है। यह देश में विदेशी भाषाओं के अध्ययन और भाषा विज्ञान, विभिन्न भाषाओं के साहित्य और संस्कृति अध्ययन में उच्च अध्ययन और शोध हेतु देश में एक प्रमुख संस्थान है। संस्थान में 21 अन्तरराष्ट्रीय भाषाओं में शिक्षण एवं शोध कार्यक्रम चलाया जाता है – अरबी, भाषा इंडोनेशिया, चीनी, अंग्रेजी, फ्रेंच, जर्मन, ग्रीक, हिब्रू, इतालवी, जापानी, कोरियाई, मंगोलियन, फारसी, पुर्तगाली, पश्तो, रूसी, इस्पेनी और तुर्की और हिंदी, तमिल और उर्दू तथा भाषा विज्ञान से संबंधित पाठ्यक्रम चलाए जाते हैं। संस्थान ने कई देशों और अभिकरणों के साथ सहयोगात्मक कार्यक्रम चलाया है। संस्थान की विश्वस्तरीय ख्याति के परिणामरूवरूप इसे यूरोपीय संघ के 'कल्चरल स्टडीज इन लिट्रेरी इन्टरजोन्स' में सुप्रसिद्ध इरासमस मुंडस ज्वाइंट डाइरेक्टोरेट के पांच उपाधि–प्रदानकर्ता संस्थानों में से एक संस्थान के रूप में मान्यता देने पर विचार किया जा रहा है। संस्थान ने अपनी एक पत्रिका भी प्रकाशित की है। संस्थान के अन्य केन्द्रों द्वारा भी कुछ पत्रिकाएं प्रकाशित की जाती हैं।

प्रोफेसर अन्विता अब्बी को इनके योगदान के लिए वर्ष 2013 को पदमश्री पुरस्कार प्राप्त हुआ तथा संस्थान के अन्य शिक्षकों को 27 पुरस्कार, सम्मान, अध्येतावृत्तियां और विजिटिंग प्रोफेसर को सम्मान प्राप्त हुआ।

शिक्षकों की 28 पुस्तकें, 58 आलेख, 35 पुस्तकों में अध्याय, 136 शोध आलेख, 46 मीडिया आलेख प्रकाशित हुए तथा उन्होंने 21 शोध परियोजनाएं समन्वित कीं। उन्होंने विश्वविद्यालय के बाहर 35 व्याख्यान दिए तथा देश में 72 सम्मेलनों और विदेश में 85 सम्मेलनों में भाग लिया। समीक्षाधीन वर्ष के दौरान संस्थान ने 'किदवई आयशाः द एस एलएलऐंडसीएस रिसर्च हैण्डबुक, नई दिल्ली, नामक शोध पुस्तिका प्रकाशित की।

छात्रों ने देश में 15 सम्मेलनों में भाग लिया तथा उनके 9 आलेख प्रकाशित हुए। 60 छात्रों को छात्रवृत्तियां और 4 पुरस्कार प्राप्त हुए। उनमें से एक छात्र समी खान को उनके उपन्यास रेड जिहाड : रूप, 2012' के लिए भारत सरकार का सर्वोत्तम डिबुटेंट उपन्यासकार को प्रसिद्ध एनबीटी पुरस्कार प्राप्त हुआ। वर्ष 2012 में सर्वोत्तम मलयालम, युवा कवि के लिए दिव्या नायर को अैयप्पा पाणिकर फाउण्डेशन पुरस्कार प्राप्त हुआ।

157 छात्रों ने अपनी एम.फिल उपाधि और 69 छात्रों ने अपनी पीएच.डी. उपाधि पूरी की। इसका विवरण वार्षिक रिपोर्ट के भाग–II में दिया गया है।

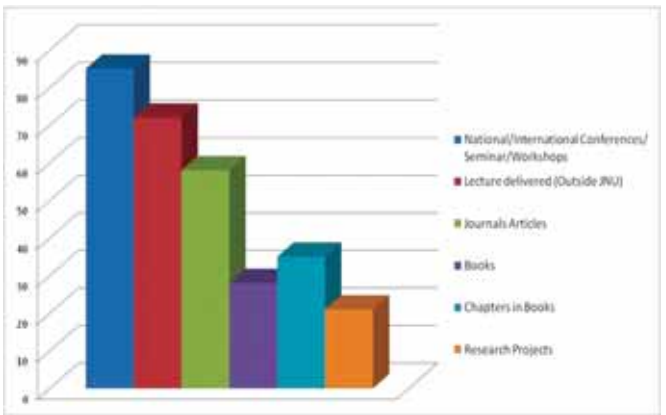

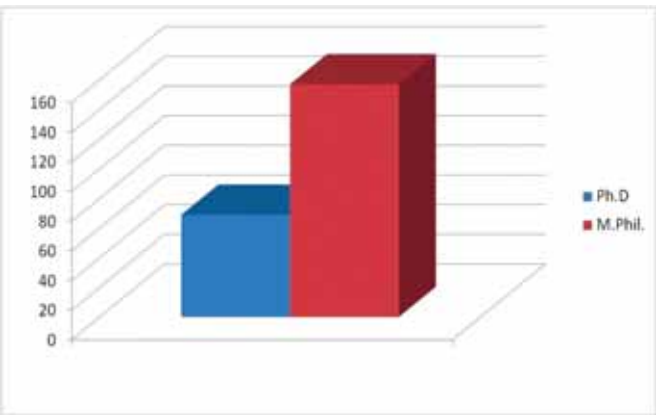

वर्ष 2012–13 में केन्द्र और शिक्षकों की उपलब्धियां

अरबी और अफ्रीकी अध्ययन केन्द्र

केन्द्र अरबी भाषा में बी.ए. (आनर्स), एम. ए. और एम. फिल./पी–एचडी पाठ्यक्रम चलाता है। केन्द्र विश्वविद्यालय के अन्य केन्द्रों के छात्रों के लिए अंग्रेजी में हिस्ट्री ऐंड कल्चर आफ द अरब वर्ल्ड' विषयक चार टूल कोर्स और 'माडर्न हिब्रू लैंग्यूवेज' विषयक दो वैकल्पिक कोर्स चलाता है। वर्ष के दौरान केन्द्र ने 1 सम्मेलन आयोजित किया। शिक्षकों की 2 पुस्तकें प्रकाशित हुईं तथा पुस्तकों में 6 आलेख/अध्याय प्रकाशित हुए तथा 3 शोध परियोजनाएं समन्वित कीं। वर्ष के दौरान 22 छात्रों ने एम. फिल. उपाधि और 7 छात्रों ने पीएच. डी की उपाधि पूरी की।

वर्ष 2012–13 के दौरान शिक्षकों की प्रमुख उपलब्धियां

बशीर ए अहमद

- फिलास्फी आफ बहदातुल वुजुद इन द लाइट आफ कुरान ऐंड इट्स क्मलिमेंट्स, (सं.) रिजवानुर रहमान और अहमद हजरत अली बक्शी, ग्लिम्पस आफ द होली कुरान आदम पब्लिशर्स ऐंड डिस्ट्रिब्यूटर्श, दिल्ली, 2012
- चल रही परियोजना 'अरेबिक ट्रांसलेशन आफ थिरकुरल, सेंट्रल इंस्टीट्यूट आफ क्लासिकल तमिल, चेन्नई द्वारा वित्तपोषित।

खुर्शीद इमाम

- ने 28–30 जनवरी 2013 को अरबी और अफ्रीकी अध्ययन केन्द्र, जेएनयू, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'हिब्रू लैंग्यूवेज ऐंड कल्चरः रिसेप्शन, सेल्फ, कंसेप्शन ऐंड इंटरनेशनल रिलेशंस' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'द स्कोप आफ हिब्रु स्टडीज इन इंडिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ने 7–8 फरवरी 2013 को एमएमए जे अकादमी आफ इंटरनेशनल स्टडीज, जामिया मिल्लिया इस्लामिया और पालिसी रिसर्च इंस्टीट्यूट आफ अमेरिकन स्टडीज, एसोसिएशन आफ इण्डिया, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'सिक्यूरिंग ग्रुप राइट्स : ह्युमन राइट्स एक्सपिरिअंसिस फ्राम एशिया ऐंड अफ्रीका' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'लैंग्यूवेज प्रोफाइल हिब्रु स्टडीज इन इंडिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- प्रकाशित, जीसीसी ऐंड इंडिया'स लुक वेस्ट पालिसी, डिप्लोमेटिस्ट (ए स्पेशल रिपोर्ट आन इंडिया जीसीसी), विदेश मंत्रालय, भारत सरकार, मार्च 2013

मोहम्म्द असलम इस्लाही

- 'फर्स्ट वार आफ इंडिपेंडेस 1857 ऐज रिफ्लेक्टड इन द अरेबिक राइटिंग्स आफ इण्डिया, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा वित्त पोषित

मो. कुतुबुद्दीन

- मो. कुतुबुद्दीन ने 5–6 मार्च 2013 को अरबी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'द अरेबिक डुलोजी आफ प्राफिट इन इंडिया ओरिजिनल ऐंड ट्रांसलेशन' विषयक 2 दिवसीय' राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'कंट्रीब्यूशन आफ अल्लमा काल्के हक खैराबादी इन डुलाजी आफ द प्राफिट' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ने 22–23 मार्च 2013 को स्कूल आफ अरेबिक स्टडीज, द इंग्लिश ऐंड फारेन लैंग्यूवेजिस यूनिवर्सिटी, हैदारबाद द्वारा आयोजित 'वर्क्स ट्रांसलेटिड फ्राम इंडियन लैंग्यूविजिस ऐंड कल्चर इनटु अरेबिक ऐंड वाइस वर्सा, विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा ट्रांसलेशन आफ इंडियन शार्ट स्टोरीज इन टु अरेबिक पब्लिशड इन मैगजीन तकाफुल हिन्द' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

मुजीबुर रहमान

- प्रकाशित आलेख रिलिवेन्स आफ टैगोर'स आइडियाज इन कंटेम्पोरॅरि टाइम्स, तक फातुल हिंद, टैगोर पर विशेष अंक, भाग–62, अंक 4, मई 2012।
- ने 28–30 जनवरी 2013 को अरबी और अफ्रीकी अध्ययन केन्द्र, भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान, जेएनयू, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'हिब्रु लैंग्यूवेज ऐंड कल्चर : रिसेप्शन, सेल्फ कंसेप्शन ऐंड इंटरनेशनल रिलेशंस, विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'ज्यूज इन माडर्न अरेबिक लिट्रेचर' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

रिजवानुर रहमान

- चल रही परियोजना के निदेशक, 'इन्द्रधनुष इंटिग्रेटिड वर्ल्ड नेट आफ उर्दू' सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा वित्तपोषित।
- सह लेखक – अहमद हजरत अली बक्शी – ग्लिम्पिशिस आफ द होली कुरान, दिल्ली, आदम पब्लिशर्स ऐंड डिस्ट्रीब्यूटर्श, दिल्ली, 2012
- ने 1–5 अगस्त 2012 को यूनिवर्सिटी आफ इस्तान–बुल, टर्की द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'नोस्ताल्जिया इन द राइटिंग्स आफ द नार्थ अमेरिकन अरब राइटर्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

उबैदुर रहमान

- रिश्तों के रंग (अरबी ड्रामा पर उर्दू में पुस्तक), अलबलघ प्रकाशन, नई दिल्ली, 2012
- ने 24 सितम्बर 2012 को अरबी विभाग में आयोजित कार्यशाला में भाग लिया तथा 'डिवलपमेंट आफ लिंग्विस्टिक्स : ए बीफ हिस्टोरिकल रिव्यू विषयक व्याख्यान दिया।
- ने 22–23 मार्च 2013 को स्कूल आफ अरब स्टडीज, द इंग्लिश ऐंड फारेन लैंग्यूवेजिस यूनिवर्सिटी, हैदराबाद द्वारा आयोजित 'वर्क्स ट्रांसलेटिड फ्राम इंडियन लैंग्यूवेजिस ऐंड कल्र इनटु अरेबिक ऐंड वाइस वर्सा' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'कंट्रीब्यूशन आफ आईसीसीआर टु द ट्रांसलेशन आफ इण्डियन साइंसिस ऐंड आर्ट्स इनटु अरेबिक लैंग्यूवेज, शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

चीनी और दक्षिण–पूर्व एशियाई अध्ययन केन्द्र(सीसीऐंडएसईएएस)

केन्द्र चीनी भाषा में बी.ए. (आनर्स), एम.ए. और एम. फिल./पी.एचडी. पाठ्यक्रम तथा बहासा इंडोनेशिया में 'सर्टिफिकेट कोर्स चलाता है। वर्ष के दौरान केन्द्र ने 3 सम्मेलन 1 कार्यशाला और व्याख्यान आयोजित किया, शिक्षकों की 4 पुस्तकें प्रकाशित हुईं तथा पुस्तकों में 16 आलेख/अध्याय प्रकाशित हुए। उन्होंने विश्वविद्यालय के बाहर 4 व्याख्यान दिए तथा देश–विदेश में 4 सम्मेलनों में भाग लिया। छात्रों ने देश–विदेश में 5 सम्मेलनों में भाग लिया।

वर्ष के दौरान 2 छात्रों ने अपनी एम.फिल. उपाधि और 3 छात्रों ने अपनी पी.एच.डी पूरी की।

वर्ष 2012–13 के दौरान शिक्षकों की प्रमुख उपलब्धियां

बी. आर. दीपक

- लेखक – हिस्ट्री आफ चाइनीज लिट्रेचर, पीजियन बुक्स, नई दिल्ली, 2012
- सह सम्पादित पुस्तक, इण्डिया–चाइना रिलेशंस : फ्युचर पर्सपेक्टिव्स अलोंग विद डीपी त्रिपाठी, 'जी', जिआनलिनः इण्डिया–चाइना सिविलाइजेशन डायलॉग ऐंड इंटरकल्चरल स्टडीज' और 'साइनो–इण्डियन बार्डर मिसमैनेजमेंटः ऐन आडटकम आफ 'विक्टम'स साइकोलाजी' ऐंड 'टफ पोस्चर' विज बुक्स, नई दिल्ली, पृ. 11–29, 58–76, 2012

- ने 4–6 जनवरी 2013 को सिंधुआ यूनिवर्सिटी और इंस्टीट्यूट आफ चाइनीज स्टडीज दिल्ली द्वारा आयोजित 'इण्डिया–चाइना रिलेशंस ड्यूरिंग द फर्स्ट हाफ आफ द 20थ सेंचुरी, विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'इण्डिया'स पालिटिकल लीडर्स ऐंड द नानलिस्ट चाइना क्वेस्ट फार साइनो इण्डियन एलाइन्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

गीता कोच्चर

- प्रकाशित आलेख डू द चाइनीज' वाइट द हैण्ड दैट फीड दैम', आई आईटी मद्रास चाइनीज स्टडीज सेंटर, अंक 26, 4 जून 2012
- ने 6–7 अक्टूबर 2012 को इंस्टीट्यूट आफ ईस्ट एशियन स्टडीज, यूनिवर्सिटी आफ कैलिफोर्निया, वर्कले, यूएसए द्वारा आयोजित 'मल्टिडिसिप्लिनरी इंट्रोगेशंस आफ स्टेट ऐंड सोसायटी इन चाइना' विषयक सम्मेलन में भाग लिया तथा 'रिस्ट्रक्चरिंग स्टेट बाइंड्रीजः ए केस आफ झेझिआंग माइग्रेट्स इन बीजिंग' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ने 20–25 दिसम्बर 2012 को सिंगचु, ताइवान में आयोजित 'ग्लोबलाइजेशन आफ ताइवान–इण्डिया रिलेशंस ऐंड डिवलपमेंट स्ट्रेटजी, विषयक सम्मेलन में भाग लिया तथा 'इण्डिया ऐंड ताईवान : एक्सप्लोरिंग द पासिबिलिटीज' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

सबरी मित्रा

- ने 27–28 जुलाई 2012 को इंटरनेशनल रिलेशंस और मिनिस्ट्री आफ कलचर, गवर्नमेंट आफ इण्डिया के सहयोग से जादवपुर यूनिवर्सिटी, कोलकाता में आयोजित विश्वकवि ऐंड इंटरनेशनललिज्म' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'क्राइसिस इन सिविलाइजेशन ऐंड बियाण्ड : कंटेम्पोरेरी रिवेन्स आफ टैगोर'स डिसकोर्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ने 17–19 सितम्बर 2012 को इंस्टीट्यूट आफ एशियन स्टडीज, सिचुआन यूनिवर्सिटी चेंगडु, पीपल'स रिपब्लिक आफ चाइना द्वारा आयोजित 'एशियन डिपलोमेसी : इण्डिया'स फारेन पालिसी ऐंड रिलेशंस' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'कल्चर ऐज ए स्ट्रेटजी आफ डायलॉग इन इण्डिया–चाइना रिलेशंस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ने 15–16 दिसम्बर 2012 को इंस्टीट्यूट आफ चाइनीज स्टडीज, दिल्ली और चीना भवन, विश्वभारती, शान्ति निकेतन द्वारा आयेाजित 'कल्चर : फ्राम द लैफ्ट लीग टु यान' आन टाक्स टु कल्चरल रिफार्म' विषयक परिचर्चा में भाग लिया तथा 'कंटेक्सचुअलाइजिंग लु जुन इन द सीपीसी डिसकोर्स, शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

प्रियदर्शी मुखर्जी

- लेखक–चाइनीज साउण्ड्स ऐंड सिलेबस : ए हैण्डबुक फार इण्डियन्स, लांसर्स पब्लिशर्स ऐंड डिस्ट्रीब्यूटर, नई दिल्ली, 2012
- ने 23–24 जुलाई 2012 को नालन्दा श्रीविजय सेंटर द्वारा इंस्टीट्यूट आफ साउथईस्ट एशियन स्टडीज और नेशनल यूनिवर्सिटी आफ सिंगापुर, सिंगापुर में आयोजित 'विजन, इंडिविजुअल्स ऐंड नेटवर्क्स : इण्डिया–चाइना करेक्शंस, 1900–1960' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'नेताजी सुभाष चन्द्र बोस पर्सपेक्टिव आफ चाइना' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ने 1 दिसम्बर 2013 को जेएनयू और अकादमी आफ कोरियन स्टडीज, जेएनयू, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'टुवर्डस एशियन पोइटिक्स : एन इंटर कल्चरल पर्सपेक्टिव' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'द जेम्स आफ चाइना पोइटिक्स – द शिह पोइट्री आफ द तांग ईरा : ए ब्रीफ इंट्रोडक्शन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

देवेन्द्र सिंह रावत

- ने 15–17 नवम्बर 2012 को जेएनयू द्वारा आईआईसी, नई दिल्ली में आयोजित 'चाइना'स आन गोइंग क्वेस्ट फार कल्चरल माडर्निटी इनटु द 21ट सेंचुरी : लु जुन ऐंड हिज लिगेसी' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'जु जुन ऐंड कंफ्युशियस : एन अटेम्प्ट टुवर्डस रिकंसिलेशन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

अंग्रेजी अध्ययन केन्द्र (सीईएस)

भाषा विज्ञान और अंग्रेजी अध्ययन केन्द्र का विभाजन करके अब दो केन्द्र बनाए गए हैं : अंग्रेजी अध्ययन केंद्र अंग्रेजी में एम. ए. तथा एम. फिल/पी.एच.डी पाठ्यक्रम चलाता है। केन्द्र के पाठ्यक्रम अन्तरविषयक और पार विषयक प्रकृति के हैं – जिनमें भाषा विज्ञान, साहित्य और संस्कृति अध्ययन के विभिन्न क्षेत्रों में सैद्धांतिक और तुलनात्मक शोध कार्य कराया जाता है। केन्द्र अपने संस्थान के स्नातक छात्रों के लिए अंग्रेजी भाषा एवं साहित्य में वैकल्पिक तथा टूल कोर्स के साथ–साथ विश्वविद्यालय के सभी छात्रों के लिए अंग्रेजी में उपचारात्मक कार्से भी चलाता है। केन्द्र को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के विशेष सहायता कार्यक्रम चरण –II के अन्तर्गत 'इण्डिया ऐंड क्रास कल्चरल अप्रोच टु मार्जिनल लिट्रेचर्स' के क्षेत्र में शोध सहायता अनुदान प्राप्त हुआ है और इस वर्ष केन्द्र को विशेष सम्मान के रूप में विश्व के उच्चतम 100 अंग्रेजी विभागों में से एक के रूप में मान्यता प्राप्त हुई है। वर्ष के दौरान केन्द्र ने 6 सम्मेलन, 2 कार्यशालाएं और 14 व्याख्यान आयोजित किए। शिक्षकों की 2 पुस्तकें प्रकाशित हुईं तथा पुस्तकों में 5 आलेख/अध्याय प्रकाशित हुए। उन्होंने विश्वविद्यालय से बाहर 24 व्याख्यान दिए तथा देश–विदेश में 5 सम्मेलनों में भाग लिया तथा 4 शोध परियोजनाएं समन्वित कीं।

छात्रों के 9 आलेख और अध्याय पुस्तकों में प्रकाशित हुए तथा देश विदेश में 15 सम्मेलनों में भाग लिया, वर्ष 2012 में सर्वोत्तम मलयालम युवा कवि के लिए दिव्या नायर को अैयप्पा पणिक्कर फाउण्डेशन पुरस्कार प्राप्त हुआ।

वर्ष के दौरान 17 छात्रों ने अपनी एम. फिल उपाधि और 12 छात्रों ने अपनी पीएचडी उपाधि पूरी की।

वर्ष 2012–13 के लिए शिक्षकों की प्रमुख उपलब्धियां

मिलिन्द एकनाथ अवध

- ने 4–5 मार्च 2013 को ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, इण्डियन इंस्टीट्यूट आफ दलित स्टडीज, और सेंटर फार दलित लिट्रेचर ऐंड आर्ट के सहयोग से कनवेंशन सेंटर, जेएनयू, नई दिल्ली में 'दलित आर्ट ऐंड इमेजनरी : डिपिक्शन, प्रोटेस्ट्स ऐंड ऐस्पिरेशन थ्रू विजुअल इमेजनरी' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की।

सौगाता भादुरी

- कलोनियल कंटेक्स्ट ट्रांसलेशन ऐंड द केस आफ माडर्न बंगाली, सं. 55,यूनिवर्सिटी पेरिश, पृ. 119–128, 2012
- ने यूनिवर्सिटी आफ हवाई, यूएसए, की यूनिवर्सिटी, बर्लिन, जर्मनी, कोगुआंग यूनिवर्सिटी, जिआक्सी, ताईवान, राजशी यूनिवर्सिटी, बंगलादेश और प्रेसिडेन्सी यूनिवर्सिटी, कोलकाता में 5 आलेख प्रस्तुत किए।
- विजिटिंग प्रोफेसर, ग्रिनेल कालेज, लोवा, यूएसए, अक्टूबर–नवम्बर 2012।

सत्यब्रत दास

- ने 9–11 अप्रैल 2012 को भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला में 'रिलिजन, वायलेन्स ऐंड लैंग्यूवेज' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया।
- ने 28–30 जनवरी 2013 को अरबी और अफ्रीकी अध्ययन केन्द्र, जेएनयू, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'हिब्रु लैंग्यूवेज ऐंड कल्चरः रिसेप्शन, सेल्फ–कनसेप्शन ऐंड इंटर कल्चरल रिलेशन' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्म्लेन में भाग लिया तथा 'द लेबर इन द हर्ट– द प्रेयर आफ फ्रान्ज रोजन विग' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ने 22–23 मार्च 2013 को लेडी श्रीराम कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'ट्रेडिशंस ऐंड इंटेलेक्युअल इनक्वायरीः हिस्ट्रीज, पालिटिक्स रिस्पांसिस, विषयक सम्मेलन में भाग लिया तथा 'अफरमेशन आफ डिकंस्ट्रक्शन एसएसएएस ऐंड ए. एस. वन्स अगेन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

मकरन्द प्रांजपे

- एक्ट आफ द फेथ : जर्नीज टु सेकण्ड इण्डिया : न्यू दिल्ली : हे हाउस, 2012' और 'मेकिंग इण्डिया : कलोनिअलिज्म, नेशनल कल्चर ऐंड द आफ्टर–लाइफ आफ इण्डियन इंग्लिश अथारिटी, डोरेट्रच, नीदरलैण्डस, स्प्रिंगर, 2012।
- अन्तरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित दो आलेख बियाण्ड द सबलेटर्न सिन्ड्रोम : अमिताव घोष ऐंड द क्राइसिस आफ द भद्रसमाजः जर्नल आफ कामनवैल्थ लिट्रेचर, 473, पृ. 357–374 और 'इंडियन इंग्लिश इन वर्नाक्युलर इण्डिया' स्टोरीटेलिंग एशिया 27 (दिल्ली पर विशेष अंक), पृ. 210–218, 2012
- ने यूनिवर्सिटी आफ फिलास्फिकल साइंसिस, पसादना, कैलिफोर्निया और यूनिवर्सिटी आफ साउथ आस्ट्रेलिया, अडेलैंड में सम्मेलनों में भाग लिया तथा 9 आलेख प्रस्तुत किए।

जी.जे.वी. प्रसाद

- मुख्य सलाहकार, अलुमिनी मामले, जेएनयू, लाइफ बियाण्ड जेएनयूएसयू, 6 जनवरी 2013।
- विजिटिंग प्रोफेसर, हैदराबाद विश्वविद्यालय, अगस्त 2013
- हैदराबाद लिट्रेरी फैस्टिवल में काव्य पाठ्य के लिए आमंत्रित किया गया, जनवरी 2013

नवनीत सेठी

- ने 9–10 नवम्बर 2012 को जेएनयू नई दिल्ली में 'आफ्टर इमप्लायमेंट, वाट 2 : ए वर्कशाप आन चैलेंजिस फेस्ड, निगोसिएशंस मेड ऐंड पालिसीज रिक्वायर्ड फार डिफ्रेंटली ऐबल्ड टीचर्स इन इंस्टीट्यूशंस आफ हायर लर्निंग' विषयक कार्यशाला आयोजित की।

धनन्जय सिंह

- ने 13 अक्टूबर 2012 को पोइट्री सोसायटी आफ इण्डिया द्वारा आयोजित 'नवारसा' विषयक पब्लिक रीडिंग में 'करुणा रस' विषयक व्याख्यान दिया।
- ने 21 जनवरी 2013 को इग्नू, नई दिल्ली में छात्रों के ज्ञान वाणी कार्यक्रम में 'टीचिंग आफ इंग्लिश ऐज ए क्रिएटिव प्रोसिस' विषयक रेडियो व्याख्यान दिया।
- सदस्य, इंटरनेशनल फेडरेशन फार थिएटर रिसर्च और इंटरनेशनल एसोसिएशन फार द स्टडी आफ आइरिश लिट्रेचर।

फ्रेंच और फ्रेंकाफोन अध्ययन केन्द्र (सीएफऐंड एफएस)

केन्द्र फ्रेंच भाषा में बी.ए. (आनर्स), एम. ए. और एम. फिल/पीएचडी पाठ्यक्रम चलाता है। केन्द्र फ्रेंच भाषी देशों के सांस्कृतिक, सामाजिक–आर्थिक और राजनीकि यथार्थ के बारे में बहुविषयक शोध कार्यक्रम चलाता है। केन्द्र अपने थ्रस्ट एरिया में विश्वविद्यालय के अन्य केन्द्रों/संस्थानों के साथ–साथ देश–विदेश के अन्य विश्वविद्यालयों/संस्थानों क साथ फ्रेंकाफोन में अन्तरविषयक तथा सह–योगात्मक शोध कार्यक्रम चलाता है। केन्द्र अपने फ्रेंकाफोन अध्ययन, अनुवाद एवं भाषान्तरण पाठ्यक्रमों में चल रही शैखिक गतिविधियों को और अधिक सुहण बनाने के कार्य को जारी रखेगा। केन्द्र ने वर्ष के दौरान 2 सम्मेलन, 1 प्रदर्शनी तथा 10 व्याख्यान आयोजित किए तथा अन्य विश्वविद्यालयों के साथ सहयोगात्मक कार्यक्रम चलाए। शिक्षकों की 1 पुस्तक प्रकाशित हुई तथा पुस्तकों में 8 आलेख और अध्याय प्रकाशित हुए। उन्होंने विश्वविद्यालय के बाहर 1 व्याख्यान दिया और देश–विदेश में 5 सम्मेलनों में भाग लिया तथा 9 पुरस्कार और अध्येतावृत्तियां प्राप्त हुईं। 6 छात्रों ने नेट/जेआरएफ की परीक्षा उतीर्ण की।

वर्ष के दौरान 7 छात्रों ने अपनी एम. फिल उपाधि पूरी की।

वर्ष 2012–13 में शिक्षकों की प्रमुख उपलब्धियां

आशीष अग्निहोत्री

- 6–7 मार्च 2013 को डिपार्टमेंट आफ फ्रेंच, स्कूल आफ ह्युमैनिटीज, पाण्डिचेरी यूनिवर्सिटी, पाण्डिचेरी द्वारा आयेाजित 'फ्रेंच ऐंड फ्रेंकाफोन स्टडीज इन द इण्डियन कंटेक्स्ट' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'Le cecr et la crise de lenseignement du Francais en Inde comment renouveler la vieill tradition Intellectualle francaise' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

किरण चौधरी

- 'इडरेडन' (इश्मत चौधरी की लघु उर्दू कहानी, लिहाफ' का फ्रेंच में अनुवाद (सं.) एम कमला और क्लेयर बार्थेज, शक्ति, क्वान्ड लेस इण्डिनेस ओन्ट लियुर मोट ए इक्शीर, गोयल प्रकाशक, नई दिल्ली 2013।
- ने 13–16 फरवरी 2013 को ला रेजन, चेन्नई में आयोजित 'Le Francais en Asie Pacifigue' विषयक तीसरे अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'Regards Pluriels sue la femme Indienne a travers les Tradcution fancaises et francophones' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- परियोजना समन्वयक, 'हिंदी फ्रेंच डिक्शनरी' (20,000 प्रविष्ठियां) हिंदी–यूएन लैंग्यूवेज डिक्शनरी परियोजना, केंद्रीय हिंदी निदेशालय, मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा प्रायोजित, 2011–2014, चल रही परियोजना।

एन कमला

- क्येमर बार्थेज के साथ, शक्ति Quand les Indiennes ont leur mot a ecrire' गोयल प्रकाशक, नई दिल्ली, 2013।
- प्रकाशित आलेख ड्रान इनटु ट्रांसलेशन : ए केस स्टडी आफ ऐस्टेरिक्स ऐंड द मैजिक कार्पेट' जेएसएल, न्यू सीरीज, अंक 16, 2012
- सम्मेलन कार्यवाही D und passage de traduction au passage a la tradution : quelgues pistes de reflection sur la pedagogie de la Traduction' (सं.) एन सी मिरकमल, Etudes francophones: ernjeux et perspectives' शामिया प्रकाशन, चेन्नई, 2013

अभिजीत कारकून

- अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन के निदेशक, Travailler l'Interculturel, developper le social' Recherches Interculturelles et Develoopment Social, इंटरनेशनल पोर ला रिसर्च इंटरकल्चरल के सहयोग से, जेएनयू, नई दिल्ली, 11–12 दिसम्बर 2012
- प्रकाशित आलेख, 'इकोनामिक नान–वायलन्ट वर्स उन माडल गांधियन डे डिवलपमेंट कम्यूनिएच रेनकाउन्टर एविक एल, इन्ड, 2012।
- प्रकाशित वर्सउने इकोनामिक नान वायलेन्ट : उने अप्रोच इंटरकल्चरल (सं.) इलैने कोस्टा फर्नान्डेज और ओडेटी लिसकैरिट डे लॉ डाइवर्साइट लिंग्विस्टिक आक्स प्रेटिक्स इंटरकल्टलेस, इस्पेसिस इंटरकल्चरल्स एल हर्मेटन, 2012

शोभा शंकरन

- प्रकाशित, ला डिफ्रेंस (तमिल लघु कहानी का फ्रेंच में अनुवाद, (सं.) एन कमला और क्लेयर बाथेजिशक्ति क्वाण्डलेस इण्डियन्स ओन्ट लियुर मोट ए एक्री, गोयल प्रकाशक, नई दिल्ली, 2013।
- सम्मेलन कार्यवाही, Les esrits des femmes tamocles en traduction francise : loin de la representation d'une identite feminine (सं.) एनसी मिरकमल, Etudes francohones : enjeux et perspectives, समहित प्रकाशन, चेन्नई, 2013

- अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन के सत्र की अध्यक्षता Travailler l'Interculturel, developper le Social' रिसर्च इंटरकल्चरल्स ऐट डिवलपमेंट सोशल : क्वेश्चंस एसोसिएशन इंटरनेशनल पोर लॉ रिसर्च इंटरकल्चरल, जेएनयू, नई दिल्ली के सहयोग से, 10–12 दिसम्बर 2012।

जर्मन अध्ययन केन्द्र (सीजीएस)

जर्मन अध्ययन केन्द्र जर्मन में बी.ए. (आनर्स), एम. ए. और एम. फिल/पी–एचडी पाठ्यक्रम चलाता हैं इन पाठ्यक्रमों में 'जर्मन अध्ययन के साथ–साथ जर्मन सस्कृति' अध्ययन पर विशेष बल दिया जाता है। इसमें जर्मन भाषा–भाषी देशों और भारत के बीच तुलनात्मक तथा व्यतिरेकी अध्ययन और संस्कृति, अनुवाद, विदेशी भाषा के रूप में जर्मन शिक्षण अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान के क्षेत्रों में अध्ययन शामिल है। इसके अतिरिक्त, इस अध्ययन में सामाजिक–सांस्कृतिक गतिविधियों, जैसे–मीडिया अध्ययन, फिल्म अध्ययन, मौखिक संस्कृति अध्ययन और भारत–यूरोपीय अध्ययनों के आयाम आदि क्षेत्रों में हुए परिवर्तनों से उभरे शोध के नए क्षेत्र भी शामिल हैं। वर्ष के दौरान केन्द्र में 1 कार्यशाला आयोजित की तथा विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ सहयोगात्मक कार्यक्रम चलाया। शिक्षकों के पुस्तकों में 6 आलेख और अध्याय प्रकाशित हुए। उन्होंने विश्वविद्यालय के बाहर 2 व्याख्यान दिए तथा 1 सम्मान प्राप्त हुआ।

10 छात्रों को सम्मान प्राप्त हुआ।

वर्ष के दौरान 7 छात्रों ने अपनी एम. फिल उपाधि पूरी कीं।

वर्ष 2012–13 के दौरान शिक्षकों की प्रमुख उपलब्धियां

राजेन्द्र डेंगले

- प्रकाशित, Konnete ein Buddha heute etwas wirken zur moglickeit einer gegenwartig Indischen Rezeption von Mauthers Buddha text, पब्लिकेशन डेर इंटरनेशनल वरेनगुंग फुर जर्मेनिस्टक (आईवीजी), भाग 14, पृ. 255–261, 2012
- सम्मेलन कार्यवाही, 'Fritz Mauthner und vilem flusser : Annaherugenzweir Prager Intelektuellean die Indische Philosophies FAUSTS/Etudes germanigues (Indienerfahrung und Indiendiskurse europaischer Intellektueller im zovahrhundert), विषयक सम्मेलन में आलेख, स्ट्रासबोर्ज, प्रेस यूनिवर्सिटी डे स्ट्रासबोर्ज, पृ. 27–38

चित्रा हर्षवर्धन

- प्रकाशित Im Wandel der Zeit Der MA-Uberset zungsstudiengang, जर्मन अध्ययन केन्द्र, जेएनयू, नई दिल्ली, भाग–3. पृ. 185–198, 2012
- प्रकाशित Die Einsetzbarkeit von Ramanen mit Dolmetschfiiguren im Rahman Der Dolmetscherausbildung' जर्मन स्टडीज इन इण्डिया/इण्डो–जर्मन अंक–2, पृ. 26–43, दिसम्बर 2012
- प्रकाशित, Die Literatische ubersetzung im Dienste des Goetheschen Begriffs der Weltliterature, गोइथे सोसायटी आफ इण्डिया, ईयरबुक मोसाइक बुक्स, नई दिल्ली, पृ. 57–65, 2013

रेखा वी. राजन

- प्रकाशित 'kontrapunktische Einlagen Indische stimmenin den Halleschen Berichten' जर्मन स्टडीज इन इण्डिया, भाग 3, पृ. 23–38, 2012
- प्रकाशित Begrenzte Rozeption, aberdiffernziert (सं.) एफ ग्रुक्जा और झु जिआनहुआण विलहेट उण्ड इनहेट डेर जर्मेनास्टिक वेल्टवेट, फ्रेंकफुर्ट, एम पीटर लैन्ग, भाग–2, पृ. 61–64 2012

साथना नैथानी

- ने 21–23 जून 2012 को यूनिवर्सिटी आफ लिस्बन, लिस्बन, पुर्तगाल द्वारा आयोजित 'The Grimm Brothers today-Kindeer und Hausmarhen and its legacy, 200 years after' विषयक सम्मेलन में भाग लिया तथा 'ए वाइल्ड लि फिलोलाजी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ने 6–8 सितम्बर 2012 को किंग्सटन यूनिवर्सिटी, लन्दन द्वारा आयोजित 'आफ्टर ग्रिम : फेयरी टेल्स ऐंड द आर्ट आफ स्टोरीटेलिंग' विषयक सम्मेलन में भाग लिया तथा 'एनोदर रोमन्स, इंटरप्रेटिंग ब्रदर्स ग्रिम इन ब्रिटिश इण्डिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ने शीतकालीन सत्र 2012 में, 'ट्रांसलेशन ऐज राइटिंग कल्चर' विषयक एम. फिल कोर्स पढ़ाया।

मधु साहनी

- ने अक्टूबर 2012 में यूनिवर्सिटी आफ वारविक, यू.के. में 'नैसेसरी अलट्रीटी जर्मन ट्रांसलेशंस आफ इण्डियन लिट्रेचर' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।

मर्सी वुंगथिआंग

- ने जर्मन अध्ययन केन्द्र में उपचारात्मक कोर्स समन्वित किया वह विश्वविद्यालय के पुस्तकालय और नेत्रहीन छात्रों के लिए कार्य कर रहे अन्य संस्थानों के साथ मिलकर नेत्रहीन छात्रों के लिए ई टैक्स्ट्स/ब्रेल बुक' पर कार्य कर रहे हैं।

भारतीय भाषा केन्द्र (सीआईएल)

भारतीय भाषा केन्द्र, हिंदी साहित्य में एम.ए. और एम.फिल/पी–एचडी. पाठ्यक्रम, हिंदी अनुवाद में एम.फिल/पीएचडी पाठ्यक्रम उर्दू में सर्टिफिकेट एम. ए. और एम. फिल/पी–एचडी पाठ्यक्रम, तमिल में पी–एच.डी. पाठ्यक्रम और उर्दू में जन–संचार में उच्च डिप्लोमा कोर्स चलाता है। इसके अतिरिक्त, केन्द्र विश्वविद्यालय के अन्य केन्द्रों के छात्रों के लिए हिंदी और उर्दू में वैकल्पिक और टूल कोर्सों के साथ–साथ इन भाषाओं को सीखने के इच्छुक विदेशी छात्रों के लिए अल्पकालीन कोर्स भी चलाता है। अब केन्द्र में तमिल पाठ्यक्रम की शुरूआत और बंगला, आसामीज और मराठी पदों की मंजूरी से स्थितियों में सुधार हुआ है। वर्ष के दौरान केन्द्र ने 1 कार्यशाला और 4 व्याख्यान आयोजित किए। शिक्षकों की 7 पुस्तकें प्रकाशित हुईं तथा पुस्तकों में 16 आलेख और अध्याय प्रकाशित हुए। उन्होंने विश्वविद्यालय के बाहर 19 व्याख्यान दिए तथा देश–विदेश में 17 सम्मेलनों में भाग लिया और 1 शोध परियोजना समन्वित की। वर्ष के दौरान 68 छात्रों ने अपनी एम. फिल उपाधि और 4 छात्रों ने अपनी पी–एचडी. उपाधियां पूरी की वर्ष 2012–13 के दौरान शिक्षकों की प्रमुख उपलब्धियां।

देवेन्द्र चौबे

- संयुक्त परियोजना (गिरशि नाथ झा के साथ); आईएलसीआई इडियन लैंग्यूवेज कारपोरा इनिसिएटिव' द्वितीय चरण, भारत सरकार प्रायोजित परियोजना, विशिष्ट संस्कृत अध्ययन केन्द्र, जेएनयू, 2012–2014, चल रही परियोजना।
- प्रकाशित, 'साहित्य विचारधाराएं और समकालीन इतिहास' इतिहास, भाग–1, अंक–, 1857, इतिहास और लोकजागरण' (मुम्बई हिस्ट्री कांग्रेस में प्रकाशित दिसम्बर 2012), हिन्दुस्तानी जबान (हिन्दुस्तान प्रचार सभा, मुम्बई, जुलाई–सितम्बर 2012
- ने 19 मई 2012 को संस्कृति और मानव उत्तरदायित्व मंत्रालय द्वारा आईआईसी दिल्ली में आयोजित सम्मेलन में भाग लिया तथा 'रिविजिंग रविन्द्रनाथ टैगोर'स लिट्रेरी वर्क ऐंड असेसिंग इअ्स रिलिवेन्स इन द 21ट सेंचुरी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

महजर मेंहदी हुसैन

- 29–30 मार्च 2013 को उर्दू विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ द्वारा आयोजित 'मोइन हसब जज्बी : शखस और शायर' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'जज्बी की हाली–फहमी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

रामबक्ष जाट

- प्रकाशित, 'स्त्री साहित्य : मेरे विचार (सं.) अनिरुद्ध कुमार और अनिल कुमार सिंह, स्त्री साहित्य के सौन्दर्यशास्त्र, अनामिका प्रकाशक, नई दिल्ली, 2012
- प्रकाशित आलेख, प्रो. मैनेजर पाण्डेय के बहाने सभी गुरुजनों का आभार), (सं.) दीपक प्रकाश त्यागी और राजेन्द्र प्रसाद चतुर्वेदी, आलोचना की चुनौतियां, नई किताब, दिल्ली, 2013
- ने 18 जनवरी 2013 को यमुना नगर, हरियाणा में अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा प्रवासी साहित्य' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

मोइनुद्दीन ए जीनाबड़े

- लेखक–अदब की मुआसिर तफहीम : शेर ओ फिक्शन के हवाले से, ब्राउन बुक्स प्रकाशन, नई दिल्ली, 2012 ऐंड उर्दू तदरीसः मसैल ओ इमकानात, ब्राउन बक्स प्रकाशन, नई दिल्ली, 2012
- प्रकाशन : सूफी डायमेंशंस आफ शाह शरीफ'स कश्फ उल अजकर' डेक्कन स्टडीज, भाग–10, अंक–2, पृ. 38–45, जुलाई–दिसम्बर 2012
- ने नवम्बर 2012 में जीसी यूनिवर्सिटी, फैसलाबाद, पाकिस्तान द्वारा आयोजित 'मुजाहमत की जमालियात औरअलामा कबाल, विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में आलेख प्रस्तुत किया।

चमनलाल

- सम्पादित पुस्तक क्रांतिवीर भगतसिंह : अभ्युदय और भविष्य, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2012।
- ने 24–27 जुलाई 2012 को क्वीन'स यूनिवर्सिटी बेल–फास्ट, नार्थर्न आयरलैण्ड, यू.के. में इंटरनेशनल एसोसिएशन आफ ट्रांसलेशन ऐंड इंटरकल्चरल स्ट्रीज के चौथे सम्मेलन में भाग लिया तथा 'द कंट्रब्यूशन आफ एशियन–अफ्रीकन लिट्रेचर टु द डिवलपमेंट आफ वर्ल्ड लिट्रेचर थ्रू ट्रांसलेशन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ने टीवी पर कई साक्षात्कार दिए तथा 'रेडियो इण्डिया वेंकावुर, इण्डियन टेलीविजन चैनल लोक सभा टीवी पर परिचर्चा की तथा फ्रन्टलाइन, पंजाबी ट्रिब्यून और थिंक इण्डिया के लिए आलेख लिखे।

गंगा सहाय मीणा

- प्रकाशित, 'हिंदी साहित्य इतिहास लेखन : कुछ अनुसुलझे सवाल, समसामयिक सृजन, हिंदी लिट्रेरी हिस्टोरिग्राफी पर विशेष अंक, अप्रैल–जून 2012।
- प्रकाशित, 'सिनेमा में 'दलित–आदिवासी प्रश्न' मीडिया विमर्श, (सिनेमा में दलित आदिवासी प्रश्न' मीडिया विमर्श (सिनेमा पर विशेष अंक, मार्च 2013)
- प्रकाशित–जनसत्ता रविवारी, राष्ट्रीय सहारा, दैनिक भास्कर, नेशन फर्स्ट, सबलोग और जेएनयू परिसर।

गोबिन्द प्रसाद

- प्रकाशित 'पचास कविताएं : नई सदी के लिए चयन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2012।

- लेखक – केदारनाथ सिंह की कविता : बिम्ब से आख्यान तक, स्वराज प्रकाशन, नई दिल्ली, 2013 और कविता का पार्श्व, शिल्पायन दिल्ली, 2013
- ने 11–12 फरवरी 2013 को इंग्लिश ऐंड फारेन लैंग्यूवेज यूनिवर्सिटी, हैदराबाद में आयोजित सम्मेलन में भाग लिया तथा, 'हिंदी एवं अन्य भारतीय भाषाओं के साहित्य में अस्मितामूलक चिन्तन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

वीर भारत तलवार

- प्रकाशित 'महाराष्ट्रीय नवजागरण में निरन्तरता' तदभव, 26, पृ. 111–129, 2012
- ने 23–24 अगस्त 2012 को जम्मू में आयोजित सम्मेलन में भाग लिया तथा 'रिसर्च मेथडोलाजी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ने 20–21 नवम्बर 2012 को उदयपुर में आयोजित सम्मेलन में भाग लिया तथा 'रि विजिटिंग अम्बेडकर, गांधी ऐंड मार्क्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया

मो. आसिफ जाहिरी

- प्रकाशित, 'रूतगिरी (काजी सलीम) रंग महफिल (बलराज कोमल), आयना खान (अमीक हनीफ), जेहन–ए–जदीद, भाग–22, अंक 63, पृ. 81–90, मार्च–अगस्त 2012
- प्रकाशित, 'मेजाज और नजरे अलीगढ़, इर्तिबात, (क्वाटर्ली, इस्तानबुल, टर्की, पृ. 67–78, अप्रैल–जून 2012।
- प्रकाशित, 'तराना और उर्दू नज्म 'तनकीद अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, भाग–22, अंक–2, 2012।

जापानी, कोरियाई और उत्तर–पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र (सीजेकेऐंडएनइएएस)

केन्द्र जापानी में बीए. (आनर्स), एम. ए. और एम. फिल/पी–एचडी. पाठ्यक्रम, कोरियाई में बी.ए. (आनर्स) और एम. ए. पाठ्यक्रम और मंगोलियन में सर्टिफिकेट कोर्स चलाता है।

जेएनयू द्वारा किए गए करार के अन्तर्गत केन्द्र और जापान के विभिन्न शैक्षिक संस्थानों और विश्वविद्यालयों सहित ओटनी विश्वविद्यालय और रित्सुमेकान विश्वविद्यालय के बीच शैक्षिक और सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम चल रहे हैं। केन्द्र के शिक्षकों एवं छात्रों के लिए नियमित रूप से अध्येतावृत्तियां प्राप्त हो रही हैं। केन्द्र जापान फाउण्डेशन, भारत में जापानी भाषा शिक्षक संघ, मुमबुशो स्कालर्स एसोसिएशन आफ इण्डिया आदि के साथ मिलकर जापानी अध्ययन से संबंधित सम्मेलनों, संगोष्ठियों और कार्यशालाओं का आयोजन करता है। वर्ष के दौरान केन्द्र ने 4 सम्मेलन, 5 कार्यशालाएं/संगोष्ठियां और 1 प्रदर्शनी आयोजित कीं। शिक्षकों की 4 पुस्तकें प्रकाशित हुई और पुस्तकों में 8 आलेख/अध्याय प्रकाशित हुए। उन्होंने विश्वविद्यालय के बाहर 8 व्याख्यान दिए तथा देश–विदेश में 20 सम्मेलनों में भाग लिया और 2 शोध परियोजनाएं समन्वित कीं। उन्हें ट्रेबल ग्रांट और शोध अध्येतावृत्ति प्राप्त हुई।

छात्रों को 55 छात्रवृत्तियां और अध्येतावृत्तियां प्राप्त हुई।

वर्ष 2012–13 में शिक्षकों की प्रमुख उपलब्धियां

- मंजुश्री चौहान ने 6 दिसम्बर 2012 को इम्बेसी आफ जापान और आब्जर्बर रिसर्च फाउण्डेशन, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'इण्डिया–जापान बाइलेट्रल प्रोट्रेयाल –म्युचुअल प्रिसेप्शन ऐंड इमेज फार्मेशन' विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा लुक ईस्ट इण्डियन स्कूल टैक्स्ट्बुक्स–ए केस स्टडी आफ जापान इन द करिकुलम' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ने 23 फरवरी 2013 को केन्द्र और जलतई द्वारा नई दिल्ली में आयोजित 'इश्यूज पर्टेनिंग टु लैंग्यूवेज ऐज्यूकेशन इन इण्डियाः पास्ट, प्रजेन्ट ऐंड फ्युचर, विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा, लिंकिंग क्लासरूम टु कार्पोरेट–डिजाइनिंग सिलेबस फार बिजनेस जेपनीज' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

मंजुश्री चौहान

- ने 20 अक्टूबर 2012 को मोमबुश स्कालर्स एसोसिएशन आफ इण्डिया द्वारा कनवेंशन सेंटर जेएनयू, नई दिल्ली में 25वां नार्थ जोन जेपनीज लैंग्यूवेज स्पीच कंटेस्ट समन्वित किया।
- ने 12 जनवरी 2013 को मोमबुश स्कालर्स एसोसिएशन आफ इंडिया द्वारा कनवेंशन सेंटर, नई दिल्ली में 25वां आल इण्डिया जेपनीज लैंग्यूवेज स्पीच कंटेस्ट समन्वित किया।
- ने 24 जून 2012 को कोकुगाकुन यूनिवर्सिटी, टोकियो जापान में आयोजित संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'जेपनीज लैंग्यूवेज ऐंड लिट्रेचर स्टडीज इन इण्डिया, विद स्पेशल रिफ्रेंस टु जवाहरलाल नेहरू यूनिवर्सिटी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

अनीता खन्ना

- ने अक्टूबर 2012 में जेएनयू, नई दिल्ली में योगा ऐंड फिजियोथैरपि एसोसिएशन आफ इण्डिया के 5वें अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'जैन बद्धिज्म ऐंड कल्चर इन जापान' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ने नवम्बर 2012 में 'जपान फाउण्डेशन, नई दिल्ली में आयोजित, 'डिमास्ट्रेशन ऐं पोइट्री' इकेबाना ऐंड शिकिकान' विषयक कार्यशाला में भाग लिया तथा 'द जेपनीज सेन्स आफ ऐस्थेटिक्स ऐंड शिकी–कैन (फोर सीजन्स) शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ने 1 दिसम्बर 2012 को जापानी, कोरियाई और उत्तर–पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र, जेएनयू, नई दिल्ली द्वारा आयोजित और अकादमी आफ कोरियन स्टडीज, साउथ कोरिया द्वारा वित्त पोषित 'टुवर्डस द एशियन पोइटिक्स : इण्डियन पर्सपेक्टिव'स विषयक कार्यशाला में भाग लिया तथा 'जेपनीज पोइटिक्स ऐंड करुणा' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

पी. ए. जार्ज

- लेखक – ओ प्रीति मनल (जापानी कवि ताकुबोकु'स इचियाकु नो सुना की कविता का मलयालम मे अनुवाद), कोट्टाथम, केरल, डी.सी. बुक्स, 2012
- लेखक – केन्जु'स पार्क : मियांजावा के.जी की जापानी कविताओं का संग्रह (जापानी से अंग्रेजी में अनुवाद), नार्दन बुक सेंटर, नई दिल्ली, 2012
- प्रकाशित – मियांजावा केन्जी टु (Kirisuto Kyosha to no Koryu: Sakuhinchu no kirisutokyoteki mochifu wo chushin ni), Bungakubu kikaku gakujutsu koenkai/संगोष्ठी रिपोर्ट, कोकुगाकुन यूनिवर्सिटी टोकियो, जापान, पृ. 19–28, मार्च 2013

सुषमा जैन

- प्रकाशित आलेख : क्रास कल्चरल डिफ्रेंसिस इन लर्निंन आफ कोरियन ऐंड जेपनीज लैंग्यूवेज द केस आफ द सेकण्ड पर्सन सिंग्युलर प्रोनाउन' (सं.) वैश्ना नारंग, इश्यूज इन लर्निंग थिअरीज ऐंड पेडागोजियल प्रेक्टिसिस, भाग–III, ओरिएन्ट ब्लैकस्वान, नई दिल्ली, 2013

कौशल कुमार

- ने 20–21 सितम्बर 2012 को जापानी, कोरियाई और उत्तर–पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र द्वारा आयेाजित और इकादमी आफ कोरियन स्टडीज, साउथ कोरिया द्वारा वित्त पोषित, प्रमोशन आफ कोरियन स्टडीज इन इण्डिया ऐंड साउथ एशिया' विषयक द्वितीय दक्षिण एशियाई सम्मेलन में भाग लिया तथा 'रोल आफ सोसायटीज इन मैरिजिस इन इण्डिया ऐंड कोरिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ने 22–23 फरवरी 2013 को इण्डिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित 'टीचिंग मेथोडोलॉजी आफ कोरियन कल्चर इन कोरियन लैंग्यूवेज ऐज्यूकेशन फार इण्डियन लर्नर्स, विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'स्प्रेड आफ कोरियन कल्चर अमंग इण्डियन स्टूडेन्ट्स थ्रू कोरियन क्यूसिनेस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

एम. वी. लक्ष्मी

- ने 23 फरवरी 2013 को जेपनीज लैंग्यूवेज टीचर्स एसोसिएशन आफ इण्डिया के सहयोग से जापानी, कोरियाई और उत्तर–पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र, जेएनयू द्वारा आयोजित 'इश्यूज पर्टेनिंग टु लैंग्यूवेज ऐज्यूकेशन इन इण्डिया : पास्ट, प्रजेन्ट ऐंड फ्युचर' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'स्टोरीज फ्राम कोंजाकु मोनोगत्री शु इन ए क्लास आन लिट्रेरी हिस्ट्री ऐट बी.ए. थर्ड ईयर जेएनयू, शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

प्रेम मोटवानी

- प्रकाशित आलेख 'करंट बिजनेस एनवायरनमेंट इन इंडिया' आईई रिव्यू 275, भाग 53, अंक–2, पृ. 57–64, 2012
- 'इण्डिया स्ट्रेटजी आफ वेस्टर्न ऐंड कारियन एमएनसी'स आईई रिव्यू, 276, भाग–53, अंक–2, पृ. 81–85, 2012
- प्रकाशित आलेख – 'इश्यूज फेजिंग जेपनीज एमएनसी'स इन इण्डिया' आईई रिव्यू 277, भाग–53, अंक–4, पृ. 65–70, 2012

वैजयन्ती राघवन

- ने 23–24 मार्च 2013 को जापानी, कोरियाई और उत्तर पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र और ऐतिहासिक अध्ययन केन्द्र, जेएनयू द्वारा आयाजित, कलोनिअलिज्म इन इण्डिया ऐंड कोरिया : इश्यूज ऐंड पर्सपेक्टिव्स' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'रोल आफ टोनधक मूवमेंट इन द माडर्नाइजेशन आफ कोरिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ने 25–26 अक्टूबर 2012 को डिपार्टमेंट आफ ईस्ट एशियन स्टडीज, डीयू, कोरियन इंस्टीट्यूट फार इंटरनेशनल इकोनामिक पालिसी और कोरियन एसोसिएशन आफ इण्डियन सोशल साइंस रिसर्च, नई दिल्ली द्वारा आयाजित 'इण्डिया–कोरिया को–आपरेशन ऐंड द ईस्ट एशियन कंटेक्स्ट' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'चाइना'स राइज ऐंड साउथ कोरिया'स कंसर्न्स ऐंड रिस्पांस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ने 22–23 फरवरी 2013 को इण्डिया हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'इंटरनेशनल कोरियन लैंग्यूवेज ऐजुकेटर्स' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'टुवर्डस ब्रिजिंग सम आफ द कल्चरल गैप्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

रविकेश

- लेखक–कोरिया : एक परिचय (कोरियाई से अंग्रेजी में अनुवाद), कोरियन कल्चर ऐंड ऐज्युकेशन सर्विस, मिनिस्ट्री आफ कल्चर, स्पोर्ट ऐंड टूरिज्म, गवर्नमेंट आफ रिपब्लिक आफ कोरिया, गोयल प्रकाशक, नई दिल्ली, 2012
- ने 11–12 अगस्त 2012 को द इंटरनेशनल एसोसिएशन फार कोरियन लैंग्यूवेज ऐज्यूकेशन, सिओल, कोरिया द्वारा आयोजित 'डिसकोर्स, टेक्स्ट जेंडर इन कोरियन लैंग्यूवेज क्लासरुम' विषयक 22वें अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'कोरियन लैंग्यूवेज ऐंड कल्चर ऐज्यूकेशन इन इण्डिया : प्रजेन्ट स्टेटस ऐंड प्रास्पेक्ट्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- परियोजना निदेशक– 'टुवर्डस ऐन एशियन/कंटेंशनल पोइटिक्स : ए स्टडी इन इंटर –कल्चरल स्पेस विद स्पेशल रिफ्रेंस टु द बर्क्स आफ हैन योन्ग उन ऐंड रबिन्द्रनाथ टैगोर' अकादमी आफ कोरियन स्टडीज, कोरिया द्वारा वित्तपोषित 2011–2013 पूरी हो चुकी परियोजना।

नीरजा मजूमदार

- संपादित पुस्तक – कोरियन स्टडीज इन इण्डिया ऐंड साउथ एशिया, मानक प्रकाशन, नई दिल्ली, 2012
- परियोजना निदेशक–रविकेश के साथ, 'प्रमोशन आफ कोरियन स्टडीज इन इण्डिया ऐंड साउथ एशिया' अकादमी आफ कोरियन स्टडीज, कोरिया द्वारा वित्तपोषित, 2010–2013, चल रही परियोजना।

- ने 21–22 सितम्बर जापानी, कोरियाई और उत्तर–पूर्वी एशियाई अध्ययन केन्द्र द्वारा आयोजित और अकादमी आफ कोरियन स्टडीज, साउथ कोरिया द्वारा वित्तपोषित 'प्रमोशन आफ कोरियन स्टडीज इन इण्डिया ऐंड साउथ एशिया' विषयक द्वितीय दक्षिण एशियाई सम्मेलन में भाग लिया तथा 'टीचिंग ऐंड लर्निंग माडल फार इंप्रूविंग स्पीकंग स्किल्स फार कोरियन लर्नर्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

एस. श्रीवासतव

- प्रकाशित आलेख– 'स्टडी आफ हान इन किम सोवोलस पोइट्री (सं.) नीरजा समाजदार, कोरियन स्टडीज इन इण्डिया ऐंड साउथ एशिया, मानक प्रकाशन, दिल्ली, 2012

भाषा विज्ञान केन्द्र (सीएल)

यह केन्द्र भाषा विज्ञान में एम. ए. और एम. फिल/पीएच.डी पाठ्यक्रम चलाता है। केन्द्र संस्थान के स्नातक छात्रों के लिए भाषा विज्ञान में वैकल्पिक कोर्स भी चलाता है। भाषा विज्ञान केन्द्र पूरे भारत में भाषा विज्ञान और भाषा अध्ययन के अग्रणी केन्द्रों में से एक है। केन्द्र स्वर विज्ञान, स्वन प्रक्रिया, रूप विज्ञान और वाक्य विन्यास जैसे मुख्य क्षेत्रों के साथ–साथ मनो भाषा विज्ञान और भारतीय व्याकरणिक परम्परा के विशेषज्ञ रखने के रूप में भी जाना जाता है। शिक्षकों द्वारा शामिल किए गए शोध के कुछ अन्य क्षेत्र हैं – भाषा प्रारुप विज्ञान और संकेत विज्ञान के साथ–साथ जैव भाषा विज्ञान, जोकि सामान्य रूचि का एक उभरता हुआ क्षेत्र है। शिक्षकों की 4 पुस्तकें प्रकाशित हुईं तथा पुस्तकों में 12 आलेख और अध्याय प्रकाशित हुए। उन्होंने विश्वविद्यालय के बाहर 9 व्याख्यान दिए तथा देश–विदेश में 9 सम्मेलनों में भाग लिया और 1 शोध परियोजना समन्वित की। प्रोफेसर अन्विता को उनके योग्यदान के लिए पदमश्री पुरस्कार प्राप्त हुआ।

वर्ष के दौरान 21 छात्रों ने अपनी एम.फिल. उपाधि और 6 छात्रों ने अपनी पी–एचडी उपाधि पूरी की।

वर्ष 2012–13 में शिक्षकों की प्रमुख उपलब्धियां

अन्विता अब्बी

- को उनके योग्यदान के लिए 2013 में पदम्श्री पुरस्कार प्राप्त हुआ।
- लेखक – जीरो मिथ, नेशनल बुक ट्रस्ट, दिल्ली, 2013
- प्रकाशित आलेख, लैंग्यूवेज कंजर्वेशन ऐंड कोग्निटिव एबिलिटीज आफ हयुमन स्पीसीज' (सं.) एम गणेशन, लैंग्यूवेज, इनडेंजरमेंट इन साउथ एशिया, भाग 1, अन्नामालिया नगर, तमिलनाडु, अन्नामलाई विश्वविद्यालय प्रकाशन, पृ. 3–25, 2013

आयशा किदवई

- आलेख, कोमोवस्की–स इननैटनेस हाइपोथिसिस : इंप्लिकेशंस फार लैंग्यूवेज लर्निंग ऐंड टीचिंग' लैंग्यूवेज ऐंड लैंग्येवेज टीचिंग, 2.1, पृ. 57–61, जनवरी 2013
- ने यूनिवर्सिटी आफ पेंसलवानिया, यूनिवर्सिटी आफ रूटजर्स कार्नेल यूनिवर्सिटी, यूनिवर्सिटी आफ मसोचेसेट्स, यूनिवर्सिटी आफ पोस्ट डैम और यूनिवर्सिटी आफ कोन्सटान्ज, जर्मनी में व्याख्यान दिए।
- को कार्यस्थल पर सैक्सचुअल हैरासमेंट के बारे में संबंधित विश्वविद्यालयों में जांच हेतु वर्मा आयोग के समक्ष बुलाया गया।

फ्रेंसन मंजली

- प्रकाशित आलेख –कल्चरल रिसर्च, ब्लांचोट, गांधी ऐंड द पालिटिको रिलिजियस कंटेक्स आफ इण्डिया, ब्लांचोट, राइटिंग ऐंड द पालिटिको–रिलिजियस'

- ने 13–14 नवम्बर 2012 को यूनिवर्सिटी आफ वग्रैमो, बर्गेमो, इटली में इंटरजोन कल्चरल स्टडीज प्रोग्राम, इरासमस मुन्डस में 4 व्याख्यान दिए।

  i. फिलास्फी ऐंड ऐथिक्स : क. नितजेस्च ख. लिविनास

  ii. लैंग्यूवेज, लिट्रेचर ऐंड ऐथिक्स : क. ब्लांचोट ख. डेरिडा

- ने 20 जून 2012 को सेंटर फार स्टडीज इन सोशल साइंसिस, कोलकाता में 'फाउण्डेशन आफ माडर्न लिंग्विस्टिक्स ऐंड द कलोनियल कंटेक्स्ट–कल्चरल स्टडीज पर्सपेक्टिव्स' विषयक व्याख्यान दिया।

वैश्ना नारंग

- सम्पादित पुस्तक – इश्यूज इन लर्निंग थिअरीज ऐंड पेडेगोजिकल प्रैक्टिसिस, भाग–1 और 2, ओरिएन्ट ब्लैकस्वान, नई दिल्ली, 2013
- दीपशिखा के साथ, रिडिफाइंग एकाउस्टिक स्पेस इन लैंग्यूवेज कंटैक्ट सिचुएशन, केस आफ हिंदी ऐंड पंजाबी इन दिल्ली' आईजेएल कश्मीर यूनिवर्सिटी, भाग–5, पृ. 13–24, 2012
- ने 5 मार्च 2013 को 'इंटरडिसिप्लिनरी अप्रोचिस : हाऊ टफ गेट योरसैल्फ इनवाल्व्ड' विषयक कार्यशाला में विशेषज्ञ के रूप में भाग लिया तथा 'हाऊ नाट टु रिस्ट्रिक्ट रिसर्च विद बाउन्ड्रीज : केस आफ लैंग्यूवेज रिसर्च विद आर विदाउट टू न्यूरो/साइको/सोसिओ/जेनेटिक इनपुट्स ऐंड टेक्नोलाजिकल सपोर्ट' विषयक व्याख्यान दिया।

फारसी और मध्य एशियाई अध्ययन केन्द्र

केन्द्र फारसी में बी. ए. (आनर्स), एम. ए. और एम. फिल/पी–एचडी. पाठ्यक्रम पश्तो में सर्टिफिकेट, डिप्लोमा और उच्च प्रवीणता डिप्लोमा कोर्स तथा तुर्की में वैकल्पिक कोर्स चलाता है। केन्द्र के थ्रस्ट एरिया हैं– आधुनिक और मध्यकालीन फारसी साहित्य, फारसी से अंग्रेजी और अंग्रेजी से फारसी में अनुवाद, इण्डो–ईरान संबंध और क्षेत्रीय अध्ययन ईरान, अफगानिस्तान, तजाकिस्तान और उजबेकिस्तान/शिक्षकों की 3 पुस्तकें प्रकाशित हुईं तथा पुस्तकों में 6 आलेख और अध्याय प्रकाशित हुए। उन्होंने विश्वविद्यालय के बाहर 6 व्याख्यान दिए तथा देश–विदेश में 6 सम्मेलनों में भाग लिया और 3 परियोजनाएं समन्वित कीं। वर्ष के दौरान शिक्षकों को 2 पुरस्कार प्राप्त हुए।

वर्ष के दौरान 2 छात्रों ने अपनी एम. फिल. उपाधि और 5 छात्रों ने अपनी पी–एचडी. उपाधि पूरी की।

वर्ष 2012–2013 में शिक्षकों की प्रमुख उपलब्धियां

हसन एस. एनुल

- लेखक अजजा एतरकीबी (काशीदाह पर नोट सहित पैनेगाइरिक्स का संग्रह), इस्लामिक वंडर्स ब्यूरो, 2012 और 1857 की डायरी दस्तानबू, मिर्जा गालिब, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 2012
- फोरवर्ड टु पश्तो मेड इजी फार इवरीवन, नई दिल्ली : ऐप्लाइड बुक्स ऐंड पंचतंत्र–द फेबल्स आफ एनीमल्स इनपर्शियन लिट्रेचर, इस्लामिक वंडर्स ब्यूरो, नई दिल्ली, 2012।
- ने 22–26 दिसम्बर 2012 को मिनिस्ट्री आफ कल्चर गाइडेन्स, ईरान द्वारा आयोजित पोइट्री सम्मेलन में भाग लिया तथा 'इण्डो–पर्शियन पोइट्री' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

ए. ए. अंसारी

- सम्पादक – पर्शियन स्टडी मैटेरियल, इग्नू, नई दिल्ली, 2012
- सदस्य, सम्पादक मण्डल, शेख अली हुजवरी : शख्सियत और खिदमत, (सं.) डॉ. अब्दुल हलीम अखगर, नई दिल्ली, 2012

- लेखक – अल अहमद सरूर : फिक्र और फैन ब्राउन बुक पब्लिकेशन, नई दिल्ली, 2012

अख्तर मेंहदी

- मुख्य सम्पादक, पर्शियन स्टडी मैटेरियल, इग्नू, नई दिल्ली, 2012
- ने 27–29 फरवरी 2013 को लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ में आल इण्डिया पर्शियन टीचर'स एसोसिएशन की 32 वीं राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की
- कंटेन्ट लेखक – 3 यूनिट, पर्शियन स्टडी मैटेरियल, इग्नू, नई दिल्ली, 2012

एम. एस. नियाजमन्द

- प्रकाशित आलेख – 'हिस्ट्री आफ पर्शियन रिसर्च ऐंड पब्लिकेशन इन कश्मीर, दानिश, डिपार्टमेंट आफ पर्शियन, यूनिवर्सिटी आफ कश्मीर की पत्रिका, जनवरी 2012।
- ने 3–4 जुलाई 2012 को इब्नेसिना यूनिवर्सिटी, हमादन ईरान द्वारा आयोजित संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'कल्चरल ऐंड लिट्रेरी को–रिलेशंस फार लिंकिंग इंडिया ऐंड ईरान ऐंड द सिग्निफिकेन्ट रोल आफ हमदान' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ने अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 2 और आलेख प्रस्तुत किए।

रूसी अध्ययन केन्द्र

रूसी अध्ययन केन्द्र रूसी में बी.ए. (आनर्स), एम. ए. और एम. फिल/पी–एचडी. पाठ्यक्रम चलाता है। इसकी स्थापना वर्ष 1965 में रूसी अध्ययन केन्द्र के एक स्वतंत्र संस्थान के रूप में हुई और बाद में यह वर्ष 1969 में जेएनयू का एक स्थापना घटक बन गया। केन्द्र के थ्रस्ट एरिया हैं– रूसी भाषाशास्त्र, रूसी साहित्य और तुलनात्मक अध्ययन। केन्द्र अपनी 'क्रिटिक' नामक पत्रिका का प्रकाशन भी करता है। वर्ष के दौरान केन्द्र ने 1 सम्मेलन आयोजित किया। शिक्षकों की पुस्तकें प्रकाशित हुईं तथा पुस्तकों में 8 आलेख और अध्ययन प्रकाशित हुए। उन्होंने देश–विदेश में 1 सम्मेलन में भाग लिया।

केन्द्र में छात्रों को कई प्रतियोगिताओं जैसे –क्विज, निबंध लेखन, अनुवाद, पोस्टर मेकिंग, काव्य पाठय, नायन, नृत्य आदि में कई पुरस्कार प्राप्त हुए। 20 फरवरी 2013 को रशियन सेंटर आफ साइंस ऐंड कल्चर द्वारा रूसी भाषा, साहित्य और संस्कृति दिवस मनाया गया।

5 छात्रों को एम. फिल उपाधियां प्राप्त हुईं।

2012–2013 में शिक्षकों की प्रमुख उपलब्धियां

विनय कुमार अम्बेडकर

- फिन्नो – यूगरियन यूनिवर्सिटी आफ दिल्ली द्वारा आयोजित 'रिविजिटिंग ईस्ट कल्चरल यूरोप ऐंड रशिया : सोसायटी ऐंड कल्चर' 20 ईयर्स' आफ्टर' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'न्यू रिअलिज्म इन रोमन सेंचिम'स माइनस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

आशुतोष आनन्द

- ने 25–29 अप्रैल 2012 को मास्को स्टेट यूनिवर्सिटी मास्को में सम्मेलन में भाग लिया तथा 'फार्म्स आफ एड्रेस इन कंटेम्पोरेरि रशियन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

रंजना बनर्जी

- प्रकाशित आलेख, 'द बाईस ऐंड देआ म्युसेस, (द इनिगमेटिक वुमन' इन द लिव्स ऐंड वर्क्स आफ रबिन्द्रनाथ टैगोर और अलेक्जेंडर), 'क्रिटिक' रूसी अध्ययन केन्द्र, जेएनयू की पत्रिका, अंक 10, पृ. 47–55, मार्च 2013।
- ने 22–23 सितम्बर 2012 को कैथरिन मैन्सफील्ड सोसायटी, क्रान्स – मोनटाना, स्विटजरलैण्ड के सहयोग से ब्रिटिश रेजिडेन्स एसोसिएशन और द इंग्लिश डिपार्टमेंट आफ द यूनिवर्सिटी आफ जिनेवा द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित सम्मेलन में भाग लिया तथा 'कैथरीन मैन्सफील्ड ऐंड ऐन्टोन चैखोव : ए डायलाग आफ कल्चर्स शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ने राष्ट्रीय और अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलनों में 3 और आलेख प्रस्तुत किया।

मीनू भटनागर

- प्रकाशित आलेख– 'अण्डरस्टेंडिंग रशिया'स पास्ट ऐंड प्रजेन्ट थ्रू रशिया फिल्म्स' (सं.) जार्ज पोलोस और स्टावरोल वैरेला, एक्सप्लोरेशंस इन वर्ल्ड लिट्रेचर, फ्राम एनशिएन्ट टु कंटेम्पोरेरि, पृ. 235–246

मीता नारायण

- ने मार्च 2013 में डिपार्टमेंट आफ स्लोवोनिक ऐंड फिन्नो–यूगरियन स्टडीज, यूनिवर्सिटी आफ दिल्ली द्वारा आयोजित 'रशियन डिसकोर्स इन द कंटेम्पोरेरि इंटर कल्चरल कंटेक्स्ट' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया तथा 'ट्रांसलेशन ऐज मीन्स आफ क्रास कल्चरल कम्यूनिकेशन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- ने 5–7 नवम्बर 2012 को रूसी अध्ययन केन्द्र, भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान, जेएनयू, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'इण्डिया ऐंड द सिल्क रोड रीजन–कल्चरल कनेक्शंस, करंट चैलेंजिस' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'रिलिजन्स थ्रू सिल्क रूट' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

नासर शकील रूमी

- ने मार्च 2013 को रिविजिटिंग ईस्ट यूरोप ऐंड रशिया : सोसायटी ऐंड कल्चर 20 ईयर्स आफ्टर' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा ईयरनिंग फार इनर फ्रीडम–वायसिस इन द फस्ट डिकेड आफ द 21ट सेंचुरी रशियन लिट्रेचर' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

सोनू सैनी

- ने दिसम्बर 2012 में आईसीएसएस आर एम एच आर डी गवर्नमेंट आफ इण्डिया यूनिवर्सिटी आफ दिल्ली के सहयोग से डिपार्टमेंट आफ ऐडलट कंटिनिंग ऐज्युकेशन ऐंड एक्सटेंशन, दिल्ली द्वारा आयोजित नेशनल लेवल रिसर्च मेथडोलाजी कोर्स में भाग लिया।
- प्रकाशित आलेख– 'रिविजिंग द काल आफ यूएसएसआर थ्रू लिट्रेचर : ए स्टडी आफ नावल इनचांटमेंट बाई डैथ बाई स्वेतलाना अलेजिविच' क्रिटिक' रूसी अध्ययन केन्द्र, जेएनयू, अंक–10, मार्च 2013।
- ने मुम्बई विश्वविद्यालय, मुम्बई में इण्डियन हिस्ट्री कांग्रेस के 73वें सत्र में भाग लिया तथा 'रिविजिंग द वर्ल्ड आफ चेर्नोबिल आफ्टर द न्युक्लियर डिजास्टर : एन एनालिसिस आफ द टेस्टिमोनियल्स' 'द वाइसिस फ्राम चेर्नोबिल–ए–क्रानिकल आफ फ्युचर' बाई अलेक्जिविच एस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

किरण सिंह वर्मा

- 23–30 नवम्बर 2012 को ई–लर्निंग आफ रशियन लैंग्यूवेज टीचिंग एब्राड के अन्तर्गत मास्को स्टेट यूनिवर्सिटी आफ डिजाइन और टेक्नोलाजी द्वारा आयोजित प्रोफेशनल डिवलपमेंट के लिए पुनश्चर्या कोर्स में भाग लिया।

स्पेनी, पुर्तगाली, इतालवी और लेटिन अमरीकी अध्ययन केन्द्र

केन्द्र स्पेनी में बी.ए. (आनर्स), एम. ए. और एम. फिल/पी–एचडी पाठ्यक्रम, पुर्तगाली में सर्टिफिकेट, डिप्लोमा, उच्च प्रवीणता डिप्लोमा और पुर्तगीज़ में एम. फिल और इतालवी भाषा में प्रवीणता प्रमाण–पत्र और प्रवीणता डिप्लोमा कोर्स चलाता है। केन्द्र हिस्पानिक जर्नल नामक अपनी पत्रिका भी प्रकाशित करता है। केन्द्र ने इस वर्ष अंग्रेजी अध्ययन केन्द्र के सहयोग से 1 अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन, 1 व्याख्यान और 1 कार्यशाला अयोजित की। शिक्षकों की 1 पुस्तक प्रकाशित हुई तथा पुस्तकों में 1 अध्याय प्रकाशित हुआ।

1 छात्र ने अपनी एम. फिल उपाधि पूरी की।

2012–2013 में शिक्षकों की प्रमुख उपलब्धियां

मीनू बक्शी

- लेखक विशनागी – द थर्स्ट, रूपा प्रकाशन, दिल्ली, 2013

अनिल के. धींगरा

- सदस्य, इरासमस मुन्डस मुटली एडवाइजरी ग्रुप, यूनिवर्सिटी आफ डुस्टो, बिलबाओ, स्पेन

इन्द्रानी मुखर्जी

- प्रकाशित आलेख– 'सिंक्रटिज्म एमिड्ट्स इंडिजिनस पीपल्स इन गोवा/साउथ इण्डिया ऐंड प्रोग्वे (सं.) इगनासिओ अरेलैनो वाई कार्लोस मेटा इन्दुरैन San francisco javier y la emprasa misionera jesutia Asimilaciones entre culturas (सेंट फ्रांसिस जैवियर और जेस्युट मिशनरी इंटरप्राइसिस, एसिनिलेशंस बिटवीन कल्चर्स), pamplona : Servicio de publicaciones de la universidad de Nararra, 2012
- ने 25–27 अक्टूबर 2012 को यूनिवर्सिटी आफ कैस्टिला –ला मंच, टोलेडो, स्पेन द्वारा आयोजित द स्पेन सोसायटी फार द लिट्रेरी स्टडी आफ पाप्यूलर कल्चर (सेलिकप) के 'मल्टिडिसिप्लिनरी न्यूज आन पाप्यूलर कल्चर' विषयक 5वें अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'नोइर फिल्म्स इन मैक्सिको ऐंड इण्डिया ऐंड जेंडर्ड अर्बन स्पेस' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- 29–30 अक्टूबर 2012 को यूनिवर्सिडाड कम्पलटेन्स डे मैड्रिड, स्पेन द्वारा आयोजित 'मिथ ऐंड इंटरडिसिप्लिनरी' विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया तथा 'जेंडर्ड मिथ्स फ्राम मैक्सिको ऐंड इण्डिया : मैलिन्टजिन ऐंड द्रौपदी' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

जीवन विज्ञान संस्थान

जीवन विज्ञान संस्थान की स्थापना वर्ष 1970–71 के दौरान हुई थी। यह संस्थान अपनी स्थापना से अब तक जीवन विज्ञान में देश के एक अग्रणी बहु–विषयक शोध एवं शिक्षण विभाग के रूप में रहा है संस्थान देश के सभी क्षेत्रों से छात्रों को प्रवेश दे रहा है। संस्थान छात्रों के साथ संप्रेषण की सभी संभव पद्धतियों का प्रयोग करता है। संस्थान कोशिकीय और अणु जीव विज्ञान पर मुख्य ध्यान केन्द्रित करता है। शोध में जीवाणुओं, पादपों और पशुओं को माडल सिस्टम के रूप में प्रयोग किया गया है। संस्थान भविष्य में जीनोमिक्स और प्रोटियोमिक्स, अणु जैव भौतिकी, संरचनात्मक और पद्धति जीव विज्ञान के क्षेत्र में केन्द्रीकृत सुविधाएं विकसित करने की योजना बना रहा है। संस्थान ने वर्ष 2012 में ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान युवा छात्रों के लिए आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किया तथा वर्ष 2013 में संस्थान के छात्रों द्वारा संगोष्ठी आयोजित की गई। संस्थान ने 33 व्याख्यान और एक व्याख्यान शृंखला आयोजित की।

संस्थान के शिक्षकों की 1 पुस्तक प्रकाशित हुई तथा पुस्तकों में 123 आलेख और 8 अध्याय प्रकाशित हुए। उन्होंने विश्वविद्यालय के बाहर 64 व्याख्यान दिए तथा देश–विदेश में 63 सम्मेलनों में भाग लिया।

प्रोफेसर आर एन के बामजेई को वर्ष 2012 में बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय में 38वें वार्षिक सम्मेलन में इण्डियन सोसायटी आफ ह्युमन जिनेटिक्स द्वारा भारत में ह्युमन जिनेटिक्स रिसर्च में उत्कृष्ट योगदान के लिए स्व एल डी संधवी ओरेशन पुरस्कार प्राप्त हुआ। उन्हें वर्ष 2012 में भारत के राष्ट्रपति द्वारा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में पदमश्री सम्मान प्राप्त हुआ। प्रोफेसर आर.के. काले को चार पुरस्कार प्राप्त हुए – 2013 में शिक्षा में उत्कृष्ट योगदान के लिए ईटी नाऊ नेशनल ऐज्यूकेशन लीडरशिप पुरस्कार, 2012 में शिक्षा में उत्कृष्ट योगदान के लिए 20वां मेहता बिजनेस स्कूल पुरस्कार', 2013 में शिक्षा में उत्कृष्ट योगदान के लिए द एबीपी न्यूज नेशनल बी स्कूल पुरस्कार तथा 2012 में शिक्षा में विकास हेतु मौलाना आजाद पुरस्कार प्राप्त हुआ। आर मधुबाला को 2011–2015 के लिए जेसी बोस फेलो और अध्यक्ष (जीवन विज्ञान संस्थान), अश्विनी पारीख को यूनिवर्सिटी आफ कैलिफोर्निया, डेविस, सी.ए. यूएस.ए में कार्य करने के लिए जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार की क्रेस्ट फेलोशिप प्राप्त हुई। सुधा एम कौशिक को भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, दिल्ली का छनिका ओरेशन पुरस्कार प्राप्त हुआ।

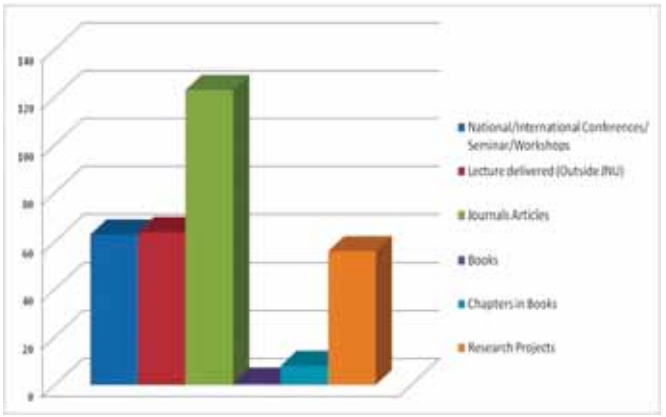

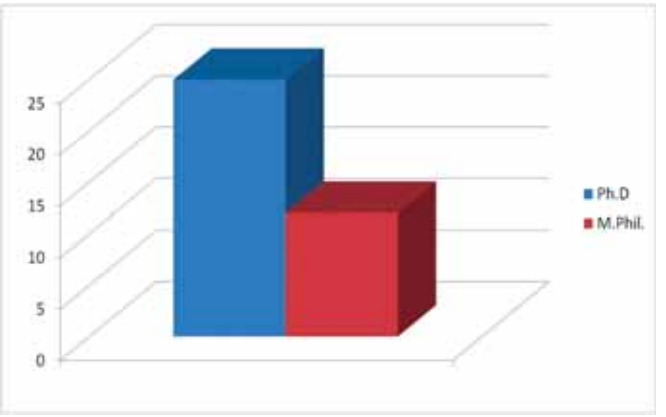

संस्थान के छात्रों ने देश–विदेश में 6 सम्मेलनों/कार्यशालों में भाग लिया। 10 छात्रों को छात्रवृत्तियां और अध्येतावृत्तियां प्राप्त हुईं। आशुतोष सिंह को 2013 में अमेरिकन सोसायटी आफ माइक्रोबायोलाजी, यूएसए का भारत में एएसएम युवा राजदूत नियुक्त किया गया, मनप्रीत कौर को 17–22 मार्च 2013 को पेंचुरा, सी.एयूएसए में 'मल्टिड्रग इफ्लक्स सिस्टम्स' विषयक गोल्डन रिसर्च सम्मेलन में कार्ल स्टोर्म इंटरनेशनल डाइवर्सिटी फेलोशिप प्राप्त हुआ, दीपक कुमार सिंह को 2012 में नार्थ ईस्टर्न हिल यूनिवर्सिटी, शिलांग में ऐजिंग (आईएसओए 2012) विषयक अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठी और एसोसिएशन आफ जिरोन्टोलाजी (इंडिया) के 16वें द्विवार्षिक सम्मेलन में सर्वोच्च पोस्टर प्रस्तुतीकरण पुरस्कार प्राप्त हुआ। जितेन्द्र कुमार चौधरी को 2012 में आईवीआरआई, बरेली में अध्ययन के पुनरुत्पादन के लिए 'स्टेम सेल रिसर्च ऐंड थेरप्युटिक्स : करंट स्टेटस ऐंड फ्युचर स्ट्रेटजीस' विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला में सर्वश्रेष्ठ

वैज्ञानिक शोध प्रस्तुत करने के लिए यंग इनवेस्टिगेटर पुरस्कार प्राप्त हुआ। सुखलीन कौर को 2013 में सेंटर फार एडवांस्ड स्टडीज इन ज्योलाजी, बी.एचयू में 'इमर्जिंग ट्रेड्स ऐंड चैलेजिस इन बेसिक ऐंड ट्रांसलेशनल रिसर्च इन बायोकेमिस्ट्री' विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन में सर्वोच्च पोस्टर पुरस्कार प्राप्त हुआ।

वर्ष के दौरान 12 छात्रों ने अपनी एम.फिल उपाधि और 25 छात्रों ने अपनी पी–एचडी उपाधियां पूरी कीं।

2012–13 में शिक्षकों की प्रमुख उपलब्धियां

आर. एन. के. बामजेई

- एस. आर. क्रासमैन, के. जी. ऐन्डरसन, आई सल्याख्तर, एस. तबरेजी, एस. विनीकी, ए. येन, डी. जे. पार्क, डी ग्रिस्मेर, ई.के. कार्लेसन, एस एच. वोंग, एम. कैबिली, आर. ए. अडेगबोला, आर. एन. बामजेई, ए. वी. हिल, एफ ओवैनबर्ज, जेएल रिन, पी. जिनोमेस, ईएस लैण्डर एस एफ स्कैफ्नर, और पीसी साबती, आइडेंटिफाइंग रिसेंट एडेप्टेशंस इन लार्ज स्केल जिनोमिक डाटा, सेल 152, 703–713, 2013।
- एस. अली, आर चोपड़ा एस मानवती, वाई पी. सिंह, एन. कौल, ए बहेरा, ए महाजन, पी. सहजपाल, एस गुप्ता, एम. के. धर, जी. बी. चैनी, ए. एस. भंवर, एस शर्मा और आर. एन. बामजेई, रिप्लिकेशन आफ टाइप–2 डायबेटिक्स कैन्डिडेट जिनेस वैरिएशंस इन थ्री जिओग्राफिकली अनरिलेटिड इण्डियन पाप्यूलेशन ग्रुप्स, प्लास वन 8, 2013
- एस. अली, ए. के. श्रीवास्तव, आर. चौपड़ा, एस. अग्रवाल, वी. के. गर्ग, एस. एन. भट्टाचार्य और आर. एन. के. बामजेई, आई एल 12 बी एस एनपी'स ऐंड कापी नम्बर वैरिएशन इन आईएल 23 आर जीन एसोसिएटिड विद सस्पेक्टिबिलिटी टु लेप्रोसी, जर्नल आफ मेडिकल जिनेटिक्स 50, 34–42, 2013।

ए. भट्टाचार्य

- चयनित सदस्य, कार्य परिषद समिति, कोडाटा इंटरनेशनल (आईसीएसयू का एक अंक), पेरिस
- एन. सिंह, एस. ओझा, ए भट्टाचार्य और एस. भट्टाचार्य, स्टेबल ट्रांसफेक्शन ऐंड कंटिन्युअस एक्सप्रेशन आफ हेट्रोलोगस जीन्स इन एंटामोइबा इनवेडेन्स, मोल बायोकेम पैरासिटोल, 184, 9–12, 2012।
- आर. गुप्ता, ईशा दीवान, रिचा भारतीय, ए. भटटाचार्य, डिफ्रंसिएल एक्सप्रेशन एनालिसिस आफ आरएनए सेक डाटा आईएसआरएन बायोइंफार्मेटिक्स, 2012

एस चक्रबर्ती

- ए. के. सिंह, बी. चट्टोपाध्याय और एस. चक्रबर्ती, बायोलाजी ऐंड इंटरएक्शंस आफ टु डिस्टिंक्ट मोनोपार्टाइट बेगोमोवाइरस ऐंड बिटासैलेलाइटटस एसोसिएटिड विद रेडिश लीफ कर्ल डिसीज इन इण्डिया, विरोलाजी जर्नल, 9:43, 61, 2012
- बी. जार्ज, बी. चट्टोपाध्याय और एस. चक्रबर्ती, रिप्लिकेशन ऐंड ट्रांसक्रिप्शन स्ट्रेटजीस आफ जेमिनिवायरस : एन ओवरव्यू, रिसेंट ट्रेन्ड् इन प्लांट विरोलाजी, (सं.) जी. पी. राव, वी. के. बर्नवाल, बी. मंडल और एन. ऋषि, पृ. 47–80, स्टेडियम प्रेस, यूएसए, 2012।
- तीन शोध परियोजनाएं चल रही हैं – मोलिक्युलर आइडेंटिफिकेशन ऐंड करेक्ट्राइजेशन आफ विरुलेन्स फैक्टर्स आफ टोमैटो लीफ कर्ल वायरस, डीएसटी, मोलिक्युलर मकेनिज्म आफ पीटीजीएस मिडिएटिड होस्ट रिकवरी एसोसिएटिड विद टोमैटो लीफ कर्ल वायरस इंफेक्शन (डीबीटी) इंजीनियरिंग ब्राड स्पैक्ट्रम रसिस्टेन्स अगेंस्ट प्लांट–इंफैक्टिंग आरएनए वायरस, (सीएसआईआर)

एस एम कौशिक

- डी. अंजली, जी. एस. गंजिवाले, सुधा एम. कौशिक, मोलिक्युलर माडलिंग आफ न्यूरोकाइनिन बी. ऐंड न्यूरोकाइनिन 3 रिसेप्टर कम्पलेक्स बायोफिजिकल जर्नल, 100:22, 2013।

- दो परियोजनाओं के प्रमुख अनुवेषक स्ट्रक्टरल एनालिसिस आफ कैनाबिनोइड रिसेप्टर इंटरएक्टिंग प्रोटीन यूजिंग बायोइंफार्मेटिक्स टूल्स फ्लोरसेन्स सीडी ऐंड एनएमआर स्पैक्ट्रोस्कोपी, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद, भारत सरकार, 2013–2016 और दूसरी माड्युलेशन आफ स्ट्रक्चरल ऐंड मोलिक्युलर आस्पैक्ट्स आफ मेम्ब्रेन लिंक्ड फंक्शंस बाई इस्ट्रोजिन इन ऐजिंग रैट ब्रेन, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, भारत, 2012–2013।
- रश्मि झा, ए. ए. मेंहदी, शिवानी पाण्डेय और सुधा एम कौशिक, 'न्यूरोप्रोटेक्टिव इफैक्ट आफ 17 इंस्ट्राडिओल आन मेम्ब्रेन फ्लुडिटी इन ऐजिंग ब्रेन' बायोफिजिकल सोसायटी की 57वीं वार्षिक बैठक, फिलाडेल्फिया, यूएसए, 2–6 फरवरी 2013।

एस. के. गोस्वामी

- पी. दत्ता, जी. के. तान्ती, एस. शर्मा, एस. के गोस्वामी, एस. एस. कामथ, एम. ब्ल्यू मेयो, जे. डब्ल्यू हाकेन्सिमिथ, और आर. मुत्थुस्वामी, ग्लोबल इपिजिनेटिक चेंजिस इंडयूस्ड बाई एस डब्ल्यूआई2/एसएनएफ2 इनहिबिटर्स करेक्ट्राइज न्योमाइसिन रसिटेन्ट मैनेलियन सेल्स, प्लास वन, (11), 2012।
- तीन शोध परियोजनाएं चल रही है :– एनालिसिस आफ इंट्रासेलुलर रिडॉक्स डायनेमिक्स इन एच 9सी2 कार्डिअक मायोब्लास्ट्स अण्डर ऐंड इनर्जिक स्ट्रेस : ए टूल फार स्टडींग द बायोलाजी आफ हर्ट फेलर, सीएसआईआर, 2011–2014, और 'द रोल आफ एसजी2–एनए इन टिश्यू डिफ्रेंसिएशन ड्यूरिंग क्लिक डिवलपमेंट, डीएसटी, 2011–2013 और प्रोटेओमिक ऐंड ट्रांसक्रिप्टोमिक इवैल्युएशन आफ द एन्टि हाइपरट्रोफिक ऐंड हर्ट फेलर प्रापर्टीज आफ टर्मिनली अर्जुन एक्सट्रेक्ट, डीएसटी, 2013–2014
- ने 11–13 सितम्ब्र 2012 को आईआईसीबी, कोलकाता में सेल सिग्नेलिंग नेटवर्क' विषयक प्रथम अन्तरराष्ट्रीय बैठक में व्याख्यान दिया।

एस. गौरीनाथ

- संजीव कुमार, एस. आर. जैदी और एस. गौरीनाथ, क्लोनिंग, प्युरिफिकेशन, क्रस्टेलाइजेशन ऐंड प्रिलिमिनरी क्रिस्टेलोग्राफिक स्टडी आफ कैल्सियम बाइंडिंग प्रोटीन 5 फ्राम एन्टामोइबा हिस्टोलिटिका, एक्टा, क्रिस्टेलोजर, एफ 68, 1542–1544, 2012
- तीन परियोजनाएं चल रही है; स्ट्रक्चरल ऐंड फंक्शनल करेक्ट्राइजेशन आफ हेलिको–बैक्टर पाइलोरी प्रिइनिसिएशन कम्पलेक्स प्रोटीन्स 2010–2013, डीबीटी, स्ट्रक्चरल ऐंड फंक्शनल स्टडीज आफ क्रूसियल सिस्टीन बायोसिंथेटिक पथवे ऐन्जाइमः सेरिन एसिटिल ट्रांसफिरेस, 2011–2014, सीएसआईआर, और स्ट्रक्चरल ऐंड फंक्शनल करेक्ट्राइजेशन आफ क्रूशियल सिस्टीन बायोसिंथिसिस पथवे प्रोटीन्स फ्राम इ हिटोलिटिका ऐंड एल डोनोवानी, 2011–2016, डीबीटी

एस. के. झा

- टी. कुमार और एस. के. झा., स्लीप डिप्रिवेंशन इम्पेयर्स कंसोलिडेशन आफ क्युड फीयर मेमोरी इन रेट्स, प्लास वन, 100047042, 2012
- वी. मदन और एस. के झा, स्लीप अर्ल्टनेशंस इन मैम्मल्स : डिड एक्युएटिक कंडीशन इनहेबिट रेपिड आई मूवमेंट स्लीप ? न्युरोसाइंस, बुल, 28(6) : 746–758; 2012
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विज्ञान को वर्ष 2011–2014 तक 'द रोल आफ एमयगडालर न्यूरोन्स ऐंड जिलिया इन स्लीप–डेपेडेन्ट कंसोलिडेशन आफ क्युड फीयर – कंडीशन्ड मेमोरी इन द रेट और जैव प्रौद्योगिकी संस्थान को वर्ष 2012–2015 तक के लिए 1 मोलिक्युलर मकेनिज्म आफ स्लीप–डिपेन्डेंट कंसोलिडेशन आफ कानटेक्युअल फीयर – कंडीशनिंग इन माइस' विषयक शोध परियोजनाएं।

ए. के. जौहरी

- अध्यक्ष : वैकसीन डिवलपमेंट आफ ग्रुप बी. स्ट्रेप्टोकोकस इन डिवलपिंग कंट्रीज : नोवरटिज वैक्सीन सिम्पोजियम, सिएना, इटली जुलाई, 2012
- एम. कुमार, आर. शर्मा, ए. जोगावत, पी. सिंह, एम. दुआ, एस. एस. गिल, डी. त्रिवेदी, एन. तनेजा, ए. वर्मा, आर. ओलम्युअर और ए. के. जौहरी, पिरिफोमोस्पोरा इंडिका : ए रूट इंडोफाइट फंगस इंहेनिसस अबायोटिक स्ट्रेस टोलरेन्स आफ द होस्ट प्लाट भाग 1, इन इम्प्रुविंग क्रोप रसिस्टेन्स टु एबिओटिक स्ट्रेस, सं. तुतेजा, विली लैकवेल, पृ. 543–554, 2012
- एम. कुमार, आर. शर्मा, एन. टुटेजा, ए. के. जौहरी, 'इलैक्ट्रोट्रांसफार्मेशन' ट्रांसफार्मेशन सिस्टम फार रूट इंडो फाइट पिरिफोर्मोस्पोरा इंडिका अध्याय 19, ए. वर्मा आदि संपादक पिरिफोर्मोस्पोरा इंडिका, रूआयल बायोलाजी, स्प्रिंगर –वरेज बर्लिन हिडलबर्ग, पृ. 309–321, 2013

आर. के. काले

- एम. एच. फूलिकर, भावना पाठक और आर. के. काले स्प्रिंगर एनवायरनमेंट ऐंड स्स्टेनेबल डिवलपमेंट
- गणेश दत्त चुघ, आर. के. काले और सी. प्रकाश झा, लोकस आफ कंट्रोल आफ क्रिकेट प्लेयर्स, द साइंटिफिक जर्नल स्पोर्ट–साइंस ऐंड प्रैक्टिस; 2:29–38, 2013
- पी. कुमार, आर. के. काले और एन. जेड वाकर एंटीहाइपर–ग्लिसिमिक ऐंड प्रोटेक्टिव इफैक्ट्स आफ ट्रीगोनलाफोइंव्युम–ग्राइकम सीड पाउडर आन बायोकेमिकल अर्ल्टनेशन्स इन आलएक्सन डियाबेटिक रेट्स, यूरोपियन रिव्यू फार मेडिकल ऐंड फार्माकोलाजिकल साइंसिस, 16 (सपल 3) : 18–27, 2012

एस. एस. कामथ

- एम. अशरफ, पी. श्रीजीथ, यू. यादव और एस. एस. कामथ केटालीसिस बाई एन–एसिटिलग्लुमोजमाइनी फोस्फाटिडीलाइनोसिटोल डी–एन–एसिटिलेज (पिग–एल) फ्राम एंटामोइबा हिस्टोलिटिका : न्यू रोल्स फार कंसर्वस रीसिड्यूज 2013 जे. बायोल कैम 288: 7590–7595, 2013
- एम. नोंगश्वला, एम. गुप्ता, एस.एस. कामथ और आर. मुथुस्वामी, मोतिफस क्यु और आई रिक्वायड फार एटीपी हाइड्रोलसिस बट नॉट आफ एटीपी बाइडिंग इन एसडब्ल्यू 12/एसएनएफ 2 प्रोटीन्स, बायोकेमेस्ट्री 51 (18): 3711–22, 2012
- दो शोध परियोजनाएं : (1) स्टडिंग द मकेनिज्म आफ डी–एन–एसिटिलेशन बाई ए नावल डी–एन एसिटिलेज फ्राम एंटामोइबा हिस्टोलिटिका (सीएचआईआर) और जीपीआई बायोसेंथिसिस ऐंड रास सिग्नेलिंग इन कैनडिडा अल्बीकंस (डीबीटी)

आर. मधुबाला

- ने मई 24–25, 2012 ओबराय होटल, नई दिल्ली में डीबीटी/गेट्स फाउण्डेशन ट्रांसलेशनल रिसर्च टु गिव 'लीड आफ' विषयक संगोष्ठी में अपरचुनेटिज ऐंड चैलेंजिस इन लीश्मानियसिस वैक्सीन डिस्कवरी ऐंड ट्रांसलेशनः, विषयक व्याख्यान दिया।
- ने 28 फरवरी–2 मार्च 2013 को बोस इंस्टीट्यूट कलकत्ता में यू.के. और डीएसटी कलकत्ता में संयुक्त रूप से रॉयल सोसायटी, यू.के. और डीएसटी द्वारा आयोजित विशिष्ट संगोष्ठी में 'प्रोटोजोअन पैरासाइटस : इंजीनियरिंग लाइफ विद ए डिफरेन्ट टूलकिट' विषयक व्याख्यान दिया।
- नामित सदस्य : अंतरराष्ट्रीय साइंटिफिक समिति आफ वर्ल्ड लीश–5 वर्ल्ड कांग्रेस, लीश टु बी. हेल्ड इन ब्राजील फ्राम http://www.worldleish.org/sc.htm 13-17, मई 2013

बी. एन. मलिक

- बी. एन. मलिक, और ए. सिंह, रेम स्लीप लोस इंक्रिसिस ब्रेन एक्साइटेबिलिटी : रोल आफ नोराड्रिनालिन ऐंड इट्स मकेनिज्म आफ एक्शन, स्लीप मेड रेट, 15 : 165–178, 2011
- बी. एन. मलिक, ए. सिंह और एम. ए. खांनडे, एक्टिवेशन आफ इनएक्टिवेशन प्रोसिस इनिशिएटस रैपिड आई मूवमेंट स्लीप, प्रोगामन्युरोबायोल 97 : 259–276, 2012
- ए. राजन, और बी. एन. मलिक, डिफरेंशियल स्टेंनिंग आफ गलिया ऐंड न्यूरोओन्स बाई मोडिफाइड गोलजी – कोक्स मैथड, जे. न्यूरोसाइंस मैथड 209' 269–279, 2012

आर. मुत्थुस्वामी

- पी. दत्ता, जी. के. तान्ति, एस. शर्मा, एस. के. गोस्वामी, एस. एस. कामथ, एम. डब्ल्यू माथो, जे. डब्ल्यू होक्केनस्मिथ और आर मुत्थुस्वामी, ग्लोबल इपिजेनेटिक चेंजिस इंड्युस्ड बाई एस. डब्ल्यू आई 2/एसएनएफ2 इनहैब्टिर्स करैक्ट्राइज्ड न्योमीसिन रसिस्टेन्स मैम्मेलियन सेल्स प्लास वन, 7(11) : ई 498 22, 2012
- एम. नोंगखलां, एम. गुप्ता, एस. एस. कामथ और आर. मुथुस्वामी, मोतिफस क्यु ऐंड आई आर रिक्वायड फार स्टोपो हाइड्रोलीसिस बट नॉट फार एटोपी बाइडिंग इन एसडब्ल्यूआई2/ एसएनफ2 प्रोटीन्स बायोकेमस्ट्री, 8 : 3711–3722, 2012
- टी. शर्मा, डी. हायोकिप और आर. मुथुस्वामी, स्मारका : रिप्लिकेशन स्ट्रेस मोड्युलेटर, क्रोमेटिन रिमोडीलिंग मींटिंग, 2012

ए. के. नंदी

- बी. वी. आर. प्रसाद, एन. गुप्ता, ए. के. नंदी और एस. चट्टोपाध्याय एचवाई 1 जेनेटिकली इंट्रेक्ट्स विद जीबीएफ 1 ऐंड रेक्युलेट्स द एक्टिविटी आफ द जेड–बॉक्स कंटेनिंग प्रोमोट्र्स इन लाइट सिंग्नेलिंग पाथवे इन ऐरेविडोप्सिस थालियाना मकेनिज्म आफ डिवलपमेंट 129 : 298–307, 2012
- बी. आर. वी. प्रसाद, एस. वी. कुमार, ए. के. नंदी और एस. चटोपाध्याय (2012) फंगशंल इंटरकनेक्शंस आफ एचवाई 1 विद एमवाई सी2 ऐंड एच वाई 5 इन ऐरेबिडोप्सिसस सीडलिंग डिवलपमेंट बीएमसी प्लाट बायोलाजी 2012, 12:37: 10 1186/1471–2229–12–37, 2012
- चार परियोजनाएं चल रही है : विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की परियोजना, वर्ष 2011–2014 : रोल आफ जेडएफडी 1 ए जिंक फिंगर डोमेन कंटेनिंग प्रोटीन फ्राम ऐरेबिडोप्सिस थालियाना इन प्लांट डिसीज रसिस्टेंस, जैव प्रौद्योगिकी संस्थान की परियोजना वर्ष 2011–2014 क्रोमेटिन रीमोडिलिग फार एक्टिवेशन आफ सिस्टमिक एक्वायर्ड रसिस्टेंन्स इन ऐरेबिडोप्सिस, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद की परियोजना 2013–2016; आइडेंटिफिकेशन आफ जीन्स इंवोल्व्ड इन फाइन टयुनिंग आफ प्लांट डिफेंसी यूजिंग सीडीडी 1 म्युटेंट आफ ऐरेबिडोप्सिस ऐज जेनेटिक टूल, और जैव प्रौद्योगिक संस्थान की परियोजना वर्ष 2013–2016 रोल आफ मीडिया, ए पोलिकोम्ड रिप्रेसोर आफ ऐरेबिडोप्सिस इन पैंथोजिनसिस।

के. नटराजन

- हनुमंथा राव, एस. घोष, के. नटराजन और ए. दत्ता एसिटिलग्लु को सामाइन किनाज/एचएक्सके। इज इंवोल्वड मार्फोजेनेटिक ट्रोजिशन ऐंड मेटाबोलिक जीन एक्सप्रेशन इन केंडिडा अल्बिकेंस प्लस वन 8 ई 53638, 2012
- एस. वेंकटेश, एम. स्मोली, एच. ली गोगोल, एम. एम. संत, एम. कुमार, एस नटराजन और जे. एल. वर्कमैन, सेट 2 मीथिलेशन आफ हिस्टोन एच 2लीसाइन 36 स्प्रेसिस हिस्टोन एक्सचेंज आन ट्रांसक्राइब्ड जीन्स नेचर 489, 452–455, 2012
- तीन शोध परियोजनाएं चल रही हैं : एक्जामिनेशन आफ द मिलानोसाइट – किरटिनेसाइट नेटवर्क इन विटिलिगो : डिपार्टमेंट आफ बायोटेक्नॉलाजी 2008–2013, डिससेक्टिंग द रोल आफ इवोल्युशनरी कंर्सवड टीएएफ 9 कोकेक्टर इन ट्रांसक्रिप्शनल

एक्टिवेशन इन सैक्रोमाइस सेरिविसिया, कांउसिल आफ साइटिफिक ऐंड इंडस्ट्रीयल रिसर्च 2008–2012 (पीआई) ऐंड सिस्टम–वेस्ड कम्प्यूटेशनल मॉडल आफ स्क्रीन (सकोमोस), कांउसिल आफ साइंटिफिक ऐंड इंडस्ट्रीयल रिसर्च 2012–2015

एस. एल. पवार

- परियोजना : रिलिवेन्स आफ डब्ल्यू डब्ल्यू डोमेन कंटेमिंग प्रोटीन को–रेग्युटिड विद ड्रग इफ्लक्स पम्पस इन कैंडिडा अल्बिकेंसः प्रायोजित – जैव प्रौद्योगिकी संस्थान : 2012–2015
- ने 4 अप्रैल 2012 को सेन फ्रांसिको में कोडिडा ऐंड केंडिडियासिस विषयक 11वीं संगोष्ठी में भाग लिया।

ए. पारीक

- एस. एस. सिखोन, एच कौर, टी. दत्ता, के. सिंह, एस. कुमारी, एस. जी. पार्क, बी. सी. पार्क, डी. डब्ल्यू जियोंग, ए पारिक, ई वो, पी सिंह और टी. एस. योन, 'स्ट्रक्चरल ऐंड पायोकेमिकल करेक्ट्राइजेशन और साइटोसोलिक वीट साइक्लोफिलिन टासीपए। एक्टा क्रायस्टालोग्राफिका सेक्शन डी डी 69: 555–563, 2013
- आर. नोंगपियर, पी. सोनी, आर. करन, एसएल सिंगला पारिख और ए पारिख, हिस्टीडाइन किनासिज इन प्लांट : क्रास टॉक बिटवीन हाफरमनी ऐंड स्ट्रेस रिस्पोन्सिस, प्लांट सिग्नल बिहेव, 1; 7(10) : 1230–1237, 2012
- आर चोपड़ा खन्ना, के. के. नूतन और ए. प्रतीक, रेग्युलेशन आफ लोक सेनसेंस : रोल आफ रिएक्टिव आक्सीजन स्पेसिज इन बी. बिस्वाल आदि (सं.) प्लासटिड डिवलपमेंट इन लीवस ड्युरिंग ग्रोथ ऐंड सेनसेंस, एडवान्सिस इन फोटो सेंथेसिस ऐंड रिसपिरेशन 36, स्प्रिंगर, द नीदरलैंड, 2013

आर. प्रसाद

- प्रकाशन एन इंवाइट रिव्यू इन एनुअल रिव्यू आफ माइक्रोबायोलॉजी विद इम्पैक्ट फैक्टर आफ 18
- तीन छात्रों को पीएच.डी. उपाधि प्रदान की गई।

नीति पुरी

- एन. नक्वी ने जीवन विज्ञान संस्थान, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, (फरवरी 2013) में बायोस्पार्कस 2013 विषयक पोस्टर पुरस्कार प्राप्त किया और एन. पुरी ने 15–16 फरवरी 2013 को रोडन मस्त सेल्स, बायोस्पार्कस 2013 द्वारा जीवन विज्ञान संस्थान, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली में आयोजित संगोष्ठी में 2013 मकेनिज्म ऐंड रेग्युलेशन आफ एंटीजन अपटेक' विषयक पोस्टर पुरस्कार प्राप्त किया।
- आर. के. सक्सेना, एन. भारद्वाज, एस. सचर, एन. पुरी और एस. खण्डेलवाल 'ए डबल इन वाइवो बायोटाइनीलेशन (डीआईबी) टेक्नीक फार आब्जेक्टिव एसेसमेंट आफ एजिंग ऐंड क्लीरेन्स आफ माउस इरिथ्रोसाइट इन ब्लड सर्कुलेशन, ट्रांसफ्युजन मेडिसीन ऐंड होमोथेरेपी, 39, 335–341, 2012
- दो परियोजनाएं मुख्य अन्वेषक द्वारा चलायी जा रही है : टु डिटरमाइन द मोलिक्युलर मकेनिज्म आफ रेग्युलेटिड इक्सोसाइटोसिस आफ वैरियस इंफ्लेमेटरी मेडिएटर्स फ्राम मास्त सेल्स, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग 2011–2014, सह–अन्वेषक आर. के. सक्सेना, मुख्य अन्वेषक 'इंटरेक्शंस आफ कार्बन नैनो–पार्टिक्लस ऐंड देयर केमिकली मोडिफाइड फ्राम्स विद सेल्स ओरगंन इन विट्रो ऐंड इन विवो, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग 2009–2013

आर. निराला

- आर. निराला को अक्टूबर 2012 में जैव प्रौद्योगिकी विभाग भारत सरकार द्वारा 'डिससेक्टिंग डायवर्सिटी आफ पेनजन्सी ऐंड यील्ड कम्पोनेंट ट्रेटस इनटु द जिनोमी आफ भुट जोलोकिया, द हास्टेस्ट नेटिव चिली पेपर आफ नार्थ ईसट इंडिया' विषयक परियोजना। यह परियोजना रामालिंगास्वामी की पंचवर्षीय पुनः एंट्री फेलोशिप का हिस्सा है।

पी. सी. रथ

- मुख्य कुलानुशासक, जेएनयू, 14 जनवरी 2013
- कुलपति नामिती, जेएनयू प्रशासन द्वारा गठित चयन समिति

एस. शरण

- अनुराधा गोंसाई, राखी लोहिया, अंजू श्रीवास्तव और श्वेता शरण, आइडेंटिफिकेशन ऐंड करेक्ट्राइजेशन आफ पेप्टाइड्स : एनः ग्लाइकेन्स फ्राम डिक्टोस्टेलियम डिसकोडियम बीएम सी बायोकेमेस्ट्री 13ः 9, 2012
- डेनियल जे. कलाएनस्काय और श्वेता शरण, माइडलाइन फार द यूज ऐंड इंटरप्रिटेशन आफ ऐजसेज फार मोनिटोरिंग आटोफेजी, आटोफेजी 8ः 445–544, 2012
- तीन परियोजनाएं चल रही है : आईसीएमआर, भारत (जुलाई, 2013– जून, 2016) द्वारा वित्तपोषित 'अण्डरस्टेंडिंग द रोल आफ सिस्इन्स ऐंड ऑटोफेजी इन लॉगिविटी यूजिंग डिक्टोस्टेलियम डिस्कोडियम ऐंज ए मॉडल सिस्टम, जैव प्रौद्योगिक संस्थान (जुलाई 2011– जून 2014) द्वारा वित्त पोषित', एन अल्टर्नेटिव एप्रोच टुवड्स द अण्डरस्टेंडिंग आफ हनटिंगटोन डिसीज यूजिंग डी. डिस्कोडियम ऐज ए मॉडल सिस्टम और सीएसआईआर, भारत (अगस्त 2010–जुलाई 2013) द्वारा वित्तपोषित, 'टेमपोरल ऐंड स्पेशल एक्सप्रेशन पैटर्न आफ टोर ड्यूरिंग ग्रोथ ऐंड डिवलपमेंट आफ डिक्टोस्टेलियम डिस्कोडियम।
- सीक्युएन्स सबमिटिड टु जीनबैक – जेएक्स 460805 : टोमेटो लीक कुरूल नई दिल्ली वायरस (भारत : नई दिल्ली 2012) मुवमेंट प्रोटीन (वी 3), मुवमेंट प्रोटीन (वी. 2), वी1 (एवी1), सीड (सी 5), सी 3 (सी 3), टीआरएपी (टीआरएपी) ऐंडसी 1 प्रोटीन (रीप) जीन्स, कम्पलीट ऐंड नान–फंक्शनल सी 4 (सी 4) जीन, कम्पलीट सिक्वेन्स ; जेएक्स 679002 : टोमेटो लीक कुरूल नई दिल्ली बीटा सेटेलाइट आइसोलेट टु एलसीयूएनडीबी, कम्पलीट सिक्वेन्स
- आर. राजवंशी और एन. बी. सलेक्शन आफ जीनेटिकली ट्रांसफार्मड ब्रासिका जंसिया एल. सीवी वरुणा (इंडियन मस्टर्ड) बेस्ड आन पोसिटेक सिस्टम जे. प्लांट बायोकेमेस्ट्री ऐंड बायोटेक्नोलाजी, 22 : 214–221, 2013
- डी. कुमार, पी. सिंह, एम. ए. युसुफ, सीपी उपाध्याय, टी. दोहन और एन. वी. सरीन, द जिरोफाइटा विस्कोस एलडोज रिडक्टेज (एएलडीआरएक्सबी 4) कंफर्स एनहान्स्ड ड्राउट ऐंड सालिनिटी टालरेन्स टु ट्रांसजेनिक टबेको प्लांट्स वाई स्कावेंगनिंग मेथाइलग्लाइयोक्स ऐंड रिड्यूसिंग द मैम्ब्रेन मोलिक्युलर बायोटेक्नोलाजी, डीओआई 10.1007/एस 12033–012–9567–वाई 2012

ए. के. सक्सेना

- एस. पी. गंगवार, एस. डे और ए. के. सक्सेना, स्ट्रक्चरल मोडलिंग ऐंड डीएनए बाइडिंग आटो–इनहेबिशन एनालिसिस आफ इआरजीपी 55, ए क्रिटिकल ट्रांसक्रिप्शन फैक्टर इन प्रोस्टैट कैंसर प्लास वन 7(6) ई 39850, 2012
- स्ट्रक्चर आफ फेब फ्रैग्मेंट आफ मलेरिया ट्रांसमिशन ब्लॉकिंग एंटीबाडी 2ए 8 अगेस्ट पी. विवेक्स पी25 प्रोटीन इंट जे. बायोल, मेक्रोमोल, 50, 153–156, 2012
- चार परियोजनाएं जारी है : विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा 'स्ट्रक्चर ऐंड फंक्शन एनालिसिस आफ एम. ट्युबरक्लोसिस वैक्सीन केंडिडेट ईसीपीसी प्रोटीन, (2013–2016) विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा 'स्ट्रक्चरल ऐंड फंक्शनल एनालिसिस आफ एम. ट्युबरक्लोसिस डीपीआई 1 ऐंड डीपीआरई2 एंजाइम्स इंवोल्व्ड इन सेल वाल सेंथेसिस, (2013–2015), विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा स्ट्रक्चरल ऐंड फंक्शनल एनालिसिस आफ ईआरजी आनकोप्रोटीन : पोटेंशियल टारगेट टु डिवलपमेंट प्रोस्टेट कैंसर ड्रग, (2010–2013), और सीएसआईआर द्वारा वित्तपोषित, स्ट्रक्चर एनालिसिस आफ एम ट्युबरक्लोसिस कार डी. प्रोटीन : एन एनीशियल रेग्युलेटर आफ आरआरएनए ट्रांसक्रिप्शन (2011–2014)

डी. शर्मा

- नीरज कुमार श्रीवास्तव, सोमनाथ मुखर्जी और दीपक शर्मा, एडवान्स फ्रंटियर आन बायोटेक्नोलाजी, संपादित डॉ. कमबासका कुमार बहरा कॉपीराइट, जया पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, इंडिया बायोफ्युल्स नीड, कम्पैरटिव एडवांटेज ऐंड टेक्नोलाजी डिवलपमेंट विद फ्युचर स्ट्रेटजिक पृ. 1–49, 2013।
- रामेश्वर सिंह मोनिका मित्रा, संगीता सिंह और दीपक शर्मा इफैक्ट आफ एल – डिप्रिनी। ट्रीटमेंट आन इलेक्ट्रिकल एक्टिविटी, एनए$^{+}$, के$^{+}$ ऐटपेज ऐंड प्रोटीन किनाज सी एक्टिविटीज इन हिपोकेम्पल सबफील्ड (सीए 1 ऐंड सीए 3) आफ ऐज्ड रेट ब्रेन इंडियन जे. एक्स. बायोल 50; 101–109, 2012

आर. पी. सिंह

- इंडो–यूएस के सहयोग से कार्यशाला विषयक 'एक्सिलिरेटिंग बोटनिकल एजेंट डिवलपमेंट रिसर्च फार कैंसर फैमोप्रिवेंशन ऐंड ट्रीटमेंट, मोफिट कैंसर सेंटर इन टेम्पा, क्लोरिडा, यूएसए, 29–31 मई 2012
- डी. टायलर और आर. पी. सिंह, डाइट्री ऐंड नान फाइटोकेमिकल इन कैंसर कंट्रोल इन न्यूट्रिशन डाइट ऐंड कैंसर सं. आर. श्रीवास्तव और एस. शेंर स्प्रिंगर पृ. 573–610, 2012
- दो परियोजनाएं जारी है : 'स्टडी आफ एंटिएंजियोजेनिक ऐंड एंटी–ट्युमर इफैक्ट आफ फिस्टिंग इन लंग कैंस : इंप्लिकेशन फार इंटरवेंशन आफ कैंसर (आईसीएमआर) 2012–2015 और 'टु स्टडी द रोल आफ प्रोटीन ग्लाइकोसिलेशन इन सेल – एक्सट्रासेल्यलर मेट्रीक्स इंटरेक्शन ऐंड कैंसर प्रोग्रेशन (यूजीसी) 2012–2015

ए. बी. टिकू

- बीनिला रिची, आर. के. काले और ए. बी. टिकू, रेडियो–माड्युलेट्री इफैक्ट आफ ग्रीन टी काटेकइन ईजीसीजी आन पीबीआर 322 प्लोस्मिड डलएनए ऐंड म्युराइन स्पलेनोसाइट्स अगेन्स्ट गामा–रेडिएशन इंड्युस्ड डेमेज म्युटेशन रिसर्च जेनेटिक टोक्सिकोलाजी ऐंड एनवायरनमेंट म्युटाजेनेसिस 747(1) : 62–70, 2012
- शोध परियोजना – मोड्युलेशन आफ रेडिएशन इड्युस्ड हिमोटोपोइटिक इंजरिज बाई एलो विरा यूजीसी 2010–2013

पी. के. यादव

- जे. यादव, ए. कुमार, पी. माहोर, ए. के. गोयल, एचएस चौधरी पी. के. यादव, एच. यादव और पी. कुमार, डिस्ट्रीब्यूशन आफ एयरबोर्नी माइक्रोबेस ऐंड एंटीबायोटिक सस्पेक्टिलिलिटी पैटर्न आफ बैक्टेरिया ड्यूरिंग ग्वालियर ट्रेड फेयर सेंट्रल इंडिया, जे. फार्म मेड एसोक, 20, 1.8.2013
- आशुतोष मणि, पी. के. यादव और डी. के. गुप्ता, कोल्ड शौक डोमेन प्रोटीन फ्राम फिलोसमिया रिसिनी प्रिफेयसर्स सिंगल–स्ट्रेंडिड न्यूक्लिक एसिडस बाइडिंग, ज. बायोमोलिक्युलर स्ट्रक्चर ऐंड डायनेमिक्स 30 : 532–541, 2012
- दो शोध परियोजनाएं जारी है : टेलोमिरेस – एसोसिएटिड जीम एक्सप्रेशन इन ट्युमर सेल्स, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (2009–) और मोलिक्युलर स्टडीज आन पिरिफोरमोसपोरा इंडिका ऐंड राइजोबैक्टेरिया, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (2010)– (प्रो. के. सी उपाध्याय और प्रो. अजित वर्मा के सहयोग से)

जीवन विज्ञान संस्थान में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के वैज्ञानिक

एस. के. अब्राहम

- एस. के. अब्राहम, ए. एक्खारडट, आर. जी. ओलि और एच. स्टोपर (2012 एनालिसिस आफ इन विट्रो कैमोप्रिवेंशन आफ जेनोटाटिसस डेमेज बार्ड फाइटोकेमिकल ऐज सिंगल एजेंट और ऐज कम्बीनेशंस, म्युटेशन रिसर्च 744, 117–124

- एम. वी. दास प्रकाश, आर. अरुण, एस. के. अब्राहम और के. प्रेम कुमार (2012) इन विट्रो ऐंड इन विवो इवैल्युएशन आफ एंटीऑक्सिडेंट ऐंड एंटीजेनोटाक्सिस पोटेंशियल आफ जुनिका ग्रान्टम लीफ एक्स्ट्रेक्ट फार्मासियुटिकल बायोलाजी 50(12) : 1523–1530

जे. पॉल

- ने 12 दिसम्बर 2012 को सेंट्रा ग्रेंड बैंकाक कन्वेशन सेंटर, बैंकाक द्वारा आयेाजित संयुक्त इंटरनेशनल ट्रापिकल मेडिसन 2012, संगोष्ठी में 'वर्ल्ड सिचुएशन आफ एमोबेसिस आइडेंटिफिकेशन आफ न्यू स्पेसिस आफ एंटामोइबा विषयक व्याख्यान दिया।
- ने 7 दिसम्बर 2012 को ट्रापिकल मेडिसन, माहिडोल यूनिवसिटी के संकाय सदस्यों बैंकाक द्वारा आयोजित होस्ट ऐंड पैरासाइटिक फैक्टर्स डिसाइड्स द फाइनल कमआउट आफ एमोइनेसिस' विषयक व्याख्यान दिया।
- जयश्री पॉल, के नरेश मीणा और विनीत आहूजा को 5–8 दिसम्बर 2012 को क्वीन श्रीकिट नेशनल कंवेन्शन सेंटर बैंकाक थाइलैंड द्वारा आयोजित एशिया पैसिफिक डाइजेस्टिव संगोष्ठी में रोल आफ टीएलआर पोलिर्मोफिज्म इन मोड्युलेशन आफ एक्सप्रेशन इन इंफ्लमेंट्री बाउल डिसीज पेशंट' विषयक पोस्टर प्रस्तुत किया।

भौतिक विज्ञान संस्थान

भौतिक विज्ञान संस्थान, भौतिक विज्ञान में शोध एवं शिक्षण चलाने वाला भारत का एक प्रमुख संस्थान है। संस्थान के शिक्षकों ने भौतिक विज्ञान के परम्परागत क्षेत्रों के अतिरिक्त : भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान और गणित के अन्तर–विषयक क्षेत्रों में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया है। संस्थान पीएच.डी. (भौतिक विज्ञान/रसायन विज्ञान/गणित विज्ञान) और एम. एस. सी. (भौतिक) पाठ्यक्रम चलाता है। इस वर्ष संस्थान ने 30 व्याख्यान, एक कार्यशाला आयोजित की और विशिष्ट विद्वान संस्थान में आए। शिक्षकों के 69 आलेख प्रकाशित हुए। उन्होंने विश्वविद्यालय के बाहर 26 व्याख्यान दिए और देश विदेश में 32 सम्मेलनों में भाग लिया एवं 7 शोध परियोजनाओं का समन्वय किया।

संस्थान के दो शिक्षकों एस. पुरी को 2012 में डिपार्टमेंट आफ साइंस ऐंड टेक्नोलॉजी, नई दिल्ली द्वारा जेसीबोस नेशनल फेलोशिप सम्मान प्राप्त हुआ और एस. सेन को वर्ष 2012, एशियान ऐंड ओसियन फोटोकेमेस्ट्री एसोसिएशन (स्पीए) का यंग साइंटिस्ट अवार्ड, प्राप्त हुआ। एस. पी. दास ने 2013 में जर्मनी साइंस एकेडमी के साथ इंडियन नेशनल साइंस एकेडमी (आईएनएसए) विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत जर्मनी का दौरा किया।

छात्रों का एक आलेख प्रकाशित हुआ और दो सम्मेलनों में भाग लिया। दीपक अस्थाना, प्री–पी.एच.डी/पीएच.डी. केमिकल साइंसिस का आलेख केमिकल कम्युनिकेशंस में आलेख छपा, 349, 451, 2013। जिसे पत्रिका के मुख्य आवरण के लिए भी चयनित किया गया। उन्हें 7–9 दिसम्बर 2012 को एनडीसीएस, आईआईटी दिल्ली में सर्वोत्तम पोस्टर पुरस्कार भी प्राप्त हुआ।

इस वर्ष 8 छात्रों ने अपनी पीएच.डी. उपाधि पूरी की। इस वर्ष 21 छात्रों ने एम.ए./एम.एस.सी. पाठ्यक्रम में प्रवेश लिया जिनमें से 21 पुरुष और 13 महिलाएं थी और 8 छात्रों ने शोध कार्यक्रम में प्रवेश लिया जिनमें से 8 पुरुष और 3 महिलाएं थी।

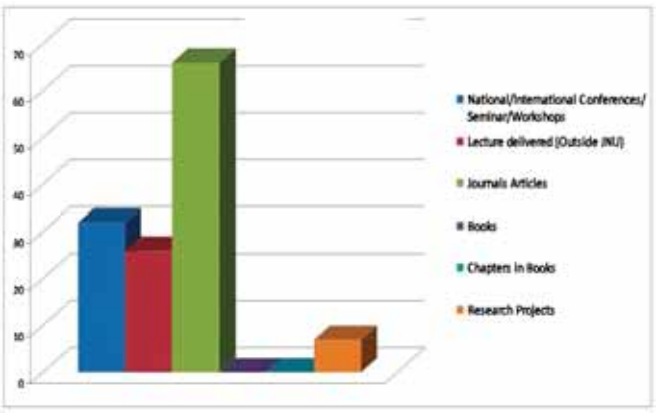

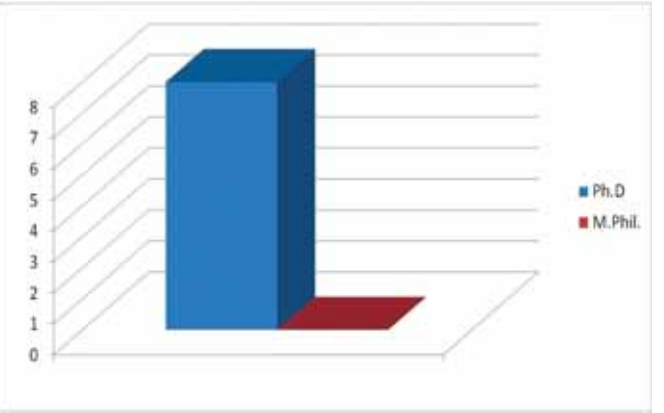

वर्ष 2012–13 के दौरान शिक्षकों की प्रमुख उपलब्धियां

एच.बी. बोहिदार

- 10 शोध आलेख प्रकाशित
- ने 9 फरवरी 2013 को दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा आयोजित ए. एन. मैत्रा मेमोरियल स्मारक व्याख्यान माला में 'सेल्फ असेम्बली इन नैनोमैटेरिअल्स' विषयक व्याख्यान दिया।

शंकर पी. दास

- ने जर्मनी साइंस एकेडमी, के साथ इंडियन नेशनल साइंस एकेडमी (आईएनएसए) के विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत 2013 में जर्मनी का दौरा किया।

रूपामंजरी घोष

- ने 20 फरवरी 2013 को इलाहाबाद में इलाहाबाद स्कूल के कक्षा IX–XII के गणित की परीखा में 'टैलेन्ट सर्च' विषयक पुरस्कार वितरण और प्रो. अशोक सेन को पद्म भूषण पुरस्कार प्रदान करने के सम्मान में 'गेट एन लाइटन्ड' विषयक व्याख्यान दिया।

शुभाशीष घोष

- ने 27–29 सितम्बर 2012 को हैदराबाद विश्वविद्यालय, हैदराबाद में 'फिजिक्स ऐंड टेक्नोलाजी आफ डिवाइसिस वेस्ड आन आर्गेनिक मोलिक्युल्स इनक्लुडिंग मोनोलेयर ग्राफिन' विषयक व्याख्यान दिया।
- ने 15–16 अक्टूबर 2012 को दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली में 'रिसेंट ट्रेड्स इन नैनोसाइंस ऐंड नैनोटेक्नोलाजी, विषयक संगोष्ठी में 'आर्गेनिक नैनोवायर ऐंड हाई परफार्मेन्स आर्गेनिक फील्ड इफैक्ट ट्रांजिस्टर' विषयक व्याख्यान दिया।
- ने 11–14 जनवरी 2013 को बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी में 'कनडेस्ड मैटर ऐंड बायोलाजिकल सिस्टम्स' विषयक सम्मेलन में 'कोरिलेशन बिटवीन मार्फोलाजी ऐंड परफार्मेन्स आफ डिवाइसिस बेस्ड आन आर्गेनिक मोलिक्युल्स विषयक व्याख्यान दिया।

देबाशीष घोषाल

- अध्यक्ष, योजना समिति एमइआरसी स्कूल, थिओरिटिक हाई एनर्जी फिजिक्स।
- एसोसिएट सम्पादक, 'जनरल रिलेटिविटी ऐंड ग्रेविटेशन और 'प्रामना', जर्नल आफ फिजिक्स' (स्प्रिंगर, वेरलाग)

तनूजा मोहन्ती

- सदस्य, सम्पादक मण्डल, साइंटिफिक जर्नल इंटरनेशनल :
- सदस्य, आईएफआर परियोजना चयन समिति के लिए आईयूएसी नामिति, इंटरयूनिवर्सिटी एक्सिलेशन सेंटर, नई दिल्ली, 2012–2015
- देश और विदेश में कई व्याख्यान दिए।

प्रीतम मुखापाध्याय

- प्रकाशित, निम्नलिखित महत्वपूर्ण जर्नल–डी. अस्थाना, एम.आर. अजयकुमार, आर. प्रसाद पंत और पी. मुखोपाध्याय, 'एनटीसीए–टीटीएफ फर्स्ट एक्सियाल, फ्युजन : इमर्जेंट पैनक्रोमेटिक,एनआईआर, मल्टी स्टेट रेडओक्स ऐंड हाई7ऑप्टिकल कंट्रास्ट फोटोओटसोडेशन' केम कम्युन, 48, 6475, 2012
- प्रकाशित, निम्नलिखित महत्वपूर्ण जर्नल–डी. अस्थाना, आर. पाण्डेय और पी. मुखोपाध्याय 'यूरिया वेस्ड कंस्ट्रक्ट्स रीडली एमप्लिफाई ऐंड अटेन्युएट नानलाइनर ऑप्टिकल एक्टिविटी इन रिस्पोंस टु एच. बॉडिंग ऐंड एनियन रिकोग्निशन, केम. कम्युन, 49, 451, 2013

एस.पटनायक

- ने 19 जनवरी 2013 को गोरखपुर में, 'नैनोटेक्नोलाजी, विषयक साइंस एकेडमिक कार्यशाला में भाग लिया तथा 'मैग्नेटिज्म इन नैनो स्केल' विषयक व्याख्यान दिया।
- ने 1 मार्च 2013 को रेवेन्शा विश्वविद्यालय कटक द्वारा आयोजित कार्यशाला में 'चैलेंजिस इन मैटेरियल साइंस' विषयक व्याख्यान दिया।
- 3 शोध आलेख प्रकाशित।

संजय पुरी

- प्राप्तकर्ता, जे. सी. बोस नेशनल फेलोशिप, डिपार्टमेंट आफ साइंस ऐंड टेक्नोलाजी, नई दिल्ली (2012)

अंकिता राय

- एक आलेख प्रकाशित।

राम रामास्वामी

- अंतरराष्ट्रीय पत्रिका में 10 आलेख प्रकाशित हुए।

अशोक कुमार रस्तोगी

- ने 18–19 मार्च 2013 को लो टेम्प्रेचर ऐंड कंडेन्स्ड मैटर फिजिक्स, दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'नैनोसाइंस ऐंड नैनोटेक्नोलाजी' विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- ने अक्टूबर 2012 में आईयूएसी दिल्ली में पीएच.डी. छात्रों, शोध सहायक और प्रशिक्षु वैज्ञानिकों को 'मैग्नेटिज्म' विषयक विशेष व्याख्यानमाला में चार व्याख्यान दिए।
- ने 16–20 जनवरी 2013 को रेवेंशा कालेज, कटक में डीएसटी–इनस्पायर साइंस' विषयक पर कैंप आफ कालेज स्टूडेंट्स और डिस्कवरी आफ सुपरकंडक्टिविटी', विषयक व्याख्यान दिया।

सुबीर कुमार सरकार

- ने इंडियन नेशनल साइंस अकेडमी (आईएनएसए) नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित, गणित विषयक एक दिन की कार्यशाला में व्याख्यान दिया।

शोभन सेन

- यंग साइंटिस्ट पुरस्कार (2012), एशियन ऐंड ओसिनियन फोटोकैमेस्ट्री (एपीए), जापान।
- ने चार राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों और कार्यशाला में भाग लिया।

सामाजिक विज्ञान संस्थान

विश्वविद्यालय में सामाजिक विज्ञान संस्थान में सबसे अधिक शिक्षक है। प्रारंभ से ही यह प्रयास रहा है कि परम्परागत शैक्षिक ढाँचे में पाए जाने वाले संकुचित विषयात्मक घटकों में परिवर्तन किया जाए। एम. ए. पाठ्यक्रम मुख्यतः विषयात्मक आधारित है लेकिन छात्रों को अन्य केन्द्रों के कोर्सों का अध्ययन करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। शोध स्तर पर संस्थान के अंतरविषयक थ्रस्ट क्षेत्रों पर बल दिया जाता है। कोर्स सामग्री में नवप्रवर्तन के साथ–साथ शोध की दिशा संस्थान की उपलब्धियों को दर्शाती है। उनके द्वारा किए गए बहुमूल्य कार्य का पता इससे चलता है कि संस्थान के अधिकतर केन्द्रों को वि.अ.आ. द्वारा अपने विशेष सहायता कार्यक्रम के अंतर्गत शोध हेतु उच्च केन्द्र के रूप में मान्यता प्रदान की गई है।

विशेष सहायता कार्यक्रम चलाने वाले केन्द्र हैं : आर्थिक अध्ययन और नियेाजन केन्द्र, ऐतिहासिक अध्ययन केन्द्र, राजनीतिक अध्ययन केन्द्र, क्षेत्रीय विकास अध्ययन केन्द्र, सामाजिक पद्धति अध्ययन केन्द्र और जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केन्द्र एम. ए. स्तर पर शिक्षण विषय आधारित है। इसका उद्देश्य विभिन्न सामाजिक विज्ञान विषयों में व्याप्त मूल भूत ज्ञान और विश्लेषणात्मक पद्धति में छात्रों की दक्षता को सुनिश्चित करना है। शोध स्तर शिक्षक अंतरविषयक शोध पर बल देते हैं। सामाजिक विज्ञान संस्थान में 12 केन्द्र हैं।

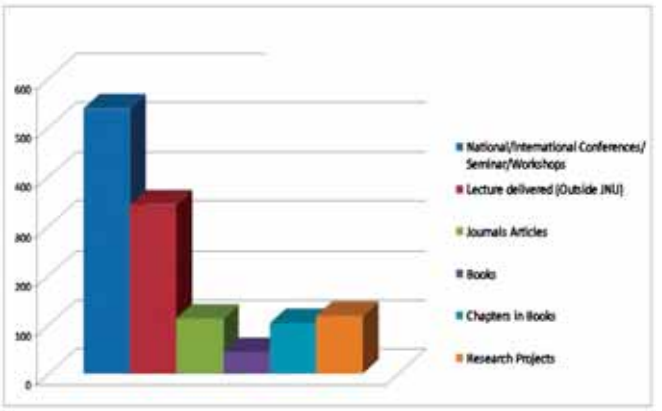

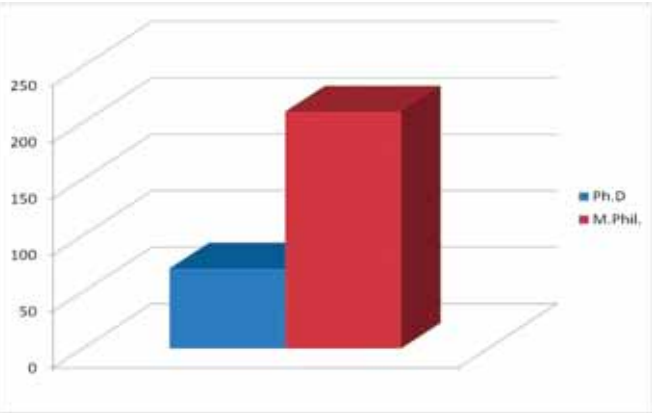

वर्ष 2012–13 में केन्द्र और शिक्षकों की उपलब्धियां

आर्थिक अध्ययन और नियोजन केन्द्र

आर्थिक अध्ययन और नियोजन केन्द्र ने अपनी स्थापना से 40 वर्ष के दौरान नवप्रवर्तनकारी शिक्षण एवं शोध कार्यक्रम चलाए और समाज का भिन्न–भिन्न ढग से योगदान किया। केन्द्र ने विवेचनात्मक ढंग से आर्थिक सिद्धांत को अनुप्रयुक्त कार्य के साथ जोड़कर भारतीय अर्थव्यवस्था की बेहतर समझ उपलब्ध कराने का प्रयास किया है। केन्द्र को वि.अ.आ. द्वारा वर्ष 2010 में उच्च अध्ययन केन्द्र के रूप में मान्यता प्राप्त हुई है तथा इसे विशेष वित्तीय सहायता वर्ष 2015 तक जारी रहेगी। केन्द्र ने समीक्षाधीन वर्ष के दौरान 2 स्मारक व्याख्यान, 9 अन्य व्याख्यान तथा 3 सम्मेलन आयोजित किए। शिक्षकों ने दो पुस्तकें प्रकाशित कीं तथा 38 आलेख पुस्तकों में प्रकाशित हुए। उन्होंने जेएनयू से बाहर 47 व्याख्यान दिए तथा भारत और विदेशों में 84 सम्मेलनों में भाब लिया और शोध परियोजनाओं का समन्वययन किया।

प्रो. अभिजीत सेन योजना आयोग, भारत सरकार के सदस्य के रूप में जारी रहे।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान 58 छात्रों ने अपनी एम. ए. और 25 छात्रों ने अपनी एम. फिल. उपाधि प्राप्त की। 10 शोध छात्रों ने अपना पीएच.डी. शोध कार्य पूरा किया।

2012–13 के दौरान शिक्षकों की मुख्य उपलब्धियाँ

सी. पी. चन्द्रशेखर

- "द हाउसिंग मार्किट ऐंड हाउसिंग फाइनेंस अंडर लिबरलाइजेशन इन इंडिया", अशोक देव बर्धन, राबर्ट हेनरी एडल्स्टीन, और सिंधिया एने क्रोल (सं.), ग्लोबल हाउसिंग मार्किट्स, क्राइसिस, पॉलिसीज ऐंड इंस्टीट्यूसंस, राबर्ट डब्ल्यू. कोल्ब इन फाइनेंस, न्यू जर्सी : जॉन विली ऐंड संसस, 2012
- "फाइनेंस", चिमनी, एल. भूपीन्दर और सिद्धार्थ मल्लावारपु (सं.), इंटरनेशनल रिलेशंस : पर्सपेक्टिव्स फार द ग्लोबल साउथ, दिल्ली : पियर्सन, 2012
- 14 जून, 2012 को रोम, इटली में आयोजित "डिवजपमेंट इन ए टाइम आफ फाइनेंशियल क्राइसिस" विषयक संगोष्ठी में आलेख प्रस्तुत किया।

सुजॉय चक्रवर्ती

- इक्विलिब्रियम प्ले ऐंड लर्निंग इन ए स्टोकेस्टिक पब्लिक गुड्स एक्सपेरिमेंट", (प्रियदर्शी बनर्जी और रूचिका मोहन्ती के साथ), जर्नल आफ क्वांटीटेटिव इकोनामिक्स, 2013
- एक्सपेरीमेंटल स्टडी आफ बिहेवियर इन इकोनामिक्स : आरिजंस ऐंड करंट डायरेक्शंस", कंटेम्पोरेरी इश्यूज ऐंड आइडियाज इन सोशल साइंसेज, 7; 2012

जयती घोष

- इंडस्ट्रीयलाइजेशन आफ चाइना ऐंड इंडिया : द इम्पैक्ट्स आन द वर्ल्ड इकोनामी, रूटलेज (टेलर ऐंड फ्रांसिस) 2013 (पुस्तक नोबुहारू योकोहावा और राबर्ट ई. रॉवथार्न के साथ सह संपादित)
- "डिवलपमेंट", एस. यूपिन्दर, चिमनी और सिद्धार्थ मल्लावारपु (सं.) इंटरनेशनल रिलेशंस : पर्सपेक्टिव्स फार द ग्लोबल साउथ, नई दिल्ली : पियर्सन/डारलिंग किंडरर्सले, 2012
- 2–3 मई, 2012 को सिडेज, ब्यूनस आयर्स, अर्जेंटिना में आयोजित ऐंड रिकवरी" विषयक सम्मेलन में भाग लिया।

सतीश जैन

- इकोनामिक एनालिसिस आफ हॉर्ट ला : सम कंसेप्चुअल ऐंड इंटरप्रेटिव इश्यूज", ला ऐंड इकोनामिक्स (सं.) सुभाषीश गंगोपाध्याय और वी. शांता कुमार, सेज, नई दिल्ली, 2013, पृ. 96–110
- "डिकप्लड लाएबिलिटी ऐंड एफिशिएंसी : एन इम्पॉसीबिलिटी थियोरम", रिव्यू आफ लॉ ऐंड इकोनामिक्स, भाग–8, 2012, पृ. 697–718

प्रवीण झा

- यूनाइटिड नेशंस एज्यूकेशनल साइंटीफिक ऐंड कल्चरल आर्गेनाइजेशन, वर्ल्ड वाटर एसेस्मेंट प्रोग्राम (अनवाटर), यूनेस्को, 2012 (साथ) एम. नियासे, आर. क्लेवरिंगा ऐंड एम. टेलर
- 'लेबर मार्किट रेग्यूलेशंस ऐंड इकोनामिक आउटकम्स : समकैपिटल लेशंस ऐंड माइनर मेसोसिज' मैक्रोस्केन, अगस्त, 2012 (एस. गोलदर और एस. पांडा के साथ)
- 20.05.2012 से 24.05.2013 तक सनपैड, दक्षिण अफ्रीका द्वारा आयोजित "एकेडमिक कॉपरेशन बियोंड डिवलपमेंट विषयक सम्मेलन में भाग लिया।

अरुण कुमार

- 'इण्डियन इकोनामी सिंस इंडिपेंडेंस : परसिस्टिंग कॉलोनियल डिस्रप्शन', विजन बुक्स : नई दिल्ली, मार्च, 2013
- इंस्टीट्यूट आफ इकोनामिक्स, यूनान, मेक्सिको सिटी, मेक्सिको द्वारा 2 से 4 अक्टूबर, 2012 तक आयोजित डिवलपमेंट सेमिनार में 'डिवलपमेंट इकोनामिक्स' विषयक 3 संगोष्ठियां आयोजित की।
- 'टैक्स हैवंस ऐंड इम्पैक्ट आन डिवलपमेंट' विषयक ग्लोबल परियोजना।

आर. पी. कुंडु

- 'इफिशिऐसी आफ लायबिलिटी रूल्स विद रोल टाइप अनसर्टैंटी', जर्नल आफ इकोनामिक थिअरी ऐंड सोशल डिवलपमेंट 1(1), नवम्बर, 2012
- सनमित्रा घोष के साथ सहलेखक, "इफिशिएंसी आफ लाएबिलिटी रूल्स : एन एम्सपेरीमेंटल एनालिसिस इन इंडिया", सुभाषीश गंगोपाध्याय और वी. शांता कुमार (सं.) लॉ ऐंड इकोनामिक्स (भाग–2), पेज, मार्च 25, 2013

विकास रावल

- योशीफुमी 3 सामी के साथ (2012), "सम आस्पेक्ट्स आफ इंप्लिमेंटेशन आफ इंडियाज इंप्लायमेंट गारंटी', रिव्यू आफ एग्रेरियन स्टडीज, 2(2)
- 6–7 अक्टूबर, 2012 को टोकियो यूनिवर्सिटी आफ फारेन स्टडीज, टोकियो, जापान में आयोजित जापानीज एसोसिएशन फार साउथ एशियन स्टडीज के 25वें वार्षिक सम्मेलन में भाग लिया।
- 'रिपोर्ट आफ सोशियो इकोनामिक सर्वेज आफ सलेक्टिड विलेजिज इन राजस्थान' विषयक वि.अ.आ. की परियोजना।

ऐतिहासिक अध्ययन केन्द्र

ऐतिहासिक अध्ययन केन्द्र को वि.अ.आ. ने उच्च अध्ययन केन्द्र के रूप में मान्यता दी है। केन्द्र तीन विभिन्न विशेषीकृत कालों प्राचीन, मध्यकालीन और आधुनिक इतिहास में एम. ए. और एम. फिल/पीएच.डी. पाठ्यक्रम चलाता है। केन्द्र समसामयिक इतिहास में भी शिक्षण और शोध कार्यक्रम चलाता है। ऐतिहासिक अध्ययन केन्द्र सामाजिक आर्थिक इतिहास के विस्तृत परिदृश्य में नकारात्मक क्षेत्रों के प्रसिद्ध आंदोलनों और समाज के निम्न स्तर के वर्गों यथा––भारतीय किसान, कलाकार, मजदूर आदि के जीवन की अभिरूचि को दर्शाता है। केन्द्र एंथ्रोपालॉजी और इथनोग्राफी साहित्य और संस्कृति के विभिन्न क्षेत्रों में अन्तर विषयक शोध को बढ़ा देता है।

शिक्षकों ने 4 पुस्तकें प्रकाशित की।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान 30 छात्रों ने अपनी एम. फिल उपाधि प्राप्त की और 11 छात्रों ने अपनी पीएच.डी उपाधि पूरी की।

वर्ष 2012–13 के दौरान शिक्षकों की उपलब्धियां

ज्योति अटवाल

- 'इनटैंगल्ड हिस्ट्रीज ऐंड द राइट टु एज्यूकेशन : अफ्रकन, इंडियन ऐंड स्विस वुमंस एक्सपिरिएंसिज ऐंड ट्रगल्स', सुसन इम्हाल्फ और गुई थॉमस (सं.) अफ्रीका ऐंड स्विटजरलैंड : वुमन इन प्रोसेसिज आफ रलिजस ऐंड सेक्युलर ट्रांसफॉर्मेशन : ए रीडर, सेंटर फार अफ्रीकन स्टडीज ऐंड मिशन 21, बेसल, 2012 (कार्यवाही)
- 28 और 29 जनवरी 2013 को डबलिनसिटी यूनिवर्सिटी, आयरलैण्ड के सहयोग से आयोजित 'इंडिया आयरलैण्ड फ्राम कॉलोनिएलिज्म टु नेशन बिल्डिंग विषयक संगोष्ठी आयोजित की।

- 11 से 13 फरवरी, 2013 तक जेएनयू और दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित 'इण्डो पुर्तगीत हिस्ट्री : द पुर्तगीज ऐंड द इंडियन ओशन सोसाइटीज : एक्सचेंजिज ऐंड इंगेजमेंट्स' विषयक 14वीं अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'वुमन वायलेंस ऐंड पुर्तगीत आइडेंटिटी इन द 17थ सेंचुरी यूरोपियन नरेटिव्स' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।

रणबीर चक्रवर्ती

- एक्सप्लोरिंग अर्ली इंडिया अप टु सी. एडी 1300, मैमिलन : नई दिल्ली, 2012 (संशोधित दूसरा संस्करण)
- भारत इतिहास का आदि पर्व (भारत इतिहासेर आदि पर्व विषयक मेरी बांग्ला पुस्तक का हिंदी अनुवाद) विषयक पुस्तक के लेखक।
- कांस्टेबल गिल्स के साथ सह–लेखक, हाड टु डिफीट द सारासेंस, डम्बरटन ओक्स मिडिवल ह्यूमनीटीज सिरीज, वाशिंग्टन डीसी : 2012

संगीता दास गुप्ता

- लोकेटिंग आदिवासी मूवमेंट्स इन कॉलोनियल इंडियाः ओरांब्स ऐंड ताना भगत्स इन छोटा नागपुर', क्रिस्पिन बेट्स और अल्पा शाह (सं.) सेवेज अटैक : आदिवासी इनसर्जेंसी इन इंडिया बिरघाहन प्रेस, आक्सफोर्ड और न्यूयार्क, और इंडियन सोशल साइंस प्रेस, नई दिल्ली, 2012
- 'रिआईरिंग आफ वर्ल्डस : ओरांव्स ऐंड ताना भगत्स इन कॉलोनियल छोटानागपुर' विषयक परियेाजना के लिए शोध पुरस्कार, (फरवरी 2012–फरवरी 2014)
- प्रो. डोरिल एल्डन आफ वाशिंग्अन, प्रो. एंथनी डिजनी, मेल्बार्न, डॉ. पाउलो अर्नहा, यूरोपियन यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट आफ फ्लोरेंस, प्रो. फर्नान्डा कैमरगो मोरो (डायरेक्टर मुजिओन, रियो द जनेरियो, ब्राजील), डॉ. अना कुन्हा, लिस्बन और पियुष मालेकंदाथिल (जेएनयू), शोध दल के सदस्यों के रूप में, सहित विश्व भर के शोधार्थियों के समूह द्वारा चलाए गईं।

रजत दत्ता

- द कामर्शियल इकोनॉमी आफ इस्टर्न इंडिया अंडर अर्ली ब्रिटिश रूल : द फर्स्ट फिफ्टी इयर्स', एच. वी. बोवेन, एलिजाबेथ मान्के आंर जॉन जे. रीड (सं.) ब्रिटेंस ओसियानिक एंपायर : अटलांटिक ऐंड इंडियन ओशन वर्ल्ड, सी. 1550–1850, कैम्ब्रिज, सीयूपी, 2012

सैयद नजफ हैदर

- फ्रेक्शनल ऐंड नॉन मेटालिक मॉनिज इन मिडिवल इंडिया (1200–1800)', स्माल करेंसीज मैटर : ट्रेड ऐंड ट्रांजेक्शंस इन अर्ली मॉडर्न ईस्ट एशियन इकोनामीज, (सं.) जॉन काटे लियोनार्ड ऐंड उलरिच थियोबाल्ड (ब्रिल, 2013)
- क्रिस्टीन सोजनाकी के साथ परिचय सहित 'द डायनेमिक्स आफ रिलिजस प्लुरलिज्म कंफ्लिक्ट्स, एसिमिलेशन ऐंड इनोवेशन इन प्रि मॉडर्न इंडिया' विषयक इतिहास में अध्ययन के विशेष अंक का संपादन किया।
- 'पर्सियन रिकार्डस आफ द ग्रेट फेमाइन आफ गुजरात ऐंड द डेक्कन (1630–32)', बॉटनीकल ऐंड मिटिरियोलाजीकल हिस्ट्री आफ द इंडियन ओशन, 1500–1900, सेंटर फार वर्ल्ड एनवायरनमेंट हिस्ट्री, यूनिवसिटी आफ ससेक्स, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, 2013

सुचेता महाजन

- "बियोंड द आर्काइव्स : डुइंग ओरल हिस्ट्री इन कंटेम्पोरीर इंडिया', स्टडीज इन हिस्ट्री 27.2 (2012), सेज प्रकाशन, नई दिल्ली, पृ. 281–298

- "टुवर्डस फ्रीडम" विषयक शोध परियोजना, भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद द्वारा प्रायोजित
- 20 नवम्बर, 2012 को डिपार्टमेंट आफ हिस्ट्री, यूनिवर्सिटी आफ वर्कले, कैलिफोर्निया में आयोजित 'पार्टिशन आफ इंडिया : डिबेट्स इन हिस्ट्री ऐंड लिट्रेचर' विषयक व्याख्यान दिया।

पियूष मालेकंदाथिल

- "द मुगल्स, द पुर्तगीज ऐंड द इंडियन ओशन : चेंजिंग इमेजरीज आफ मेरीटाइम इंडिया', प्राइम्स बुक्स, नई दिल्ली, 2013
- "ट्रेंड रिलिजन ऐंडपॉलिटिक्स : पुर्तगीज एकिटविटीज इन द बे आफ बंगाल, 1632–1840, सतीश चन्द्र और हिमांशु प्रभा रे (सं.), द सी, आइडेंटिटी ऐंड हिस्ट्री : फ्राम द बे आफ बंगाल टु द साउथ चाइना सी, नई दिल्ली, 2013, पृ. 273–302
- अंतरराष्ट्रीय सहयोगात्म्क परियोजना – गोवा इनाक्विजिशन – इट्स नॉर्म्स ऐंड प्रोसिजर्स आफ जस्टिस : ए रीडर आफ प्राइमरी सॉर्सिज (इतिहास, स्मृति और समाज की व्यापक शोध संरचना के अन्तर्गत), नेशनल फाउंडेशन फार साइंस ऐंड टेक्नोलॉजी आफ पुर्तगालिस द्वारा वित्तपोषित, यह परियोजना प्रो. तियोतोनियो आर. डिसूजा (यूनिवर्सिदाद दे ल्यूसोफोना, लिस्बन, शोध सम्न्वयक के रूप में।
- "26 जून, 2012 को इंस्टीट्यूट आफ एडवांस्ड स्टडी, यूनिवर्सिटी आफ साओ पावलो, ब्राजील में "डेमोक्रेसी ऐंडपोस्ट इनडिपेंडेंस इंडिया" विषयक व्याख्यान दिया।

आर. महालक्ष्मी

- 7 अगस्त, 2012 को जवाहरलाल नेहरू उच्च अध्ययन केन्द्र द्वारा आयोजित 'वुमन इन इंडिया ऐंड आयरलैंड' विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'इंसक्राइबिंग द सेल्फा : सेक्सुअल्टी, कम्युनिटी ऐंड डिपोशन इन कराइकल अम्मेयार'स हाइमन्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- 3 दिसम्बर, 2012 को अकादमिक स्टाफ कालेज, जेएनयू में आयोजित "मॉलोनिएलिज्म इन इंडिया ऐंड कोरिया : ए कम्पेरेटिव स्टडी' विषयक परियोजना परामर्शात्मक सम्मेलन में भाग लिया।
- 28–29 जनवरी, 2013 को जेएनयू में आयोजित 'इंडिया–आयरलैंड : फ्राम कॉलोनिएलिज्म टु नेशन बिल्डिंग' विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'आफ फैलिक थ्रस्ट्स ऐंड सेक्सुअल सबमिशन : वायलेंस, पावर ऐंड डिस्लोकेशन इन ब्राह्मणीकल मिथिक नरेटिव्स" शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

आदित्य मुखर्जी

- 'इंट्रोडक्शन' टु बिपिन चन्द्रा, द मेकिंग आफ मॉडर्न इंडिया : फ्राम मार्क्स टु गांधी, ओरिएंट ब्लेकस्वान, नई दिल्ली, 2012
- 'भारत के आर्थिक इतिहास में उपनिवेशिक की वापसी : भारत कें उपनिवेशवादकीय अंतिम चरण', प्रभात कुमार शुक्ला (सं.) इतिहास लेखन की विभिनन दृष्टियां, ग्रंथ शिल्पि, 2012
- 26–27 मार्च, 2013 को यूनिवर्सिटी आफ लियोन 3, लियोन, फ्रांस में आयोजित इंटरडिसिप्लिनरी कार्यशाला (इंडोलॉजी, मैनेजमेंट, ला, फिलास्फी) में 'अंडर स्टेंडिंग कंटेम्पोरेरी इंडिया फ्राम ए हिस्टोरिकल पर्सपेक्टिव' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

मृदुला मुखर्जी

- सह–लेखक 'साम्प्रदायिक इतिहास दृष्टि", प्रभात कुमार शुक्ला (2सं.) इतिहास लेखन की विभिन्न दृष्टियां, ग्रंथ शिल्पी, 2012
- सिचुएटिंग इंडिया इन एशिया : द नेहरू इयर्स' उयामा तोमोहिको (सं.) एम्पायर ऐंड आफ्टर : एशेज इन कम्पेरेटिव इम्पेरियल ऐंउ डिकॉलोनाइजेशन स्टडीज, स्लाविक रिसर्च सेंटर, होक्काइदो यूनिवर्सिटी, सवोरो, 2012

जानकी नायर

- "इन देयर एन इंडियन अर्बनीज्म ?", इकोलॉजीज आफ अर्बनीज्म इन इंडिया : मेट्रोपॉलीटन सिविलिटी ऐंड सस्टेनेबिलिटी, (सं.) एने राडामाचेर और के. रामाक भणन (हांगकांग यूनिवर्सिटी प्रेस, 2013)
- वर्तमान में ट्रांसनेशनल रिसर्च ग्रुप की सदस्य है। यह ग्रुप 'पावर्टी ऐंड एज्यूकेशन' विषयक परियोजना पर कार्यरत है। इसमें यूनिवर्सिटी आफ गोटिंजन, जर्मनी, जेएनयू, भारत और किंग्स कालेज, यू.के. के साथ–साथ जर्मन हिस्टोरिकल इंस्टीट्यूट के छात्र और शिक्षक शामिल हैं।
- 24–30 मार्च, 2013 को यूनिवर्सिटी आफ पेंसिलवानिया, यूएसए में आयोजित 'द कुरियस फेस आफ द नाहस वोड टु मैसूरः स्पीक्यूलेशंस आन द लीगल टेरेन' में 'कंटेस्टिड स्पेसीज' शीर्षक मुख्य व्याख्यान दिया।

एल. के. जॉय पचाउ

- परियोजना निदेशक, "सिइंग द पास्ट, थ्रू द विजुअल : द क्रिएशन आफ एथ्नोओग्राफिक आर्किब आफ द मिजोस' वि.अ.आ. की मुख्य परियोजना, 1 फरवरी, 2011 से 31 जनवरी, 2013 तक।
- "क्रिश्चियंस इन पोस्ट–इनडिपेंडेंस इंडियाः स्टडी आफ देयर कंट्रीब्यूशन ऐंड मार्जिनलाइजेशन' विषयक आईसीएसएसआर प्रायोजित शोध परियोजना 28 मार्च, 2013 से दो वर्ष के लिए प्राप्त हुई।
- 29 से 31 अक्टूबर, 2012 तक पचुंगा यूनिवर्सिटी कॉलेज, आइजोल द्वारा आयोजित 'ओरेलिटी ऐंड फॉल्क लिट्रेचर इन द एज आफ प्रिंट कल्चर : कंटेम्पोरेरी चैलेंजिज ऐंड प्रास्पेक्ट्स' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'मिथ' ऐंड 'हिस्ट्री राइटिंग' अमंग द मिजोज' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

अरविन्द सिन्हा

- "तेमोइगनेज पेरिस्कोपिक सुर एल 'इंदे ए ला फ्रांस : इसाह हिस्टोरिक सुर एल' इंदोस्तान डी' एलेक्जेंडर लेगोक्स दे फ्लैक्स', विजय राव (सं.), रीचिंग द ग्रेट मुगल : फ्रेंकाफोन ट्रेवल राइटिंग आन इंडिया आफ द 17थ ऐंड 18थ सेंचुरीज नई दिल्ली, योदा प्रेस, 2012, पृ. 118–139
- "यूरोपियन टेक्नोलॉजी ऐंड द चेंजिंग पैटर्नस आफ पाप्यूलर कल्चर इन कलोनियल दिल्ली', आर्ट–डी आब्जेक्ट, भाग–1, अंक–1, विंटर, 2012, पृ. 58–69
- 19 से 21 फरवरी, 2013 तक शिवाजी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में आयोजित 'एजेंडाज इन राइटिंग हिस्ट्री' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'जर्मन स्कूलिंग ड्यूरिंग द नाजी रेजिम –एन आथिशियल एजेंडा' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

राधिका सिंहा

- 1 मई, 2012 को सेंटर फार साउथ एशियन स्टडीज, कैम्ब्रिज, यू.के. में आयोजित संगोष्ठी श्रृंखला में "वेज्ड वर्क आर. वार सर्विसः द सोर्ट कैरियर आफ द इंडियन लेबर कॉर्प्स इन फ्रांस, 1917–1919' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- 17 मई, 2012 को यूनिवर्सिटी कॉलेज डबलिन, आयरलैंउ में आयोजित 'एशिया, द ग्रेट वार, ऐंड द कंटीनम आफ वायलेंस' विषयक सम्मेलन में "इंडिया इन द यूरोपियन ग्रेट वार : मॉबीलाइजेशन, डिमॉबीलाइजेशन ऐंड इमेजरीज आफ ट्रांसफॉर्मेशन"शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- 30 मई, 2012 को किंग्स कॉलेज लंदन में साप्ताहिक संगोष्ठी श्रृंखला में 'पनिष्ड बाद सर्विलांस : पॉलिशिंग 'डेंजर्समेस' इन कलोनियल इंडिया, 1872–1919' विषयक व्याख्यान दिया।

हीरामन तिवारी

- ट्रेडिशन ऐंड मेमोरी : फिलिएशन ऐंड आइडेंटिटी इन अर्ली संस्कृत लिट्रेचर ऐंड फिलास्फी", आर. पी. बहुगुणा, रंजीता दत्त और फरहत नसरीन (सं.) निगोशिएटिंग रिलिजन : पर्सपेक्टिव्स फ्राम इंडियन हिस्ट्री, तुलिका बुक्स, दिल्ली, 2012
- "लैंग्वेज, मेमोरी ऐंड द बर्नाकुलाकर्न : द पॉवर आफ द रामचरितमानस इन इंडिया'ज इपिक कल्चर', सुब्रत के. मित्रा (सं.), द हीडलबर्ग पेपर्स इन साउथ एशियन ऐंड कंपेरेटिव पॉलिटिक्स, 66, हीडलबर्ग यूनिवर्सिटी, हीडलबर्ग, 1–16, 2012

कुमकुम राय

- अक्टूबर, 2012 में डिपार्टमेंट आफ साउथ–ईस्ट ऐंड साउथ एशियन स्टडीज, बर्कले, यूएसए में "पोल्स अपार्ट ? फारेस्ट्स इन द वाल्मीकि रामायण ऐंड दण्डिन'स दस कुमार चरित' विषयक व्याख्यान दिया।
- अक्टूबर, 2012 में साउथ एशियन स्टडीज, यूनिवर्सिटी आफ मेडिसन, विसूक्सिन, यूएसए में आयोजित फेमिनिसट प्रिकांफ्रेंस में 'बॉडीज इन द लाइबेरी बॉडीज इन द क्लासरूम' विषयक व्याख्यान दिया।
- अक्टूबर, 2012 में यूनिवर्सिटी आफ पेंसिलवानिया में आयोजित साउथ एशियन संगोष्ठी में 'वाइल्डनेस इन अर्ली मिडिवल टेक्युअल ट्रेडिशंस : एन एक्सप्लोरेशन आफ भाणीाट्ट'स हर्षचरित' शीर्षक व्याख्यान दिया।

अनियमित क्षेत्र एवं श्रम अध्ययन केन्द्र

अनियमित क्षेत्र एवं श्रम अध्ययन केन्द्र की स्थापना सामाजिक विज्ञान संस्थान में 11वीं पंचवर्षीय योजना के अन्तर्गत हुई थी। इसका मुख्य उद्देश्य देश में श्रमिकों के जीवन और कार्य की परिस्थितियों का अध्ययन करना है। इसमें शामिल है – गैर कृषि श्रमिक, कृषि मजदूर, किसान, मछुवारे, शिल्पकार आदि। केन्द्र का मुख्य उद्देश्य अंतरविषयत्मक अध्ययन पर बल देना है क्योंकि श्रमिकों के जीवन का किसी भी प्रकार का अध्ययन विभिन्न विषयों के अन्तर्गत आता है जैसे– इतिहास, अर्थशास्त्र, राजनीतिक अध्ययन, समाजशास्त्र और अन्य। केन्द्र सामाजिक विज्ञान की अन्य शाखाओं से आए छात्रों को प्रवेश देना चाहता है ताकि यह एक अंतरविषयक अध्ययन केन्द्र बन सके।

हिमांशु

- परियोजना निदेशक, 'इंडिया'ज इकोनामिक रिवोल्यूशन : ए पर्सपेक्टिव फ्राम सिक्स डिकेड्स आफ इकोनामिक डिवलपमेंट इन ए नार्थ इंडियन विलेज' (सेंटर दे साइंसेज ह्यूमैन्स, नई दिल्ली के साथ)
- परियोजना निदेशक, 'स्टेट्स डिलिवरिंग फार पुअर पीपल : इंप्रुविंग आउटकम्स थ्रू स्ट्रोंगर इविडेंस' (यूनिवर्सिटी आफ मैनचेस्टर)
- 2 अक्टूबर, 2012 को ब्रुक्स वर्ल्ड पॉवर्टी इंस्टीट्यूट और यूनिवर्सिटी आफ मैनचेस्टर द्वारा यूनिवर्सिटी आफ मैनचेस्टर में आयोजित व्याख्यान में 'सिक्स डिकेड्स आफ पालनपुर : चेंज ऐंड कंटीन्युटी इन ए नार्थ इंडियन विलेज' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।

अविनाश कुमार

- हितेन्द्र पटेल की पुस्तक 'कम्युनलीज्म ऐंड द इंटेलीजेंसिया इन बिहार, 1870–1930 : शेपिंग कास्ट, कम्युनिटी ऐंड नेशनहुड' की समीक्षा, साउथ एशियन हिस्ट्री ऐंड कल्चर 4:1, जनवरी 2013
- निदेशक, शोध परियोजना – बी. आर. अम्बेडकर :थाट्स आन रिआर्गेनाइजेशन आफ स्टेट्स ऐंड कंटेम्पोरेरी रिलिवेंस (सुधा पई के साथ), थिंक टैंक इमिशिएटिव, आईडीआरसी, कनाडा और इंडियन इंस्टीट्यूट आफ दलित स्टडीज, नई दिल्ली द्वारा वित्तपोषित (पूरी हो चूकी है।)
- निदेशक, शोध परियोजना – 'नेशनल लैंड पॉलिसी : द चैलेंजिज इन बिहार', एक्शन एड इंडिया और ग्रामीण विकास मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा सहायता प्राप्त (पूरी हो चुकी है।)

प्रदीप के. शिंदे

- 4 से 6 मार्च, 2013 तक अंग्रेजी अध्ययन केन्द्र, जेएनयू द्वारा इंडियन इंस्टीट्यूट आफ दलित स्टडीज, नई दिल्ली, आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस और सेंटर फार दलित लिट्रेचर ऐंड आर्ट, नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित 'दलित आर्ट ऐंउ इमेजीनरी : डिप्क्शिन, प्रोटेस्ट्स ऐंउ एस्पाइरेशन थ्रू विजुअल इमेंजरी' विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन में आलेख प्रस्तुत किया।
- "3 से 5 अप्रैल तक दिल्ली हिस्टोरिकल मैटेरिएलिज्म द्वारा कंवेंशन सेंटर, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय नई दिल्ली में आयोजित संगोष्ठी में 'हिस्टोरीकल मैटेरिएलिज्म : 'न्यू कल्चर्स आफ द लेफ्ट' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

मीडिया अध्ययन केन्द्र

मीडिया अध्ययन केन्द्र मीडिया और इसके समसामयिक समाज, राजनीति, अर्थव्यवस्था और संस्कृति के साथ हस्तक्षेप के अध्ययन के अंतरविषयक दृष्टिकोण को उन्नत करता है।केन्द्र का मुख्य उद्देश्य मीडिया के सभी पक्षों का अंतरविषयक ढांचे में अध्ययन करना है। यह भारत में मीडिया की भूमिका और स्थिति, इसकी संरचना और इसकी भारत के समाज, राजनीति और अर्थव्यवस्था के साथ संबंध के बारे में विवेचनात्मक समझ विकसित करने के इच्छुक लोगों के लिए शैक्षिक अध्ययन केन्द्र के रूप में सेवा करना चाहता है। इसके शिक्षण एवं शोध गतिविधियों में शामिल है : स्ट्रक्चर्स आफ ऑनरशिप ऐंड कार्पोरेटाइजेशन, इंटरफेस बिटवीन मीडिया, पॉलिटिक्स, सोसाइटी ऐंड टेक्नोलॉजी, लिंगविस्टिक ऐंड रीनल डाइवर्सिटीज, मीडिया ऐंड डेमोक्रेटाइजेशन, मीडिया लॉ ऐंड रेग्यूलेशन, इंटरनेट ऐंड सोशल मीडिया, मीडिया ऐंड सासेशल वैल्यूज, मीडिया ऐंड पाप्यूलर कल्चर। इसने अपने आपको मीडिया के गठन और निर्धारण के कारकों के साथ संलग्न किया जैसे सामाजिक, क्षेत्रीय और भाषीय आधार, व्यवसायीकरण और लाभ उद्देश्य, संस्थानीकरण और संगठनीकरण स्केल, मीडिया संस्थान और मीडिया हाउस, इंफोटेनमेंट कंटेंट और नए मीडिया के माध्यम से वैकल्पिक तक के खोज आदि।केन्द्र ने एक संगोष्ठी आयोजित की। केन्द्र के शिक्षकों ने एक पुस्तक प्रकाशित की। उन्होंने विश्वविद्यालय से बाहर दो व्याख्यान दिए तथा देश–विदेश में आठ सम्मेलनों मे भाग लिया।

वर्ष 2012–2013 के दौरान शिक्षकों की मुख्य उपलब्धियाँ

राकेश बाताबयाल (संबद्ध सह–प्रोफेसर)

- ए कन्टेम्परेरी हिस्ट्री ऑफ कम्यूनिकेशन : फ्राम हेगमनी ऑफ टैस्ट टू एनीहिलेशन ऑफ बॉडीज 'राजेश दास और पी.के. बंद्योपाध्याय (स.) मास मीडिया एण्ड सोसाइटी इन द पोस्ट ग्लोबलाइजेशन पीरियड : इश्यूज एण्ड एप्रोचेज, एन्थम्प्रेज, लंदन, कोलकत्ता, 2013.
- 17–18 दिसम्बर 2012 को अफगानिस्तान एकेडमी आफ सांइसिज, काबुल द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में ''हिस्ट्र एण्ड सफरिंग इन शेयर्ड कलचरल वैल्यूज इन साउथ एशिया'' विषयक आलेख प्रस्तुत किया ।
- 19–20 मार्च 2013 को आयोजित ''मीडिया एण्ड द वर्ल्ड अफेयर्स : वैस्ट एशिया इन फोकस'' विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का समन्वयन किया।

चित्रलेखा

- शोध प्रबंध, आर्डिनरी पीपल, एक्सट्रा आर्डिनरी वायलेन्सः नक्सलाइट्स आफ द ऐंड हिन्दू एक्सट्रीमिस्टस इन इंडिया (रू ट्लेज,2012)
- 19–20 मार्च 2013 को मीडिया अध्ययन केन्द्र, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, द्वारा आयोजित ''मीडिया ऐंड ग्लोबल अफेर्यसः एक्सपलोरिंग इंडियन मीडिया इन वेस्ट एशिया'' विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में ''लर्निंग फ्राम अरब स्प्रिंगः सो शुड बी कन्टीन्यू टू सैन्सर मीडिया इन काश्मीर?'' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- ''पब्लिक सर्विस ब्राडकास्टिंग ट्रस्ट (पी.एस.बी.टी), नई दिल्ली के लिए स्वामी विवेकानन्द पर डाक्यूमेन्ट्री हेतु शोध/संरचनागत और विषय सामग्री।

दीपक कुमार (संबद्ध शिक्षक और अध्यक्ष, मीडिया अध्ययन केन्द्र)

- कृपया जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केन्द्र, सामाजिक विज्ञान संस्थान में देखे ।

दर्शनशास्त्र केन्द्र

दर्शनशास्त्र केन्द्र में एम. फिल–पीएच.डी पाठ्यक्रम चलाए जाते है। केन्द्र का प्रयास एम. फिल/पीएच.डी. छात्रों और भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान के स्नातक पूर्व छात्रों के लिए कोर्स के अतिरिक्त विशेष व्याख्यानों और संगोष्ठियों के आयोजन द्वारा आधारभूत और अंतरविषयात्मक सैद्धांतिक विषयों के रूप में दर्शनशास्त्र में शिक्षण एवं शोध को बढ़ाने पर बल दिया है। वर्ष के दौरान केन्द्र ने 12 व्याख्यान, एक कार्याशाला, 06 संगोष्ठियाँ और एक सम्मेलन आयोजित किया। शिक्षकों ने एक पुस्तक प्रकाशित की और आठ आलेख/अध्याय पुस्तकों में प्रकाशित किए। उन्होंने जेएनयू के बाहर 14 व्याख्यान दिए तथा देश–विदेश में 20 सम्मेलनों में भाग लिया।

22 छात्रों ने अपना एम. फिल पाठ्यक्रम पूरा किया तथा 4 शोध छात्रों ने अपनी पी–एच.डी उपाधि पूरी की।

वर्ष 2013–14 के दौरान शिक्षकों की उपलब्धियां

सत्य पी. गौतम

- वि.अ.आ. द्वारा नियुक्त नेट पुनरीक्षा समिति के सदस्य के रूप में नामित किए गए।
- 17 से 22 अगस्त 2012 तक आई.सी.पी.आर द्वारा यूनेस्कों के सहयोग से आयोजित ''आइडियाज ऐंड आर्ट्स, गांधीरामा '' विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन और समारोह में ''थिकिंग आफ पीस इन द 21स्ट सेन्चुरीः रिर्सोर्सिज फ्राम गांधी विषयक व्याख्यान दिया ।

भास्करजीत नियोग

- 2011से 13 तक भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान शिमला में वि.अ.आ. अंतर–विश्वविद्यालय एसोसिएटसिप। प्रत्येक कलेन्डर वर्ष में एक माह। टी. एस. रूक्मणि, डिपार्टमेंट आफ रिलिजन, कनकॉर्डिया यूनिवर्सिटी ने 4 अप्रैल 2012 को 'हाउ मच अधिकारा इज ए कमेंट्रेटर हैव टु इंटरप्रेट ए शास्त्रा टेक्स्ट' विषयक व्याख्यान दिया।
- बिजोय एच. बरूआ के साथ प्रकाशित ''क्लैक्टिव ऐंजेंसी ऐंड सोशल एक्सन'', सैल्फ नॉलेज ऐंड एंजेसी, (स.) मनदीपा सेन, डी.के. प्रिटंवर्ड (अक्टूबर 2012)
- 5 और 6 मार्च 2013 को दर्शनशास्त्र विभाग, असम विश्वविद्यालय, सिलचर, असम द्वारा आयोजित ''कन्टेम्परेरी पर्स्पेक्टिवस आन कन्टैक्सचुअलाइजिंग, ह्यूमन राइट्स : फ्राम डेवलेपमेंट वैल्यूज टू इन्वायरनमेंटल राइट्स'' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''रिस्पांसबिलिटी इन द कन्टैक्स्ट आफ इन्वायरनमेंट '' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

ओइनम भगत

- परियोजना समन्वयक (प्रधान अन्वेषक)–वूमन इन ट्रेडिशनल वर्ल्ड व्यूज ऐंड इन्स्टीट्यूशनल प्रैक्टिसिसः एसथेटिक ऐंड एथिकल डिसकार्सिस इन इण्डियांस नार्थ ईस्ट – विषयक मुख्य परियोजना, इन्दिरा गांधी नेशनल सेन्टर फोर आर्टस द्वारा 18 माह (जनवरी 2012 से जून 2013 तक) की अवधि के लिए वित्तपोषित।
- 26–27 मार्च 2013 को लियोन, फ्रांस में जीन मोलिन यूनिवर्सिटी (लियोन–3) द्वारा आयोजित '' इन्डोलॉजी, मैनेजमेंट, लॉ ऐंड फिलॉस्फी'' विषयक अंतरराष्ट्रीय अंतरविषयक कार्यशाला में ''यूरोपियन मॉडर्निटी, क्लोनियलिज्म ऐंड फिलास्फी इन साउथ एशियन शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

आर.पी. सिंह

- मार्डन पर्सपैक्टिवस इन वेदान्ता (सं.) डी.के. प्रिंटवर्ल्ड, नई दिल्ली, 2012
- ''इमैनुअल कान्ट ऑन फ्रीडम, राइट ऐंड रिस्पॉन्सबिलिटी'', फ्रीडम ऐंड रिस्पॉन्सबिलिटी (सं.) प्रोफेसर डी.एन. यादव, शेखर प्रकाशन इलाहाबाद, 2012, पृ. 17–24 ।
- 13 से 15 जुलाई 2012 तक सैन्टर फॉर इन्डिक स्टडीज, यूनिवर्सिटी आफ मैसाचुसेट्स, डॉट माउथ यू.एस.ए. में आयोजित 10 वें अंतरराष्ट्रीय वेब्ज सम्मेलन में ''थिमैटिक साइक्लिकल्टी इन एपिक्स ऐंड पुराणस'' विषयक आलेख प्रस्तुत किए।

राजनीतिक अध्ययन केन्द्र

राजनीतिक अध्ययन केन्द्र सामाजिक विज्ञान संस्थान का सबसे बड़ा केन्द्र है। इसमें देश के सभी भागों और विदेशों से छात्र प्रवेश के लिए आते है। केन्द्र ने अपनी पाठ्यचर्या की संरचना और प्रारुप में अंतरविषयात्मकता को शामिल किया है। इसकी स्थापना से ही केन्द्र के शैक्षिक पाठ्यक्रम इसकी विशेषताओं के कारण लोकप्रिय रहे हैं तथा देश में राजनीतिक विज्ञान के अन्य विभागों से इसे अलग बनाते है। केन्द्र राजनीतिक दर्शनशास्त्र और राजनीतिक विचारों के अध्ययन का एक अग्रणी केन्द्र है। केन्द्र ने शुरू से ही अपने अंतर विषयक दृष्टिकोण को अपनाया है तथा राजनीति समाजशास्त्र, लोक प्रशासन ओर लोकनीति, अंतरराष्ट्रीय संबध, राजनीतिक आर्थिक विकास और सामाजिक विज्ञान के दर्शनशास्त्र के क्षेत्रों के अध्ययन पर बल दिया है। केन्द्र ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से विशेष सहायता कार्यक्रम के अंतगर्त सहायता प्राप्त की है।

वर्ष के दौरान केन्द्र ने 12 व्याख्यान, एक कार्यशाला, 06 संगोष्ठियाँ और एक सम्मेलन आयोजित किया। केन्द्र के शिक्षकों ने 07 पुस्तकें प्रकाशित की और पुस्तकों में 17 आलेख/अध्याय प्रकाशित किए। उन्होंने विश्वविद्यालय से बाहर 16 व्याख्यान दिए।

अमीर अली, सेंट एंथनी कॉलेज, यूनिवर्सिटी आफ आर्क्सफोर्ड में 2012–13 के लिए अगाथा हेरीसन स्मारक फेलो के रूप में चुने गए और वी राड्रिक्स अप्रैल–जुलाई 2012 के लिए इरफुर्त यूनिवर्सिटी, जर्मनी में आईसीसीआर विजिटिंग प्रोफेसर के रूप में रहे।

रिंकु लाम्बा को सैन्टर फोर स्टडीज इन रिलिजन ऐंड सोसाइटी, यूनिवर्सिट आफ विक्टोरिया, कनाडा में अध्ययन के लिए अगस्त–दिसम्बर 2012 के लिए हैरोल्ड कोआर्ड इण्डिया रिसर्च फेलोसिप और इन्स्टीट्यूट फोर सोशल ऐंड पॉलिटिकल थॉट, फैकल्टी आफ फिलास्फी 1, यूनिवर्सिटी आफ वुर्जबर्ग, जर्मनी में 14 जनवरी से 16 फरवरी 2013 तक लेक्चरसिप प्राप्त हुई।

वर्ष के दौरान 79 छात्रों ने अपना एम.ए पाठ्यक्रम, 22 छात्रों ने अपना एम. फिल पाठ्यक्रम पूरा किया तथा 4 शोध छात्रों ने अपनी पी–एच.डी उपाधि प्राप्त की।

वर्ष 2012–13 के दौरान शिक्षकों की उपलब्धियाँ

अमीर अली

- 3 से 5 अक्टूबर 2012 तक यूनिवर्सिटी आफ कोन्सतांज, जर्मनी में आयोजित ''सिमिलरिटीज इन एन इन्टैंगल्डवर्ल्ड विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में आलेख प्रस्तुत किया।
- वर्तमान में सैंट एथनी कॉलेज, यूनिवर्सिटी आफ आक्सफोर्ड में अगाथा हैरीसन स्मारक फेलो, 2012–13

राजर्षिदास गुप्ता

- ''एथिक्स ऐंड पॉलिटिक्स'' संजय पलसिकर और पी.के. दत्त (सं.) इण्डियन पॉलिटिकल थॉट (2003–2009), आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, नई दिल्ली, 2013 (श्रृखंला भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद् द्वारा शुरू की गई ।
- 16 से 18 अगस्त 2012 तक नेहरू स्मारक संग्रहालय और पुस्तकालय में आयोजित 'द हुमैनिटिज इनफरमैंट : स्ट्रेटजाइजिंग फार अवर टाइम्स विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में ''फैक्ट्री नाइज ऐंड : पॉयटिक्स ऐंड टैक्नोलोजी इन रितविक घटक्स फिल्म अजांत्रिक शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- 20–21 नवम्बर 2012 को दर्शनशास्त्र विभाग, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर, राजस्थान द्वारा आयोजित 'डिस्कोर्स आफ इमान्सीक्वेशन (रिविजिटिंग अम्बेडकर, गांधी ऐंड मार्क्स) 'विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''इज देयर एन इण्डियन मार्क्ससिज्म?'' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

अजय गुडावर्थी

- पॉलिटिक्स आफ पोस्ट सिविल सोसाइटीः कन्टेम्परेरी हिस्ट्री आफ पोलिटिकल मूवमेन्ट्स इन इण्डिया, सेज, नई दिल्ली, 2013
- 2 मई 2012 को डिपार्टमेंट आफ पॉलिटिक्स ऐंड इन्टरनेशनल रिलेशन्स, यूनिवर्सिटी आफ एबरडीन, यू.के. की संगोष्ठी श्रृखंला में ''टूवार्डस पालिटिक्स आफ पोस्ट सिविल सोसाइटी विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- ''ह्यूमन राइट्स'', बी.एस. चिमनी और एस मल्लावारपु (सं.) इन्टरनेशनल रिलेशन्स : पर्सपैक्विज फार ग्लोबल साउथ, पीयरसन, नई दिल्ली, 2012

जोया हसन

- कांग्रेस आफ्टर इंन्दिरा, पॉलिसी, पावर, पॉलिटिकल चेंज (1984–2009), आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, नई दिल्ली, अक्टूबर 2012
- 2 से 7 दिसम्बर 2012 तक गोटिनजन यूनिवर्सिटी में आयोजित 'एक्ट्रपॉलिटिक्स : इण्डियन डेमोक्रेसी ऐंड द पॉलिटिकल आउट साइड विषयक सम्मेलन में आलेख प्रस्तुत किया।
- ''डेमोक्रेसी ऐंड इनइक्वैलिटिस इन इण्डिया'' साउथ एशियन पत्रिका, दिसम्बर 2012

गोपाल गुरू

- सह लेखक, क्रैक्ड मिरर : एन इण्डियन डिबेट आन थिअरी ऐंड एक्सपीरियन्स, आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस नई दिल्ली, 2012
- ''द राइस आफ दलित मिलियोनायर : ए लो इन्टेन्सिटी स्पेक्टेकल'', इकोनामिक ऐंड पॉलिटिकल वीकली, 15 दिसम्बर 2012
- 2 मार्च 2013 को केन्द्रीय विश्वविद्यालय हैदराबाद में आयोजित इन्टर डिसिपिलिनरिटी ऐंड सोशल सांइसेस विषयक पी–एच. डी शोध छात्रों हेतु कार्यशाला में उद्घाटन व्याख्यान दिया।

सेफाली झा

- 4 से 6 अक्टूबर 2012 तक कोन्सतांज विश्वविद्यालय जर्मनी में आयोजित 'सिमिलरिटी' विषयक सम्मेलन में भाग लिया।
- 11 से 14 जुलाई 2012 तक कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में आयोजित तीसरी खाड़ी शोध बैठक में 'वूमन ऐंड कम्यूनिटीः डिलेमास आफ एक्सपैटरियट वर्किंग वूमन इन कतर विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- फरवरी 2013 में संगोष्ठी संख्या 642 में डेमोक्रेटिक कांन्स्टीट्यूशनलिज्म इन इण्डिया विषयक आलेख प्रस्तुत किया।

प्रलय कानूनगो

- जोन जैवोस, दीपा एस. रेड्डी, माया वैरियर और रैमंड ब्रैडी विलियम्स के साथ सह सम्पादित, पब्लिक हिन्दुइजम्स, सेज, नई दिल्ली, 2012
- ''फ्यूजिंग द आइडल्स आफ द मठ विद द आइडोलॉजी आफ द संघ? विवेकानन्द केन्द्र, इक्यूमेंनिक्ल हिन्द्रइज्म ऐंड हिन्दु नेशनलिज्म'', पब्लिक हिन्दुइजम्स, सेज, नई दिल्ली, 2012 पृ. 119–40
- 18–19 मार्च 2012 को किंग्स कॉलेज लंदन में 'कन्फर्मिंग द पैटर्न : एनालिसिस आफ द 2012 एच.पी. इलेक्शन्स विषयक व्याख्यान दिया।

रिंकु लांबा

- 'नेशनलिज्म' संजय पलशिखर, और पी.के दत्त (सं.) मार्डन इण्डियन पॉलिटिकल थॉट (2003–2009), आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी सेज, नई दिल्ली, 2013 (आइसीएसएसआर द्वारा श्रृखंला शुरू की गई)
- दिसम्बर 2012 में यूनिवर्सिटी आफ टोरेन्टो सैन्टर फोर एथिक्स में सैन्टर फोर साउथ एशियन स्टडीज फोर द मुंक स्कूल आफ ग्लोबर अफेयर्स द्वारा सह प्रायोजित संगोष्ठी में भक्ति ऐंड डेमोक्रेटिक सोशल इमेजनरीज इन इण्डिया विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- फरवरी 2013 में इन्सटीट्यूट फॉर एशियन ऐंड अफ्रीकन स्टडीज, हमबोल्ट यूनीवर्सिटी बर्लिन में भक्ति ऐंड इटस इन्फ्लुएन्सिस आन डेमोक्रेटिक सोशल इमेजनीरीस इन इण्डिया' विषयक व्याख्यान दिया।

गुरप्रीत महाजन

- ''अफरमेटिव एक्शन'', अतुल कोहली और प्रेरणा सिंह (सं.) रूटलेज हैंडबुक आफ इंण्डिया पॉलिटिक्स, रूटलेज, लंदन, 2012
- 22 से 24 नवम्बर 2012 तक यूनिवर्सिटी आफ बरजेन, नार्वे मे आयोजित 'मोरल इमेजनरीज–इमरजिंग नारमेटिव रेजिम्स इन इण्डिया, चाइना ऐंड द वेस्ट, विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'रिलिजन ऐंड डाइवर्सिटीः रिकन्फिगरिंग द लिबरल पैराडिग्म' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- 4 से 6 अक्टूबर 2012 तक कोन्सतांज विश्वविद्यालय जर्मनी में आयोजित 'आफ्टर पोस्टक्लोनियलिस्मः सिमिलरिटीस इन एन इन्टैगल्ड वर्ल्ड, विषयक अतंरराष्ट्रीय सम्मेलन में सिमिलिरिटी एज फिगर इन प्लूरिकल्चरल सिन्स ऐंड डिस्कार्सिज ' शीर्षक पैनल 3 की अध्यक्षता की।

सुधा पई

- पोलिटिसाइजेशन आफ द मोस्ट बैकवर्ड कास्टस सोशल कॉफ्लिक्ट ऐंड पोलिटिकल प्रिफ्रेन्सेस इन फोर विलेजस आफ मेरठ डिस्ट्रिक्ट (जग पाल सिंह के साथ सह लेखक), सुरेन्द्र जोधका (सं.), विलेज स्टडीजः रिडिंग्स आन इकोनोमी, पालिटी ऐंड सोसाइटी, ओरियंट ब्लैकस्वान, नई दिल्ली, 2012
- 'उत्तर प्रदेश न्यू पैटर्नस आफ मोबिलाइजेशन इन द 1990ज ऐंड बियोंड' अतुल कोहली और प्रेरणा सिंह (सं.) रूटलेज हैंडबुक आफ इण्डियन पालिटिक्स, रूटलेज, लंदन, 2013
- 18–19 मार्च 2013 को किंग्स इण्डिया इस्टीटयूट, किंग्स कॉलेज लंदन द्वारा आयोजित 'एक्सप्लेनिंग इलेक्टोरल चेंज इन अर्बन ऐंड रूरल इण्डिया' विषयक सम्मेलन में एक सत्र की अध्यक्षता की।

वलेरियन रोड्रिक्स

- 'ए फ्लेट यूनिवर्सल : हायर एज्यूकेशन इन इण्डिया अंडर कंटेस्टिड मॉडर्निटी', अब्राहम जॉर्ज (सं.), हायर एज्यूकेशन इन इंडियाः इमर्जिंग इश्यूज ऐंड फ्यूचर प्रास्पेक्ट्स, नई दिल्ली, ऑकर प्रेस, 2013.
- अउफ देर सुचे मच इनेम फिक्सपुंक्टः मुस्लिमीचेज देंकेन इम मॉडरनेन इंडियन', होल्जर जेफ और लीनो क्लीवसाथ (सं.), स्टाट्सवरस्टेंडनिसे इदेर–इस्लामीचेन वेस्ट, बेदन–बेदन, नोमोस, 2012.
- 6 जून, 2012 को मैक्स वेबर कोलेग, इरफुर्त यूनिवर्सिटी में आयोजित संगोष्ठी में 'डेमोक्रेसी ऐंड रिलिजस माइनोरिटीज इन इंडिया' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।

अनुपमा रॉय

- आइडेंटीफाइंग सिटीजंस : इलेक्टोरल रोल्स, द राइट टु वोट ऐंड द इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया', इलेक्शन ला जर्नल (इलेक्शन ला इन इंडिया पर विशेषांक, डेविड गिलमार्टिन और राबर्ट मूग द्वारा संपादित), जून, 2012

- 24 मई, 2012 को यूनिवर्सिटी आफ टेक्नोलॉजी, सिडनी में सामाजिक विज्ञान शिक्षकों की संगोष्ठी में' सिटीजनशिप्स ग्लोबलिटीः साइमलटेनियश इनहेबिटेशन' आर 'क्राइसिस' इन सिटीजनशिप' विषयक व्याख्यान प्रस्तुत किया।
- 7 जून, 2012 को सिडनी विश्वविद्यालय, सिडनी के विधि शिक्षकों की स्टाफ संगोष्ठी में 'ला', लिमिनलिटी, सिटीजनशिप : द सिटीजनशिप एक्ट ऑफ इंडिया, विषयक व्याख्यान दिया।

आशा सारंगी

- 6–7 नवम्बर, 2012 को कराची विश्वविद्यालय में द एरिया स्टडी सेंटर फार यूरोप, कराची विश्वविद्यालय और द हैंस सीडल फाउॅडेशन, इस्लामाबाद पाकिस्तान के सहयोग से आयोजित 'फेडरलिज्म इन ए प्लुरलिस्टिक डिवलपिंग सोसाइटीजः लर्निंग फ्राम द यूरोपियन एक्सपिरिएंसिज' विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'रि–टेरिटोरियालाइजिंग फेडरलिज्मः द डिमांड फार स्मालर स्टेट्स इन कंटेम्पोरेरी इंडिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- 21–22 जनवरी 2012 को राजनीति विज्ञान विभाग, बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी में आयोजित ''रि–इनविजनिंग स्टेट्स रि आर्गेनाइजेशन इन इंडिया' विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'इज देयर ए नीड फार द सैकेण्ड स्टेट्स रिआर्गेनाइजेशन' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- 10–11 मार्च, 2012 को कलंगन, मैंगलोर में 'आयोजित 'स्क्रिप्ट्स ऐंड लैंगवेजिज आफ मॉडर्न इंडिया विद स्पेशल रिफरेंस टु कोंकणी' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'लैंगवेज ऐंड टेरिटरीः इश्यूज आफ राइट्स ऐंड आइडेंटिटीज' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

मनीन्द्र नाथ ठाकुर

- 18 मार्च, 2013 को किंग्स कॉलेज, लंदन में आयोजित सम्मेलन में 'सिविक एज्यूकेशन, अर्बन स्पेसीज ऐंड बिल्डिंग डेमोक्रेसी इन इंडिया : ए सिविल सोसाइटी इन ट्रांजीशन'' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- 25–26 अक्टूबर, 2012 को समिति कक्ष, सा.वि.सं.–2, जेएनयू में रा.अ.के., जेएनयू और गोटिंजन विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला में 'अर्बन फ्यूचर्स : कैपिटल ऐंड द मोरल पॉलिटिक्स आफ द गुड लाइफ', अर्बन इंडिया ऐंड न्यू फोर्म्स आफ डेमोक्रेटिक पॉलिटिक्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

भेदभाव एवं अपवर्जन अध्ययन केन्द्र

भेदभाव एवं अपवर्जन अध्ययन केन्द्र पहले भेदभाव एवं अपवर्जन अध्ययन कार्यक्रम के नाम से जाना जाता था। 23 अप्रैल, 2012 से यह पूर्ण केन्द्र बन गया है। केन्द्र जाति, जनजाति और धर्म विशेषकर अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अल्पसंख्यकों जैसे सामाजिक समूहों के आधार पर भेदभाव तथा अपवर्जन अध्ययन पर बल देता है। केन्द्र शिक्षण और शोघ कार्यक्रम के तुलनात्मक और बहु अन्तर विषयक संरचना पर बल देता है जो कि भेदभाव एवं अपवर्जन की विभिन्न संरचनागत जड़ो, विभिन्न सामाजिक और आर्थिक पक्षों में उनकी विविध रूपरेखा तथा प्रदर्शन आर उनके उनमें अध्ययन के लिए तुलनात्मक एवं अंतरविषयात्मक संरचना की आवश्यकता है।

वर्ष के दौरान केन्द्र ने 2 व्याख्यान, 01 कार्यशाला और 01 सम्मेलन आयोजित किया। शिक्षकों ने विश्वविद्यालय से बाहर 11 व्याख्यान दिए और देश–विदेश में 7 सम्मेलनों में भाग लिया।

वर्ष 2012 –13 के दौरान शिक्षकों की मुख्य उपलब्धियाँ

वाई चिन्ना राव

- परियोजना निदेशक : कास्ट ऐंड सुसाइड : नेचर ऐंड कॉजेज ऑफ दलित स्टुडेंट सुसाइड इन हायर एज्यूकेशन इन दिल्ली पूरी हो चुकी है।

- प्रधान अन्वेषक, ''डेमोक्रेसी ऐंड पॉलिटीकल मार्जिनलाइजेशन आफ दलित्स इन इंडिया : ए केस स्टडी आफ पॉलिटीकल पार्टीज'' वि.अ.आ. की लघु शोध परियोजना (चल रही है।)
- परियोजना निदेशक, दलित एज्यूकेशन इन साउथ इंडिया : सलेक्शंस आफ डाक्यूमेंट्स–1850–1950, भारतीय ऐतिहासिक अनुसंधान परिषद (2011–13)

सामाजिक चिकित्साशास्त्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान केन्द्र ने शोध से संबधित 5 राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन/संगोष्ठियां ओयाजित की। इसके अतिरिक्त कार्यक्रम और पाठ्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करने के लिए शिक्षकों की दो अतिरिक कार्यशालाएं आयोजित की गई शिक्षकों द्वारा नियमित शिक्षण और शोध गतिविधियों के अतिरिक्त अन्य विश्वविद्यालयों और शोध परियोजनाओं का सहयोग लिया गया। कई छात्रों के प्रकाशन पत्रिकाओं और पुस्तकों में प्रकाशित हुए। केन्द्र का प्रलेखन यूनिट आवश्यक अतिरिक्त पुस्तकों और स्वचालन से अद्यतन किया गया।

- वर्ष के दौरान केन्द्र ने 7 व्याख्यान, 2 संगोष्ठियां और 3 सम्मेलन (और शिक्षकों ने 6 सम्मेलन विश्वविद्यालय से बाहर सह–आयोजित किए) आयोजित किए। शिक्षकों ने 02 पुस्तकें प्रकाशित की तथा पुस्तकों में 12 आलेख/अध्याय प्रकाशित किए। छात्रों ने 8 आलेख प्रकाशित किए तथा 02 सम्मेलनों में भाग लिया।
- वर्ष के दौरान 9 छात्रों ने अपना एम.ए. पाठ्यक्रम, 13 छात्रों ने अपना एम.फिल. पाठ्यक्रम पूरा किया तथा 4 शोध छात्रों ने अपनी पी–एच–डी शोध कार्य पूरा किया।
- वर्ष 2012–13 के दौरान शिक्षकों की मुख्य उपलब्धियाँ

एस.एस. आचार्य

- इनक्लुसिव मेजर्स ऐंड रीजनल डिवलपमेंट इन नार्थ–ईस्टर्न स्टेट्स आफ इंडिया–सम डाइमेंशंस आफ पब्लिक हेल्थ, अकादमिक प्रकाशन, नई दिल्ली, 2013.
- जगदेव सी. शर्मा के साथ सह–लेखक, ''सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट इनिशिएटिव्स ऐंड पब्लिक हेल्थ–एक्सप्लोरिंग द इश्यूज इन सोलन, हिमाचल प्रदेश, इंडिया'', एनाल्स आफ राजस्थान जियोग्राफीकल एसोसिएशन, भाग –29, 2012 पृ0 72–87.
- 31 मई से 2 जून, 2012 तक इंटरनेशनल ट्रेनिंग सेंटर एन एल एस आई यू, बंगलौर में आईआईडी एस, नई दिल्ली और सेंटर फार द स्टडी आफ सोशल एक्सक्लुजन ऐंड इनक्लुसिव पॉलिसी द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 'रिसर्च मैथडोलॉजी, एक्सक्लुजन ऐंड डिस्क्रिमीनेशन इन हेल्थ केयर यूटीलाइजेशन' शीर्ष आलेख प्रस्तुत किया।

आर. बारू

- एस धलेता के साथ सह–लेखक ''महिला समाख्या'' एप्रोचेस टू वूमन हेल्थ, विमला रामाचन्द्रन और कामेश्वरी जनध्याला (संपादित), 2012
- ''ए लिमिटिंग प्रसपेक्टिव आन यूनिवर्सल कवरेज'', ई.पी.डब्लू, भाग–XLVII अंक–8, 25 फरवरी 2012
- एस.एफ. मुर्रे, आर बिष्ट और पिचर्फोथ एम्मा के साथ, 'एडिटोरियल : अंडरस्टैंडिंग हेल्थ सिस्टम, हेल्थ इकोनामिज ऐंड ग्लोबलाइजेशनः द नीड फार सोशल सांइस पर्सपेक्टिव, ग्लोबलाइजेशन ऐंड हेल्थ, 8:30, 1–5, 2012

आर. बिष्ट

- कास्ट, जेन्डर, हेल्थ : द इक्सपिरियन्सिस आफ वर्क ऐंड चाइल्ड बियरिंग अमंग दलित वूमन आफ गढ़वाल'', इमराना कादिर (सं.), ग्लिमरिंग्स आफ एन अवेकनिंग–दलित वूमन्स हेल्थ ऐंड राइट्स, पेनगुइन इंडिया (हिन्दी), 2012

- 28–29 मार्च 2013 को नई दिल्ली में आयोजित ''सांइस टेक्नॉलाजी ऐंड मेडिसन इन इंडिया, 1931–2000 : द प्राब्लम आफ पावर्टी'', विषयक जेएनयू–वारविक संगोष्ठी में कामर्शियल सरोगेशी ऐंड ट्रांसफॉरमेशन्स इन मुम्बई'स बर्थ मार्केट शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- पिचफोर्थ एम्मा और सुसन एफ मुर्रे के साथ, '' अंडरस्टैडिंग इंडिया, ग्लोबलाइजेशन ऐंड हेल्थ केयर सिस्टमस : मैपिंग द रिसर्च इन सोशल सांइस ग्लोबलाइजेशन ऐंड हेल्थ, 8:30, 1–15, 2012

आर दास गुप्ता

- ''न्यूटिशनल रिहेबिलिटेशन'' विषयक शोध परियोजन, आईसीएमआर द्वारा वित्तपोषित
- सदस्य, चाइल्डहुड ओबिसिटी पर विशेषक समूह, ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में तेजी से उभर रही समस्या को समझने में योगदान देने हेतु।
- घनश्याम के साथ ''कनेक्टिंग द डॉट्स : स्पेक्टर आफ ए पब्लिक हेल्थ आइट्रोजेनेसिस?'', इंडियन जर्नल आफ कम्यूनिटी मेडिसिन, 37:1, 13–15

आर. प्रिया

- 4 से 6 अक्टूबर 2012 तक जेएनयू नई दिल्ली में मार्टिन लूथर यूनिवर्सितात हिल –विटर्नबर्ग, जर्मनी ; फाउंडेशन फार रेविटालाइजिंग लोकल हेल्थ ट्रेडिशन्स, बेंगलूरू; इंडिया चैप्टर–इंटरनेशनल एसोशियसन फार द स्टडी आफ ट्रेडिशनल एशियन मेडिसिन के सहयोग से आयोजित ''इंटिग्रेटिंग ट्रेडिशनल साउथ एशियन मेडिसन इन टू माडर्न हेल्थ केयर सिस्टमस'' विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किए।
- 25–26 फरवरी 2013 को जेएनयू नई दिल्ली में सेंटर फार इक्वटी स्टडीज, आक्सफेन इंडिया, पब्लिक हेल्थ रिसोर्स नेटवर्क और साउथ एशियन डाइलॉग्स फार इकोलॉजिकल डेमोक्रेसी के सहयोग से ''ट्रैकिंग हंगर ऐंड मालन्यूट्रिशन फार फूड ऐंड न्यूट्रिशनल सिक्योर्टी इन इंडिया : ए पॉलिसी कन्सलटेशन'' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की।
- सदस्य, हेल्थ पोर्टफोलियों के लिए नीति निर्माण और योजना हेतु ग्रुप, सर रतन टाटा ट्रस्ट, 2012–17

एम. राव

- 'इंडियन ग्लोबलिज्मस : फ्राम पॉपुलेशन कन्ट्रोल टू रिप्रोडक्टिव टूरिज्म'', कोरिना अंगर और एंड्रेस हिलगर(सं.), इंडिया इन द वर्ल्ड 1947–1991 : नेशनल ऐंड ट्रांसनेशनल पर्सपेक्टिवस, पीटर लैंग, न्यूयार्क
- परियोजना निदेशक, 'फ्राम द मार्जिन्स टू द सेंटर : द कन्टेपरेरी हिस्ट्री आफ वूमन्स रिप्रोडेक्टिव हेल्थ इन इंडिया, 1977–2000'' सर रतन टाटा ट्रस्ट लघु अनुदान, डा. साराह हॉज (वारविक विश्वविद्यालय) के साथ 2012–2015, रू. 3,66,000/–
- परियोजना निदेशक, ''सांइस, टेक्नोलॉजी ऐंड मेडिसन इन इंडिया, 1930–2000; द प्रॉबलम आफ पावर्टी '', ब्रिटिश अकादमी इंटरनेशनल पार्टनरशिप पुरूस्कार, डा. साराह हॉज (वारविक विश्वविद्यालय) के साथ, 2010–2013, 29,975 डॉलर''

एस रेड्डी

- लेखक, ' क्लैश आफ वेव्ज : पोस्ट सूनामी रिलीफ ऐंड रिहेबिलिटेशन इन अंडमान ऐंड निकोबार आइलैंड्स'' इंडोस नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित पुस्तक।
- 'सेरोगेसी इन इंडिया : एन इथनोग्राफिक स्टडी इन हैदराबाद'' विषयक शोध परियोजना, महिला और बाल विकास मंत्रालय को प्रस्तुत।
- ''इग्नू यूनिट, 'वूमन ऐंड हेल्थ', मानवशास्त्र विभाग मॉड्यूल, जेन्डर ऐंड हेल्थ ।

क्षेत्रीय विकास अध्ययन केन्द्र

क्षेत्रीय विकास अध्ययन केन्द्र की स्थापना वर्ष 1971 में हुई थी । केन्द्र ने भारत में क्षेत्रीय विकास के सम्पूर्ण क्षेत्रों में शिक्षण एवं शोध अध्ययन के अन्तरविषयक पाठ्यक्रमों पर बल देने के उद्देश्य से अपनी गतिविधियां आरंभ की थीं। पिछले वर्षों से विद्वानों का अन्तरविषयक दल इन गतिविधियों को जारी रखने के लिए सक्रिय रूप से संलग्न है। केन्द्र एम. ए. (भूगोल) ओर एम. फिल./पीएच. डी. पाठ्यक्रम निम्नलिखित मुख्य क्षेत्रों – अर्थशास्त्र, भूगोल और जनसंख्या अध्ययन में चलाता है। अन्तर विषयक प्रकृति को ध्यान में रखते हुए केन्द्र के इन पाठ्यक्रमों में सामाजिक–आर्थिक, मानव संस्थागत, प्रौद्योगिकीय, संरचनागत और पर्यावरण पक्षों के साथ–साथ विभिन्न ढंग से क्षेत्रीय विकास के मामलों में अध्ययन भी कराया जाता है। ऐसा करते समय पिछले कई वर्षों में केन्द्र ने शोध एवं शिक्षण में विश्लेषण के लिए रिमोट सेंसिंग और जीआईएस सहित उपयुक्त प्रतिमान और उपकरण विकसित किए हैं।

केन्द्र ने 09 व्याख्यान और 01 संगोष्ठी आयोजित की। शिक्षकों ने 12 पुस्तकें प्रकाशित की और पुस्तकों में 39 आलेख/अध्याय प्रकाशित किए। उन्होंने जेएनयू से बाहर 78 व्याख्यान दिए और देश–विदेश में 130 सम्मेलनों में भाग लिया तथा 40 शोध परियोजनाओं का समन्वयन किया।

पदमिनी पणि को एसोसिएशन आफ अमरीकन जियोग्राफर द्वारा 'क्लाइमेट चेंज आन हिमालया'' के लिए एसोसिएशन आफ अमरीकन जियोग्राफर रिसर्च फेलोशिप अनुदान प्राप्त हुआ ; दीपक के. मिश्रा इन्टरनेशनल सेंटर फार साउथ एशियन स्टडीज, रसियन स्टेट यूनिवर्सिटी फार ह्यूमैनिटीज, मास्को, रूस में फरवरी– जून 2012 के लिए आइसीसीआर चेयर प्रोफेसर के रूप में नियुक्त हुए; पी. एम. कुलकर्णी ने डिपार्टमेंट आफ इन्टरनेशनल डेवलपमेंट, लंदन स्कूल आफ इकोनोमिक्स की रूथ ग्लास विजिटिंग फेलोशिप प्राप्त की ; एस. सिन्हा ने डेक्कन जियोग्राफिकल सोसाइटी, पुणे से वर्ष 2012 के लिए भूगोल भूषण पुरूस्कार प्राप्त किया और एस. राजू ने एशियाई भूगोल के शोध और शिक्षण में अद्वितीय योगदान देने के लिए एसोसिएशन आफ अमेरिकन जियोग्राफॅारस 2012, न्यूयार्क, यू.एस.ए. से एशियन जियोग्राफी स्पेशियल्टी ग्रुप सर्विस पुरूस्कार प्राप्त किया तथा थिंकर्स इन रेजिडेन्स प्रोग्राम के अंतर्गत डीकन यूनिवर्सिटी, ऑस्ट्रेलिया में विजिटिंग फेलो भी रहे, जून–जुलाई, 2012

वर्ष 2012–13 के दौरान शिक्षकों की मुख्य उपलब्धियाँ

अनुराधा बनर्जी

- संपादित 'कन्टम्परेरी अर्बनाइजेशन इन इंडिया : इश्यूज ऐंड चैलेंजेज , कन्सेप्ट पब्लिसिंग कम्पनी, प्रा. लि., पृ. 507
- 'प्रिवेन्शन ऐंड कन्ट्रोल आफ एचआईवी/एड्स एंमग युथ इन कोलकत्ता मैट्रो पॉलिस : इश्यूज ऐंड चैलेंजेज', पॉपुलेशन, रिप्रोडेक्टिव ऐंड चाइल्ड हेल्थ : पर्सपेक्विस ऐंड चैलेंजेज, यू. वी. सोमायाजुलु द्वारा संपादित, सिरियल्स पब्लिकेशन, नई दिल्ली (भारत), पृ. 158–184 (चन्द्रमलिका विश्वास के साथ)
- शोध रिपोर्ट ''डिसक्रिमिनेशन आफ दलित्स ऐंड मुस्लिम्स इन अर्बन हाउसिंग मार्किट : ए स्टडी बेस्ड ऑन एनसीआर, दिल्ली'', रिपोर्ट सीरिज, अंक 57, 2012 भारतीय दलित अध्ययन संस्थान, नई दिल्ली (फिरदौस फातिमा रिजवी, विनोद कुमार मिश्रा के साथ).

एस. बाथला

- ''इम्पैक्ट आफ ट्रेड आन लेबर मार्केट्स इन द अनआर्गेनाइज्ड सैक्टर इन इंडिया : एन इम्पारिकल एप्रोच'' (रश्मि बंगा के साथ), के. पु पागंदन और वी.एन., बालसुब्रह्मणयम (सं.) इम्पैक्ट आफ ग्रोथ आन डेवलपमेंट : इंडियाज रिकार्ड सिंस लिबरलाइजेशन, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस : नई दिल्ली, 2012
- 8 फरवरी 2013 को जवाहर भवन, नई दिल्ली में आयोजित 'बैलेन्स्ड रिजनल डेवलपमेंट : चैलेंजेज ऐंड वेय फारवर्ड विषयक आरजीआईसीएस की राष्ट्रीय कार्यशाला में परिचर्चा की ।

- शोध परियोजना ''लीगल इन्स्ट्रूमेंट्स गर्वनिंग स्टोरेज ऐंड मार्केटिंग ऑफ फूडग्रेन्स, एफएओ–एनसीएईआर स्टडी, नई दिल्ली (चल रही शोध परियोजना)

बी.एस. बुटोला

- ''एंटीनोमीज आफ अफरमेटिव एक्शन'', रिव्यूइंग द रिजर्वेशन पॉलिसी इन चेंजिंग सोशल आर्डर (सं.) आर.के.बारिक, शिप्रा, नई दिल्ली , पृ. 218–234
- ''यूनिलेटरलिज्म ऐंड डेवलपमेंट डायनेमिक्स आफ इनक्लूसिव एक्सक्लूजन ऐंड एक्सक्लुसिव इनक्लुजन आफ द हिमालयास इन ग्लोबलाइजेशन ऐंड कल्चरल प्रैक्टिसस'', माउंटेन एरियास : डायनिमिक्स, डाइमेंशन्स ऐंड इम्प्लीकेशन्स (सं.) महेन्द्र पी. लामा, सिक्किम यूनिवसिर्टी, प्रेस, गंगटोक, इंडुस पब्लिशिंग कम्पनी, नई दिल्ली के सहयोग से, पृ. 277–302

भासवती दास

- अर्बनस्केप : एक्सिस टु बेसिक अमेनिटीज अक्रॉस टाउन्स इन नार्थ–इस्टर्न इंडिया, अर्बन इंडिया, भाग–32(1) जनवरी–जून, 2012, पृ. 156–173, नियूपा पब्लिकेशन (डिम्पी निपुन के साथ संयुक्त रूप से)
- शोध परियोजना, फैक्टर्स इन्फ्लुएसिग च्वाइस आफ डेस्टिनेशन बाई इन्टरनेशनल ऐंड इन्टरस्टेट माई ग्रेन्ड्स इन वेस्ट बंगाल, आईसीएसएसआर, चल रही शोध परियोजना।
- शोध रिपोर्ट, जेन्डर्ड एजिंग प्रोसेसिंन इंडिया : ए रीजनल पर्सपेक्टिव, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग जुलाई–2012

डी.एन. दास

- एम.के प्रेमी के साथ, पॉपुलेशन आफ इंडिया 2011, बी.आर. पब्लिशिंग कार्पोरेशन, नई दिल्ली 2012
- 6–7 सितम्बर 2012 को क्षेत्रीय विकास अध्ययन केन्द्र, सामाजिक विज्ञान संस्थान द्वारा आयोजित इंडियाज 2011 सेनसेसः इन्टरप्रीटेसन्स ऐंड इम्प्लीकेसन्स आफ रिजल्ट विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में ''एस्टीमेशन आफ कंम्पोनेन्टस आफ पापुलेशन चेंज, इम्प्लीकेशन फार 2011 पॉपुलेशन ग्रोथ'' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- परियोजना निदेशक, 'कन्डीसन्स आफ द एज्ड पॉपुलेशन इन द न्यू रेजिम आफ डेमोग्राफिक ट्रान्जेकशन ए स्टडी आन वेस्ट बंगाल, आईसीएसएसआर, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित, 2011–2013 (चल रही परियोजना)

अमरेश दुबे

- वैनेमान रीव के साथ, ''होरिजेन्टल ऐंड वर्टिकल इनइक्वलिटीज इन इंडिया'', जैनेट गोरनिक और मारकुस जैन्टी (सं.) इनकम इनइक्वेलिटी : इकोनोमिक डिस्पैरिटीज ऐंड द मिडिल क्लॉस इन एफ्लुऐंट कन्ट्रीस, स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, स्टैनफोर्ड, 2013
- 24–26 मई 2012 तक इस्ताम्बुल, टर्की में आयोजित ई.बी.ई.एस सम्मेलन में द रिलेशन बिटवीन पे ऐंड परफोंरमेंस एक्रोस इंडियन इन्ड्रस्टियल फर्म्स विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- परियोजना निदेशक, एस.के. थोराट के साथ ''हाउ इनक्लुसिव ग्रोथ बीन ड्यूरिंग 1993/94–2009/10 : पार्ट–2: स्टेट लेवल एनालिसिस'' यूएनडीपी, नई दिल्ली , 2013 (चल रही शोध परियोजना)

पी.एम.कुलकर्णी

- इंडिया'स चाइल्ड सेक्स रेशियो : वार्सेनिंग इंवैलेंस इंडियन जर्नल आफ मेडिकल एथिक्स, IX (2) : 112–114, 2012
- 23–24 जुलाई 2012 को विकास अध्ययन केन्द्र, त्रिवेन्द्रम में आयोजित इमरजिंग फर्टिलिटी पैटर्नस इन इंडिया : कॉसेज ऐंड इम्प्लीकेशन्स विषयक संगोष्ठी में ''हाउ लो कैन फर्टिलिटी इन इंडिया बी?'', शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

- परियोजना निदेशक, ''एसेसिंग द क्वालिटी आफ सिविल रजिस्ट्रेशन सिस्टम डाटा एट दैट डिस्ट्रिक्ट लेवल आन रेगुलर बेसिस फोर फैसिलेटिटिंग अपडेटिंग द एक्सरसाईस आफ नेशनल पॉपुलेशन रजिस्टर'', यूएनएफपीए, 2012–13 (चल रही शोध परियोजना)

अमिताभ कुंडु

- इश्यूज आफ सस्टेनिबिलिटी ऐंड इंडियाज डेवलपमेंट पाथ, मैट्रो पॉलिस वेरलाग, मारबर्ग (माइकल वोन हौफ द्वारा संपादित), 2013
- ''इम्पैक्ट आफ क्लाईमेट चेंज आन ह्यूमन डेवलपमेंट '', (लोपामुद्रा रे सरसवती के साथ), इश्यूज आफ सस्टेनिबिलिटी ऐंड इंडियाज डेवलपमेंट पाथ, मैट्रो पॉलिस वेरलाग, मारबर्ग (माइकल वोन हौफ और अमिताभ कुंडु द्वारा संपादित), 2013
- शोध रिपोर्ट, अबर्न आउसिंग शॉर्टैज, (2012–17), आवास और शहरी गरीबी उन्मूलन मंत्रालय, भारत सरकार, 2012 (अध्यक्ष)

दीपक के. मिश्रा

- ''लिवलीहुड्स डाइवर्सिफिकेशन : फार्मिंग, फोरेस्ट–यूज ऐंड जेन्डर इन नार्थइस्टर्न इंडिया'' सुमि कृष्णा (सं.) एग्रीकल्चर ऐंड ए चेंजिगं इनवायरमेंट इन नार्थईस्टर्न इंडिया, रूटलेज, एबिंगडन ऐंड नई दिल्ली, 2012, प . 137–165
- 23–24 मई 2012, को सेंटर फार इंडियन स्टडीज, इंन्स्टीटयूट आफ ओरियंटल स्टडीज, रसियन एकेडमी आफ सांइसेस, मास्को में आयोजित इंडिया : प्रोस्पेक्टस आफ माडर्न डेवलपमेंट : डोमेस्टिक, रीजनल ऐंड ग्लोबल इम्प्लीकेशन विषयक सम्मेलन में एग्रेरियन क्वेसचन्स इन ग्लोबलाइजिंग इंडिया शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- परियोजना निदेशक, टीम सदस्य, आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी परियोजना, रिर्सोस, ग्रीन हाउस गैसेज, टैक्नोलोजी ऐंड जॉब्स इन इंडियाज इनफारमल इकोनोमी : द केस आफ राइस, 2012–13

पद्मिनी पणि

- ''लैंड डिग्रडेशन ऐंड स्पाशियल वुलनेरेबिलिटीस : ए स्टडी आफ इंटर–विलेज डिफरेसेंस इन चम्बल वैली, इंडिया'', एशियन जियोग्राफर्स, टेलर ऐंड फ्रांसेस (पॉल कार्लिंग के साथ)
- 26 से 30 अगस्त 2012 तक यूनिवर्सिटी आफ कॉलोन, कालोन जर्मनी में आयेाजित 32वीं इन्टरनेशनल जियोग्राफिकल काग्रेंस में ''द इफैक्टस आफ गुली इरोसन ऐंड लैंड यूज चेंजेज आन इनवायरनमेंट ऐंड सोसियो इकोनोमी स्टेट्स आफ लोवर चम्बल वैली आफ इंडिया शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- परियोजना निदेशक, ''स्केल वैरियन्ट जियो–स्पाशियल फीचर मैपिंग यूजिंक स्पाशियल–टैम्पोरल डाटा इन ऐंड अराउंड पारवती रिवर बेसिन, हिमाचल प्रदेश'', विषयक मुख्य शोध परियोजना, रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन, रक्षा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा प्रायोजित, 2010–2013

मिलाप पूनिया

- लैंड यूज डायनेमिक्स ऐंड लैंडस्केप फ्रैगमेंटेशन इन हायर गढ़वाल हिमालया'', भारत (सह–लेखक–आर रमन), एशियन जर्नल आफ जियोइनफॉरमेटिक्स , भाग–12 (1) : 53–65, 2012
- परियोजना निदेशक, जियोविजुअलाइजेशन आफ लैंडस्केप इ–लर्निंग कोर्स'' विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित (चल रही शोध परियोजन)
- 26–27 सितम्बर 2012 को आईएचएस, रोटरडम मे आयोजित अर्बन डेवलपमेंटस ऐंड इमर्जिंग इश्यूज आफ इनक्लुजन, गवर्नेंस ऐंड सस्टेनबिलिटी इन इंडिया विषयक सम्मेलन में अर्बन ग्रोथ ऐंड लैंड ट्रांसफोर्मेशन इन गुड़गॉव शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

एस. राजू

- ''द मटेरियल ऐंड द सिम्बोलिक : द इन्टरसेक्सनलिटिस आफ होम–बेस्ड वर्क इन इंडिय'' इकोनोमिक ऐंड इंडिया पालिटिकल वीकली, 48 (1) : 60–68, 2013
- परियोजना निदेशक, (सुचरिता सेन और भासवती दास के साथ), जेन्डर एटलस, विज्ञान और प्रौद्योगिक विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली (चल रही शोध परियोजना)
- 27–28 सितम्बर 2012 को ग्रेजुएट इन्स्टीट्यूट आफ इन्टरनेशनल ऐंड डेवलपमेंट स्टडीज, जिनेवा, स्विजरलैंड में आयोजित '' जेन्डर ऐंड डेवलपमेंट'' विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'वूमन ऐंड इनफॉरमल वर्क शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

एस. सेन

- चिनमॉय मलिक के साथ ''अंडरस्टैंडिंग गुजरात'स एग्रीकल्चरल ग्रोथ इन ए लिबलाइजिंग इनवायरनमेंट : साइंस आफ ए रिडिपेंड मार्जिन?'', अतुल सूद (सं.) पावर्टी एमिडिस्ट प्रॉसपरिटी, एसेस आन द ट्रैजटरी आफ डेवलपमेंट इन गुजरात, आकार प्रकाशन, दिल्ली, पृ. 88–127, 2012
- 26 से 28 सितम्बर 2012 तक एचआईएस, इरासमस यूनिवर्सिटी, रोटरडम में आयोजित अर्बन डेवलपमेंटस ऐंड इमर्जिंग इश्यूज आफ इनक्लुजन, गवर्नेंस ऐंड सस्टेनबिलिटी इन इंडिया विषयक सम्मेलन में एक्सपोंडिंग सिटीज, डिसअपिरिंग लिवलीहुड्स? एन एनालिसिस आफॅ ऐंड वर्क स्ट्रक्चर इन द पेरी–अर्बन एरियाज आफ थ्री लार्ज मैट्रो पॉलिटन सिटीज इन इंडिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- परियोजना निदेशक, ''इंटर यूनिवर्सिटी कन्सोर्टियम आन क्रायोसिफियर ऐंड क्लाइमेट चेंज (आईयूसीसीसी) प्रोजेक्ट आफ हिमालयन क्रायोसफियर सोसाइटी'', विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा वित्तपोषित (चल रही शोध परियोजना)

एम. सी. शर्मा

- परियोजना निदेशक, स्नो ऐंड ग्लेसियर्स फेज–2, स्पेश एप्लीकेशन्स सेंटर/इसरो, अहमदाबाद (चल रही शोध परियोजना)
- परियोजना निदेशक, डिजर्टिफिकेशन स्टेटस मैपिंग टू साइकिल, स्पेश एप्लीकेशन्स सेंटर/इसरो, अहमदाबाद (चल रही शोध परियोजना)
- परियोजना निदेशक, हिमालयन क्रायोस्फियर–साईंस ऐंड सोसाइटी, क्लाइमेंट चेंज प्रोग्राम, डीएसटी ।

हरजीत सिंह

- 18.08.2012 को कमला नेहरू कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में ह्यूमन–इनवायरनमेंट रिलेशनशिप विषयक व्याख्यान दिया।
- 14.09.2012 को काश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर में इनवायरनमेंट ऐंड चेंजिंग सोसाइटी इन हिमालयाज विषयक व्याख्यान दिया।

सचिदानन्द सिन्हा

- कक्षा 6, 7 और 8 के लिए सामाजिक विज्ञान (भूगोल) की पाठ्यपुस्तकें ; एसआईईआरटी और आईसीआईसीआई, फाउडेंशन, 2012, राजस्थान सरकार
- 24 दिसम्बर 2012 को डिग्री कॉलेज, कठुआ, जम्मू काश्मीर में आयोजित हायर एज्युकेशन इन जे. ऐंड के. विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में हायर एज्यूकेशन इन इंडिया विद स्पेशल रिफरेंश टू जे. ऐंड के. विषयक मुख्य व्याख्यान दिया।

अतुल सूद

- संपादित, पावर्टी अमिडस्ट प्रोस्परिटी : एसेस आन द ट्राजेक्टरी आफ डेवलपमेंट इन गुजरात, आकार बुक्स, नई दिल्ली : 2012
- (पायल बनर्जी के साथ) अप्रैल 2012 में यूनाइटेड नेशन रिसर्च इन्स्टीट्यूट फार सोशल डेवलपमेंट, जेनेवा और फ्रेडरिक एबर्ट स्टिफतुंग, में ''द पोलिटिकल इकोनोमी ऑफ ग्रीन ग्रोथ इन इंडिया'' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- शोध रिपोर्ट, हेल्थ सर्विसेस इन पंजाब : डाइनेमिक्स आफ इनएडिक्वेट प्राविजनिंग, पीपल्स परसेप्सन्स ऐंड पॉलिसी बायस, परियोजना रिपोर्ट भेदभाव और अपवर्जन अध्ययन कार्यक्रम, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली को मार्च 2013 में प्रस्तुत किया।

एस. श्रीकेश

- जे सुन्दरशन, ए.एल. रामनाथन, एल सौनेनचेन आर. बूझ, के साथ सह–संपादित, ''क्लाइमेंट चेंज ऐंड आइलैंड ऐंड कोस्टल वुलनरैबिलिटी, 2013, स्प्रिंगर, नीदरलैंड्स
- एश्वर्या के साथ 8–9 फरवरी 2013 को पर्यावरण विज्ञान संस्थान, जेएनयू, नई दिल्ली द्वारा आयोजित, मैनेजमेंट आफ वाटर, एनर्जी ऐंड बायो रिर्सोसेस इन चेंजिगं क्लाइमेंट रेजिम : इमर्जिंग इश्यूज ऐंड इनवायरनमेंटल चैलेंजज विषयक अंतरराष्ट्रीय हमबोल्ट सम्मेलन में ''चेंजिंग ग्राउंड वाटर रेजिम इन रोहिखण्ड रिजन (वेस्टर्न उत्तर प्रदेश)'' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- परियोजना निदेशक, स्कोपिंग स्टडी फार एस ऐंड टी इन्टरवेन्सन्स फार इमप्रूविंग लिवलीहुड ऑपशन्स ऐंड इनकम इन स्लेक्टेड विलेज क्लस्टर इन मेवात रीजन'' विज्ञान और प्रौद्योगिक विभाग भारत सरकार द्वारा सहायता प्राप्त (चल रही शोध परियोजना)

रवि श्रीवास्तव

- ''इकोनामिक चेंज ऐंड सोशल इनक्लुजन इन उत्तर प्रदेश, 1983–2010'' यूपीईए पत्रिका, अगस्त 2012
- परियोजना निदेशक, '' इकोनोमिक्स ऐंड सोशल रिसर्च कांउसिल (यू.के.), ग्लोबलाइजेशन ऐंड लेबर स्टैडर्डस इन इंडिया ऐंड चाइना (विद स्कूल आफ ओरियन्टल ऐंड अफ्रीकन स्टडीज और हॉग कॉग पौलटेकनिक यूनिवर्सिटी, चाइना के साथ (चल रही शोध परियोजना)

एस. के. थोराट

- हैज ग्रोथ बीन सोशली इंक्लुसिव ड्यूरिंग 1993–94–2009–10 ? इकोनामिक ऐंड पालिटिक्ल वीकली, भाग–47, अंक 10 (अमरेश दुबे), 10 मार्च, 2013
- कास्ट आईडेंटिटी ऐंड इकोनोमिक्स, (रिव्यू आर्टिकल) इकोनोमिक ऐंड पालिटिकल वीकली, भाग XLVII, अंक 19 मई 12, 2012
- परियोजना निदेशक सोशल एक्सक्लुजन ऐंड रूलर पावर्टी, ए स्टडी आफ इंटरलिकेंज इन सेवन मोस्ट पूवर स्टेट, डीएफआईडी, दिल्ली द्वारा प्रायोजित (चल रही शोध परियोजना)

एम.डी. विमूरी

- 16– 17 अक्टूबर 2012 को जेएनयू नई दिल्ली में आयोजित ''सेरोगेसिस इन इंडिया : इम्पाइरिकल एविडेंसिस ऐंड पॉलिसी रिकम्डेंसंस विषयक सम्मेलन में ''रिस्पॉस टू चेंज : डेनियल, रेसिसटैन्स और एडाप्टेशन शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- 21 से 23 नवम्बर 2012 तक जेएनयू नई दिल्ली में ''हेल्थ, रीजनल डिस्पैयरिटीज ऐंड सोशल डेवलपमेंट'' विषयक सम्मेलन आयोजित किया।
- 12 फरवरी 2013 को यूजीसी अकादमिक स्टॉफ कॉलेज जेएनयू में ''इन्ट्रोडक्शन टू पॉपुलेशन स्टडीज'' विषयक व्याख्यान दिया।

बी. जुत्शी

- बीटी कॉटन कल्टीवेशन इन इंडिया : इल्युजन आफ सक्सेस, विजडम प्रकाशन, नई दिल्ली, जनवरी 2013
- ''ग्लोबल नॉलेज इकोनोमी इन सेंट्रल एशिया : ए स्टडी आफ हायर एज्युकेशन सिस्टम'' जेन्डर ऐंड ह्यूमन डेवलपमेंट इन सेंट्रल ऐंड साउथ एशिया (सं.) मंदिरा दत्ता, पृ. 99–113, पैन्टागन प्रेस, नई दिल्ली, मार्च 2013
- परियोजना निदेशक, कन्फिलिक्ट सिचवेशन इन जम्मू ऐंड काश्मीर : इट्स इम्पैक्ट आन द लिवलीहुड्स आफ द गुज्जर ऐंड बक्करवाल ट्राइब्स, आईसीएसएसआर, नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित, मार्च 2013–मार्च 2015(चल रही शोध परियोजना)

विज्ञान नीति अध्ययन केन्द्र

विज्ञान नीति अध्ययन केन्द्र भारतीय विश्वविद्यालय सिस्टम में एक अकेला केंद्र है। शिक्षण एवं शोध प्रयासों के साथ–साथ केंद्र का मुख्य उद्देश्य विज्ञान–प्रौद्योगिकी–समाज के अन्तरापृष्ठ के विभिन्न आयामों का पता लगाना है। केंद्र के शोध कार्यक्रम में ऐसे प्रश्न व चुनौतियां शामिल की गई हैं जो समसामयिक नीति विषयक मामलों से संबंध रखती हैं। केंद्र विज्ञान और प्रौद्योगिकी और नव प्रवर्तन कार्य नीतियों और संबंधित क्षेत्रों– जैसे विश्वविद्यालय, उद्योग संबंध, बौद्धिक संपदा अधिकार, विज्ञान और प्रौद्योगिकी में जेंडर संबंध, नव प्रवर्तनकारी नीतियों का वैश्विकरण प्रौद्योगिकी तथा पर्यावरण, संगठनों में विज्ञानी, प्रौद्योगिकी भविष्य अध्ययन में शोध कार्य चलाता है। केंद्र एम. फिल/पी–एच.डी. और सीधे पी–एच.डी. पाठ्यक्रम चलाता है। केंद्र ने एक व्याख्यान और 17 संगोठियां/सम्मेलन आयोजित किए। शिक्षकों ने एक पुस्तक प्रकाशित की और पुस्तकों में एक अध्याय प्रकाशित किया, उन्होंनें विश्वविद्यालय से बाहर 13 व्याख्यान दिये और देश–विदेश में 07 सम्मेलनों में भाग लिया तथा एक शोध परियोजना का समन्वयन किया।

रोहन डिसूजा, वर्ष 2012 मे टोकियों विश्वविद्यालय जापान में कन्टेम्परेरी इंडियन स्टडीज के आईसीसीआर के विजिटिंग प्रोफेसर चुने गए। प्रणव देसाई, सेंटर फार बायोमेडिसिन ऐंड सोसाइटी, किंग्स कॉलेज, लंदन में विजिटिंग फेलो रहें। वी.वी. कृष्णा, 2009–2012 के दौरान यूनिवर्सिटी आफ न्यू साउथ वेल्स, सिडनी, आस्ट्रेलिया में विजिटिंग फेलो रहे तथा 2009–2012 के दौरान इन्स्टीट्यूट आफ ऐंडवासं स्टडी, यूनाईटेड नेशन्स यूनिवर्सिटी, योकाहामा, जापान में विजिटिंग प्रोफेसर रहे।

छात्रों ने 22 आलेख प्रकाशित किए तथा 16 सम्मेलनों में भाग लिया।

4 शोध छात्रों ने अपनी पी–एच.डी. उपाधि पूरी की।

वर्ष 2012–13 के दौरान शिक्षकों की उपलब्धियाँ

एस. भादुरी

- एस. भादुरी, (2012) एन इंस्टीट्यूशनल एनालिसिस आफ ट्रांजिशन आफ मार्केट : द केस आफ शिफ्टिंग कल्टीवेट्र्स इन मोन, नागालैंड, इंटरनेशनल जर्नल आफ रूरल मैनेजमेंट, 8, (1–2), पृ. 19–34 2012, (अभिनंदन साकिया के साथ)
- एस. भादुरी, (2012) कंपिटिंग थ्रो टेक्नोलाजिकल कैपेबिलिटी : द केस आफ द इंडियन फार्मास्युटिकल इंडस्ट्री सीएसएसपी इलेक्ट्रॉनिक वर्किंग पेपर सीरिज आन एस ऐंड टी. पालिसी ऐंड इंनोवेंशन स्टडीज अंक 3, नई दिल्ली : सीएसएसपी जेएनयू (एस अमित रे के साथ)
- 28 जनवरी 2013 को आईआईसी, नई दिल्ली में आयोजित 'सांइस, टैक्नोलॉजी ऐंड इनोवेशन इन इंडिया : इश्यूज इन एक्सेस, इक्विटी ऐंड इनक्लुजन' विषयक जेस्ट–रिस कार्यशाला में 'एक्सेस ऐंड इनक्लुजन इन द इंडियन कन्टैक्स्ट' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

प्रणव एन. देसाई

- 'फोरसाइट एक्टिविटिज इन द इंडियन बायोटेक्नोलाजी फर्म्स : एशियन बायोटेक्नोलाजी डिवलपेंट रिव्यू', 14(2), पृ. 39–66, 2012 (पल्लवी सिंह के साथ)

- 'इंडिया'स एस. ऐंड टी. कोओपरेशन विद द डिवलपिंग कंट्रीज, वर्ल्ड जर्नल आफ साइंस टेक्नोलाजी ऐंड सस्टेनेबल डिवलपमेंट, 9(1) पृ. 28–37, 2012
- 15 मार्च 2013 को किंग्स कॉलेज लंदन में आयोजित 'स्टेट स्टडीज आफ गर्वनेंन्स इन बायोमैडिकल इनोवेशन : द इम्पैक्ट आफ चाइना ऐंड इंडिया विषयक संगोष्ठी में '' चेंजिंग बायोटैक्नोलोजी इनोवेशन सिस्टम इन इंडिया' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

रोहन डिसूजा

- संपादित, इनवायरनमेंट, टैक्नोलोजी ऐंड डेवलपमेंट : क्रिटिकल ऐंड सबवर्सिव एसेज, ओरियन्ट ब्लैकस्वान, हैदराबाद

माधव गोविंद

- 27 से 29 दिसम्बर 2012 तक समाजशास्त्र विभाग, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर, राजस्थान में आयोजित 38वें अखिल भारतीय समाजशास्त्र सम्मेलन में 'कम्प्यूटर सिम्यूलेसन्स, नॉलेज प्रोडक्शन ऐंड रिलाईबिलिटी : इक्सप्लोरिंग द डिसिपिलिनरी पर्सपेक्टिव' (द्वारकेश्वर दत्त के साथ) शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- 15–16 फरवरी 2013 को जीवन विज्ञान संस्थान, जेएनयू, नई दिल्ली द्वारा आयोजित बायोस्पार्क 2013 में सोशल पर्सपेक्टिवज आफ ए रिसर्च स्कॉलर विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- 27 से 29 दिसम्बर 2012 तक समाजशास्त्र विभाग, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर, राजस्थान में आयोजित 38वें अखिल भारतीय समाजशास्त्र सम्मेलन में 'टैक्नो–साइन्टिफिक ऐड पीपल पर्सपेक्टिवज आन मैनग्रो कन्जरवेशन इन केरलाः एक्सप्लोरिंग पॉलिसी इम्प्लीकेशन्स' (अनीता पिनहिरो के साथ) विषयक आलेख प्रस्तुत किया।

वी.वी. कृष्णा

- ''इंटरनेशनलाइजेशन आफ आर ऐंड डी. ऐंड ग्लोबल नेचर आफ इनोवेशन इमर्जींग ट्रेंड्स इन इंडिया'', साइंस टेक्नोलाजी ऐंड सोसायटी, 17(2) 2012 (स्वरूप कुमार पात्रा और सुजित भट्टाचार्य के साथ)
- यूनिवर्सिटीज इन इंडिया'स नेशनल सिस्टम आफ इनोवेशनः एन ओवरव्यू, एशियन जर्नल आफ इनोवेशन ऐंड पॉलिसी, 2012(1) पृ. 1–30
- 19 से 22 अगस्त 2012 तक दलियन यूनिवर्सिटी आफ टैक्नोलॉजी, चाइना में आयोजित इनोवेशन ऐंड पॉलिसी विषयक दूसरे एशियाई सम्मेलन में ''ग्लोबलाइजेशन आर ऐंड डी. : ट्रेंड्स आफ फोरेन आईसीटी ऐंड बायोटैक्नोलॉजी फर्म्स इन इंडिया ऐंड चाइना'' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

सामाजिक पद्धति अध्ययन केन्द्र

केंद्र विकास और आधुनिकरण के संदर्भ में सामाजिक परिवर्तन की प्रक्रिया से जुड़ी समस्याओं पर शोध एवं शिक्षण कार्यक्रम चलाता है। आरंभ में ही केन्द्र का मुख्य सरोकार विशेष वर्गों यथा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और सीमांत वर्गों की राष्ट्रीय विकास समस्याओं के प्रश्न से संबद्ध है। केन्द्र का विशेष बल दोनों शोध एवं शिक्षण में विकास, सीमांकन, सामाजिक आंदोलन और सामाजिक न्याय की समस्याओं पर है। केंद्र अब नए अध्ययन क्षेत्रों – जेंडर अध्ययन, डायस्पोरिक स्टडीज, ट्राइबल स्टडीज, दलित स्टडीज को अपने अध्ययन कार्यक्रमों में शामिल कर रहा है। एम. ए. स्तर के अनुपर्युक्त कोर्स भारत पर केन्द्रित होते हैं और एम. फिल. कोर्सों में समाजों और सामान्य सिद्धांतों के तुलनात्मक अध्ययन पर बल दिया जाता है।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने केन्द्र को समाजशास्त्र विषयक में उच्च अध्ययन केन्द्र के रूप में मान्यता प्रदान की है। केन्द्र में सीमांत ग्रुपों और अल्पसंख्यकों के अध्ययन के लिए भारत सरकार द्वारा वित्तपोषित अम्बेडकर फाउंडेशन द्वारा बी. आर. अम्बेडकर के नाम से एक चेयर स्थापित की गई है। केन्द्र के विश्व के विभिन्न भागों में स्थापित शिक्षक एवं शोध संस्थाओं और विश्वद्यिालयों के साथ

परस्पर सहयोगात्मक संबंध है। इनमें से सबसे सक्रिय सहयोग ग्लोबल अध्ययन प्रोग्राम के लिए फ्रीबर्ग जर्मनी, क्वाजुलु नटाल यूनिवर्सिटी और यूनिवसिटी आफ केपटाउन, दक्षिण अफ्रीका के साथ है।

केन्द्र ने 04 व्याख्यान और 22 संगोष्ठियां/सम्मेलन आयोजित किए। शिक्षकों ने 06 पुस्तकें प्रकाशित की और पुस्तकों में 33 आलेख/अध्याय प्रकाशित कराए। उन्होंने विश्वविद्यालय से बाहर 119 व्याख्यान दिए तथा देश–विदेश में 40 सम्मेलनों में भाग लिया तथा 19 शोध परियोजनाओं का समन्वयन किया।

वर्ष के दौरान 81 छात्रों ने अपना एम.ए. पाठ्यक्रम, 46 छात्रों ने अपना एम.फिल पाठ्यक्रम पूरा किया तथा 15 शोध छात्रों ने अपनी पी–एच.डी. शोध कार्य पूरा किया।

वर्ष 2012–13 के दौरान शिक्षकों की उपलब्धियाँ

ए. बिमोल अकोइजाम

- ''पालिटिकल कल्चर, आईडिंट्टी पॉलिटिक्स ऐंड डेस्टिनी आफ मनीपुर'', कंगला लांगपुंग, भाग–7, अंक–1 : 27–55, 2013
- परियोजना निदेशक, इन्टैलेक्चुअल्स ऐंड पॉलिटिक्स : आन आइडियोलॉजी ऐंड पॉलिटिकल ऐक्शन्स (हिथेर्टो स्व वित्त शोधकार्य, आईसीएसएसआर से वित्त सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया जारी है) चल रही शोध परियोजना।
- 1–3 सितम्बर 2012 को डीईएसएएन द्वारा मणिपुर विश्वविद्यालय, इम्फाल में आयोजित 'करप्शन मुथाएटलासी नटराबाडी इखोई मुतलागनी' शीर्षक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'करप्शन : रिफ्लेक्शंस आन पालिटिकल कल्चर ऐंड इट्स पालिटिकल इकोनामी' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।

अरसद आलम

- 'कन्ट्रोलिंग माइन्डस, डिसिप्लाइनिंग बॉडीज : लाइफ इन ए मदरसा'' गीता बी. नाम्बीसन और एस श्रीनिवासराव, संपादित, सोसियोलॉजी आफ एज्यूकेशन इन इंडिया : चेंजिंग कन्ट्र्योस ऐंड इमर्जिंग कन्सर्न्स, ओयूपी, नई दिल्ली पृ. 224–244, 2013
- 18–19 फरवरी 2013 को ओटावा यूनिवर्सिटी, कनाडा द्वारा इंडिया इंटरनेशनल सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित 'लिविंग विद रिलिजियस डायवर्सिटी' शीर्षक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'इंडियन इस्लामिक पर्सपेक्टिव्स आन रिलिजियस डाइवर्सिटी' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- अरसद आलम ने 28–29 अगस्त 2013 को मौलाना अबुल कलाम आजाद इंस्टीट्यूट आफ एशियन स्टडीज, कोलकाता द्वारा आयोजित 'एथिकल इमपेरेटिव्स ? : मुस्लिम आइडेंटिटीज ऐंड पालिटिकल इस्लाम इन कलोनियल ऐंड पोस्ट कलोनियल साउथ एशिया' शीर्षक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'एट द इंटरसेक्शन आफ कास्ट ऐंड रीलिजन : मुस्लिम आइडेंटिटीज इन कंटेम्पोरेरी इंडिया' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।

मैत्रेयी चौधरी

- 'हायर एज्युकेशन इन ग्लोबल इंडिया : द नीड फोर क्रिटिकल सोसियोलॉजी' ईश्वर मोदी (सं.) एज्युकेशन, रिलीजन ऐंड क्रियेटिविटी' प्रोफेसर योगेन्द्र सिंह के सम्मान में निबंध, रावत, जयपुर पृ. 3–22, 2013
- 'इंडियन माडर्निटी ऐंड ट्रेडिशन : ए जेंडर एनालिसज' पालिस जर्नल आफ सोसियोलॉजी, 2 (178) : 281–293, 2012
- 13 जुलाई 2012 को इंडियन इंस्टीट्यूट आफ एडवांस्ड स्टडीज, शिमला में आयोजित 'द थ्योरि क्वेश्चन इन इंडियन सोसियोलाजी' शीर्षक कार्यशाला में 'रीडिंग थ्योरी बेकवर्ड्स' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।

एस.एस. जोधका

- कास्ट, ऑक्सफोर्ड इंडिया शॉर्ट इन्ट्रोडक्शन, आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, दिल्ली, 2012

- संपादित, विलेज सोसाइटी : रीडिंग्स आन द इकोनोमी, पालिटी ऐंड सोसाइटी सीरिज ओरियन्ट ब्लैकस्वान 2012
- 'एग्रेरियन चेंजेंस इन द टाइम आफ (नियो–लिबरल क्राइसिस) : रिविजिटिंग अटैच्ड लेबर इन हरियाणा एग्रीकल्चर', इकोनोमिक ऐंड पोलिटिकल वीकली, भाग–XLVII अंक 26–27 : 5–13, 2012

आनन्द कुमार

- यूजीसी–डाड पीपीपी स्टडी आफ ग्लोबलाइजेशन ऐंड रिशेप्सन आफ आयुर्वेद इन जर्मनी, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली, 2008–2012
- क्रोनिक पावर्टी इन इंडिया, आईआईपीए, नई दिल्ली (2008 से)
- बिल्डिंग ग्लोबल डेमोक्रेसी– ग्लोबल डेमोक्रेसी प्रोग्राम बनाने हेतु 10 देशो के शोधार्थियों का एक अध्ययन ग्रुप, सेंटर फार द स्टडी आफ ग्लोबलाइजेशन ऐंड रिजनलाइजेशन, यूनिवर्सिटी आफ वारविक, यू.के. (2009 से)

विवेक कुमार

- 'सोशल डेवलपमेंट ऐंड प्लानिंग इन डेवलपिंग कन्ट्रीज', स्वेता (सं.) सोशल वर्क ऐंड सोशल डेवलपमेंट : पर्सपेक्टिव फ्राम इंडिया ऐंड द यूनाइटेड स्टेट्स, लिसियम बुक्स, शिकागो, आईएनसी, पृ. 53–63, 2013
- 12 अक्टूबर 2012 को सोशल वर्क विभाग, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली द्वारा आयोजित 'मार्जिनलाइज्ड सेक्सांस ऐंड इंक्लुजिव डिवलपमेंट : इश्यूज ऐंड चेलेंजिज' शीर्षक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'टुवर्डस इपिस्टेमोलाजी आफ सोशल एक्सक्लुजन' विषयक समापन व्याख्यान दिया।
- परियोजना निदेशक, चेंजिंग नेशन आफ कास्टः आर्टिकुलेशन्स, इंस्टिट्यूशन ऐंड सैटलमेंट्स, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, मार्च 2013

निलिका मेहरोत्रा

- 'एक्सप्लोरिंग कंस्ट्रक्ट्स आफ इंटेक्युअल डिस्एबिलिटी ऐंड पर्सनहुड इन हरियाणा ऐंड दिल्ली, रेनू अदलख्खा (सं.) डिस्एबिलिटी स्टडीज इन इंडिया ग्लोबल डिस्कोर्स लोकल रीयल्टीज, रूटलेज (रिप्रिंटेड) (सहलेखक एस. वेदया के साथ) : पृ. 145–168, 2013
- 'मेथेडोलाजिकल इश्यूज इन डिसेबिलिटी रिसर्च ; एन इन्ट्रोडक्शन', इंडियन एन्थ्रोपोलोजिस्ट, 42 (1): 1–10, 2012
- परियोजना निदेशक, मेथेडोलाजिकल इश्यूज इन डिसेबिलिटी रिसर्च

हरीश नारायणदास

- परियोजना निदेशक, एसिमेट्रिकल ट्रांसलेशनस : माइन्ड, बॉडी ऐंड स्प्रिट इन यूरोपियन ऐंड इंडियन मेडिसिन (चल रही शोध परियोजना)
- 28 जून 2012 को हिडलबर्ग विश्वविद्यालय, जर्मनी में आयोजित साउथ एशिया इंस्टीट्यूट रिसर्च संगोष्ठी में नियोपॉलिटिक्सः एपिस्टेमिक मैंगलिंग ऐंड द क्रियालाइजेशन आफ कन्टेम्परेरी आयुर्वेद विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- 24 से 26 मई 2012 तक गोटिंग विश्वविद्यालय जर्मनी में आयोजित इंडिया बियोंड इंडिया : डिबेटिंग कम्यूलिज्मि ऐंड बिलोगिंग विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'गुरूज, जायरेशन्स, ऐंड गोवा पार्टीस : इंडिया बियोंड इडियन्स इन जर्मनी विषयक आलेख प्रस्तुत किया।

तिपलुत नोंगब्री

- हेल्थ आफ वुमन इन द नार्थ–इस्टर्न स्टेट्स : एक्जामिनिंग इश्यूज विद स्पेशल रिफ्रेंस टु मेघालय, संघमित्रा एस. आचार्य और हेमखोथांग ल्हुंगडिम (सं.) पब्लिक हेल्थ इन नार्थ ईस्ट इंडिया रीजनल डिवलपमेंट ऐंड सोशियो–डिमोग्राफिक डाइमेंशंस, एकाडेमी पब्लिकेशंस, दिल्ली पृ. 86–105, 2013
- एक्सक्लुशनरी प्रैक्टिसेस : द मार्जिनेलाइजेशन आफ वुमन इन स्टेट ऐंड पब्लिक पालिसीज समरहिल आईआईएएस रिव्यू, शिमला, इंडियन इंस्टीट्यूट आफ एडवांस्ड स्टडीज, 18(22), 38–47, विंटर 2011, 2012
- 13 से 15 मार्च 2013 तक भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, शिमला द्वारा आयोजित 'नोंइग द सोशल वर्ल्ड : चैलेंजेंस ऐंड रिस्पांसिस विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'रिसर्चिंग द खासी : एनकाउंटर विद द सैल्फ रीड इन अबसेन्सिया

अविजित पाठक

- सदस्य, संपादन समिति, इंटरनेशनल जर्नल आफ साउथ एशियन स्टडीज, साउथ–एशियन यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, 2012 से।
- 19 दिसम्बर 2012 को सामाजिक पद्धति अध्ययन केंद्र के 40 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष में आयोजित 'सोसियोलोजी मैटर्स : चैंलेजेंस ऐंड पॉसिबिलिटीज आफ सोशल सांइस नॉलेज इन कन्टेम्परेरी इंडिया विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'विजनस आफ माडर्निटी : सम इंडियन पर्सपेक्टिवज शीर्षक संगोष्ठी आयोजित की।

एल. लाम खान पियांग

- एथनिक मोबिलाइजेशन फार डिक्लोनाइजेशन : क्लोनियल लिगेसी (द केस आफ द जो पीपुल इन नार्थईस्ट इंडिया) एशियन इथनिसिटी, ताइवान, डीओइार्अ : 10, 1080 / 14631369.2012.688670, 2012
- अवेयरनेस रिगार्डिंग रिस्क फैक्टरर्स सिम्टम्स ऐंड ट्रीटमेंट फैसिलिटी फार कैंसर इन सलेक्टेड स्टेट्स आफ इंडिया, एशियन पैसिफिक जर्नल आफ कैंसर प्रिवेंशन 13, (सहलेखक राज शिरीन के साथ) : 4057–62, 2012
- 18 से 20 मार्च 2013 तक उत्तर पूर्वी भारत अध्ययन कार्यक्रम, सामाजिक विज्ञान संस्थान, जेएनयू द्वारा आयोजित 'फिक्सिटी ऐंड फ्लूइडिटी : हिस्ट्री, पॉलिटिक्स ऐंड कल्चर आफ नार्थ ईस्ट इंडिया' विषयक राष्ट्रीय कार्यशाला में 'सोशल ग्रुप टू ट्राइबः कंफ्रंटिंग क्लोनियल इथनोग्राफर्स (द केस आफ द जो पीपल इन द इंडो'–म्यानमार बार्डरलैंड' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

एडवर्ड ए. रॉड्रिक्स

- 'इमान्सीपेशन ऐंड दलित पॉलिटिक्स इन बाम्बे' टीना उइस और सुजाता पटेल (सं.) 'सोशल एक्सकलुजन इन साउथ अफ्रीका ऐंड इंडिया' ओरियन्ट ब्लैकस्वान, नई दिल्ली (पुनः मुद्रित) (एम.गावस्कर के साथ सह लेखक) पृ. 530–53, 2012
- परियोजना निदेशक, डिजास्टर मैनेजमेंट (चल रही शोध परियोजना)
- 15 नवम्बर 2012 को डिपार्टमेंट आफ लिंग्विस्टिक्सि ऐंड फिलोलॉजी, फोरम आफ साउथ एशियन स्टडीज, यूनिवसिर्टी आफ उपासला, स्वीडन द्वारा आयोजित 'दलित कल्चरल आईडेंटिटी पॉलिटिक्स इन द 21स्ट सेन्चुरी' विषयक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में रिथिकिंग दलित आईडेंडिटी पॉलिटिक्स इन महाराष्ट्रा शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।

अमित के. शर्मा

- सिनेमा ऐंड कल्चर इन इंडिया, स्व–वित्त
- 14 अप्रैल 2012 को सोसायटी फार इंडियन थाट ऐंड एक्शन, दिल्ली में आयोजित 'रिलिवेंस आफ रीलिजन इन कंटेम्पोरेरि वर्ल्ड' शीर्षक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'कंसेप्ट आफ स्पेस ऐंड टाइम इन वर्ल्ड रीलिजंस' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।

- 21 अप्रैल 2012 को कौटिल्य इंस्टीट्यूट आफ डिवलपमेंट स्टडीज, दिल्ली में आयोजित 'अंडरस्टेंडिंग यूरोपियन माडर्निटी' शीर्षक कार्यशाला में 'साइलेंट फीचर्स आफ केलटिक क्रिश्चियनटी' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।

रेणुका सिंह

- संपादित, बुद्धिज्म : मैसेज आफ पीस, फाउडेंशन आफ सार्क राइटर्स ऐंड लिटरेचर, नई दिल्ली, 2012
- टीवी और अखबारों में परिचर्चाओं में भाग लिया।

जी. श्रीनिवास

- ग्लोबल पर्सपेक्टिव आन लर्निंग ऐंड डिवलपमेंट विद डिजिटल विडियो–एडिंटिंग मीडिया : ए क्वालिटैटिव इंक्वायरी इन एवरीडे लाइव्स आफ मार्जिनलाइज्ड यंग पीपुल, प्रायोजित –यूरोपियन कमीशन रिसर्च एक्जीक्यूटिव एजेंसी ऐंड मेरिय क्युरिई इंटरनेशनल रिसर्च स्टाफ एक्सचेंज स्कीम (मई 2012 टु अप्रैल 2014)
- जी. श्री निवास, चेंजिंग नेचर आफ कास्ट आर्टिक्युलेशंस, इंस्टीट्शंस ऐंड सेटलमेंट्स, मार्च 2013
- 25 जनवरी 2013 को जेएनयू, नई दिल्ली में 'अण्डरस्टेंडिंग द डूइंग डिजिटल मीडिया रिसर्च' विषयक कार्यशाला आयोजित की।

वी. सुजाता

- 18–19 जून 2012 को बैंकाक, थाइलैंड में आयोजित 4थी राष्ट्रीय समाजशास्त्र कांग्रेस में 'ग्लोबलाइजेशन ऐंड ह्यूमन इनसिक्यूरिटी : ट्रांसनेशनल पब्लिक सोसियोलाजी' शीर्षक अंतरराष्ट्रीय पेनल में 'अर्मामेंट्स इंडस्ट्री : द अनहोली कंबीनेशन आफ साइंस, टेक्नोलाजी ऐंड ब्यूरोक्रेसी न्यू एजेंडा फार पब्लिक सोसियोलाजी' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- 13–14 जुलाई 2012 को इंडियन इंस्टीट्यूट आफ एडवांस्ड स्टडीज, शिमला में आयोजित 'द थ्योरी क्वेश्चन इन इंडियन सोसियोलाजी' शीर्षक कार्यशाला में 'वाई थ्योराइज द सोशल ? द मीनिंग आफ थ्योरी इन कंटेम्पोरेरि डिवीजन आफ इंटेलेक्चुवल लेबर' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- 16–17 मार्च 2013 को समाजशास्त्र विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय, अलीगढ़ में आयोजित 'ग्लोबलाइजेशन ऐंड डिवलपमेंट' शीर्षक राष्ट्रीय संगोष्ठी में 'हेल्थ ऐंड मेडिसन एज इंडस्ट्री : फ्राम प्राइवेटाइजेशन टु ग्लोबलाइजेशन' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।

दिव्या वैद्य

- परियोजना निदेशक, 'एज्युकेशनल इनइक्विलिटीज ऐंड सोशल मोबिलिटी–ए टेल आफ टू सिटीज', भारतीय सामाजिक अनुसंधान परिषद् द्वारा वित्तपोषित परियोजना, सीएसडीएस आधारित
- दिव्या वैद्य ने 6 दिसम्बर 2012 को इंस्टीट्यूट आफ ज्योग्राफी, नेशनल अटोनमस यूनिवर्सिटी आफ मैक्सिको, मैक्सिको में आयोजित 'रिथिकिंग डिवलपमेंट ऐंड इनइक्वलिटी फ्राम ए ग्लोबल साउथ पर्सपेक्टिव' शीर्षक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में 'प्रोयेक्टो अनडिर' आर 'द एकेडमिक नेटवर्क आफ डिवलपमेंट ऐंड इनइक्वलिटी रिसर्च प्रोजेक्ट – एन इंटरोडेक्शन' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।

सुसन विश्वनाथन

- समर हिल : द बिल्डिंग आफ वाइसरिगल लॉज इन स्टडीज इन हयुमनेटिज ऐंड सोशल साइंसिस जर्नल आफ द इंटर यूनिवर्सिटी सेंटर आफ हयुमेनिटीज ऐंड सोशल साइंसिस आईआईएएस, शिमला, 2013
- फारेस्टर्स ऐंड न्यू ओरिएंटेशंस टु इकोलाजी, विनीथा मेमन (सं.) एनवायरनमेंट ऐंड ट्राइव्स इन इंडिया, कंसेप्ट पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली, 2012

- वॉटर, एग्रीकल्चर, स्मॉल टाऊन ऐंड क्लोनिलिज्म

महिला अध्ययन केन्द्र

महिला अध्ययन कार्यक्रम की स्थापना वर्ष 2000 में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग से प्राप्त अनुदान से की गई थी। शुरू में इस कार्यक्रम का उद्देश्य इसे जेंडर परिप्रेक्ष्य में सामाजिक विज्ञानों के शिक्षण एवं शोध के अभिन्न अंग के रूप में शामिल किया जाना था।

केन्द्र ने 6 कार्यशालाए और 03 संगोष्ठियाँ आयोजित की। शिक्षकों ने पुस्तकों में 05 आलेख/अध्याय प्रकाशित कराएं । उन्होंने देश–विदेश में 10 सम्मेलनों में भाग लिया तथा 2 शोध परियोजनाओं का समन्वयन किया।

वर्ष 2012–13 के दौरान शिक्षकों की मुख्य उपलब्धियाँ

जी. अरूणिमा

- 'अन्ना : द इमेज आफ इंडिया?' कल्चरल 81, स्प्रिंग 2012
- 'कार्टून्स, टैक्स्टबुक्स ऐंड पॉलिटिक्स आफ पूडागोजी', इकोनोमिक ऐंड पॉलिटिकल वीकली, 2 जून, 2012 भाग XLVII, अंक–22
- 'जेंडर ऐंड सेकर्ड जियोग्राफीस : ए स्टडी आफ रीलिजन इन केरला' विषयक परियोजना से संबधित पुस्तकालय कार्य वर्ष भर चला, इस परियोजना से संबधित अभिलेखीय कार्य ग्रीष्म के दौरान किया जाएगा।

मल्लारिका सिन्हा रॉय

- 'रिथिकिंग फिमेल मिलिटेन्सी इन पोस्टक्लोनियल बंगाल' फेमिनिस्ट रिव्यू, अंक–101, जुलाई 2012
- 'डिसिप्लिनिंग जेंडर ऐंड जेंडरिंग डिसिप्लिन : वूमन्स स्टडीज इन कन्टेम्परेरी इंडिया', आगामी, केनेथ बो नीलसन (सं.) ट्रासफारमिंग जेंडर इन कन्टेम्परेरी इंडिया, (एन्थम प्रेस, 2014)
- 'जेंडर ऐंड पॉलिटिक्स इन क्लोनियल कूचबिहार' चल रही शोध परियोजना।

जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केन्द्र

जाकिर हुसैन शैक्षिक अध्ययन केन्द्र विश्वविद्यालय पद्धति के अंतर्गत पारंपरित विभागों एवं संकायों की तुलना में अद्वितीय है। केन्द्र को विशेष सहायता विभाग के तीसर चरण के अंतर्गत वित्त सहायता प्राप्त हुई। केन्द्र का एम. फिल/पीएच.डी. कार्यक्रम शिक्षा में विशेषीकृत चार विषयों – समाजशास्त्र, इतिहास, सामाजिक मनोविज्ञान और अर्थशास्त्र के साथ पाठ्यक्रम चलाया जाता है। इस पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सामाजिक विज्ञानियों के परिदृश्यों में छात्रों की शिक्षा में सैद्धांतिक समझ को विकसित करना और उन्हें समसामयिक विश्व के समक्ष शिक्षा की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करना है। तीन एम. ए. कोर्स भी चलाए जा रहे हैं।

केन्द्र ने 10 व्याख्यान और 05 संगोष्ठियां/ सम्मेलन आयोजित किए। शिक्षकों ने 08 पुस्तकें प्रकाशित की और पुस्तकों में 24 आलेख/अध्याय प्रकाशित कराए। उन्होंने विश्वविद्यालय से बाहर 16 व्याख्यान दिए तथा देश–विदेश में 59 सम्मेलनों में भाग लिया तथा 06 शोध परियोजनाओं का समन्वयन किया।

बिनोद खादरिया ने नेशनल एज्युकेशन अवार्डस आफ हैडलाइन टुडे, इंडिया टुडे ग्रुप के अंतर्गत वर्ष 2012 का नेशनल एज्युकेशन लीडरशिप पुरूस्कार प्राप्त किया। वह 17 फरवरी से 30 अप्रैल 2013 तक इंस्टीट्यूट फार इंटरनेशनल इंटीग्रेट स्टडीज, ट्रिनिटी कॉलेज डबलिंग, आरयलैंड में विजिटिंग प्रोफेसर भी रहे। दीपक कुमार जनवरी से मार्च 2013 तक सेंट जोन्स कॉलेज, कैम्ब्रिज में विजिटिंग फेलो रहे।

वर्ष 2012–13 के दौरान शिक्षकों की मुख्य उपलब्धियाँ

सौमन चट्टोपाध्याय

- 'ऐज्युकेशन ऐंड इकोनामिकस : डिसप्लीनरी इवोलुशन ऐंड पॉलिसी डिस्कोर्स, आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी, प्रेस, नई दिल्ली, 2012
- 2012 में जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू में आयोजित 'एज्यूकेशन इन ए चेंजिंग सोसायटी' शीर्षक कंपेरेटिव एज्यूकेशन सोसायटी आफ इंडिया के वार्षिक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में 'केन मार्किटाइजेशन ऑफ इंडियन हायर एज्यूकेशन इंश्योर एक्सिलेंस ?' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- सोमन चट्टोपाध्याय ने 7–8 फरवरी 2013 को सेंटर फार एडवांस्ड स्टडी, अर्थशास्त्र विभाग, जादवपुर विश्वविद्यालय, कोलकाता द्वारा आयोजित पब्लिक फाइनेंस शीर्षक कार्यशाला में 'टेक्स कम्पलाइंस : मेजरमेंट इश्यूज' विषयक व्याख्यान दिया।

बिनोद खादरिया

- (संपादक), इंडिया माइग्रेशन रिपोर्ट 2010–11 : द अमेरिकाज, कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस न्यूयार्क 2012
- 10–12 जुलाई 2012 को यूनेस्को और कोरिएन एज्यूकेशनल डिवलपमेंट इंस्टीट्यूट, बैंकाक द्वारा आयोजित रीजनल पालिसी संगोष्ठी में 'एज्यूकेशन पालिसी मेकिंग इन द एज आफ माइग्रेशन इन एशिया ऐंड द पेस्फिक' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- बिनोद खादरिया के साथ अंतरराष्ट्रीय शोध सहयोग, विद इकोल पॉलिटिकनिक फेडेरल दे लुसाने (ईपीएफएल), तुसाने ऐंड इंस्टीट्यूट फार डेवलपमेंट स्टडीज कोलकत्ता (आईडीएसके), कोलकत्ता।

दीपक कुमार

- राजशेखर बासु के साथ (सं.) मेडिकल एनकाउंटर इन ब्रिटिश इंडिया ओयूपी, नई दिल्ली, 2013
- अन्य के साथ संपादित, ऐज्युकेशन इन क्लोनियल इंडिया : हिस्टोरिकल इनसाइट्स, मनोहर पब्लिकेशन, दिल्ली 2013

अरविन्द के. मिश्रा

- अन्य के साथ संपादित, स्कूल आफ ऐज्युकेशन प्लुरलिज्म ऐंड मार्गेनेलिटी : कम्पेरिटिव पर्सपेक्टिव्स ओरियंट ब्लैकस्वान, नई दिल्ली 2012 आईएसबीएन : 978–81–250–4531–1)
- 10–12 अक्टूबर 2012 को जम्मू में आयोजित 'एज्यूकेशन इन ए चेंजिंग सोसायटी' शीर्षक कंपेरेटिव एज्यूकेशन सम्मेलन में 'इज सोशल साइकोलाजी ए रिलीवेंट डिसीप्लिन फार एज्यूकेशन ?' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- 'द पॉलिटिक्स आफ जस्टिस : एन इंटरव्यूव आफ क्रिस्टिन स्लीटर' सेमीनार, 638, अक्टूबर, 2012।

गीता बी. नाम्बिसन

- गीता बी. नाम्बिसन और एस. श्रीनिवास राव, सोशियोलाजी आफ ऐज्युकेशन इन इंडिया : चेंजिंग कंटूर्स ऐंड इमर्जीग कंसर्न्स, आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, नई दिल्ली, 2012 (आईएसबीएन 13:978–0–808286–6)
- गीता बी. नाम्बिसन, ओपनिंग अप द ब्लैक बॉक्स ? सोशियोलाजिस्ट ऐंड द स्टडी आफ स्कूलिंग इन इंडिया, जी. वी. नाम्बिसन और एस. एस. राव (सं.) सोशियोलाजी आफ ऐज्युकेशन इन इंडिया :चेंजिंग कंटूर्स ऐंड इमर्जीग कंसर्न्स, आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, नई दिल्ली, पृ. 83–102, 2012, (आईएसबीएन – 13: 978–0–808286–6)
- 'पावर्टी रिडक्शन ऐंड पॉलिसी फार द पूअर बिटवीन द स्टेट ऐंड प्राइवेट एक्टर्स, एज्युकेशन पॉलिसी इन इंडिया सिंस द नाइनटीन सेन्चुरी' विषयक परियोजना के अध्ययन के लिए गठित ट्रांसनेशनल रिसर्च ग्रुप में शोध प्रतिभागी, मैक्स वेबर फाउंडेशन द्वारा वित्तपोषित, अन्य प्रतिभागीः एतिहासिक अध्ययन केंद्र, जेएनयू ; जर्मन हिस्टोरिकल इंस्टीट्यूट लंदन, यूनिवर्सिटी आफ गोटिंजन, जर्मनी और किंग्स कॉलेज लंदन के शिक्षक, 2012–17

मिनाती पाण्डा

- मिनाती पाण्डा, स्कुटनाब्ब, कंगास, टोवी, फिलीपसन, रावर्ट, मोहंती और के. अजित (editorler), Cokdilli Egitim Yoluyla Toplumsal Adalet. Turk.e Yayina Hazirlayanlar Prof. Dr. Fatma Gok & M. Serif Derince. Ankara : Egitim /Sen Yayinlari. (ट्रांसलेशन इनटु टुर्कीश आफ स्कुटनाब्ब–कंगास इट एल सं.) सोशल जस्टिस थ्रो मल्टीलिंग्युअल ऐज्युकेशन (फातमा गोक और एम. सीरिफ डिरेंसिस) 2013 (आईएसबीएन 978–975–92342–6–3)
- मिनाती पाण्डा ने 2012 में स्टेलेनबोच, साउथ अफ्रीका में आयोजित क्रास कल्चर साइक्लोजी की इंटरनेशनल एसोसिएशन के सम्मेलन में एस. मनोचा के साथ 'साओरा, चिल्ड्रन एक्सपिरियंसिस आफ पार्टिसिपिएशन ऐंड फियरलेसनेस इन एमएलई प्लस ऐंड नान–एमएलई स्कूल्स इन उड़ीसा' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।
- एकलव्य, भोपाल और लिंग्विस्टिक्स डिपार्टमेंट्स आफ हमबर्ग यूनिवर्सिटी तथा दिल्ली विश्वविद्यालय के साथ सहयोगात्मक परियोजना, 'डेवलपिंग क्रिटिकली अवेयर मल्टीलिंग्वल ऐंड मल्टीकल्चरल एज्युकेशन थ्रू ए कॉलेब्रेटिव अरबन, स्कूल ऐंड कम्यूनिटी बेस्ड लैंग्वेज प्रोग्राम ऐंड ए चिलड्रन्स मैगजिन इन भोपाल'

ध्रुव रैना

- Sudasien : Verortung der Wissensgesichte im vorkolonialen Sudasien, इन वेरलाग जी बी. ऐंड मेटज्लर म्द्रलासवचंकपम कमत छमन्नमपज रू ॅपेमर्द.लासप्रंज छंबीजतंहम, स्टुट्टगार्ट/वीमर, पृ. 146–156, 2012
- 'कंटेक्युअलाइजिंग प्लेफेयर ऐंड कोलब्रोकी आन प्रुफ ऐंड डिमोन्स्ट्रेशन इन द इंडियन मैथामेटिकल ट्रेडिशन इन के. चमला (सं.) द हिस्ट्री आफ मेथामेटिकल प्रूफ इन एसियंट ट्रेडिशंस केम्ब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस, पृ. 228–259, 2012,
- 24–25 मई 2012 को सीईआईएएस, 2012 में आयोजित 'सरक्युलेशन ऐंड कोसमोपालिटेनिज्म इन 18थ सेंचुरी जयपुर : द वर्कशाप आफ ज्योतिष, न्यूजूमी ऐंड जेस्यूट अस्ट्रोनोमस' विषयक आलेख प्रस्तुत किया।

परिमाला वी. राव

- परिमाला बी. राव, द इंपैक्ट आफ एलिट कंफ्लिक्ट आन वुमन–स ऐज्युकेशन इन प्रिंस्ली मैसूर 1860–1947, दीपक कुमार (सं.) ऐज्युकेशन इन इंडिया : हिस्टोरिकल इंसाइट, मनोहर 2013
- परिमाला वी. राव ने 10–12 अक्टूबर 2012 को जम्मू में आयोजित कंपेरेटिव एज्यूकेशन सम्मेलन में 'एक्सेस ऐंड करिकुलम इन प्री–कलोनियल एज्यूकेशन इंडिया' विषयक व्याख्यान दिया।

एस. श्रीनिवास राव

- 'स्ट्रक्चरल एक्सक्लुजन इन एवरीडे इंस्टीट्यूशनल लाइफ : लेबलिंग आफ स्टीगमेटाइज्ड ग्रुप्स, इन आईआईटी, गीता बी. नाम्बिसन और एस. एस. राव (सं.) सोशियोलाजी आफ ऐज्युकेशन इन इंडिया : चेंजिंग कंटूर्स ऐंड इमर्जींग कंसर्न्स, आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, नई दिल्ली, 2012 (आईएसबीएन – 131, 978–0–808286–6)
- 3 से 5 जुलाई 2012 तक केयर इंडिया, नई दिल्ली और स्टॉकहोम यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित ऐज ऐंड ग्रेड अप्रोप्रिएट ट्रेनिंग टु प्रीप्रेयड आउट–आफ–स्कूल चिल्ड्रन फार स्कूलिंग : इश्यूज ऐंड चेलेंजिज शीर्षक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।
- 12–14 मार्च 2013 को नई दिल्ली में आयोजित 'इंटरडिसिप्लिनरिटी इन एज्यूकेशनल स्टडीज : कंसेप्टस, थ्योरिज ऐंड एप्रोचिच' विषयक राष्ट्रीय स्नातक छात्रों की संगोष्ठी में 'थ्योरी ऐंड मेथड इन एज्यूकेशनल रिसर्च : मल्टिडिसिप्लिनरी पर्सपेक्टिव्स' विषयक गोलमेज में भाग लिया।

उत्तर पूर्वी भारत अध्ययन कार्यक्रम

केन्द्र ने 08 व्याख्यान, 01 कार्यशाला और 01 स्मारक व्याख्यान आयोजित किया। शिक्षकों ने पुस्तकों में 06 आलेख/अध्याय प्रकाशित कराए। उन्होंने विश्वविद्यालय से बाहर 02 व्याख्यान दिए।

प्रौढ़ शिक्षा समूह

वर्ष के दौरान शिक्षको ने विश्वविद्यालय से बाहर 07 व्याख्यान दिए और देश–विदेश में 37 सम्मेलनों में भाग लिया तथा 05 शोध परियोजनाओं का समन्वयन किया।

प्रोफेसर एस.के. केजरीवाल ने ईटी नाउ, मुम्बई से 'नेशनल एज्युकेशन लीडरशिप पुरस्कार प्राप्त किया।

अजय कुमार

- 21 से 23 मार्च 2013 तक जेएनयू छात्रों के लिए 'इमोशनल सोशल ऐंड इन्टैलक्चुअल कैपेसिटी बिल्डिंग विषयक तीन दिवसीय परिचर्चा कार्यशाला आयोजित की।
- 19–20 सितम्बर 2012 को शोध छात्रों और कॉलेज/विश्वविद्यालय शिक्षकों के लिए ए. एन. सिन्हा सामाजिक विज्ञान संस्थान, पटना में आईसीएसएसआर द्वारा प्रायोजित 'रिसर्च मैथड्स ऐंड कम्प्यूटर एप्लिकेश इन सोशल सांइस विषयक राष्ट्रीय प्रशिक्षण कोर्स में (ए) हाउ टू राइट पी–एच.डी थिसिस'; (बी) हाउ टू राइट ए गुड रिसर्च पेपर ; (सी) डाक्यूमेंटेंशन प्रैक्टिसिज इन सोशल सांइस रिसर्च; और (डी) प्रोफेशनल एथिक्स इन सोशल सांइस रिसर्च विषयक 04 व्याख्यान दिए।
- 'रूरल हाइब्रिड एनर्जी इन्टरप्राइज सिस्टम्स (आरएचईईएस) – ब्रिजिंग द अरबन ऐंड रूरल डिवाइड' विषयक परियोजना के अंतर्गत 'डेवलपिंग पार्टिशिपेटरी इन्टरप्राइजिज ऐंड स्ट्रेटीज इन कम्यूनिटी इंगेजमेंट इन ब्रिजिंग द अरबन–रूरल गैप इन एनर्जी' शीर्षक शोध परियोजना, यू.के.–इंडिया संस्टेनेबल एनर्जी टैक्नोलॉजिज नेटवर्क द्वारा वित्तपोषित अंतरराष्ट्रीय सहयोगात्मक परियोजना (चल रही शोध परियोजना)

विधि और अभिशासन अध्ययन केंद्र

विधि और अभिशासन अध्ययन केन्द्र स्पस्ट रुप से अन्तर–विषयक दृष्टिकोण अपनाता है। केंद्र ने एक ऐसे स्थान के रूप में ख्याति अर्जित की है जहाँ शैक्षिक प्रतिबद्धता को नीति और वकालत पर चिंतन के साथ सम्बद्ध किया जा सकता है। केंद्र औपचारिक विधिक ढांचे और अभिशासन पद्धति के बीच संबंधों को समझने के लिए एक मुख्य केंद्र बन गया है। विधि और अभिशासन अध्ययन केन्द्र ने 09 संगोष्ठियाँ और 04 सम्मेलन आयोजित किए। केन्द्र में भारत और विदेश से 02 विजिटिंग प्रोफेसर आए।

01 शिक्षक ने अंतरराष्ट्रीय अध्येतावृत्ति प्राप्त की। केन्द्र के शिक्षकों ने 01 पुस्तक प्रकाशित की तथा पुस्तकों में 12 आलेख/अध्याय प्रकाशित कराए। उन्होंने विश्वविद्यालय से बाहर 13 व्याख्यान दिए तथा देश–विदेश में 19 सम्मेलनों में भाग लिया। इस वर्ष शिक्षको की 04 शोध परियोजनाएँ भी थी।

छात्रों ने 08 आलेख प्रकाशित कराए तथा देश–विदेश में 20 सम्मेलनों में भाग लिया।

16 छात्रों ने अपनी एम.फिल उपाधि प्राप्त की तथा 10 छात्रों ने अपना पी–एच.डी. शोध कार्य पूरा किया।

इस वर्ष 22 छात्रों ने शोध पाठ्यक्रम ज्वाइन किया जिसमें 12 पुरूष और 10 महिलायें थीं।

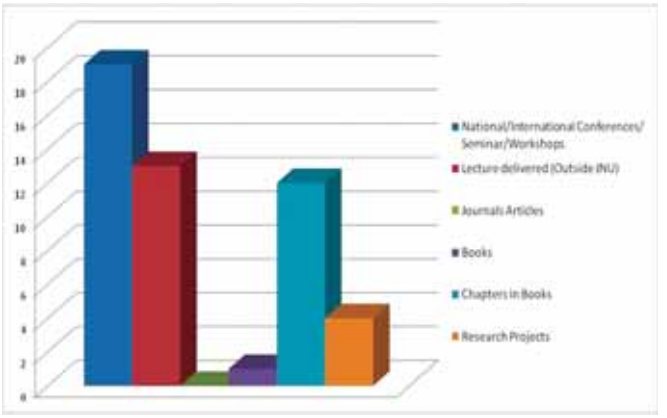

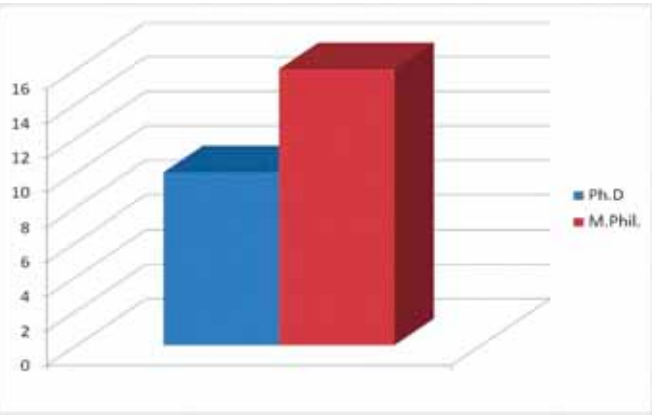

वर्ष 2012–13 के दौरान शिक्षकों की मुख्य उपलब्धियाँ

प्रतीक्षा बख्शी

- 1 अगस्त से 30 सितम्बर, 2012 तक केत हमबरगर कालेग 'रेख्त आल्स कुल्तुर' बॉन, जर्मनी की अध्येतावृत्ति।
- सदस्य, संयोजन समिति, 2012, इंटरनेशनल लॉ ऐंड सोशल साइंसिस रिसर्च नेटवर्क, कान्फ्रेंस यूनिवर्सिटी आफ पेराडेनिया, श्रीलंका, दिसम्बर, 2012; सदस्य, कार्यक्रम समिति, लॉ ऐंड सोसायटी इन हवाई विषयक अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन, लॉ ऐंड सोसायटी एसोसिएशन, यूएसए, जून 2012.
- La specificite des proces pour viol en Inde : medicalisation du consentmentet falsification, Dorothee Dussy ed. L'inceste, bilan des svoirs Marseille : Les editions La Discussion (translation in French) 2013

नीरजा गोपाल जयाल

- सिटिजनशिप ऐंड इट्स डिस्कंटेंट्स : एन इण्डियन हिस्ट्री' हारवर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस 2013, साउथ एशियन एडिशन, परमानेन्ट ब्लैक, 2013.
- सह–निदेशक 'स्टेट बिल्डिंग इन द डेवलपिंग वर्ल्ड' विषयक प्रिंसटन विश्वविद्यालय की परियोजना

- सदस्य, अंतरराष्ट्रीय सलाहकार मंडल, कम्पैरटिव पॉलिटिकल थॉट, स्कूल आफ ओरिंटल ऐंड अफ्रीकन स्टडीज, लंदन विषयक परियोजना।

अमित प्रकाश

- 25 फरवरी, 2013 को नार्थ–ईस्ट इण्डिया पालिटिकल साइंस एसोसिएशन, गुवाहाटी में 'आइडेंटिटी ऐंड पालिटिक्स आफ ट्रांसफार्मेशन : द रिकोग्निशन ऐंड वर्सस रिडिस्ट्रब्यूशन कंटिनम इन कंटेम्पोरॅरि इण्डिया' विषयक प्रथम प्रोफेसर डी.पी. बरुहा स्मारक व्याख्यान दिया।
- ' द रोल आफ गवर्नेन्स इन द रिजोल्यूशन आफ सोसियो इकोनोमिक ऐंड पॉलिटिकल कन्फिलिक्ट इन इंडिया ऐंड यूरोप (कोर) यूरोपीय आयोग द्वारा वित्तपोषित शोध परियोजना–2011–2014
- देश–विदेश में विभिन्न पुस्तकों में 06 अध्याय प्रकाशित किए।

अमिता सिंह

- सदस्य, उच्च स्तर समिति, स्टेटस आफ वुमन, गवर्नमेंट आफ इण्डिया, अप्रैल, 2012–मार्च 2013;
- 02 शोध परियोजनाएं ' ए बिहैवरल स्टडी आफ वोटर्स इन यू.पी. और इनपैक्ट आफ एफडीआई आन लैंड' (एसेक्स विश्वविद्यालय यू.के. के सहयोग से)
- मिलेनियम डिवलपमेंट गोल्स ऐंड कम्यूनिटी इनिसिएटिव्स इन द एशिया पेस्फिक, (सं.) इडुरडो गोंजालेज और स्टेनली ब्रूस थामसन, स्प्रिंगर, जर्मनी, 2013.

जयवीर सिंह

- 27 नवम्बर, 2012 को जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय और सिडनी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित 'द इंटरनेशनल इकोनामी आफ लॉ ऐंड बिजनेस ऐथिक्स' विषयक सम्मेलन में भाग लिया तथा 'इनवेस्टमेंट, मार्किट ऐंड बिजनेस ऐथिक्स' शीर्षक आलेख प्रस्तुत किया।
- सदस्य, समिति कम्पनीज बिल 2012' इंस्टीट्यूट आफ कास्ट एकाउंटेंट्स आफ इण्डिया द्वारा स्थपित;

विशिष्ट आणविक चिकित्साशास्त्र केन्द्र

मानव रोगों की समझ, रोकथाम और निवारण के लिए जैव–चिकित्साशास्त्र विज्ञान के क्षेत्र में 'आणविक चिकित्सा–शास्त्र' एक उभरता हुआ नया क्षेत्र है। जवाहरलाल विश्वविद्यालय में स्थापित आणविक चिकित्सा शास्त्र का विशेष केन्द्र भारत में इस तरह का पहला केन्द्र है। केन्द्र में ''मोलक्यूलर मेडिसन'' में एक समन्वित एम.एस–सी–पी–एच.डी पाठ्यक्रम शुरू करने का कदम भी उठाया है।

समीक्षाधीन वर्ष के दौरान केन्द्र ने ख्याति प्राप्त विद्वानों के 09 व्याख्यान आयोजित किए। अन्य स्थानों/विश्वविद्यालयों के 10 स्नातक/स्नातकोत्तर छात्रों ने अपना लघु अवधि का शोध प्रशिक्षण और/या लघु शोध प्रबंध पूरा किया।

प्रोफेसर एस. के. धर ने वर्ष 2012 के लिए बॉयोलोजिकल सांइसिस के क्षेत्र में प्रतिष्ठित 'शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार प्राप्त किया।

शिक्षकों ने 11 आलेख प्रकाशित कराए और 01 पेटेंट फाइल किया। उन्होंने विश्वविद्यालय से बाहर 03 व्याख्यान दिए और 09 राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लिया तथा व्याख्यान दिए।

05 छात्रों ने भारत में आयोजित 02 राष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लिया/पोस्टर प्रस्तुत किया।

07 शोध छात्रों ने अपना पी–एच.डी. शोध कार्य पूरा किया जिनमें 04 पुरूष और 03 महिलायें थीं।

06 शोध छात्रों ने प्री या सीधे पी–एच.डी. पाठ्यक्रमों में प्रवेश लिया जिनमें 03 पुरूष और 03 महिलायें थीं।

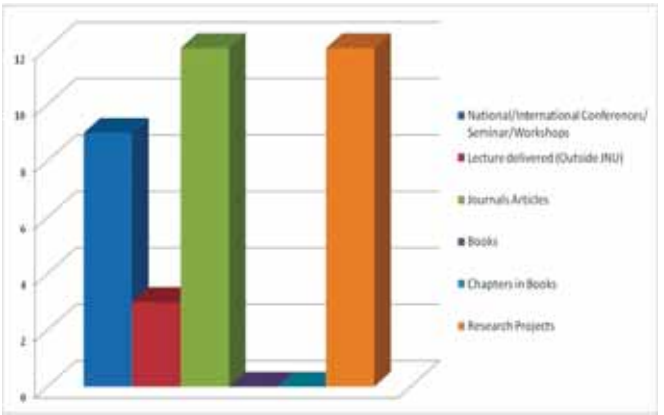

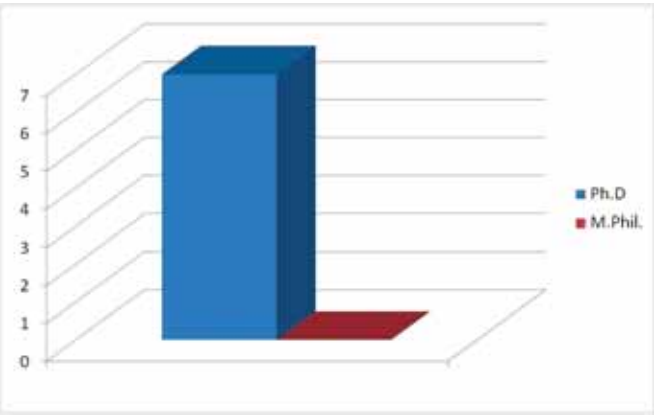

वर्ष 2012–13 के दौरान शिक्षकों की मुख्य उपलब्धियाँ

साइमा एजाज

- केन्द्र के अन्य शिक्षकों के साथ समेकित एम.एस–सी–पी–एच.डी. कोर्स का समन्वयन तथा प्रारूप तैयार किया।
- नेशनल ब्रेन रिसर्च सेंटर, मानेसर, हरियाणा में 'डेवलपमेंट न्यूरोसाइंस विषयक कोर्स के लिए विशेषज्ञ रहीं।
- नेशनल ब्रेन रिसर्च सेंटर, मानेसर, हरियाणा के पी–एच.डी प्रवेश के लिए गठित समिति की सदस्य रहीं।

एस.के. धर

- वर्ष 2012 के लिए बॉयोलोजिकल सांइसिस के क्षेत्र में प्रतिष्ठित 'शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार प्राप्त किया।
- रोड आइलैंड यू.एस.ए. में आयोजित होस्ट–पैरासाइट बायोलॉजी विषयक गार्डन रिसर्च सम्मेलन, 2012 में व्याख्यान देने के लिए आमंत्रित किए गए।
- केन्द्र के अन्य शिक्षकों के साथ समेकित एम.एस–सी–पी–एच.डी. कोर्स का समन्वयन तथा प्रारूप तैयार किया।

दीपांकर घोष

- केन्द्र के अन्य शिक्षकों के साथ समेकित एम.एस–सी–पी–एच.डी. कोर्स को समन्वित तथा प्रारूप तैयार किया।
- 'स्टडीज आन द रेगुलेशन आफ एडीपोज टिश्यू डेवलपमेंट ऐंड फन्कशन बाई पोस्ट ट्रांसलेशनल प्रोटीन एफजीनाइलेशन' विषयक अध्ययन के लिए जैव प्रौद्योगिकी विभाग से सहायता अनुदान प्राप्त हुआ, 2013–2016 की अवधि के लिए।

राकेश के. त्यागी

- 2 अंतरराष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में– ट्रास्क्रिप्शन मेमोरी' ऐंड डिसरप्शन आफ 'सेलुलर मेमोरी बाई थेराप्यूटिक ऐंटी–हार्मोन्स आर एंडोक्राइन डिसरप्टर्स आवर प्रोलोंग्ड पिरियड्स मे लीड टू इरेडिकेशन आफ 'सेलुलर ट्रांसक्रिप्शन मेमोरी विद डिलिटेरियस सेलुलर कंसिक्वेन्सेज, रिसर्च, विषयक शोध ।
- सदस्य, नेशनल इंस्टीट्यूट आफ इम्यूनोलॉजी में पी–एच.डी. छात्रों, स्टॉफ और विज्ञानियों के लिए चयन समिति।
- केन्द्र के अन्य शिक्षकों के साथ समेकित एम.एस–सी–पी–एच.डी. कोर्स को समन्वित तथा प्रारूप तैयार किया।

सी.के. मुखोपाध्याय

- आइडेंटिटीफाइड एन एसेंसियल होस्ट ट्रांसक्रिप्शन फैक्टर एचआईएफ–1 फार सरवाइवल आफ द प्रोटोजोआ पैरासाइट लीशमानिया डोनावानी रिसपॉन्सिबल फोर 'कालाजार' विच प्रोवाइड्स ए पोटेंशियल न्यू ड्रग टारगेट फार दिस पैथोजेन। यह शोध कार्य पीएलओएस वन पत्रिका में प्रकाशित हुआ, एस्टाब्लिस ए मेकनेनिज्म आफ हेपेटिक आयरन ओवरलोड इन इन्सुलिन रेसिसटेन्स एसोशिएटिड डायबिटीज, यह शोध कार्य बॉयोकिम बॉयोफिज एक्टा–मोलक्यूलर बेसिस आफ डिसिज में प्रकाशित हुआ।
- आयरन डिपोजिसन ऐंड रिलेटिड डैमेज डिटेक्टेड इन परकिंशन ऐंड अलजाइमर डिसिज पर शोध कार्य करने के लिए इंडो–यूएस, ब्रेन रिसर्च कालेब्रेटिव प्रोग्राम से अनुदान प्राप्त हुआ।
- केन्द्र के अन्य शिक्षकों के साथ समेकित एम.एस–सी–पी–एच.डी. कोर्स को समन्वित तथा प्रारूप तैयार किया।

जी. मुखोपाध्याय

- केन्द्र के अन्य शिक्षकों के साथ समेकित एम.एस–सी–पी–एच.डी. कोर्स को समन्वित तथा प्रारूप तैयार किया।

विशिष्ट संस्कृत अध्ययन केन्द्र

विशिष्ट संस्कृत अध्ययन केन्द्र (एससीएसएस) पारम्परिक भाषा के अध्ययन के समसामयिक दृष्टिकोणों पर बल देता है। उसका उद्देश्य इसके पारम्परिक सिद्धांतों को सुदृढ़ बनाना है। इसके साथ ही इस पैतृक धन को बनाए रखना है। केन्द्र इस वर्ष विशिष्ट रूप से सक्रिय था। शोधार्थियों के लिए देश और विदेशों से 17 विशिष्ट व्याख्यान, 6 कार्यशालाएं, 1 व्याख्यान और 7 सम्मेलनों का आयोजन किया गया। वहीं उस वर्ष सीएसएलजी में दो विजिटिंग प्रोफेसर आये थे। वे दोनों ही भारत के बाहर से थे।

संकाय के एक सदस्य उपेन्द्र नाथ राव को अखिल भारतीय विद्यापीठ, काशी से संस्कृत अध्ययन के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान के लिए 'कादम्बरी पुरस्कार प्राप्त हुआ।

संकाय के सदस्यों ने 7 पुस्तकें, 6 आलेख और पुस्तकों में अध्याय प्रकाशित किए। उन्होंने विश्वविद्यालय से बाहर 32 व्याख्यान दिए और देश और विदेशों में 55 सम्मेलनों में भाग लिया। इस वर्ष संकाय के सदस्यों के पास 4 शोध परियोजनाएं हैं।

31 छात्रों ने एम. ए और 14 छात्रों ने एम. फिल. उपाधि प्राप्त की। इस वर्ष 8 छात्रों ने पीएच.डी. की उपाधि भी प्राप्त की।

इस वर्ष 30 छात्रों ने एम. ए. पाठ्यक्रम में दाखिला लिया। जिनमें से 18 पुरुष और 12 महिलाएं थी और 16 छात्रों ने शोध कार्यक्रम में भाग लिया। जिनमें 8 पुरुष और 8 महिलाएं थी।

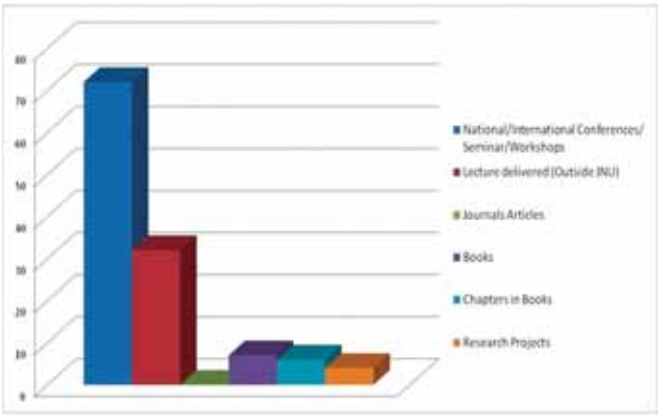

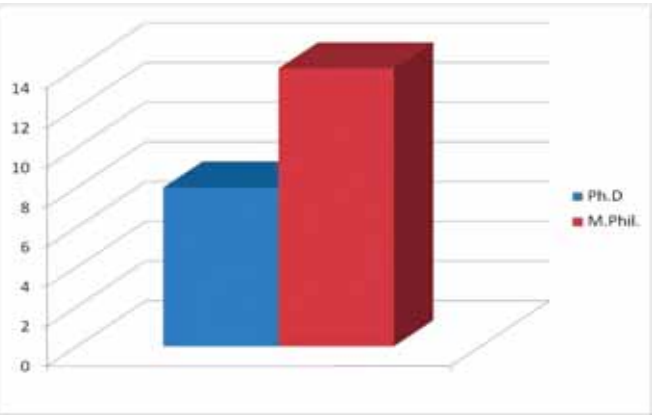

वर्ष 2012–13 के दौरान शिक्षकों की प्रमुख उपलब्धियां

गिरीश नाथ झा

- ने 21 फरवरी 2012 को अंतरराष्ट्रीय भाषा दिवस पर हेल्पड माइक्रोसाफ्ट रिलीज इंग्लिश–उर्दू मशीन ट्रांसलोन सिस्टम विषयक पर व्याख्यान दिया। http://www.microsoft.com/en-48/translator/partners.arpx/#jnu
- ने मई 2012 को माइक्रोसाफ्ट रिसर्च इंडिया अंडर लैंग्वेज रिर्सोस इवोल्युशन सम्मेलन (एलआईईसी) के सहयोग से यूरोपियन लैंग्युवेज रिर्सोस इवोल्युशन (ईएलआरए), इंस्तांबुल द्वारा यूरोपियन प्लेटफार्म में आयोजित इंडियन लैंग्युवेजितस टेक्नोलाजी विषयक कार्यशाला में भाग लिया।
- प्रकाशित पुस्तक पर्सपेक्टिव्स आन द ओरजिन आफ इंडियन सिविलाइजेशंस (सहसम्पादक : एंजला मारकेनटोनियो), डीके प्रिंट वर्ल्ड, 2012

राम नाथ झा

- नामिती सम्पादक, वैदिक वेनुस, अंतरराष्ट्रीय पत्रिका, वैदिक थाट्स, भाग–1, आदित्या प्रकाशन द्वारा प्रकाशित, नई दिल्ली 2012

शशि प्रभा कुमार

- नामिती उपाध्यक्ष – डिपार्टमेंट आफ आर्ट कल्चर ऐंड लैंग्युवेज, दिल्ली संस्कृत अकादमी द्वारा, गर्वेनमेंट आफ नेशनल कैपिटल टिरिओरिटी आफ दिल्ली, 2012
- प्रकाशित पुस्तक, क्लासिकल टंपेम`पां रू आन नोइंग ऐंडवट इज टु नोन, टायलर ऐंड फ्रांसिस ग्रुप रूटलेज पब्लिशर्स, यू.के. और उसका दूसरा संस्करण आने वाला है।

सुधीर कुमार

- दिल्ली संस्कृत अकादमी द्वारा संस्कृत सेवा सम्मान प्राप्त किया।

सी. उपेन्द्र राव

- अखिल भारतीय विद्या परिषद, काशी द्वारा संस्कृत साहित्य के क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण योगदान के लिए कादम्बरी पुरस्कार प्रदान किया गया।
- प्रकाशित, बौद्धधर्म (हिंदी) शराब जंगपो सोसायटी, नई दिल्ली।
- अनुवाद परियोजना (अंग्रेजी से संस्कृत में अनुवाद) राष्ट्रीय संस्कृत सदन, नई दिल्ली 2012–2013

विशिष्ट नैनो साइंस अध्ययन केन्द्र

संस्थान में बहुत सारे केन्द्र शामिल हैं– जैसे कि भौतिक विज्ञान संस्थान, जैव प्रौद्योगिकी संस्थान, पर्यावरण विज्ञान संस्थान, और जीवन विज्ञान संस्थान आदि। इन केन्द्रों में होने वाला शोध कार्य विभिन्न दृष्टिकोणों से नैनोसाइंस और टेक्नोलॉजी से प्रभावित है। यद्यपि, इस केन्द्र की स्थापना ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना के अंतर्गत यूजीसी की पूर्ण सहायता द्वारा वर्ष 2010 के दौरान जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में हुई थी।

अकादमिक स्टाफ कालेज

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में अकादमिक स्टाफ कॉलेज ने सफलतापूर्वक अपने 23 वर्ष पूरे कर लिए हैं। यह कालेज देश के शिक्षकों के बीच विचार–विमर्श के एक आकर्षक केन्द्र के रूप में उभरा है। समीक्षाधीन अवधि के दौरान अकादमिक स्टाफ कॉलेज ने कॉलेजों/विश्वविद्यालयों के शिक्षकों के लिए 5 अनुशीलन कोर्स, 163 प्रशिक्षण कोर्स और 13 पुनश्चर्या कोर्स आयोजित किए। इनमें शामिल हैं – प्राकृतिक विज्ञान (जैव प्रौद्योगिकी, दो–पर्यावरण विज्ञान, जीवन विज्ञान, कंप्यूटर और पद्धति विज्ञान, और भौतिक विज्ञान) में छः कोर्स और सामाजिक विज्ञान (राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र, इतिहास और अर्थशास्त्र) में छः कोर्स और समसामयिक अध्ययन। समसामयिक अध्ययन में पहली बार अंतरविषयत्मक पुनश्चर्या कोर्स आयोजित किया गया। जिसमें प्राकृतिक विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान, जैव–प्रौद्योगिकी विज्ञान, मनोविज्ञान, जनसांख्यिकी और शिक्षा आदि शामिल है। अकादमिक स्टॉफ कॉलेज ने देश के विभिनन क्षेत्रों से 266 कॉलेज/विश्वविद्यालय शिक्षकों को प्रशिक्षित किया इनमें जेएनयू के पन्द्रह शिक्षक भी शामिल थे। कॉलेज ने अकादमिक स्टाफ कालेज ने एल्युमनी के राष्ट्रीय सम्मेलन सहित पांच अल्पकालिक कार्यक्रम आयोजित किए।

जवाहरलाल नेहरू उच्च अध्ययन संस्थान

समीक्षाधीन अवधि के दौरान 24 फेलो ने विभिन्न उपाधियों के दौरान संस्थान ज्वाइन किया। तथापि, कई अन्य फेलो ऐसे थे जिन्होंने पिछले वित्त वर्ष में ज्वाइन किया था लेकिन इस अवधि में भी रहेंगे। इस दौरान संस्थान के फेलोज ने विश्वविद्यालय और विश्वविद्यालय से बाहर व्याख्यान दिए तथा संगोष्ठी/सम्मेलनों में भाग लिया। समीक्षाधीन अवधि के दौरान संस्थान ने निम्नलिखित गतिविधियां आयोजित की–दो पुस्तकों पर विचार–विमर्श/लोकार्पण, चार संगोष्ठी, आठ व्याख्यान, आठ परिचर्चा, दो कार्यशाला और एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन।

छात्र

पंजीकरण

पाठ्यक्रम–वार 1.9.2012 के अनुसार छात्रों की कुल संख्या (शैक्षिक वर्ष 2012–13)

अध्ययन पाठ्यक्रम	सामान्य	अ.जा.	अ.ज.जा.	शारी. रूप से विक.	वि.छा.	अ.पि.व.	कुल
एम.फिल./पी–एच.डी., एम.टेक./पी–एच.डी./सीधे पी–एच.डी.	2342	638	393	1016	100	120	4609
एम.ए./एम.एस–सी./एम.सी.ए.	859	278	175	606	58	137	2113
बी.ए. (आनर्स)	296	130	61	289	21	40	837
अंशकालिक (स्नातक स्तर पर)	66	12	3	37	0	0	118
कुल	**3563**	**1058**	**632**	**1948**	**179**	**297**	**7677**

वर्ष 2012–2013 में पूर्णकालिक अध्ययन पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत विदेशी छात्रों का देश–वार विवरण

क्र.सं.	देशों के नाम	छात्रों की संख्या
1	अफगानिस्तान	03
2	आर्मेनिया	01
3	बंगलादेश	02
4	कनाडा	02
5	चीन	04
6	मिश्र	01
7	इंडोनेशिया	02
8	ईरान	03
9	जापान	01
10	नेपाल	29
11	पोलैण्ड	01
12	रूस	03
13	दक्षिण कोरिया	20
14	श्रीलंका	04
15	सुडान	01
16	थाइलैण्ड	06
17	तिब्बत	15
18	टर्की	03
19	यूएई	02
20	यू.के.	02
21	यूएसए	06
22	उजबेकिस्तान	01
	कुल	**112**

सांस्कृतिक गतिविधियां

शैक्षिक वर्ष 2012–2013 के दौरान जेएनयू के छात्रों ने डीन आफ स्टूडेंट और आइएचए के सहयोग एवं समन्वयक सांस्कृतिक गतिविधि समिति के मार्गदर्शन में कई कार्यक्रम आयोजित किए। कार्यक्रम में जेएनयू की बौद्धिक सम्पदा के साथ–साथ विस्तृत सांस्कृतिक और पारम्परिक विरासत को अभिव्यक्त किया गया।

जेएनयू में छात्र देश के विभिन्न क्षेत्रों से अपनी क्षेत्रीय सांस्कृतिक गतिविधियों और संपदा के साथ आते हैं। उन्होंने इस वर्ष आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में अपनी देशज और सांस्कृतिक संपदा को प्रस्तुत किया। समीक्षाधीन अवधि के दौरान निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए गए–

- बंगाली नववर्ष समारोह
- बैशाखी
- संचारी
- संस्कृत सप्ताह का आयोजन किया गया
- एकलव्य यूवाच
- कलोल 2012
- उत्सव
- गरबा–डांडिया नृत्य समारोह
- स्पेकमैसी सांस्कृतिक कार्यक्रम
- नाटक 'औरंगजेब और रंग–ओ–कलाम
- फेज की 102वीं जन्मशती कार्यक्रम
- रंग –बयार

खेल–कूद कार्यालय

खेल–कूद कार्यालय छात्रों के लिए नियमित आधार पर निम्नलिखित खेल आयोजित करता रहता है और यदि संभव होता है तो शिक्षकों/स्टाफ सदस्यों के बच्चों और विश्वविद्यालय समुदाय के अन्य सदस्यों को भी सुविधा मुहैया करता है एथलेटिक, बैडमिंटन, बास्केटबाल, क्रिकेट, शतरंज, फुटबाल, वालीबाल, टेनिस, टेबल टेनिस, ताइक्वांडो, वेट लिफ्टिंग, बेंच प्रेस, सर्वोत्तम फिजिक, पर्वतारोहण, पदयात्रा और योग।

तायक्वांडो, टेनिस, लिफ्टिंग गतिविधियों और योग में वर्षभर नियमित प्रशिक्षण सुविधाएं उपलब्ध रहीं। उपलब्ध नियमित अभ्यास सुविधाओं के अतिरिक्त खेलकूद कार्यालय ने अंतर–छात्रावास, अंतर संस्थान और जेएनयू चैम्पियनशिप आयोजित की और अंतर–विश्वविद्यालय तथा दिल्ली राज्य की गतिविधियों में भाग लेने के लिए तैयारी की। इस सेमेस्टर के कार्यक्रमों की समाप्ति दिनांक 4.4.2013 को आयोजित वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह के साथ हुई। जिसमें छात्रों के बीच पुरस्कार वितरित किए गए। जेएनयू छात्रावास के लिए खेलकूद कार्यालय द्वारा तकनीकी उपकरण, खेल सामान और जिम आदि उपलब्ध कराए जाते हैं। क्रिकेट मैच जेएनयू में लगातार आयोजित किए जाते हैं। जिसकी सूची नीचे दी गई है:

समीक्षाधीन अवधि के दौरान 44 खेलकूद गतिविधयां आयोजित की गईं।

विश्वविद्यालय स्वास्थ्य केन्द्र

इसके द्वारा छात्रों और सेवा निवृत्त स्टाफ सदस्यों को चिकित्सा सुविधाएं मुहैया कराई जाती है। इसके अतिरिक्त शिक्षक, स्टाफ सदस्य और अन्य परिसर निवासी भी परामर्श और परीक्षण सेवाओं का तथा अन्य प्राथमिक उपचार और अस्पताल में रेफर्ड आदि सुविधाओं का लाभ विश्वविद्यालय के नियमानुसार उठा सकते हैं। वर्ष 2012–13 के दौरान स्वास्थ्य केन्द्र के सुबह और शाम के बाह्य रोगी विभाग में कुल मरीजों की संख्या 58936 है। जिनमें छात्र/सेवानिवृत्त स्टाफ सदस्य और अन्य आए मरीज शामिल हैं।

समानता निर्धारण

समीक्षाधीन अवधि के दौरान विभिन्न आर्थिक और सामाजिक पृष्ठभूमियों तथा देश के विभिन्न क्षेत्रों से छात्रों को आकर्षित करने के लिए विश्वविद्यालय भारत में 51 शहरों (71 केन्द्रों) और एक विदेश में प्रवेश परीक्षा आयोजित करता है। भारत सरकार की राष्ट्रीय नीति के अनुसार विश्वविद्यालय का यह प्रयास रहा है कि शिक्षकों, शैक्षिक कार्यक्रमों और स्टाफ सदस्यों में अ.जा/अ.ज.जा. अ.पि. व. शारीरिक विकलांग आदि से संबंधित व्यक्तियों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया जा सके। (शैक्षिक संस्थानों में अ.पि.व. के लिए भारत सरकार की आरक्षण नीति के कार्यान्वयन से पहले विश्वविद्यालय में अ. पि. व. को प्रतिनिधित्व उपलब्ध कराने के लिए अ.पि. व. के उम्मीदवारों को प्रवेश में अतिरिक्त अंकों (डेप्रिवेशन प्वाइंट) का लाभ दिया जाता था। प्रवेश में आरक्षण के लिए विश्वविद्यालय ने निम्नलिखित प्रयास किए हैं:

छात्रावास में आरक्षण

छात्रावासों में भी 15 प्रतिशत सीट अ. जा., 7.5 प्रतिशत सीट अ.ज.जा. और 3 प्रतिशत सीट विकलांग उम्मीदवारों (वी. एच., एच.एच. और ओ. एच. प्रत्येक के लिए 1–1 प्रतिशत सीट) के लिए आरक्षित हैं। अ.जा./अ.ज.जा. के उम्मीदवारों में से यदि किसी एक वर्ग में उम्मीदवार उपलब्ध नहीं होते हैं तो अ.जा./अ.ज.जा. के उमीदवारों में दूसरे वर्ग के उपलब्ध उम्मीद्वारों को वह सीट दे दी जाती है। समीक्षाधीन अवधि के दौरान विश्वविद्यालय ने प्रवेश लेने वाले सभी अ.जा./अ.ज.जा. और विकलांग उम्मीदवारों को छात्रावास उपलब्ध कराया। (दिल्ली, राजधानी से होने वाले छात्रों को पी–3 योजना के अनुसार छात्रावास सुविधा उपलब्ध करायी जाती है।

इसमें अ.जा./अ.ज.जा./शा.वि. और विदेशी छात्र भी शमिल हैं। छात्रावास – वार विवरण निम्न प्रकार से है। 31.03.2013 तक छात्रावास आबंटन का विवरण

31.3.2013 तक छात्रावास आबंटन का विवरण

क्र.सं.	छात्राओं के लिए छात्रावास (छात्रावास का नाम)	धारण क्षमता (सीट)	महिलाएं	सामान्य	अ.जा.	अ.ज.जा.	अ.पि.व.	शारी.वि.	विदेशी छात्र
1.	गंगा	349	344	169	38	50	80	03	04
2.	यमुना	191	175	114	13	07	17	00	24
3.	गोदावरी	350	346	163	58	38	68	17	02
4.*	साबरमती	134	134	78	18	15	18	05	00
5.*	ताप्ती	187	187	95	18	36	35	03	00
6.	कोयना	544	538	271	110	71	76	04	06
7.	शिप्रा	544	544	313	31	23	176	01	02
8.*	लोहित	170	170	91	18	34	23	00	04
9.*	चंद्रभागा	101	101	15	16	19	26	00	25
	कुल	**2570**	**2539**	**1309**	**320**	**293**	**519**	**33**	**67**

*छात्र और छात्राओं के छात्रावास के आंकड़े अलग–अलग।

क्र.सं.	छात्राओं के लिए छात्रावास (छात्रावास का नाम)	धारण क्षमता (सीट)	महिलाएं	सामान्य	अ.जा.	अ.ज.जा.	अ.पि.व.	शारी.वि.	विदेशी छात्र
1.	झेलम	350	342	209	26	10	94	00	03
2.	सतलज	351	351	122	72	29	116	05	07
3.	पेरियार	352	351	139	46	20	101	44	01
4.	कावेरी	341	339	145	25	06	100	60	03
5.	नर्मदा	202	201	52	61	31	52	01	04
6.*	साबरमती	125	125	54	18	06	34	05	08
7.*	ताप्ती	230	230	67	52	22	83	03	03
8.	माही / माण्डवी	368163	368	170	82	33	77	00	06
9.*	लोहित		163	60	22	11	38	01	31
10.*	चन्द्रभागा	193	193	51	17	07	61	00	57
11.	ब्रह्मपुत्रा	384	373	166	60	51	70	11	15
	कुल	**3059**	**3036**	**1235**	**481**	**226**	**826**	**130**	**138**

↳ पुरुष और महिला छात्रावास हैं लेकिन डाटा अलग–अलग हैं।

क्र.स.	छात्रावास	क्षमता	अ.पि.व. / अनारक्षित	अ.जा.	अ.ज.जा.	शा.वि.	विदेशी
1.	विवाहित शोध छात्र छात्रावास (विवाहित छात्रावास)	87	47	13	06	02	19

– शेष रिक्त सीटें 31.03.2013 के बाद आबंटित की गईं।

अ.जा. / अ.ज.जा. / शा.वि. / विदेशी छात्रों से संबंधित सभी छात्रों को प्राथमिकता के आधार पर अ.जा., अ.ज.जा., शा.वि. और विदेशी छात्रों के लिए निर्धारित प्रतिशत को ध्यान में रखे बिना 100 प्रतिशत छात्रावास उपलब्ध कराए जाते हैं।

उपरोक्त के अतिरिक्त, प्रवेश की मेरिट के आधार पर 50 अ.पि.व. की छात्राओं और 50 अ.पि.व. के छात्रों को अ.पि.व. आरक्षण के अन्तर्गत छात्रावास उपलब्ध कराया जाएगा। शेष अ.पि.व. छात्रों को सीट उपलब्धता के अधीन 4 : 1 के अनुपात में छात्रावास सीटें आबंटित की जाएंगी।

शैक्षिक पदों में आरक्षण –

अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग

विश्वविद्यालय ने सहायक प्रोफेसर के स्तर तक अ.जा. / अ.ज.जा. के उम्मीद्वारों हेतु क्रमशः 15% और 7.5% तक आरक्षण पहले ही लागू कर दिया है। विश्वविद्यालय ने का.प. के संकल्प दिनांक 11.04.2007 के अनुसार प्रोफेसर और एसोसिएट प्रोफेसर के स्तर के शैक्षिक पदों में अ.जा. / अ.ज.जा. के लिए आरक्षण लागू किया है। अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए सहायक प्रोफेसर के स्तर तक आरक्षण का.प. के संकल्प दिनांक 11.04.2007 के अनुसार लागू किया गया है।

शारीरिक रूप से विकलांग उम्मीद्वार

शारीरिक रूप से विकलांग उम्मीदवार के लिए शैक्षिक पदों हेतु सहायक प्रोफेसर के स्तर तक आरक्षण का.प. के संकल्प दिनांक 29.11.1999 के अनुसार लागू किया गया था जबकि एसोसिएट प्रोफेसर और प्रोफेसर के स्तर तक आरक्षण का.प. के संकल्प दिनांक 11.04.2007 से लागू किया गया है।

31.3.2013 के अनुसार शैक्षिक पदों में अ.जा./अ.ज.जा./अ.पि.व./शा.वि. के लिए आरक्षण की स्थिति

क्र. सं.	पद का नाम	कुल मंजूर पद	कुलपद	रिक्त पद	आरक्षित भरे गए पद आरक्षित				रिक्त पद/विज्ञापित			
					अ. जा.	अ.ज. जा.	शा. वि.	अ.पि.व.	अ. जा.	अ.ज. जा.	शा. वि.	अ.पि. व.
01	प्रोफेसर	180	85	95	-	-	01	@	22**	10**	05	@
02	एसोसिएट प्रोफेसर	316	183	133	-	-	01	@	34**	15**	08	@
03	सहायक प्रोफेसर	313	211	102	27	10	04	11	13*	04*	05	13

@ इन पदों में अ.पि.व. के लिए आरक्षण नहीं है।

* इन पदों को पहले ही विज्ञापित कर दिया गया है तथा साक्षात्कार की प्रक्रिया जारी है।

** विज्ञापित करने हेतु प्रेस में शीघ्र ही भेजा जाएगा।

गैर–शैक्षणिक पदों के लिए आरक्षण

अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति

विश्वविद्यालय ने अ.जा./अ.ज.जा. के उम्मीद्वारों के लिए ग्रुप 'सी' और 'डी' पदों पर भर्ती में आरक्षण की शुरूआत 1975 में और ग्रुप 'ए' और 'बी' पदों में 1978 में की।

शारीरिक रूप से विकलांग

शारीरिक रूप से विकलांग उम्मीद्वारों के लिए गैर–शैक्षणिक पदों में आरक्षण की शुरूआत का.प. के संकल्प संख्या 6.5 दिनांक 29.11.1999 के अनुसार हुई थी।

अन्य पिछड़ा वर्ग

अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए गैर–शैक्षणिक पदों में आरक्षण नीति ग्रुप 'सी' और 'डी' पदों के लिए का.प. के संकल्प संख्या 5.8 दिनांक 17.01.1994 के अनुसार और ग्रुप 'ए' और 'बी' पदों के लिए का.प. के संकल्प संख्या 6.5 दिनांक 02.07.1997 के अनुसार प्रभावी हुई।

31.03.2013 के अनुसार गैर शैक्षिक पदों में अ.जा./अ.ज.जा./अ.पि.व./शा.वि. के लिए आरक्षण की स्थिति :

क्र.सं.	ग्रुप	मंजूर	भरे हुए पद										रिक्त
			कुल	सामान्य	अ. जा.	अ.ज. जा.	अ.पि. व.	शा. वि.	अ. जा.%	अ.ज. जा.%	अ.पि. व.%	शा. वि.%	अ.जा. जा./ अ.ज.जा./ अ.पि.व.
01	ए	103	74	45	16	4	7	2	15.53	3.88	6.80	1.94	29
02	बी	261	166	105	35	9	13	4	13.41	3.45	4.98	1.53	95
03	सी, डी	555	987	505	318	44	98	22	26.48	3.66	8.16	1.83	214
	कुल	1565 ग्रुप 'डी' के 129 सफाई कर्मचारियों सहित	1227		369	57	118	28	23.58	3.64	7.54	1.79	338

स्टाफ मकानों में आरक्षण

भारत सरकार की नीति के अनुसार विश्वविद्यालयों के मकान आबंटन नियमों में अ.जा./अ.ज.जा. के लिए मकानों के आबंटन में भी आरक्षण का प्रावधान है। टाइप–I और टाइप–II के मकानों में 10 प्रतिशत मकान अ.जा./अ.ज.जा. के लिए तथा टाइप–III और टाइप–II के मकानों में 5 प्रतिशत मकान अ.जा./अ.ज.जा. के लिए आरक्षित है।

समान अवसर कार्यालय

विश्वविद्यालय में एक समान अवसर कार्यालय है। इस प्रकार का कार्यालय भारतीय विश्वविद्यालयों में शायद पहला समान अवसर कार्यालय है। इस कार्यालय का उद्देश्य है जहां आवश्यक हो सभी सस्थानों/केन्द्रों में छात्रों के शैक्षणिक स्तर में सुधार के लिए उपचारात्मक कोर्सो के आयोजन सुनिश्चित करना। इस कार्यालय ने अप्रैल 2012 – मार्च 2013 की अवधि के दौरान विश्वविद्यालय के विभिन्न संस्थानों/केन्द्रों में संगोष्ठियां/कार्यशालाएं सम्मेलन/व्याख्यान श्रृंखलाएं आयोजित कीं। इसमें शामिल हैं विधि और अभिशासन अध्ययन केन्द्र की प्रोफेसर अमिता सिंह द्वारा आयोजित रिसर्च मेथडोलाजी कार्यक्रम; और सेंट जेवियर'स कालेज, मुम्बई और सक्षम ट्रस्ट, नई दिल्ली के सहयोग से अन्तरविषयक कार्यक्रम और डॉ. नवनीत सेठी ने 'चैलेंजिस फेस्ड बाई डिफ्रेंसियली ऐबल्ड टीचर्स' आफ्टर इम्प्लायमेंट' विषयक दो दिवसीय कार्यशाला आयाजित की।

शारीरिक रूप से विकलांग व्यक्तियों के लिए अधिनियम के कार्यान्वयन हेतु योजना के अन्तर्गत विकलांग मामला विभाग/सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा हमारे विश्वविद्यालय को मॉडल उच्च शिक्षा संस्थान के रूप में पहचाना गया है तथा जेएनयू परिसर में अवरोध मुक्त पर्यावरण का सृजन करने के लिए प्रथम चरण के कार्य के लिए रु. 8.51 करोड़ लगभग) की सहायता मंजूर की है।

संभवतः भारतीय स्टेट बैंक का पहला विकलांग मैत्री एटीएम वर्ष 2012 में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के पूर्वांचल काम्पलेक्स में स्थापित किया गया है। इस कार्यालय द्वारा शारीरिक रूप से विकलांग छात्रों की सहायता के लिए 14 व्हील चेयर खरीदी गईं इनमें दो चेयर कमोड और फोल्डिंग फुट के साथ हैं। दृष्टिहीन छात्र सामान्यतः परिसर और बाहर रास्ते का पता लगाने और स्वतंत्र रूप से विचरण करने क लिए सामान्यतया ब्लाइन्ड स्टिक (वाकिंग केन) का प्रयोग करते हैं। जेएनयू में पर्याप्त संख्या में पूर्णरूप से दृष्टिहीन छात्र विभिन्न अध्ययन पाठ्यक्रमों में अध्ययन करते हैं जिन्हें विचरण के लिए ब्लाइन्ड स्टिक की आवश्यकता होती है। ऐसी स्थिति में जेएनयू में दृष्टिहीन छात्रों में वितरण के लिए समान अवसर कार्यालय ने रामकृष्ण मिशन, कोलकाता से अच्छी किस्म की 50 (पचास) ब्लाइंड स्टिक खरीदी हैं। विश्वविद्यालय ने दृष्टिहीन शोध छात्रों को लैपटाप भी उपलब्ध कराये हैं।

समान अवसर कार्यालय ने शारीरिक रूप से विकलांग दो शोधार्थियों/छात्रों विश्वविद्यालय में पी–एचडी हेतु शोध करने वाले छात्र) के लिए अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठियों) सम्मेलनों में भाग लेने और अपने शोध आलेख प्रस्तुत करने के लिए वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने का प्रावधान किया है। समीक्षाधीन अवधि 2012–2013 के दौरान समान अवसर कार्यालय में कुल 12 शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें से 03 मामलों का निपटान कर लिया गया है तथा 09 मामलों के निटान की प्रक्रिया विभिन्न स्तरों पर चल रही है।

भाषिक दक्षता विकास प्रकोष्ठ

विश्वविद्यालय में भाषिक दक्षता प्रकोष्ठ की स्थापना समाज के विभिन्न वर्गों के शिक्षा के स्तर को ध्यान में रखकर की गई है। तब से भाषिक दक्षता विकास प्रकोष्ठ छात्रों (गरीब छात्रों – सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े) की भाषिक दक्षता को सुधारने और उनमें विश्वास जागृत करने के लिए कार्य कर रहा है। प्रकोष्ठ अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अपनी स्थापना से आवश्यक रूप से नियमित और विशेष कोर्स चला रहा है।

वर्ष 2012–2013 में भाषिक दक्षता विकास प्रकोष्ठ ने अपना अंग्रेजी भाषा का फाउन्डेशन कोर्स सफलतापूर्वक आयोजित किया जिससे मानसून–सत्र के लिए पंजीकृत लगभग 250 छात्रों और शीतकालीन सत्र के लिए लगभग 266 छात्रों ने लाभ उठाया। अकादमिक लेखन राइटिंग के लिए अभी 02 कोर्स पढ़ाए जा रहे हैं – बेसिक कम्यूनिकेश्यान स्किल्स और इंग्लिश फार एकेडमिक। ये कोर्स सत्र के दौरान प्रत्येक सप्ताह 4 घन्टे की अवधि के थे। छात्रों को प्रत्येक सत्र के प्रारम्भ में 4 बार किए गए डाइग्नोस्टिक टेस्ट के निष्पादन

के आधार पर वर्गों में विभाजित किया गया। इस तरह अगस्त 2012 से नवम्बर 2012 तक लगभग 52 घन्टे कक्षाएं ली गईं और इसी तरह जनवरी 2013 से अप्रैल 2013 तक लगभग 52 घन्टे कक्षाएं ली गईं। ग्रीष्मकालीन और शीतकालीन सत्र 2012–2013 के दौरान विभिन्न संस्थानों और विभिन्न पाठ्यक्रमों में पंजीकृत छात्रों की संख्या दर्शाई गई हैं।

ग्रीष्मकालीन सत्र 2012–2013 (पाठ्य क्रमवार) शीतकालीन सत्र 2012–2013 (पाठ्य क्रमवार)

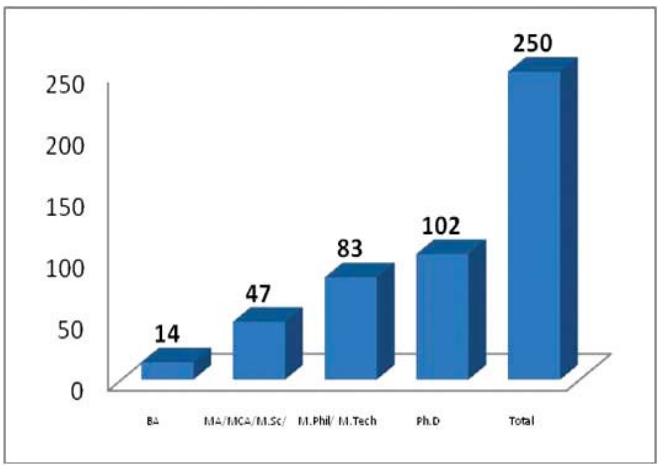

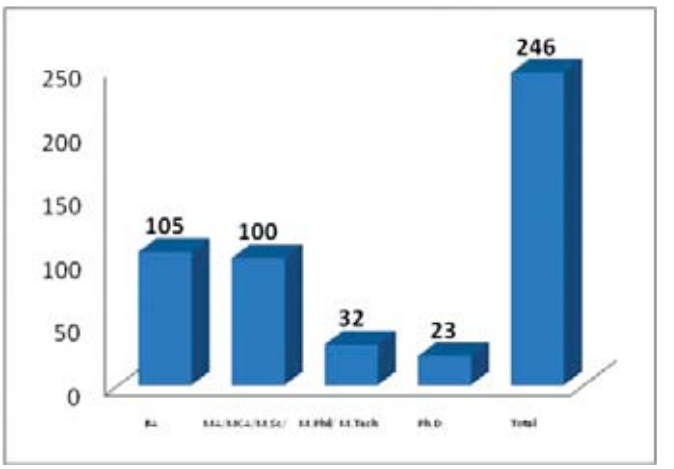

मानसून और शीतकालीन सत्र 2012–2013

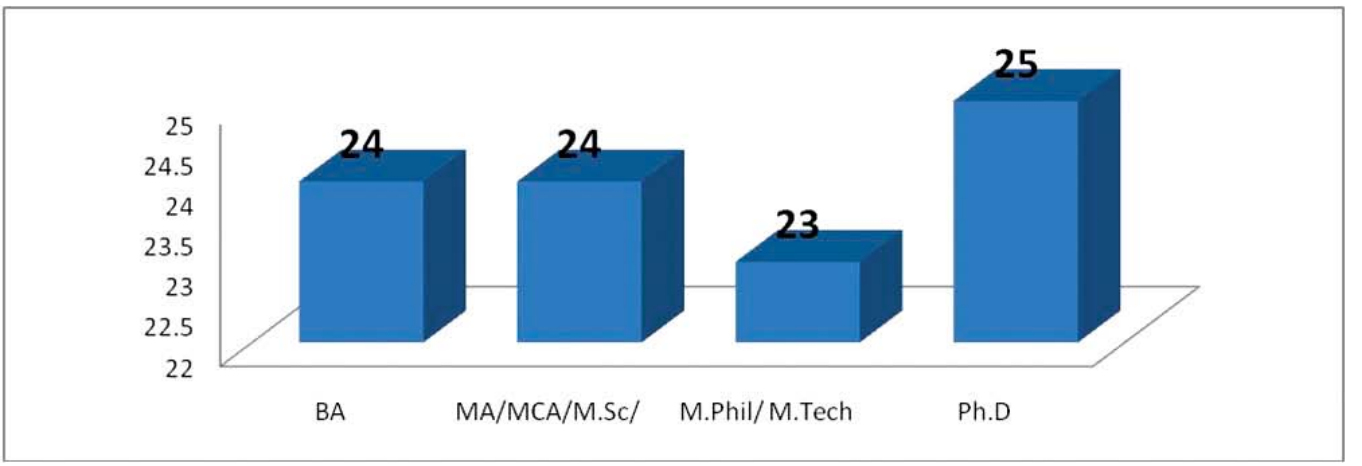

भाषिक दक्षता प्रकोष्ठ ने शैक्षणिक और गैर–शैक्षणिक स्टाफ–सदस्यों के लिए भी सरकारी कामकाज में औपचारिक और अनौपचारिक प्रयोग हेतु प्रशिक्षित करने के लिए जनरल इंग्लिश लैंग्यूवेज यूज और कम्यूनिकेशन स्किल्स का पाठ्यक्रम आयोजित किया। इसके लिए सप्ताह में दो बार कक्षाएं आयोजित की गईं।

अन्य प्रकोष्ठ और गतिविधियाँ

मानविकी विषयों के लिए शोध प्रस्तावों हेतु इंस्टीट्यूशनल एथिक्स रिव्यू बोर्ड (आईईआरबी–जेएनयू) का गठन

विश्वविद्यालय में मानविकी विषयों के लिए शोध प्रस्तावों हेतु इंस्टीट्यूशनल एथिक्स रिव्यू बोर्ड का गठन सितम्बर 2008 में हुआ था। बोर्ड की पुनर्स्थापना 2011 में की गई। उस समय बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. एस. के. सरीन, निदेशक, आईएलबीएस बने। वर्ष 2008 से विश्वविद्यालय के शोध छात्रों और शिक्षकों ने कुल 42 प्रस्ताव भेजे हैं। और वर्ष 2012–2013 में 15 प्रस्तावों की समीक्षा की गई।

यौन उत्पीड़न के विरुद्ध जेंडर संवेदनशीलन समिति (जीएसकैश)

दिसम्बर, 2012 की निर्भया घटना ने पूरे राष्ट्र को झकझोर कर रख दिया था। महिलाओं के साथ बलात्कार, छेड़खानी के विरुद्ध विरोध और प्रदर्शन हुए। जेंडर संवेदनशीलता, समानता और गरिमा के साथ महिलाओं का जीवन महत्वपूर्ण मांगें बन गईं। जेएनयू छात्र, शिक्षक और जीएसकैश ने निर्भया के लिए न्याय का समर्थन किया और महिलाओं के विरुद्ध हिंसा पर विचार–विमर्श किया।

यौन उत्पीड़न के विरुद्ध जेंडर संवेदनशीलन समिति ने सम्पूर्ण जेएनयू समुदाय के सहयोग से जेंडर संबंधी मुद्दों पर परिचर्चा, खुली परिचर्चा, फिल्म शो और जेंडर संवेदनशीलन अनुशीलन कार्यक्रमों के माध्यम से समझने और उन पर विचार–विमर्श करने का प्रयास किया। यौन उत्पीड़न के प्रति जीरो टोलरेंस नीति के साथ जीएसकैश ने जेएनयू छात्र समुदाय के साथ उन्हें उत्पीड़न, हिंसा के बारे में संवेदनशील बनाने तथा किसी प्रकार की अप्रिय घटना के मामले में जीएसकैश की भूमिका के बारे में जागरूक बनाने के लिए परिचर्चाएं कीं।

जीएसकैश ने परिसर में जीएसकैश की भूमिका और इसके पास कैसे शिकायतें दर्ज की जा सकती हैं, के बारे में बताते हुए एक संक्षिप्त नोट तैयार किया। जीएसकैश ने इसके माध्यम से छात्रों में युक्तिसंगत सूचनाओं का प्रसार किया तथा जीएसकैश की स्थापना के बारे में घारणाओं और गलत सूचनाओं को स्पष्ट किया। इसके अतिरिक्त, जेएनयू में प्रवेश लेते समय नए छात्रों को जेंडर संबंधी मुद्दों और जीएसकैश के बारे में ब्रोसर के माध्यम सूचित किया गया।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान गतिविधियाँ और कार्यक्रम विवरणिका वितरण :

इस वर्ष दो पृष्ठ की विवरणिका तैयार की गई थी इसमें वेब पते सहित जीएसकैश के मुख्य बिंदुओं को दर्शाया गया था। यह विवरणिका समन्वयक (मू.) कार्यालय द्वारा मुद्रित कराई गई थी तथा इसे प्रथम सत्र के छात्रों के पंजीकरण फोलियो के साथ संलग्न किया गया था ताकि वे इसे आसानी से पढ़ सकें। यह पहला समय था जब लिखित सामग्री व्यवस्थित तरीके से विशेष स्रोता को वितरित की गई थी।

पोस्टर कार्यशाला

19–20 अगस्त, 2012 को छात्र समुदाय को शामिल करते हुए एक पोस्टर कार्यशाला आयोजित की गई। इसका उद्देश्य प्रतिभागी दृष्टिकोण के माध्यम से जेंडर संबंधी मुद्दों पर फीडबैक और प्रत्युत्तर प्राप्त करना था।

अनुशीलन कार्यक्रम

जीएसकैश ने अगस्त, 2012 में प्रथम सत्र के छात्रों के लिए अनुशीलन और संवेदनशीलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। यद्यपि, इस कार्यक्रम में पुराने छात्रों का भी स्वागत किया गया। यह 21–24 अक्टूबर, 2012 के बीच एक सप्ताह लम्बा कार्यक्रम था। प्रथम सत्र के छात्रों की संख्या के अनुसार केन्द्रों का ग्रुप बनाया गया था। इसको भाषा संस्थान, विज्ञान संस्थान और विशेष केन्द्रों से काफी लोकप्रियता मिली। जीएसकैश की पूर्व अध्यक्ष के साथ–साथ जेंडर छात्रों के साथ जुड़े सभी लोगों द्वारा अनुशीलन व्याख्यान दिए गए।

नुक्कड़ नाटक

जीएसकैश ने 01 जनवरी, 2013 को अरविंद गौड़ और नुक्कड़ नाटक ग्रुप 'अस्मिता' को गंगा लॉन में जेंडर संबंधी नुक्कड़ नाटक 'दस्तक' का मंचन करने के लिए आमंत्रित किया गया।

होली समारोह

जीएसकैश ने पोस्टर के माध्यम से जेएनयू समुदाय को रंगों के त्योहार होली की शुभकामनाएं देते हुए 26 मार्च, 2013 को जेंडर संवेदनशील होली का त्योहार मनाने का अनुरोध किया। होली खेलने के लिए हम सभी को दूसरे की सहमति या असहमति का आदर करना चाहिए। सभी परिस्थितियों में मस्ती, छेड़खानी या यौन उत्पीड़न के रूप में परिवर्तित नहीं होनी चाहिए।

एल्युमनी मामले

वर्ष 2012–2013 की अवधि एलुमनी मामला समिति और जेएनयू एलुमनी के लिए महत्वपूर्ण रही।

- विश्वविद्यालय की कार्य परिषद द्वारा पास किए गए संविधान के अनुसार 15 सितम्बर, 2012 को जेएनयू एलुमनी एसोसिएशन का प्रथम चुनाव हुआ।
- 31 अक्टूबर से 3 नवम्बर, 2012 तक एलुमनी की एक चार दिवसीय वार्षिक बैठक आयोजित की गई।
- 6 जनवरी, 2013 को 'लाइफ बियोंड जेएनयूएसयू' विषयक जेएनयू छात्र संघ अध्यक्षों के अनुभवों पर एक दिवसीय महत्वपूर्ण सम्मेलन आयोजित किया गया।
- राजदूत डॉ. एस. जयशंकर द्वारा 14 मार्च, 2013 को 'इंडिया ऐंड चाइना : पर्सेप्शन ऐंड रिएलिटी' विषयक द्वितीय एलुमनी व्याख्यान दिया गया।

एलुमनी एसोसिएशन की कार्य समिति :

प्रो. आर. कुमार	–	अध्यक्ष
श्री टी. रंगनाथ	–	उपाध्यक्ष
डॉ. देवेन्द्र चौबे	–	सचिव
डॉ. राकेश त्यागी	–	संयुक्त सचिव
डॉ. एम.एम. कुंजु	–	कोषाध्यक्ष
प्रो. नीरा भल्ला सरीन	–	सदस्य

श्री संदीप महापात्रा	–	सदस्य
डॉ. निशांत के. रंजन	–	सदस्य
श्री कैसर शमीम	–	सदस्य
श्री जे.सी. बत्रा	–	सदस्य
प्रो. जी.जे.वी. प्रसाद	–	पदेन सदस्य

अन्तरराष्ट्रीय सहयोग

अन्तरराष्ट्रीय सहयोग इकाई अन्तरराष्ट्रीय विश्वविद्यालयों/संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापनों, सहयोग के समझौतों और छात्र विभिन्न करारों से संबंधित मामलों को देखती है। समीक्षाधीन अवधि के दौरान 19 देशों के विभिन्न विदेशी विश्वविद्यालयों/संस्थानों के साथ 21 समझौता ज्ञापनों/11सहयोग समझौतों पर हसताक्षर किए गए। वर्ष के दौरान 3 छात्रों ने विनिमय कार्यक्रम के अन्तर्गत हस्ताक्षर किए। अन्तरराष्ट्रीय सहयोग इकाई ने विभिन्न समझौता ज्ञापनों/सहयोग समझौतों के अन्तर्गत विदेशी विश्वविद्यालयों के 20 अतिथियों का अभिनन्दन किया।

केन्द्रीय सुविधाएं

विश्वविद्यालय पुस्तकालय

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय का पुस्तकालय देशभर के अत्यधिक आधुनिक और सुसज्जित विश्वद्यिालय पुस्तकालयों में से एक है। यह 9 मंजिला टावरनुमा भवन है और इसका कारपेट एरिया एक लाख वर्ग फुट है। इस अवधि के दौरान केन्द्रीय पुस्तकालय को पुनः रि'–डिजाइनिंग किया गया है। पुस्तकालय में नवीकरण, पुनर्गठन, रि–डिजाइन आदि कार्य किए गए हैं। पुस्तकालय ने 5217 मुदित पुस्तकें और 1813 ई–पुस्तकें खरीदी। इनकी कीमत क्रमशः 1.27 करोड़ और 80 लाख रुपये थी। पुस्तकालय में 1.75 लाख रुपये की 676 पुस्तकें उपहार स्वरूप प्राप्त कीं। इसके अतिरिक्त, पुस्तकालय को सब–सहारन अध्ययन तथा रूसी और मध्य एशियाई अध्ययन से अनुदान के रूप में क्रमशः रु. 28,286 और 22,010 राशि प्राप्त हुई। पहली बार पुस्तकालय ने ई–पुस्तकों की खरीद की शुरूआत की तथा महत्वपूर्ण ई–पुस्तकों को पुस्तकालय के संग्रह में शामिल किया। पुस्तकालय ने 8504 मुद्रित पत्रिका और 38 ऑन लाइन डाटाबेस प्राप्त किए। इसके अलावा, पुस्तकालय ने यूजीसी इनफोनेट कंसोटिया के अधीन 22 डाटाबेस की एक्सिस प्राप्त की। मुद्रित पत्रिकाओं और ऑन'–लाइन डाटाबेस की प्राप्ति पर इस वर्ष कुल खर्च लगभग रु. 4.98 करोड़ था।

पुस्तकालय ने सूची, सभी पुस्तकों के रिकार्ड, पत्रिकाएं, शोध प्रबंध, प्रेस कतरने और अन्य पाठ्य सामग्री को ऑनलाइन कर दिया है।

विश्वविद्यालय विज्ञान यंत्रीकरण केन्द्र (यूसिक)

समीक्षाधीन अवधि के दौरान विभिन्न विज्ञान संस्थानों के वैज्ञानिक उपस्करों की डिजाइन, विकास और मरम्मत से संबंधित 186 कार्य किए। इनमें से अधिकतर कार्य मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल, कारपेन्ट्री और इलेक्ट्रानिक क्षेत्र से संबंधित थे। विश्वविद्यालय विज्ञान यंत्रीकरण केन्द्र की डिजाइन और निर्माण सुविधा का उपयोग विभिन्न विज्ञान संस्थानों के शोधार्थीयों द्वारा किया गया तथा उनके लिए कई उपकरणों तथा उपकरणों के पाट्र्स का निर्माण भी किया गया।

विश्वविद्यालयों के कंप्यूटरों का अनुरक्षण

पूर्व वर्षो की तरह विश्वविद्यालय का कंप्यूटर अनुरक्षण प्रकोष्ठ लगभग 3000 कंप्यूटरों और उनसे संबंधित पेरिफेरल्स मुख्यतः प्रिंटर, यूपीएस और स्केनर तथा विश्वविद्यालय द्वारा अधिकारियों और शिक्षकों को दिए गए कंप्यूटरों के हार्डवेयर का अनुरक्षण कार्य कर रहा है। केन्द्र द्वारा विश्वविद्यालय के कंप्यूटरों में एंटीवायरस एडमिनिस्ट्रेशन भी डाला जाता है। जहां कहीं आवश्कयता थी या प्रयोक्ताओं की मांग कर कंप्यूटरों की हार्ड डिस्क, डीवीडी राइटर्स और रेम को भी अद्यतन किया गया है ताकि उनमें नए साफ्टवेयर आसानी से चले सकें।

उच्च यंत्रीकरण शोध सुविधा (एआईआरएफ)

उच्च यंत्रीकरण शोध सुविधा एक विशेषीकृत शोध सुविधा है। इस समय इसमें एक स्थान पर विभिन्न सहायक/आधारभूत सुविधाओं से युक्त 21 आधुनिकतम उपकरण हैं। इसका मुख्य उद्देश्य जैविक, भौतिक, रासायनिक, पर्यावरणीय और अन्तरविषयात्मक विज्ञान के क्षेत्रों के अनुप्रयोग में शोध हेतु नवीनतम और उच्च विश्लेषणात्मक उपकरणों की विस्तृत केन्द्रीय सुविधा उपलब्ध कराना है। उच्च यंत्रीकरण शोध सुविधा जेएनयू के सभी विज्ञान संस्थानों क साथ–साथ दिल्ली और दिल्ली से बाहर के शैक्षिक शोध संस्थानों तथा निजी कंपनियों/उद्योगों को अंतर विषयात्मक शोध सुविधाएं उपलब्ध कराती है। यह नियमित कार्यशालाएं और प्रशिक्षण के माध्यम से अन्तरविषयक शैक्षिक और शोध कार्यक्रमों में सहायता प्रदान करती है। एआईआरएफ के 1800 से ज्यादा प्रयोक्ता भारत के विभिन्न भागों से आते हैं। जेएनयू के विभिन्न विज्ञान संस्थानों के लगभग 700 छात्रों के शोध कार्य में सहायता करता है। नमूनों के विश्लेषण की कुल संख्या : 7912 है।

विश्वविद्यालय रोजगार सूचना ब्यूरो

रोजगार सूचना और मार्गदर्शन ब्यूरो का गठन विश्वविद्यालय रोजगार ब्यूरो हेतु राष्ट्रीय सेवा के वर्किंग ग्रुप की सिफारिशों के आधार पर किया गया है। इन सिफारिशों का अनुमोदन श्रम मंत्रालय द्वारा वर्ष 1962 में किया गया था। ब्यूरो वर्ष 1976 से दिल्ली प्रशासन के सहयोग से अपना कामकाज कर रहा है।

विश्वविद्यालय का एक वरिष्ठ शिक्षक प्रोफेसर इंचार्ज होता है और वह ब्यूरो के अध्यक्ष के रूप में कार्य करता है। विश्वविद्यालय ब्यूरो को आधारभूत सुविधाएं भी उपलब्ध कराता है। ब्यूरो जेएनयू छात्रों के लिए रोजगार पंजीकरण, व्यक्तिगत सलाह और जरूरतमंद छात्रों का मार्गदर्शन करता है।

विश्वविद्यालय प्रशासन

विश्वविद्यालय की सर्वोच्च प्राधिकरण जेएनयू कोर्ट की बैठक 04 दिसम्बर, 2012 को हुई। इसमें विश्वविद्यालय की गतिविधियों पर रिपोर्ट और विश्वविद्यालय का लेखा–परीक्षित प्राप्ति एवं व्यय का विवरण तथा तुलन–पत्र प्रस्तुत किया गया। विश्वविद्यालय का योजनेत्तर अनुरक्षण बजट भी प्रस्तुत किया गया।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान विश्वविद्यालय की कार्य परिषद् की 02 बैठकें हुईं। ये बैठकें 11 मई 2012; 20 नवम्बर, 2012 को हुईं। इन बैठकों में कार्यसूची की अनेक मदों पर विचार–विमर्श किया गया और प्रशासनिक मामलों पर महत्त्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

विद्या परिषद की बैठक 30 अक्टूबर, 2012 को हुई। इसमें कार्य परिषद् के समक्ष पेश की जाने वाली मदों सहित अन्य महत्त्वपूर्ण निर्णय लिए गए। वित्त समिति की बैठक में वर्ष 2012–2013 के संशोधित अनुमानों और वर्ष 2013–2014 के विश्वविद्यालय के बजट अनुमानों को अनुमोदित किया गया और कुछ महत्त्वपूर्ण वित्तीय मामलों पर निर्णय लिए गए।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान शिक्षण और गैर–शिक्षण स्टाफ की नियुक्तियों के लिए चयन समितियों की कई बैठकें आयोजित हुईं। इस अवधि के दौरान विभिन्न कैडरों में 41 शिक्षण स्टाफ और 43 गैर–शिक्षण स्टाफ सदस्यों की नियुक्तियाँ की गईं।

31 शिक्षकों को आवधिक/असाधारण अवकाश/अध्ययन अवकाश मंजूर किए गए या उनके अवकाश में वृद्धि की गई। उन्होंने अपना शोध कार्य पूरा करने/अन्य संस्थानों में नियुक्तियाँ/अध्येतावृत्तियाँ प्राप्त करने आदि के लिए अवकाश लिया था। इस अवधि के दौरान, कुल 12 शिक्षक और 76 गैर–शैक्षणिक स्टाफ सदस्य विश्वविद्यालय की सेवा से सेवानिवृत्त हुए/त्यागपत्र दिया।

सम्पदा शाखा

वर्ष 2012–2013 के दौरान परिसर विकास समिति की 2 बैठकें हुईं। ये बैठकें 14 मई, 2012 और 29 नवम्बर 2012 को हुईं। इन बैठकों में 2 मदर डेरी मिनी मिल्क बूथ – एक पश्चिमाबाद में और दूसरा पूर्वांचल कॉम्पलेक्स में आबंटित किए गए।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान मकान आबंटन समिति की 4 बैठकें हुईं – ये बैठकें 10 मई 2012, 25 जुलाई, 2012, 10 जनवरी, 2013 और 18 मार्च 2013 को हुईं और वर्ष 2012 की प्राथमिकता सूची के अनुसार उन्हें मकान आबंटित किए गए। इनके अतिरिक्त 112 टाइप–4 (मल्टीस्टोरी) मकान शैक्षिक और गैर–शैक्षिक स्टाफ सदस्यों को आबंटित किए गए।

जन–सम्पर्क कार्यालय

विश्वविद्यालय के जन–सम्पर्क कार्यालय ने विभिन्न गतिविधियों से संबंधित अनेक प्रेस विज्ञप्तियाँ जारी कीं। समाचारों में जेएनयू से संबंधित प्रकाशित रिपोर्ट और शिकायतों से संबंधित प्रेस कतरने प्रशासन की जानकारी हेतु भेजीं तथा आवश्यकतानुसार उचित स्पष्टीकरण/उत्तर–प्रत्युत्तर जारी किए। जन–सम्पर्क कार्यालय ने जन–साधारण को शैक्षिक तथा प्रशासनिक मामलों से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराई तथा विश्वविद्यालय में आए महत्त्वपूर्ण अतिथियों तथा शिष्ट मण्डलों का स्वागत किया। विश्वविद्यालय की कार्य प्रणाली से संबंधित विभिन्न प्रकार की जानकारी के लिए लिखित रूप से पूछताछ करने वालों को भी उत्तर भेजे।

जन–सम्पर्क अधिकारी ने विश्वविद्यालय की द्विमासिक पत्रिका 'जेएनयू न्यूज' का प्रकाशन भी जारी रखा। इन्होंने इसका सम्पादन और प्रकाशन विश्वविद्यालय की ओर से किया। यह पत्रिका सूचनाओं की कमी को पूरा करती है तथा विश्वविद्यालय के विभिन्न घटकों एवं शेष शैक्षिक विश्व समुदाय के मध्य सीधा संवाद स्थापित करती है। जन–सम्पर्क अधिकारी कार्यालय द्वारा विश्वविद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट को भी हिन्दी और अंग्रेजी में तैयार करके प्रकाशित किया गया।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान जन–सम्पर्क अधिकारी कार्यालय ने सेवानिवृत्त हुए कर्मचारियों के लिए अभिनंदन समारोह आयोजित करने और विश्वविद्यालय के वार्षिक दिवस पर व्याख्यान आयोजित करने में विश्वविद्यालय की सहायता की।

अतिथि गृह

जेएनयू के तीन अतिथि गृहों – गोमती, अरावली और अरावली इंटरनेशनल में समीक्षाधीन वर्ष के दौरान 4229 से अधिक अतिथियों को कमरे उपलब्ध कराए गए। इन अतिथियों में शोध सामग्री या अन्य शैक्षिक उद्देश्यों के लिए देश–विदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों/शिक्षा संस्थानों से दिल्ली आए शिक्षक तथा शोध छात्र शामिल हैं। विश्वविद्यालय के सरकारी अतिथियों, शिक्षकों तथा स्टाफ के अतिथियों, छात्रों के माता–पिताओं और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अतिथियों को भी अल्पकालिक अवधि के लिए आवासीय सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं।

हिंदी एकक

समीक्षाधीन अवधि के दौरान हिंदी एकक ने विश्वविद्यालय में कार्यरत लिपिक वर्गीय कर्मचारियों की विभिन्न श्रेणियों के लिए 5–दिवसीय कार्यशाला और हिंदी टिप्पण तथा मसौदा लेखन का प्रशिक्षण दिया। कार्यशाला 03 से 07 सितम्बर, 2012 तक केन्द्रीय हिंदी संस्थान, नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित की गई। इसी प्रकार की कार्यशाला अधिकारियों के लिए भी आयोजित की गई ताकि वे अपने अधीनस्थ स्टाफ सदस्यों को हिंदी में कार्य करने के लिए प्रेरित और मार्गदर्शित कर सकें। हिंदी एकक ने 17 सितम्बर, 2012 को हिंदी दिवस समारोह का आयोजन किया। ।

इसके अतिरिक्त, हिंदी एकक ने 28 जून, 2012 को स्टाफ सदस्यों के लिए और 22 मार्च, 2013 को अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यशाला भी आयोजित की ताकि स्टाफ सदस्यों और अधिकारियों की यथासंभव हिंदी में कार्य करने की झिझक को दूर किया जा सके। उन्हें भारत सरकार की राजभाषा नीति से संबंधित महत्वपूर्ण निर्देशों की भी जानकारी दी गई।

विश्वविद्यालय में दूसरी बार 10 जनवरी, 2013 को अंतरराष्ट्रीय हिंदी दिवस आयोजित किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सुधीर के. सोपोरी ने हिंदी पत्रिका **'जेएनयू परिसर'** के प्रथम अंक का विमोचन किया।

हिंदी एकक ने समीक्षाधीन अवधि के दौरान वार्षिक रिपोर्ट, वार्षिक लेखे, लेखा–परीक्षा रिपोर्ट, प्रवेश सूचनाओं, भर्ती के लिए विज्ञापनों, अधिसूचनाओं/परिपत्रों, प्रेस विज्ञप्तियों आदि से संबंधित अनुवाद का कार्य भी किया।

मुख्य कुलानुशासक कार्यालय

विश्वविद्यालय में मुख्य कुलानुशासक कार्यालय की स्थापना वर्ष 1986 में हुई थी। इस समय एक मुख्य कुलानुशासक और दो कुलानुशासक (इनमें से एक महिला कुलानुशासक है) हैं। मुख्य कुलानुशासक का कार्यालय विश्वविद्यालय के छात्रों में अनुशासन बनाए रखने के लिए उत्तरदायी है। यह कार्यालय परिसर में शांति और सौहार्द बनाए रखने का कार्य करता है तथा यह दण्डात्मक उपायों की बजाय सुधारात्मक उपायों में अधिक विश्वास रखता है। फिर भी, अनुशासनात्मक नियमों का उल्लंघन करने वाले छात्रों के विरुद्ध उचित अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाती है।

विधि प्रकोष्ठ

समीक्षाधीन अवधि के दौरान विधि प्रकोष्ठ ने न्यायालयों से संबंधित मामलों की निगरानी, विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों को सहायता/विधिक सलाह से संबंधित कार्य भी किए।

विधि प्रकोष्ठ न्यायालय से संबंधित मामलों में सुझाव और अनुपालन के लिए सतत निगरानी रखती है तथा विश्वविद्यालय द्वारा पेनल में रखे गए स्थायी विधिक सलाहकार/सलाहकारों और संबंधित कार्यालयों के साथ सम्पर्क रखती है।

सुरक्षा कार्यालय

समीक्षाधीन अवधि के दौरान सुरक्षा शाखा द्वारा जेएनयू में सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ करने हेतु निम्नलिखित महत्त्वपूर्ण कदम उठाए गए:

1. परिसर में विभिन्न जगहों पर 32 बार लगी आग पर सफलतापूर्वक नियंत्रण किया गया तथा उसे बुझाया।

2. रूसी रेलवे मंत्री व्लादीमीर याकुनिन के जेएनयू दौरे के समय सफल सुरक्षा इंतजाम।
3. सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार, श्री मुकुल वासनिक के जेएनयू दौरे के समय सफल सुरक्षा इंतजाम।
4. डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के जेएनयू दौरे के समय सफल सुरक्षा इंतजाम।
5. भारत के उप राष्ट्रपति महामहिम मो. हामिद अंसारी के जेएनयू दौरे के समय सफल सुरक्षा इंतजाम।
6. सुरक्षा विभाग द्वारा विश्वविद्यालय परिसर में रोड संरक्षा सप्ताह सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।
7. जीवन विज्ञान संस्थान के छात्रों/कर्मचारियों के लिए आग और खुदाई का प्रशिक्षण सफलतापूर्वक आयोजित किया
8. विश्वविद्यालय के प्रशासनिक ब्लाक और परिसर के सभी प्रवेश द्वारा पर सीसीटीवी सिस्टम सफलतापूर्वक लगाए गए।

परिसर विकास

ज.ने.वि. में इंजीनियरी विभाग अपनी स्थापना से ही ज.ने.वि. प्रशासन का अभिन्न भाग रहा है। यह अधीक्षक इंजीनियर (सि.) के अधीन पूर्ण विभाग है। इसमें टेलीफोन प्रकोष्ठ के अतिरिक्त सिविल, विद्युत और उद्यान प्रभाग हैं। इंजीनियरी विभाग द्वारा योजना, प्राक्कलन और नए भवन बनाने, नई ढांचागत सुविधाओं का निर्माण करने और विद्यमान सुविधाओं में सुधार और संवर्धन करने, बड़े और छोटे मरम्मत कार्य, आवश्यक सेवाएं बनाए रखने और परिसर में दिन–प्रतिदिन के अनुरक्षण संबंधी कार्य किए जाते हैं।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान निम्नलिखित मुख्य कार्य किए गए :

- नए भवनों का निर्माण : 1) प्राणी गृह, 2) 11वीं योजना के तहत विशिष्ट आणविक चिकित्सा केन्द्र, 3) 112 बहुमंजिले मकान।
- निम्नलिखित के लिए एनेक्सी भवनों का निर्माण : 1) सामाजिक विज्ञान संस्थान, 2) अंतरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान, 3) भाषा, साहित्य और संस्कृति अध्ययन संस्थान, 4) संगणकीय एवं समेकित विज्ञान संस्थान, 5) स्टाफ सदस्यों के लिए टाइप–III मकान, 6) जेएनयू परिसर चार दीवारी का मरम्मत कार्य, 7) शारीरिक रूप से विकलांग लोगों के लिए अवरोध मुक्त पर्यावरण का सृजन, 8) कला और सौन्दर्यशास्त्र संस्थान की शोध प्रयोगशाला/कक्षों के नवीकरण का कार्य चल रहा है।
- अतिरिक्त विद्युत लोड की मंजूरी के साथ गोमती अतिथि गृह का उपयोग पूर्ण रूप से शुरू हो गया है।
- आवासीय मकानों और छात्रावासों का नवीकरण/मरम्मत कार्य किया गया।
- नए विशिष्ट आणविक चिकित्साशास्त्र केन्द्र के लिए 3×160 टीआर क्षमता का पूर्ण वातानुकूलित प्लांट शुरू हो गया है।
- चन्द्रभागा छात्रावास के पास पंप हाउस के साथ 10 लाख लीटर क्षमता की भूमिगत हौदी और इससे जुड़ने वाली पाइपलाइन तथा 300 केएलडी क्षमता का सिवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) का निर्माण कार्य पूरा किया गया।
- नए शैक्षिक भवनों के लिए 2 × 1000 केवीए ट्रांसफॉर्मर के साथ नए सबस्टेशन भवन का उपयोग शुरू हो गया है।
- नए प्राणी गृह भवन के लिए 2 × 100 टीआर क्षमता वाले पूर्ण वातानुकूलित प्लांट का उपयोग शुरू हो गया है।
- मार्च, 2013 में पूसा उद्यान प्रदर्शनी में उद्यान शाखा द्वारा पुरस्कार प्राप्त किए गएं।

विश्वविद्यालय वित्त

वर्ष 2012–2013 के लिए जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के वार्षिक लेखाओं का सार

31 मार्च, 2013 के अनुसार तुलन–पत्र

देयताएं	राशि रुपयों में
कार्पस निधि	2,203.28
उदि्दष्ट/वृत्तिदान निधि	8,977.33
चालू देयताएं और प्रावधान	76,201.87
योग	**87,382.48**
परिसम्पत्तियाँ	
स्थायी परिसम्पत्तियाँ (नेट ब्लॉक)	32,071.09
निवेश – उदि्दष्ट/वृत्तिदान निधियाँ	7,555.26
चालू परिसम्पत्तियाँ, ऋण और अग्रिम	27,358.24
पेटेंट और कॉपीराइट	40.64
पूँजीगत निधि	20,357.25
योग	**87,382,48**

31 मार्च, 2013 के अनुसार आय एवं व्यय लेखा

राशि रुपयों में

क.	आय	योजनागत	योजनेत्तर	योग
	सहायता अनुदान/आर्थिक सहायता	3,321.97	19,516.31	22,838.28
	शैक्षिक प्राप्तियाँ	47.43	605.32	652.75
	निवेश से आय	361.81	69.44	431.25
	रायल्टी, प्रकाशनों से आय	0.00	8.58	8.58
	अर्जित ब्याज	308.61	127.04	435.65
	अन्य आय	4.64	760.35	764.99
	पूर्व अवधि की आय	3.99	5.66	9.65
	योग (क)	**4,048.45**	**21.092.70**	**25,141.15**
ख.	**व्यय**	**योजनागत**	**योजनेत्तर**	**योग**
	स्थापना व्यय	258.66	24,323.02	24,581.68
	शैक्षिक व्यय	2,275.77	1,016.83	3,292.60
	प्रशासनिक व्यय	471.46	3,771.57	4,243.03
	मरम्मत और अनुरक्षण	244.21	301.99	546.20
	मूल्यह्रास	–	1,689.68	1,689.68
	पूर्व अवधि के व्यय	71.88	415.01	486.89
	योग (ख)	**3,321.98**	**31,518.10**	**34,840.08**
	शेष – अधिशेष/कम होने पर पूँजीगत खाते में अग्रेषित (क–ख)			**–9,698.93**

*विश्वविद्यालय के वार्षिक लेखे लेखांकन के प्रोदभूत आधार पर किए जाते हैं।

योजनेतर (अनुरक्षण) अनुदान

नकद आधार रुपये लाखों में

क्र.सं.	शीर्ष	संशोधित आकलन 2012–2013	प्राप्त अनुदान 2012–2013	2012–2013 तक खर्च
1.	वेतन	11,500.00	11,500.00	11,475.89
2.	पेंशन	2,314.59	2,314.59	2,150.38
3.	सेवा निवृत्ति – अन्य घटक	3,301.76	3,301.76	3,005.66
4.	गैर वेतन मदें	2,427.17	2,427.17	3,160.42
5.	संपत्ति कर	580.08	580.08	1,017.33
6.	**योग**	**20,123.60**	**20,123.60**	**20,809.68**

* अधिक व्यय आंतरिक प्राप्तियों से किया गया।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग – XIIवीं योजनागत अनुदान (अनंतिम विनिधान)

रुपये लाखों में

क्र. सं.	शीर्ष	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग विनिधान 2012–2017	प्राप्त अनुदान 2012–2013 तक	2012–2013 तक किए गए खर्च	उपयोग की प्रतिशतता
	ब्लाक ग्रान्ट – xiiवीं योजना	20,400.00	2,100.00	1,652.98	79%
	योग	**20,400.00**	**2,100.00**	**1,652.98**	**79%**

*XIIवीं योजनागत अवधि के लिए ब्लाक अनुदान के अनंतिम विनिधान में विकास, नान–नेट फेलोशिप और मर्ज्ड योजनाओं के लिए अनुदान शामिल हैं।